वार्षिक प्रतिवेदन
2023-24

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित

नई दिल्ली

वार्षिक प्रतिवेदन

2023-24

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

प्रकाशकः

कुलसचिव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित)

56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,

नई दिल्ली-110058

ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995

ई मेल : registrar@csu.co.in

वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

संयोजकः

प्रो. सुज्ञान कुमार माहान्ति

संयुक्त निदेशक (विश्वविद्यालय प्रकाशन)

डा. छोटी बाई मीणा

सहायक निदेशक (प्रकाशन एवं विक्रय)

विषय-सूची

		पृष्ठ
1.	पर्यावलोकन	12-15
2.	प्राधिकरण एवं संरचना	16-26
3.	छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े	26-28
4.	2023-24 के दौरान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के क्रियाकलाप	
4.1	**मुख्यालय के क्रियाकलाप**	**29-67**
4.1.1	प्रशासन अनुभाग	31
4.1.2	वित्त एवं लेखा अनुभाग	32
4.1.3	शैक्षणिक अनुभाग	33
4.1.4	प्रकाशन एवं कार्यक्रम अनुभाग	35
4.1.5	परीक्षा अनुभाग	36
4.1.6	पुस्तकालय	43
4.1.7	विक्रय इकाई	44
4.1.8	योजना अनुभाग	44
4.1.9	छात्रवृत्ति अनुभाग	49
4.1.10	अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा	55
4.1.11	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोधसंस्थान	57
4.1.12	परियोजनाएँ	60
4.1.13	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	62
4.1.14	पत्राचार पाठ्यक्रम अनुभाग	66
4.1.15	मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान)	66
4.2	**परिसरों के क्रियाकलाप**	**69-185**
4.2.1	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)	71
4.2.2	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)	91
4.2.3	श्री रणबीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)	99
4.2.4	गुरुवायूर परिसर, त्रिश्शूर (केरल)	106
4.2.5	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	113

4.2.6	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	121
4.2.7	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी (कर्णाटक)	127
4.2.8	वेदव्यास परिसर, बलाहर (हिमाचल प्रदेश)	135
4.2.9	भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	150
4.2.10	के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)	155
4.2.11	एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)	162
4.2.12	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड)	177
5. वर्ष 2022-23 की प्रमुख गतिविधियाँ		**187-194**
5.1	संस्कृत दिवस उत्सव	189
5.2	प्रथम दीक्षान्त समारोह	190
5.3	61वाँ अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा	191
5.4	अखिल भारतीय रूपक महोत्सव	192
5.5	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस	193
5.6	स्थापना दिवस	194
6. संलग्नक		**195-251**
क.	कार्य परिषद् के सदस्यों की सूची	197
ख.	विद्वत् परिषद् के सदस्यों की सूची	200
ग.	वित्त समिति के सदस्यों की सूची	204
घ.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों का परिसर-वार विवरण	206
ङ.	विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण	225
च.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थाएँ	231
छ.	परीक्षाओं को मान्यता देने वाली राज्य सरकार	236
ज.	परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय	239
झ.	पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदानग्राही संस्थाओं का राज्यवार विवरण	245
ञ.	प्रकाशन अनुदान हेतु स्वीकृत प्रस्तावों का विवरण	246
ट.	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का राज्यवार विवरण	249
7.	**केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का 2023-24 का वार्षिक लेखा**	**253-319**
क.	वर्ष 2023-24 के लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा	255
ख.	'महानिदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय व्यय' के द्वारा प्रदत्त 2023-24 वर्ष की प्रतिवेदन	316

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

महामहिम राष्ट्रपति

परिदर्शक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

श्री धर्मेन्द्र प्रधान

माननीय शिक्षा मन्त्री, भारत सरकार

कुलाधिपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्रो. श्रीनिवास वरखेडी

कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

कुलपति संदेश

मुझे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 के लिए वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का गौरव प्राप्त हुआ है, जिसमें हमारी उपलब्धियों, नवाचारों और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया है। 1970 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के रूप में स्थापित, यह संस्थान संस्कृत शिक्षा और सांस्कृतिक संरक्षण को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से केन्द्रीय योजनाओं के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में विकसित हुआ।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (पूर्वनाम - राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) की विकास यात्रा:

- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान देश भर में और विदेशों में संस्कृत के विकास और प्रचार-प्रसार के लिए सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के तहत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में 15 अक्टूबर, 1970 को स्थापित हुआ।
- इसे 7 मई, 2002 को मानित विश्वविद्यालय की मान्यता प्राप्त हुई।
- 30 अप्रैल 2020 को भारत के महामहिम राष्ट्रपति के अनुमोदन के उपरान्त भारत सरकार के केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 के तहत इसे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में परिवर्तित कर दिया गया।

केन्द्रीय संस्कृत **विश्वविद्यालय**, दिल्ली अपने स्तर का एक अद्वितीय संस्थान है जिसके 13 परिसर पूरे भारत के विभिन्न राज्यों में फैले हुए हैं। यह संस्कृत शिक्षा और अनुसंधान के प्रचार और प्रसार के लिए केन्द्रीय योजना के तहत भारत के महत्त्वपूर्ण स्थानों पर स्थित 26 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों के प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन भी करता है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय संस्कृत शिक्षा के केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो अनेक अन्य संस्थानों को भी संबद्धता प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "आत्मनिर्भर भारत" के आह्वान ने पूरे देश में एक आंदोलन को जन्म दिया है, जिसमें हर नागरिक और संस्था इस देशभक्ति परक अभियान का अत्यन्त उत्सुकता से स्वागत कर रही है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को इस पहल का हिस्सा बनने पर गर्व है, जो राष्ट्र के पुनर्निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी के दूरदर्शी लक्ष्यों के अनुरूप, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय संस्कृत शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। हम भारतीय ज्ञान प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए भारत को एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने हेतु सतत प्रयासरत हैं। विशेष रूप से, हमारे विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 को सफलतापूर्वक लागू किया है, जिसमें एनईपी के दिशानिर्देशों के अनुरूप एक नूतन पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। यह अग्रणी प्रयास हमें अनेक महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सक्षम बनाता है, जिन्में से प्रमुख इस प्रकार है:

1. आन्तर्विषयक शिक्षा को बढ़ावा देना
2. भारतीय ज्ञान को आधुनिक विषयों के साथ जोडना
3. आलोचनात्मक चिन्तन और नवाचार को बढ़ावा देना
4. समग्र विकास को प्रोत्साहित करना।

नई शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 के रूपान्तरणकारी दृष्टिकोण को अपनाकर हम निम्नलिखित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु अग्रेसर हैं:

1. संस्कृत को एक व्यावहारिक एवं जीवन्त भाषा के रूप में पुनर्जीवित करना।
2. भारत की समृद्ध बौद्धिक विरासत को प्रदर्शित करना।
3. ज्ञान और कौशल के साथ भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाना।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) के द्वारा निर्देशित अधोलिखित पहल शुरू की है :

1. पारदर्शिता और दक्षता के लिए व्यापक सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) का प्रयोग।
2. निर्णय लेने में गति लाने के लिए शक्तियों का विकेंद्रीकरण।

इन प्रगतियों ने हमारे प्रशासनिक और नेतृत्व कुशलता को बढ़ाया है, जो उल्लेखनीय अभिवृद्धि के लिए तैयार है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय आदर्श एवं अनुकरणीय संस्कृत शिक्षा प्रदान करने, नवीन शोध और शिक्षण को बढ़ावा देने के अपने संकल्प में दृढ़ है। यह प्रयास महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्देश्यों की प्राप्ति का समर्थन करता है। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए, विश्वविद्यालय ने एक महत्त्वपूर्ण प्रयास किया है, जैसे, शास्त्रीय ग्रंथों की सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करना, भारतीय ज्ञान प्रणाली से जुडे नवीन साहित्य का सर्जन करना, भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनकी पहुँच और अखंडता सुनिश्चित करना। हमारी प्रमुख पहलों में शामिल हैं:

1. दुर्लभ संस्कृत पांडुलिपियों का, संशोधन, सम्पादन, अनुवाद, प्रकाशन एवं डिजिटलीकरण।
2. भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित प्राचीन एवं नवीन साहित्य प्रकाशित करना।
3. उन्नत भाषा उपकरणों का विकास।
4. एक व्यापक ऑनलाइन भंडारगृह का निर्माण।

इन प्रयासों के माध्यम से, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय:

1. संस्कृत के क्षेत्र में विद्वत्ता को आगे बढ़ाता है।
2. राष्ट्रीय विकास में योगदान देता है।
3. भारत की सांस्कृतिक धरोहर की स्थायी विरासत को सुनिश्चित करता है।

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए, यह अखिल भारतीय युवा महोत्सव, संस्कृत सप्ताह महोत्सव, संस्कृत नाट्य महोत्सव और प्रशासन के द्वारा निर्देशित अन्य कार्यक्रम जैसे योग दिवस, शिक्षक दिवस, शिक्षा दिवस, हिंदी पखवाड़ा, स्वच्छता सप्ताह, एकता दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह आदि जैसे विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। नई शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 के अनुसार, हमने समग्र शिक्षा और रोजगारपरकता पर नीति को दृढता के साथ लागू करते हुए कई कौशल-आधारित अल्पकालिक व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के विकास की पहल भी की है। अत्यन्त जागरुकता के साथ तैयार किया गया हमारा पाठ्यक्रम एक उत्साहवर्धक वातावरण को बढ़ावा देता है, जो छात्रों में जिज्ञासा की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करता है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय हमारे माननीय प्रधान मंत्री और शिक्षा मंत्री के दूरदर्शी लक्ष्यों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस हेतु हमारा प्रयास निम्न प्रकार से हैं:

1. समग्र शिक्षा के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाना।
2. भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाना।
3. नवाचार और समालोचनात्मक चिन्तन को बढ़ावा देना।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की कुछ महत्त्वपूर्ण उपलब्धिओं को मैं यहां रेखांकित करना आवश्यक समझता हूं, जो कि इस प्रकार हैं –

1. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा A++ की मान्यता दी गई है।
2. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के द्वारा अ-श्रेणी (A grade) के सूचीबद्ध विश्वविद्यालय के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली को शामिल किया गया है।
3. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मुक्त स्वाध्याय पीठ के द्वारा संचालित विभिन्न दूरस्थ शिक्षण पाठ्यक्रम में कुल 26 देशों के 9000 से अधिक अध्येताओं का नामांकन हुआ है।
4. भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के 2 नये परिसर, श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग, उत्तराखंड एवं एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा का उद्घाटन किया गया है।
5. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा नई शिक्षा नीति – 2020 के दिशानिर्देशों के अनुपालन में बहुविषयक अध्ययन एवं अनुसन्धान को बढावा देते हुए भारतीय विधि शास्त्र में (LLB), योगविज्ञान, ज्योतिष, आयुर्वेद, पौरोहित्य, कर्मकाण्ड, सङ्गीत, नाट्य एवं भारतीय ज्ञान परम्परा आदि अनेक नये विषयों को पाठ्यक्रम में जोडा गया एवं स्वतन्त्र रूप में बहुविषयक-विज्ञान-प्रौद्योगिकी विद्यास्थान जैसे नये अध्ययन केन्द्र खोले गये।
6. विश्वविद्यालय के प्रकाशन विभाग को एक स्वतन्त्र केन्द्र के रूप में विकसित करने हेतु आधारभूत संरचना के विकास के साथ साथ उपोद्घात ग्रन्थमाला, संक्षिप्त ग्रन्थहार जैसे नई प्रकाशन-श्रृंखलाओं को भी शामिल किया गया।
7. कौशल विकास परक एवं MOOCS के अन्तर्गत अनेक ऑनलाइन शिक्षण पाठ्यक्रमों का संचालन के साथ Sanskrit Olympiad, Geeta Olympiad, Cultural Olympiad जैसे अनेक अभिनव गतिविधियों का भी प्रारम्भ किया गया है।
8. अपने परिसरों के विकास के क्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने महाराष्ट्र के नासिक में एक नये परिसर की स्थापना की है।
9. श्री सदाशिव परिसर, पुरी, ओडिशा की आधारभूत संरचना के विकास के लिये 100 करोड रुपयों का स्वतन्त्र / अतिरिक्त अनुदान।
10. आयुर्वेद गुरुकुल जैसे नये केन्द्रों की स्थापना के साथ नाट्यशास्त्र अनुसान्धान केन्द्र, मुक्तस्वाध्यायपीठ आदि केन्द्रों का विकास किया गया।

अंत में, मैं इस वार्षिक प्रतिवेदन-2023-24 को अत्यंत प्रामाणिकता, विश्वसनीयता और संक्षिप्तता के साथ संकलित करने में अपने सहयोगियों के अथक प्रयासों के लिए उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। अपनी उपलब्धियों पर विचार करते हुए, मैं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता की अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुँचने की कामना करता हूँ। अटूट प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों के साथ, एक उज्ज्वल भविष्य इस प्रतिष्ठित संस्थान की प्रतीक्षा कर रहा है। हम विद्वानों, नवोन्मेषकों और अग्रणी नेताओं के मार्गदर्शन के अनुसरण करते हुए उच्चतम मानकों के लिए प्रयास करने हेतु सतत प्रयत्नशील हैं।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नवोत्कर्ष के साथ अभूतपूर्व उन्नति की पराकाष्ठा को प्राप्त करे इसी आशा और गौरव के साथ, मैं वार्षिक प्रतिवेदन-2023-2024 को प्रस्तुत करता हूँ।

प्रो. श्रीनिवास वरखेडी

कुलपति

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

1. पर्यावलोकन

1.1 संस्था

संस्कृत आयोग सन् 1956 की परामर्श के अनुसार भारत सरकार द्वारा वर्ष 1970 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की संस्थापना की गई। इसका मुख्य उद्देश्य पूरे देश में संस्कृत शिक्षा, शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देना, प्रचार करना और संरक्षित करना है। यह पूरी तरह से अब शिक्षा मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया था। पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के प्रचार और प्रसार के क्षेत्र में इसके योगदान को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को 7 मई, 2002 को मानित विश्वविद्यालय के रूप में परिणत किया गया। तत्कालीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) को केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2020 (2020 की संख्या 5) के अन्तर्गत संसद द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के रूप में मान्यता दी गयी है। यह विश्वविद्यालय भारत के महामहिम राष्ट्रपति के अनुमोदन के उपरान्त 30 अप्रैल, 2020 से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के रूप में कार्य आरम्भ किया जिसके अन्तर्गत नई दिल्ली में अपने मुख्यालय के साथ देश के विभिन्न राज्यों में बारह परिसरों का सञ्चालन की जा रही है। इन परिसरों के अतिरिक्त केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित संस्थानों को संबद्धता प्रदान कर रही है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में भी केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय कार्य कर रहा है। संस्कृत भाषा के समग्र प्रचार तथा संस्कृत शिक्षा के विकास के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित निम्नलिखित केन्द्रीय योजनाओं को कार्यान्वयन के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को दायित्व सौंपा गया है।

1. प्रमाणपत्र सहित राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत, पालि. प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय तमिल, शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय मलयालम भाषाओं के विद्वानों को महर्षि बादरायण व्यास सम्मान।
2. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/आदर्श शोध संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता योजना।
3. स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता।
4. पालि प्राकृत योजना।
5. संस्कृत के प्रचार प्रसार के लिए विभिन्न शोध परियोजनाओं/कार्यक्रमों/गतिविधियों के लिए गैर सरकारी संगठनों/मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.सी./ एन.सी.आर.टी./एस.सी.आर.टी. को वित्तीय सहायता।
6. दुर्लभ पुस्तकों के प्रकाशन/पुनर्मुद्रण और पुस्तकों की थोक क्रय के लिए वित्तीय सहायता।
7. पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थानों के छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए पंजीकृत शैक्षणिक संगठनों को वित्तीय सहायता।
8. संस्कृत शिक्षा विकास योजना के अन्तर्गत संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/ माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/महाविद्यालयों/ विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु वित्तीय सहायता।
9. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा।
10. सेवानिवृत्त/प्रतिष्ठित संस्कृत विद्वानों (शास्त्र चूड़ामणि) की सेवाओं के उपयोग के लिए वित्तीय सहायता।
11. असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि के रूप में वित्तीय सहायता।
12. संस्कृत डिक्शनरी प्रोजेक्ट डेक्कन कॉलेज, पुणे।
13. अष्टादशी परियोजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता (संस्कृत के विकास को बनाए रखने के लिए 18 परियोजनाएँ)।

इन योजनाओं के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा पूरे देश में संस्कृत के प्रचार और विकास में लगे संस्थानों/संगठनों/विद्वानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. उच्च शिक्षा प्रदान करना, ताकि विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग की रिपोर्ट (1948 ई.) और भारत में उच्चतर शिक्षा के नवीकरण एवं पुनरुद्धार (2009 ई.) और मानित विश्वविद्यालयों के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009 ई.) के द्वारा विश्वविद्यालय के संदर्भ से पूर्णतया सहमत स्नातकोत्तर और अनुसंधान उपाधि स्तरों पर उचित मानी जाने वाली ज्ञान की ऐसी शाखाओं में उत्कृष्टता और नवाचार का प्रावधान करना।

ii. परम्परागत संस्थाओं द्वारा प्रदान किए जाने वाले कला, विज्ञान, आभियान्त्रिकी, चिकित्सा, डेंटल, फार्मेसी, प्रबंध आदि विषयों में परम्परागत उपाधियों तक पहुँचने के लिए सामान्य स्वरूप के कार्यक्रमों से शैक्षणिक विनियोजन को अलग करने वाले विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के लक्ष्यों में महत्त्वपूर्ण भागीदारी करने के लिए योग्यता वाले विशिष्ट क्षेत्रों में सहभागिता।

iii. विभिन्न विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय/ अनुसंधान शिक्षाविदों (पीएच.डी. और पोस्ट डॉक्टोरल) द्वारा विभिन्न आन्तरिक अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्तापरक शिक्षण और अनुसंधान हेतु तथा ज्ञान की प्रगति और उसके वितरण हेतु प्रावधान करना।

iv. अकादमिक समुदाय के विशिष्ट व्यक्तियों के साथ विचार विमर्श की प्रक्रिया से विनिर्दिष्ट हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अथवा देश की प्रमुख आवश्यकताओं के लिए महत्त्वपूर्ण समझे जाने पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा अध्ययन और अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रायोजित - नवीन वर्ग के अंतर्गत ऐसे विशेष और उभरते क्षेत्रों में जिन्हें परम्परागत अथवा वर्तमान संस्थाओं द्वारा कार्य में नहीं लाया जा रहा है उसके अंतर्गत मानित विश्वविद्यालय संस्थाओं के सृजन में सहायता करना।

v. संस्कृत अध्ययन की सभी शाखाओं में शोधकार्य करवाना, उस हेतु सहायता प्रदान करना, प्रोत्साहन और संयोजन करना जिसमें शिक्षक-प्रशिक्षण तथा पाण्डुलिपि विज्ञान आदि सन्दर्भगत सम्बद्ध क्षेत्रों में उन आधुनिकतम शोध कार्यों के परिणामों को अन्तः सम्बन्धित करने के साथ पुस्तकों का प्रकाशन भी सम्मिलित है।

vi. संस्कृत के विकास के लिए भारत सरकार के केन्द्रीय अभिकरण के रूप में कार्य कर सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और विभिन्न योजनाओं को लागू करना।

vii. ज्ञान की उन शाखाओं में अनुदेश और प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना, जिन्हें विश्वविद्यालय उचित मानता हो।

viii. विद्या के प्रचार, प्रसार और अभिवृद्धि के लिए शोध का प्रावधान करना।

ix. समाज के विकास में योगदान करने के लिए बहिर्विश्वविद्यालयीय अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम एवं विभिन्न क्षेत्रीय गतिविधियों को आयोजित करना।

x. विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की पूर्ति और विकास के लिए आवश्यक या अपेक्षित विभिन्न प्रकार के ऐसे अन्य सभी कार्यक्रमों को आयोजित करना।

1.3 कार्यक्रम एवं क्रियाकलाप

विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।

- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डॉक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का सञ्चालन करना।
- स्नातक स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण शिक्षाशास्त्र (बी. एड.) का सञ्चालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोधकार्य का सञ्चालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षायें उत्तीर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/ प्रमाण-पत्र देना।
- विजिटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।
- दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का सञ्चालन।
- संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु शिक्षा मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

विश्वविद्यालय के अपने बारह परिसरों में विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का सञ्चालन किया जाता है तथा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण तथा क्रमशः प्रमाणपत्र/उपाधि दी जाती है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं।

1.5 शिक्षक प्रशिक्षण

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का सञ्चालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम.एड. के समकक्ष शिक्षा-आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का भी सञ्चालन जयपुर तथा भोपाल परिसरों में किया जाता है।

1.6 शोध

विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पीएच्.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

यद्यपि संस्कृत की चयनित शाखाओं में गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज विशेष रूप से अनुसन्धान गतिविधियों को समर्पित हैं। परिसरों के पुस्तकालय देश के सबसे समृद्ध पुस्तकालयों में से है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में 57,957 से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ संरक्षित हैं।

1.7 प्रकाशन

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा उसके मुख्यालय के प्रकाशन विभाग से एवं इसके विभिन्न परिसरों से लगभग चालीस शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन हो रहा है जिसमें से प्रमुख-

1. 'संस्कृत विमर्शः' – मुख्यालय के प्रकाशन विभाग से प्रकाशित षाण्मासिक शोध पत्रिका, जो कि यूजीसी केयर सूची में संग्रहीत है।

2. **'जर्नल ऑफ गंगानाथ झा कैम्पस** – गंगानाथ झा परिसर से प्रकाशित शोध पत्रिका प्रयागराज शोध पत्रिका' नामक अनेक शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। यह भी यूजीसी केयर सूची में संग्रहीत है।

3. **'शिक्षामृतम्'** – श्री रणबीर परिसर, जम्मू से प्रकाशित शोध पत्रिका है, जो कि यूजीसी केयर सूची में संग्रहीत है।

4. **'गोमती'** – लखनऊ परिसर, लखनऊ से प्रकाशित वार्षिक शोध पत्रिका है जो कि यूजीसी केयर सूची में संग्रहीत है।

पहली पत्रिका मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है। दूसरी गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएँ भी प्रकाशित की जाती हैं। सभी परिसरों ने अपनी वार्षिक पत्रिका का उन्नयन कर उसे शोध पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एवं परिसरों द्वारा विद्वत्तापूर्ण प्रकाशनों, मूल पाठों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन किया गया है। प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 700 से अधिक दुर्लभ एवं अनुपलब्ध पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

'संस्कृत वार्ता' त्रैमासिक समाचार पत्रिका का नियमित रूप से प्रकाशन मुख्यालय से किया जाता है।

1.8 राजभाषा प्रभात

मंत्रालय द्वारा केन्द्र सरकार के कार्यालयों में हिन्दी भाषा के प्रचार एवं प्रसार हेतु "राजभाषा प्रभात" नामक कार्यक्रम सफलता पूर्वक संचालित किया जाता रहा है। इस क्रम में विश्वविद्यालय के द्वारा पर्याप्त संख्या में हिन्दी के माध्यम से कार्यालयीय कार्य एवं विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त हिन्दी में किए जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन मंत्रालय को प्रति तीन माह में भेजा जाता है।

2. प्राधिकारी एवं संरचना

2.1 भारत के **महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु** केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्ष (Visitor) हैं। शिक्षा मंत्री, भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। प्रतिवेदन वर्ष 2023-24 के दौरान **श्री धर्मेन्द्र प्रधान**, माननीय मंत्री, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रहे हैं। कुलपति विश्वविद्यालय के प्रधान शैक्षणिक एवं प्रशासनिक अधिकारी और विश्वविद्यालय की सभी सांविधिक निकायों के पदेन अध्यक्ष होते है। वे विश्वविद्यालय के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन भी करते हैं तथा विश्वविद्यालय के सभी प्राधिकरणों के निर्णयों को लागू करते हैं। वर्ष 01.04.2023 से 31.03.2024 के दौरान **प्रो. श्रीनिवास वरखेडी** केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में हैं। शोभायमान विश्वविद्यालय के निम्नलिखित प्राधिकरण हैं:

1. **कोर्ट-** कोर्ट का गठन और कोर्ट की शक्तियां केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2020 के खण्ड 20 के अनुसार निर्धारित होंगी।
2. **कार्य परिषद्-** विश्वविद्यालय में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। यह नीति-निर्णयों के निर्धारण तथा निर्णयों के कार्यान्वयन की सुनिश्चित कराने हेतु अधिकार सम्पन्न है।
3. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों बनाए रखने के लिए उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।

4. **अध्ययन परिषद्-** प्रत्येक विभाग में अध्ययन परिषद् होगा। अध्ययन परिषद् का कार्य विभिन्न उपाधियों और शोध उपाधियों की अन्य आवश्यकताओं के लिय शोध के लिए विषयों को संस्तुति करना और अध्यादेशों द्वारा निर्धारित तरीके से संबंधित विद्यास्थानों को सिफारिश करना है।
5. **वित्त समिति-**शासी परिषद् के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।
6. **योजना तथा पर्यवेक्षण बोर्ड-** विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय में अन्य निकाय भी गठित हैं जो अपने अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं- नामतः सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा बोर्ड।

वर्ष 2023-24 में विश्वविद्यालय के प्राधिकरणों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों का विवरण निम्नलिखित सारणी द्वारा प्रदर्शित हैं -

कार्य परिषद्	
बोर्ड/परिषद्/समिति	आयोजित बैठकों की तिथियाँ
14वीं बैठक	12.04.2023
15वीं बैठक	27.06.2023
16वीं बैठक	24.08.2023
17वीं बैठक	25.10.2023
18वीं बैठक	11.01.2024
19वीं बैठक	06.03.2024

विद्वत्परिषद्	
बोर्ड/परिषद्/समिति	आयोजित बैठकों की तिथियाँ
9वीं बैठक	18.05.2023
10वीं बैठक	06.03.2024

वित्त समिति	
बोर्ड/परिषद्/समिति	आयोजित बैठकों की तिथियाँ
11वीं बैठक	12.04.2023
12वीं बैठक	27.06.2023
13वीं बैठक	25.10.2023
योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल	10.01.2024

कार्य परिषद्, विद्वत्परिषद् तथा वित्त समिति का संघटन क्रमशः संलग्नक 'क', 'ख' एवं 'ग' में दिया गया है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का संगठन एवं संरचना

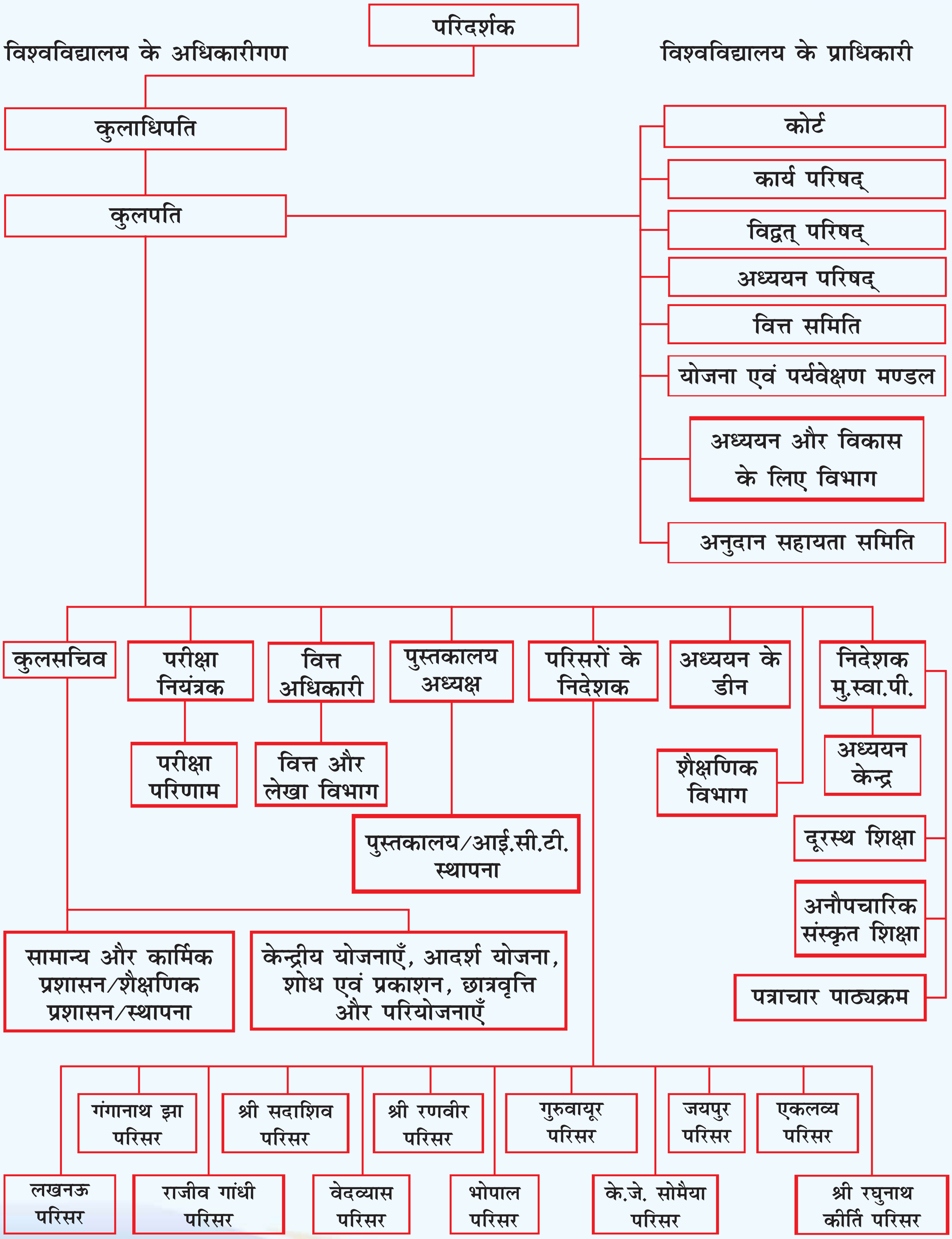

2.2 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का मुख्यालय एवं परिसर

2.2.1 मुख्यालय

वर्तमान में विश्वविद्यालय उनके नई दिल्ली स्थित मुख्यालय से विभिन्न विभागों/अनुभागों के द्वारा निम्नलिखित कार्य निष्पादित कर रहा हैः-

1. **प्रशासनिक अनुभाग**
   (स्थापना, सामान्य प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, परिसरीय प्रशासन, अभियांत्रिकी विभाग, कानून इकाई, सूचना का अधिकार अधिनियम इकाई)
2. **वित्त अनुभाग**
   (वित्त, लेखा, बजट, लेखा परीक्षा)
3. **परीक्षा अनुभाग**
   (विद्यालय, महाविद्यालय, मूल्यांकन एवं गोपनीय)
4. **शैक्षणिक अनुभाग**
   (प्रवेश, सम्बद्धता, पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, अधिगम प्रबन्धन प्रणाली, छात्रकल्याण एवं मूक्स)
5. **प्रकाशन अनुभाग**
   (प्रकाशन एवं विक्रय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, अनुवाद एवं शोध प्रकाशन एवं शैक्षणिक परियोजना)
6. **केन्द्रीय योजना अनुभाग**
   (आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/आदर्श संस्कृत शोध संस्थाएं, स्वैच्छिक संस्कृत संस्थान, अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा, आधुनिक एवं शास्त्रीय छात्रवृत्ति, पालि एवं प्राकृत, अष्टादशी, शास्त्रचूड़ामणि, राष्ट्रपतिपुरस्कार, संस्कृत साहित्य उत्पादन/सृजन, संस्कृत पुस्तकों की थोक खरीद एवं पुनर्मुद्रण)
7. **परियोजना विभाग**
   (समर्थ, ई-ऑफिस, जेम, आइ.सी.टी, आदि)
8. **मुक्तस्वाध्यायपीठम्**
   (प्रवेश, मूल्यांकन पत्राचार पाठ्यक्रम, एन.एफ.एस.इ., ई-लर्निंग, आदि)
9. **पुस्तकालय**
10. **शोध एवं विकास केन्द्र** (R&D)
11. **भारतीय ज्ञान परम्परा शाखा** (IKS)

2.2.2 परिसर :

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का सञ्चालन किया जा रहा है:

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	प्रयागराज, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, ओड़िशा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर

4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तर प्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	श्रृंगेरी, कर्णाटक
8.	वेद व्यास परिसर	बलाहर, हिमाचल प्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्य प्रदेश
10.	के.जे. सोमैया परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र
11.	एकलव्य परिसर	अगरतला, त्रिपुरा
12.	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर	देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

मुख्यालय से अनौपचारिक पत्राचार पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का सञ्चालन किया जा रहा है। मुख्यालय के पास पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग, शोध केन्द्र एवं प्रदर्शनी कक्ष उपलब्ध है। शेष सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, कर्मचारी आवास तथा छात्रावासआदि उपलब्ध हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधोनिर्दिष्ट नियमित पाठ्यक्रमों (कार्यक्रमों) को अपने परिसरों के माध्यम से सञ्चालित करता है। परिसरों में पढ़ाये जाने वाले नियमित पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रत्येक परिसर की गतिविधियों में जोड़ा गया है।

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	(सीनियर सेकेण्डरी +2)
2.	शास्त्री, शास्त्री प्रतिष्ठा	(बी.ए.), बी.ए, आनर्स)
3.	आचार्य	(एम्.ए. संस्कृत)
4.	शिक्षाशास्त्री	(बी.एड्.)
5.	शिक्षाचार्य	(एम्.एड्.)
6.	विद्यावारिधि	(पीएच्.डी.)

दूरस्थशिक्षा के पाठ्यक्रम/कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (व्याकरण, ज्योतिष और साहित्य में) तथा अन्य प्रमाणपत्रीय/परिचय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन अपने मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) के द्वारा करता है। जो कि दिल्ली स्थित मुख्यालय और देश के विभिन्न स्थानों में संस्थापित परिसरों के स्वाध्याय केन्द्रों क्रियान्वित किये जाते हैं। अधिक जानकारी के लिये कृपया अनुभाग संख्या 4.1.15 देखें।

3. छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विविध कार्यक्रमों में प्रविष्ट अध्येताओं की कुल संख्या 8051 है। जिसकापाठ्यक्रम/प्रणालीवार विवरण अधोलिखित है।

3.1. विश्वविद्यालय के परिसरों में नियमित अध्येताओं की संख्या (शिक्षा सत्र 2023-24 के अनुसार)

		कक्षा																	
क्र. सं.	परिसर	प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शास्त्री प्रतिष्ठा			शिक्षाशास्त्र		आचार्य		शिक्षा आचार्य		अभिनव पाठ्यक्रम	वि.वि.	योग
		I	II	I	II	III	I	II	III	I	II	I	II	I	II			
1	श्री गंगानाथ झा परिसर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	27	8	35
2	श्री सदाशिव परिसर	120	104	0	10	15	96	76	85	113	110	290	191	23	13	20	29	1295
3	श्री रणबीर परिसर	124	76	131	91	85	0	5	1	109	110	66	35	0	0	182	8	1023
4	गुरुवायूर परिसर	20	24	33	27	52	0	1	1	54	55	48	57	0	0	37	3	412
5	जयपुर परिसर	82	68	158	132	159	13	13	2	109	109	70	63	14	3	191	28	1214
6	लखनऊ परिसर	53	59	53	43	55	0	10	1	55	55	56	43	0	0	57	14	554
7	राजीव गांधी परिसर	63	30	25	18	32	26	18	18	54	55	35	41	0	0	36	14	465
8	वेद व्यास परिसर	99	89	208	186	150	0	14	50	55	55	80	59	0	0	114	16	1175
9	भोपाल परिसर	57	49	90	56	73	9	7	2	109	110	33	35	15	34	51	46	776
10	नासिक परिसर	4	7	18	15	8	0	0	2	51	53	22	19	0	0	19	3	221
11	मुख्यालय कार्यालय	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	24	24
12	एकलव्य परिसर	104	30	0	0	5	53	21	2	55	55	34	30	0	0	49	16	454
13	श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर	59	27	109	35	43	0	0	0	0	0	41	9	0	0	70	10	403
	Total	785	563	825	613	677	197	165	164	764	767	775	582	52	50	853	219	8051
																कुल योग - 8051		

3.2 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर एवं सम्बद्धता प्राप्त विद्यालयों/महाविद्यालयों से वर्ष 2023-24 वार्षिक प्रवेश संस्थावार छात्रों की संख्या

संबद्ध संस्थानों में नियमित मोड में कक्षावार छात्रों की संख्या

क्र. सं.	महाविद्यालय कानाम	ज़िला	राज्य	ए-1	ए-2	आईपी -1	पीएस-1	पीएस-2	एस 1	एस 2	एस 3	कुल
1	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली	हरेवली	दिल्ली	-	-	-	9	17	11	4	18	59
2	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ पौड़ी गढ़वाल	पौड़ी गढ़वाल	उत्तराखंड	-	-	-	2	2	1	6	3	14
3	आलोक संस्कृत महाविद्यालय	महेंद्रगढ़	हरियाणा	-	-	-	-	-	6	22	21	49
4	अनंता देवी संस्कृत महाविद्यालय	इलाहाबाद	उत्तरप्रदेश।	-	-	-	-	1	-	-	20	21
5	आर्य कन्या गुरुकुल	न्यूराजेंद्र नगर	दिल्ली	-	-	-	6	6	-	-	9	21
6	बजरंगमहाविद्यालय	दौसा	राजस्थान	-	-	-	-	-	24	-	-	24
7	बाल विद्या मंदिर	पूठकला	दिल्ली	-	-	-	4	5	-	-	-	9
8	बापू महाविद्यालय	बलिया	उत्तरप्रदेश।	-	-	4	-	-	45	-	-	49
9	भक्त बाला संस्कृत कॉलेज	नादिया	पश्चिमबंगाल	2	-	-	5	-	33	8	-	48
10	भारती चतुस्पति संस्कृत महाविद्यालय	नादिया	पश्चिमबंगाल	42	63	-	5	3	60	32	44	249
11	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय	कन्नूर	केरल	13	13	-	3	8	2	1	10	50
12	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	कालीकट	केरल	23	36	-	6	10	20	16	40	151
13	चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन शोध संस्थान	एर्नाकुलम	केरल	-	-	13	-	-	-	-	-	13
14	डीकेकेएसडी आदर्श संस्कृत कॉलेज अंबाला कैंट	अंबालाकैंट	हरियाणा	15	27	51	12	1	16	21	-	143
15	देव माया द्वारिका प्रसाद ब्रह्मचारी संस्कृत महाविद्यालय	कौशाम्बी	उत्तरप्रदेश।	-	-	-	-	-	4	-	-	4
16	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय	समस्तीपुर	बिहार	-	-	-	11	10	-	-	-	21

17	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ	दरभंगा	बिहार	-	-	-	6	5	-	-	-	11
18	डॉ. मंडन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय	बेगूसराय	बिहार	5	-	-	17	12	12	8	32	86
19	डॉराम महाविद्यालय	वाराणसी	उत्तरप्रदेश	-	-	-	-	-	7	-	-	7
20	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	मुजफ्फरपुर	बिहार	14	11	-	6	11	18	26	37	123
21	गिन्नी देवी मोदी संस्कृत विद्यापीठ	गाजियाबाद	उत्तरप्रदेश	-	-	-	2	-	-	1	5	8
22	गुरुकुल नव प्रभात वैदिक विद्यापीठ	बरगद	ओडिशा	-	-	-	11	-	10	-	-	21
23	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय	लिंग्सी	पश्चिमबंगाल	-	-	-	23	9	15	9	6	62
24	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ	फरीदाबाद	हरियाणा	40	24	-	5	5	19	17	28	138
25	भारतीय प्राच्य विज्ञान संस्थान	लखनऊ	उत्तरप्रदेश	12	-	18	1	1	17	1	-	50
26	जगदीश नारायण ब्रह्मचारी आश्रम संस्कृत विद्यालय	दरभंगा	बिहार	-	-	-	27	28	-	-	-	55
27	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	दरभंगा	बिहार	25	17	-	28	43	39	20	30	202
28	कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	पूर्वमेदिनीपुर	पश्चिमबंगाल	27	68	-	3	5	17	42	21	183
29	कोडुन्गल्लूर विद्वतपीठम	त्रिशूर	केरल	3	3	-	6	4	4	5	9	34
30	कृष्णगंज देव बानी मंदिर	हुगली	पश्चिमबंगाल	-	-	-	7	1	-	-	-	8
31	लक्ष्मी देवी श्रॉफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	देवघर	झारखंड	14	10	-	22	23	31	12	20	132
32	लक्ष्मी हरिकांत संस्कृत प्राथमिक साह माध्यमिक विद्यालय	मधुबनी	बिहार	-	-	-	4	-	-	-	-	4

33	महर्षि पाणिनि वेद वेदांग विद्यापीठ	नोएडा	उत्तरप्रदेश।	-	-	-	5	-	-	-	-	5
34	महर्षि वेदव्यास विद्यापीठ	नांगलोई	दिल्ली	-	-	24	11	7	5	-	4	51
35	माहेश्वरी संस्कृत महाविद्यालय	कोझिकोड	केरल	-	-	-	7	7	-	-	-	14
36	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय	इम्फालपूर्व	मणिपुर	3	6	-	42	43	17	13	19	143
37	माँ उषा स्मारक ओरिएंटल केंद्रीय संस्कृत संस्थागत और आगम तंत्र अनुसंधान केंद्र	उत्तरदिनाजपुर	पश्चिमबंगाल	-	-	-	11	5	12	-	-	28
38	मुकुलारण्यम संस्कृत महाविद्यालय	वाराणसी	उत्तरप्रदेश	-	-	-	6	-	11	-	-	17
39	मुंम्बा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	मुंबई	मुंबई	-	9	-	3	10	14	12	16	64
40	नरसी लाल पंचोली महाविद्यालय बोलखेरा कामां भरतपुर	डीग	राजस्थान	-	-	-	4	-	32	20	-	56
41	पगलानंद संस्कृत महाविद्यालय	पूर्वमेदिनीपुर	पश्चिमबंगाल	37	25	-	26	15	44	20	-	167
42	पाणिनि कन्या महाविद्यालय	वाराणसी	उत्तरप्रदेश	-	-	-	11	-	1	-	-	12
43	राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	नाम्बोल	मणिपुर	8	13	-	124	187	83	93	89	597
44	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यालय	दरभंगा	बिहार	19	32	-	19	42	39	47	87	285
45	राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय	कराला	दिल्ली	-	-	-	11	12	11	17	10	61
46	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय	वाराणसी	उत्तरप्रदेश	27	14	-	24	24	36	21	47	193
47	संस्कृति विद्या संस्थान	देवरिया	उत्तरप्रदेश	-	-	-	3	-	1	-	-	4
48	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	बेगूसराय	बिहार	-	7	-	6	11	23	11	22	80

49	सावित्री दयाराम पांडे संस्कृत माध्यमिक विद्यालय	प्रतापगढ़	उत्तरप्रदेश	-	-	-	-	11	-	-	-	11
50	श्री लज्जा राम संस्कृत विद्यापीठ	जींद	हरियाणा	-	-	9	17	-	-	-	44	70
51	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ	दरियागंज	दिल्ली	-	-	-	14	15	-	18	14	61
52	श्री ज्वालपा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	पौड़ीगढ़वाल	उत्तराखंड	7	8	-	-	-	7	10	-	32
53	श्री अरविंद संस्कृत महाविद्यालय	मंडी	हिमाचलप्रदेश	-	-	-	26	23	44	29	-	122
54	श्री बाबा हार्दिक गिरि संस्कृत महाविद्यालय	फतेहगढ़साहिब	पंजाब	2	12	-	43	26	31	13	31	158
55	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय	वाराणसी	उत्तरप्रदेश	3	13	-	36	16	13	19	20	120
56	श्री भगवान दास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	हरिद्वार	उत्तराखंड	38	25	28	28	-	113	71	-	303
57	श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	जयपुर	राजस्थान	26	22	-	-	-	46	69	-	163
58	श्री एकरसानंद आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	मैनपुरी	उत्तरप्रदेश	44	-	23	-	-	41	-	-	108
59	श्री गुरु गंग देव जी संस्कृत महाविद्यालय	राजौरी	जम्मूऔर कश्मीर	-	-	-	13	13	10	9	7	52
60	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय	रघुबीरनगर	दिल्ली	-	-	-	21	17	7	2	9	56
61	श्री जयराम विद्यापीठ कुरूक्षेत्र	कुरुक्षेत्र	हरियाणा	-	-	25	-	-	-	-	-	25
62	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय	जींद	हरियाणा	19	27	-	-	16	23	46	-	131
63	श्री माँ दुर्गा जगरानी देवी संस्कृत महाविद्यालय	खीरी	उत्तरप्रदेश	-	-	-	13	-	11	-	-	24
64	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ	पश्चिमविहार	दिल्ली	6	13	-	7	7	19	13	14	79

65	श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल	रियासी	जम्मूऔर कश्मीर	-	-	-	18	19	10	10	-	57
66	श्री मोती नाथ संस्कृत महाविद्यालय	रमेशनगर	दिल्ली	-	1	-	16	10	3	4	8	42
67	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय	अहमदाबाद	गुजरात	-	3	-	5	3	-	1	1	13
68	श्री राम ज्योतिष कर्मकंद महाविद्यालय	मंडावली	दिल्ली	-	-	-	-	1	-	-	-	1
69	श्री राम नंद ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय	पिंजौर	हरियाणा	-	-	-	12	11	10	4	1	38
70	श्री राम सुंदर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान	दरभंगा	बिहार	23	19	-	33	39	29	40	91	274
71	श्री राशि संस्कृत महाविद्यालय	हरिद्वार	उत्तराखंड	-	-	-	-	1	-	-	-	1
72	श्री सरस्वती संस्कृत महाविद्यालय	लुधियाना	पंजाब	-	-	-	20	18	21	17	-	76
73	श्री स्वामी सर्वानंद संस्कृत महाविद्यालय	आरामबाग	दिल्ली	-	-	-	6	-	-	-	-	6
74	श्री तिबरिनाथ संग्वेद संस्कृत महाविद्यालय	बरेली	उत्तरप्रदेश	-	-	-	29	17	2	4	-	52
75	श्रीमद दयानंद कन्या गुरुकुलमहाविद्यालय	जनपद अमोरा	उत्तरप्रदेश	13	4	2	32	30	34	23	-	138
76	श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	भीलवाड़ा	राजस्थान	16	-	-	-	-	49	-	-	65
77	श्री राम कृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	कोट्टायम	केरल	2	3	-	3	15	8	1	7	39
78	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठम्	किवलोन	केरल	1	5	-	3	7	3	1	3	23
79	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	कोलकाता	पश्चिमबंगाल	31	86	-	2	8	13	13	19	172
80	स्वामी संत शरण संस्कृत विद्यापीठ	उमरिया	मध्यप्रदेश	-	-	-	9	-	9	-	-	18
81	ठाकुर गदाधर संस्कृत महाविद्यालय	हुगली	पश्चिमबंगाल	-	-	-	10	5	-	-	-	15
82	तंथ्राविद्यापीठम अलुवा	अलुवा	केरल	-	-	-	12	4	8	10	-	34

83	वागीश संस्कृत विद्यापीठ	हनुमानगढ़	राजस्थान	-	-	-	1	-	-	-	-	1
84	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय	वसंतविहार	दिल्ली	-	-	-	6	11	-	-	-	17
85	वेदव्या सगुरुकुलम	वसंतकुंज	दिल्ली	-	-	-	2	-	-	-	-	2
86	वैदिक संस्कृत महाविद्यालय	हरिद्वार	उत्तराखंड	-	-	-	2	-	5	-	-	7
	कुल			560	619	197	983	916	1309	932	916	6432

3.3 दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रमों की छात्र संख्या (सत्र 2023-24)

कार्यक्रम विवरण	भारतीय अध्येताओं की संख्या	विदेशी अध्येताओं की संख्या	कुल योग
अवतरणी (Certificate Programmes)	1640	24	1664
अवगाहनी (Advanced Certificate)	243	6	249
दक्षता (Diploma)	334	5	339
प्रवीणः (Advanced Diploma)	73	8	81
विशारदः (Proficiency Diploma)	11	0	11
प्राक्-शास्त्री (Intermediate Programmes)	135	0	135
शास्त्री (Graduate Programmes)	155	4	159
आचार्यः (Masters Programmes)	347	7	354
Short Term Programme	392	15	407
कुल	3330	69	3399

3.4 अनौपचारिक संस्कृतशिक्षण केन्द्रों से लाभान्वित अध्येताओं की संख्याः

क्र.सं.	राज्य	केन्द्र संख्या
01.	आन्ध्रप्रदेश	04
02.	अरुणाचल प्रदेश	02
03.	बिहार	03
04.	देहली	02
05.	गोवा	04
06.	गुजरात	07
07.	हिमाचल प्रदेश	01
08.	जम्मू कश्मीर	04
09.	कर्णाटक	03
10.	केरल	03
11.	मेघालय	02
12.	महाराष्ट्र	12
13.	मणिपुर	02
14.	मध्यप्रदेश	07
15.	ओड़िशा	03
16.	पञ्जाब	04
17.	राजस्थान	03
18.	त्रिपुरा	01
19.	तमिलनाडु	01
20.	तेलंगाना	05
21.	उत्तराखण्ड	04
22.	उत्तरप्रदेश	10
23.	पश्चिम बंगाल	16
24.	असम	24
	कुल	127

3.5 पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए सत्र 2023-24 में नामांकित छात्रों की संख्याः

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या	
1.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (प्रथम वर्ष)	40 भारतीय + 1 विदेशी	41
2.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (द्वितीय वर्ष)		

विश्वविद्यालय के परिसरों के विभिन्न नियमित कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या निम्नलिखित है:-

क्र. सं.	कक्षा	अनु.जाति		अनु.ज.जा		पिछड़ा वर्ग		ई.डब्ल्यू.एस.		सामान्य अन्य		अन्य/दि.मुस्लिम		योग		
		पु.	महि.	पु.	महि.	पु.	महि.	पु.	महि.	पु.	महि.	पु.	महि.	पु.	महि.	योग
1	प्राक्शास्त्री – I	21	32	41	32	70	46	15	8	412	108	0	0	559	226	785
2	प्राक्शास्त्री – II	13	25	16	12	51	46	7	1	310	82	0	0	397	166	563
3	शास्त्री- I	26	43	14	9	79	84	25	11	445	89	0	2	589	236	825
4	शास्त्री- II	21	38	11	13	64	49	17	5	300	95	0	0	413	200	613
5	शास्त्री – III	18	33	11	7	84	80	111	34	241	58	0	0	465	212	677
6	शास्त्री प्रतिष्ठा-I	7	11	12	6	19	29	3	0	72	38	0	0	113	84	197
7	शास्त्री प्रतिष्ठा-II	1	3	3	8	5	26	4	1	65	49	0	0	78	87	165
8	शास्त्री प्रतिष्ठा-III	1	8	2	7	7	27	17	14	40	41	0	0	67	97	164
9	आचार्य – I	32	41	9	17	42	110	33	24	267	200	2	1	383	392	775
10	आचार्य – II	11	34	7	12	46	94	38	10	179	151	1	0	281	301	582
11	शिक्षाशास्त्र - I	35	80	16	43	77	126	108	80	88	111	2	7	324	440	764
12	शिक्षाशास्त्र - II	33	74	25	34	108	170	96	41	83	103	3	1	345	422	767
13	शिक्षा आचार्य - I	2	0	0	0	6	6	8	7	14	9	0	0	30	22	52
14	शिक्षा आचार्य - II	0	2	0	2	8	2	9	2	19	6	0	0	36	14	50
15	विद्यावारिधि	13	5	4	3	19	16	63	17	54	25	0	0	153	66	219
16	अभिन्य पाठ्यक्रम	23	15	16	6	76	49	138	7	446	77	0	0	699	154	853
	कुल योग	257	444	187	211	761	960	692	262	3035	1242	8	11	4932	3119	8051
	वर्ग योग	701		398		1721		954		4277		19		8051		

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1.1 प्रशासन विभाग

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की प्रशासनिक सेवाओं के निम्नलिखित तत्संबंधी कुशल शासकों के द्वारा प्रभारी अधिकारियों के नेतृत्व में निष्पादित किये जाते हैं:-

(क) सामान्य प्रशासन/स्थापना

(ख) कार्मिक प्रशासन

(ग) परिसरीय प्रशासन

उपर्युक्त उल्लिखित प्रमुख गतिविधियों के साथ-साथ यह शाखा, सेवाएँ तथा आपूर्ति, भूमि अर्जन एवं भवन निर्माण, नये परिसरों की स्थापना के कार्यों का संचालन करती है तथा कार्य परिषद की बैठकों का आयोजन भी करती है। विभिन्न परिसरों के भवन निर्माण के विविध प्रस्ताव अनुमानित व्यय सहित प्रतिवेदित अवधि के दौरान स्वीकृत किये गये, जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परिसर का नाम	निर्गत राशि (रुपये की संख्या लाख में)
(क)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा)	2898.37
(ख)	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	23.81
(ग)	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)	36.81
(घ)	गुरूवायुर परिसर, त्रिशूर (केरल)	214.42
(ङ)	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	91.18
(च)	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)	37.06
(छ)	राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी (कर्नाटक)	180.59
(ज)	वेदव्यास परिसर, बलाहर (हि.प्र.)	1012.59
(झ)	भोपाल परिसर, भोपाल (म.प्र.)	84.93
(ञ)	के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई	2.91
(ट)	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड)	37.99
(ठ)	एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)	400

सूचना के अधिकार के अधिनियम 2005 के अन्तर्गत मुख्यालय में 202 आर.टी.आई. आवेदन एवं 78 प्रथम अपील आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 398 आर.टी.आई. आवेदनों का उत्तर एवं 82 प्रथम अपील आवेदनों का उत्तर दिया गया (पिछले शेष आवेदन सहित)। 37 आर.टी.आई. तथा 02 प्रथम अपीलीय आवेदनों को संबद्ध परिसरों तथा संस्थानों में स्थानान्तरित किया गया।

4.1.2 वित्त एवं लेखा

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के द्वारा प्रतिवेदित महत्त्वपूर्ण गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं-

बजट (2023-24):

वर्ष 2022-23 की रु. 86.12 लाख रूपये (रू. साठ लाख चालीस हजार राजस्व निधि हेतु) की अव्ययित शेष धनराशि को वित्तीय वर्ष 2023-24 में समाविष्ट किया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) रू. 36410.47 लाख रूपये का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को विश्वविद्यालय के अधीन इकाईयों को निम्नलिखित रूप से आबंटित किया गयाः-

क्रमांक	परिसर का नाम	निर्गत राशि (रु. की संख्या लाखों में)
1.	मुख्यालय, नई दिल्ली	25370.12
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)	3687.85
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं काश्मीर)	578.43
4.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)	288.78
5.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)	611.71
6.	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	903.33
7.	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	648.88
8.	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी (कर्णाटक)	780.98
9.	वेद व्यास परिसर, बलहार (हिमाचल प्रदेश)	1430.89
10.	भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	683.42
11.	के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)	156.76
12.	एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)	918.95
13.	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड)	350.37
	कुल योग	36410.47

इस वर्ष के दौरान यह बजट वेतन और भत्ते, पेन्शन, पेन्शन हित लाभ, गैर-नेट फेलोशिप छात्रवृत्तियाँ, प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत शिक्षण के विकास के अन्तर्गत अन्य विभिन्न योजनाओं तथा व्यय का अन्य रख-रखाव सम्बन्धी मदों पर उपयोग में लाया गया।

लेखा

यह अनुभाग विश्वविद्यालय के विविध परिसरों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा परीक्षा हेतु महानिदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय व्यय को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2023-24 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा परीक्षा प्रतिवेदन इस वार्षिक प्रतिवेदन की पृष्ठ संख्या 316 में रखे गये हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य जो भविष्य निधि खाते के अंतर्गत है, उनको वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष में लेखा परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :-

- विश्वविद्यालय के शैक्षणिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना।
- प्रथमा से लेकर आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।
- प्रथमा से आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम बनाने हेतु विभित्र विषयों की समितियों (अध्ययन परिषद्) का गठन करना।
- विद्वत् परिषद् व अध्ययन परिषद् की बैठक का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुरूप करना तथा उनके अनुसार अनुवर्ती कार्रवाई करना।
- विगत वर्ष के दौरान शैक्षणिक विभाग के द्वारा विद्वत् परिषद् की दो बैठकें आयोजित की गईं। (18 मई, 2023 एवं 06 मार्च, 2024)
- विद्वत् परिषद् एवं कार्य परिषद् की अनुशंसा के आधार पर संस्थानों को सम्बद्धता प्रदान की जाती है।

मूक्स परियोजना

➢ विभिन्न समझौता ज्ञापनों के लिए पहल

मूक्स और एलएमएस अनुभाग ने परिसरों/अनुभागों के समन्वय से विभिन्न समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मेरी कॉलेज, दिल्ली और अखिल भारत हिंदी प्रचार सभा, चंबा के साथ समझौता ज्ञापन वर्तमान में हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में हैं।

➢ विभिन्न परिसरों में मूक्स कार्यशालाओं का आयोजन

मूक्स और एलएमएस अनुभाग ने परिसर स्तर पर सफलतापूर्वक कार्यशालाएं आयोजित की हैं और विश्वविद्यालय में मूक्स की सफलता सुनिश्चित करने के लिए और अधिक कार्यशालाओं की योजना बना रहा है। इन कार्यशालाओं में कई विशेषज्ञों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया और स्वयं मूक्स के नवीनतम ज्ञान से लाभान्वित किया।

➢ ओलंपियाड में भागीदारी

प्रथम ऑनलाइन संस्कृत ओलंपियाड की शानदार सफलता के बाद, मूक्स और एलएमएस अनुभाग ने छात्र कल्याण अनुभाग के समन्वय से, संस्कृत भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से द्वितीय ऑनलाइन संस्कृत ओलंपियाड और भगवद्गीता ओलंपियाड आयोजित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मूक्स और एलएमएस अनुभाग ओलंपियाड की सफलता के लिए निरंतर कार्यरत है और उनसे संबंधित विभिन्न प्रबंधन गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है।

➢ सीएसयू एलएमएस पोर्टल पर पाठ्यक्रम विकास

मूक्स और एलएमएस अनुभाग सीएसयू एलएमएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा दे रहा है। सीएसयू एलएमएस पोर्टल पर 85 से अधिक शॉर्ट-टर्म कोर्स विकसित किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य सीखने के अनुभव को बढ़ाना और हमारे छात्रों की विकसित होती जरूरतों को पूरा करना है।

➢ स्वयं-मूक्स के लिए नियमित बैठकें और एलएमएस के लिए नियमित बैठकें

सीएसयू मूक्स अनुभाग स्वयं-मूक्स की गुणवत्ता की समीक्षा और सुधार के लिए नियमित बैठकें आयोजित कर रहा है। ये ऑनलाइन/ऑफ़लाइन बैठकें मूक्स समन्वयकों को स्वयं-मूक्स के नवीनतम विकास के साथ अद्यतित रहने में मदद करती हैं।

सीएसयू एलएमएस अनुभाग अपने प्रदर्शन की समीक्षा और सुधार के लिए नियमित बैठकें आयोजित कर रहा है। ये ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की बैठकें एलएमएस समन्वयकों को एलएमएस की प्रगति के साथ अद्यतित रहने में मदद करती हैं।

➢ 'कैरियर मार्गदर्शन और जीवन दर्शन' पर जागरूकता कार्यक्रम

सीएसयू मूक्स और एलएमएस अनुभाग छात्र कल्याण अनुभाग के समन्वय से छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। अब तक भोपाल, जम्मू, त्रिशूर और श्रृंगेरी परिसरों में तीन कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं।

➢ छात्र प्लेसमेंट कार्यक्रमों में भागीदारी

सीएसयू मूक्स और एलएमएस अनुभाग विश्वविद्यालय के विभिन्न प्लेसमेंट ड्राइव कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। धरोहर संस्थान, उदयपुर और जयपुरिया समूह, दिल्ली द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव की सफलता में योगदान दिया है।

➢ "स्किल हब्स" की स्थापना

2024 में, सीएसयू मूक्स और एलएमएस अनुभाग ने सीएसयू की शिक्षा प्रणाली में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY 4.0) को सफलतापूर्वक लागू किया और छात्रों को रोजगार क्षमता बढ़ाने वाले कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए प्रत्येक परिसर में "स्किल हब्स" स्थापित किए।

➢ शैक्षणिक और छात्र कल्याण गतिविधियों में भागीदारी

मूक्स और एलएमएस अनुभाग शैक्षणिक और छात्र कल्याण अनुभागों के साथ मिलकर काम कर रहा है, विभिन्न शैक्षणिक और छात्र कल्याण गतिविधियों/परियोजनाओं के कार्यान्वयन का समन्वय कर रहा है।

4.1.4 प्रकाशन एवं कार्यक्रम अनुभाग

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की प्रकाशन समिति की बैठक दिनांक 19.12.2023 को सम्पन्न हुई, जिसमें सङ्क्षेप ग्रन्थहार के अन्तर्गत 09 पुस्तकें, उपोद्घातग्रन्थमाला के अंतर्गत 07 पुस्तकें, सरल मानक संस्कृत की 5000 प्रतियों के मुद्रण का कार्यसम्पादित किया गया। अमृत महोत्सव ग्रन्थमाला के अन्तर्गत 05 पुस्तकें, विश्वविद्यालय के द्वारा सञ्चालित विभिन्न ग्रन्थमालाओं के अन्तर्गत 10 पुस्तकें, 10 दिवसीय आवासीय लेखन प्रशिक्षण कार्यशाला हेतु एवं अष्टादशी योजना के अन्तर्गत 05 पुस्तकों की सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की गयी। जिसमें अधोलिखित सदस्य उपस्थित रहे।

क्र.सं.	सदस्यों के नाम	पद
1.	प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी	अध्यक्ष
2.	प्रो. बनमाली बिश्वाल	सदस्य
3.	प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र	सदस्य
4.	प्रो. वाई.एस. रमेश	सदस्य
5.	डा. जनार्दन हेगड़े	सदस्य
6.	प्रो. एन.सी. पण्डा	सदस्य
7.	लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक	सदस्य
8.	प्रो. मधुकेश्वर भट्ट	विशेष आमंत्रित सदस्य
9.	डा. गणेश ति. पण्डित	सदस्य सचिव

संस्कृत विमर्श शोध पत्रिका का निरन्तर प्रकाशन किया जाता है। इसके अतिरिक्त विभाग के द्वारा प्रत्येक तिमाही के दौरान संस्कृत वार्ता का भी प्रकाशन किया जाता है। इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण कार्य-

- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के शोध सम्बन्धित क्रियाकलापों का समन्वयन।
- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के ग्रन्थों, शोध पत्रिकाओं एवं वार्षिक प्रतिवेदन का प्रकाशन।
- प्रकाशन समिति के उपवेशनों का आयोजन।

इस विभाग के द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान निम्नलिखित पुस्तकें प्रकाशित की गई-

पुस्तकों का विवरण-

क्र.	पुस्तक का नाम/आई.एस.बी.एन. संख्या
1.	मीमांसा शाबरभाष्यसहित (४ भागों में) / 978-93-85791-66-6/67-3/68-0/69-7
2.	पाणिनीय अष्टाध्यायी (3 से 8 भाग) / 978-93-85791-60-4/61-1/62-8/63-5/64-2/65-9
3.	धर्मचक्र प्रवर्तन / 978-93-85791-70-3
4.	प्रथमादीक्षा और संक्षेप रामायण / 81-86111-00-X
5.	भीष्मगीतम् / 978-93-85791—71-0
6.	विदुरनीतिशातकम् / 81-86111-29-8
7.	श्रीमद्भगवद्गीतासंग्रह (भाग 2) / 978-81-246-0724-4

8.	श्रीमद्भगवद्गीतासंग्रह (भाग 3) / 81-86111-50-6
9.	भर्तृहरिनीतिशतकम् (पूर्वार्ध) / 978-81-86111-23-9
10.	भर्तृहरिनीतिशतकम् (उत्तरार्ध) / 81-86111-49-2
11.	अभिशाकुन्तलम् / 978-93-85791-23-3
12.	भर्तृहरिशतकत्रयम् / NA
13.	द लिविंग सिम्बल ऑफ इण्डियन कल्चर (बाली आइसलैंड) / NA
14.	इण्डियन वास्तुशास्त्र / 81-86111-7-47-6
15.	संस्कृत-हिन्दी डिक्शनरी / NA
16.	द स्टुडेन्टस् इन्ग्लिश-संस्कृत एन्ड इन्ग्लिश डिक्शनरी (वामन शिवराम आप्टे) / NA
17.	स्टुडेन्टस् संस्कृत-इन्ग्लिश डिक्शनरी / NA
18.	पाणिनीयधातुवृत्तिकोश / 978-93-85791-77-2
19.	श्रीमद्भगवद्गीताभक्तियोग / 978-93-85791-77-2
20.	गीतामृतम् / 978-93-85791-75-8
21.	गुरुतत्त्वदीपिका / 978-93-85791-76-5
22.	विवेचनी / 978-93-85791-73-4
23.	हेत्वाभाससामान्यनिरुक्ति / 978-93-85791-74-1
24.	ध्वन्यालोकदर्शनम् / 978-93-85791-73-4
25.	रसप्रकाशः / 978-93-85791-80-2
26.	शैक्षणिकगुणोत्कर्षः / 978-93-85791-72-7

4.1.5 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा विभाग का मुख्य दायित्व केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संचालित पूर्वमध्यमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य एवं विद्यावारिधि नियमित पाठ्यक्रमों के साथ-साथ मुक्तस्वाध्यायपीठम् द्वारा संचालित प्राक्शास्त्री से आचार्य पाठ्यक्रमों तक की परीक्षाओं का आयोजन तथा परिणाम घोषणा कराना है। ये परीक्षायें विद्वत् परिषद् एवं परीक्षा मंडल द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2023-24 में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर एवं सम्बद्ध प्राप्त विद्यालय/महाविद्यालयों से प्राप्त परीक्षा आवेदन पत्रानुसार संस्था/कक्षावार परीक्षार्थीयों की संख्या निम्न लिखित प्रकार से हैं-

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	TERM	कुल	अनुपस्थित	सम्मिलित	उत्तीर्ण	FAIL/EP	उत्तीर्ण%
1	अद्वैत वेदांत में शास्त्री (बी.ए.)।	1	81	1	80	70	10	87.5
2	अद्वैत वेदांत में शास्त्री (बी.ए.)।	2	71	1	70	61	9	87.14
3	अद्वैत वेदांत में शास्त्री (बी.ए.)।	3	54	8	46	39	7	84.78
4	अद्वैत वेदांत में शास्त्री (बी.ए.)।	4	43	0	43	31	12	72.09
5	शास्त्री (बी.ए.) बौद्ध दर्शन में	1	1	0	1	1	0	100
6	शास्त्री (बी.ए.) बौद्ध दर्शन में	2	1	0	1	1	0	100

7	शास्त्री (बी.ए.) बौद्ध दर्शन में	3	2	0	2	2	0	100
8	शास्त्री (बी.ए.) बौद्ध दर्शन में	4	2	0	2	2	0	100
9	शास्त्री (बी.ए.) दर्शन में	1	42	2	40	33	7	82.5
10	शास्त्री (बी.ए.) दर्शन में	2	32	0	32	27	5	84.38
11	शास्त्री (बी.ए.) दर्शन में	3	15	0	15	14	1	93.33
12	शास्त्री (बी.ए.) दर्शन में	4	15	2	13	11	2	84.62
13	शास्त्री (बी.ए.) धर्म शास्त्र में	1	17	3	14	12	2	85.71
14	शास्त्री (बी.ए.) धर्म शास्त्र में	2	12	2	10	6	4	60
15	शास्त्री (बी.ए.) धर्म शास्त्र में	3	6	0	6	4	2	66.67
16	शास्त्री (बी.ए.) धर्म शास्त्र में	4	6	2	4	4	0	100
17	जैन दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	1	34	1	33	32	1	96.97
18	जैन दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	2	30	0	30	26	4	86.67
19	जैन दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	3	28	0	28	28	0	100
20	जैन दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	4	28	0	28	26	2	92.86
21	शास्त्री (बी.ए.) फलित ज्योतिष में	1	289	16	273	221	52	80.95
22	शास्त्री (बी.ए.) फलित ज्योतिष में	2	265	7	258	165	93	63.95
23	शास्त्री (बी.ए.) फलित ज्योतिष में	3	184	9	175	151	24	86.29
24	शास्त्री (बी.ए.) फलित ज्योतिष में	4	170	4	166	116	50	69.88
25	शास्त्री (बी.ए.) मीमांसा में	3	1	0	1	1	0	100
26	शास्त्री (बी.ए.) मीमांसा में	4	1	0	1	1	0	100
27	न्याय में शास्त्री (बी.ए.)	1	2	0	2	2	0	100
28	न्याय में शास्त्री (बी.ए.)	2	2	1	1	1	0	100
29	शास्त्री (बी.ए.) पुराणेतिहास में	1	8	1	7	7	0	100
30	शास्त्री (बी.ए.) पुराणेतिहास में	2	8	0	8	7	1	87.5
31	शास्त्री (बी.ए.) पुराणेतिहास में	3	1	1	0	0	0	0
32	शास्त्री (बी.ए.) पुराणेतिहास में	4	1	0	1	1	0	100
33	शास्त्री (बी.ए.) प्राकृत में	1	6	0	6	6	0	100
34	शास्त्री (बी.ए.) प्राकृत में	2	6	0	6	6	0	100
35	शास्त्री (बी.ए.) साहित्य में	1	906	43	863	762	101	88.3
36	शास्त्री (बी.ए.) साहित्य में	2	801	21	780	659	121	84.49
37	शास्त्री (बी.ए.) साहित्य में	3	561	13	548	511	37	93.25
38	शास्त्री (बी.ए.) साहित्य में	4	546	5	541	380	161	70.24
39	सिद्धांत ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	1	21	1	20	18	2	90
40	सिद्धांत ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	2	19	4	15	8	7	53.33
41	सिद्धांत ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	3	7	0	7	7	0	100
42	सिद्धांत ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	4	7	0	7	7	0	100
43	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	1	100	2	98	87	11	88.78

44	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	2	91	2	89	70	19	78.65
45	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	3	51	0	51	40	11	78.43
46	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	4	51	2	49	27	22	55.1
47	व्याकरण में शास्त्री (बी.ए.)	1	463	16	447	412	35	92.17
48	व्याकरण में शास्त्री (बी.ए.)	2	445	5	440	364	76	82.73
49	व्याकरण में शास्त्री (बी.ए.)	3	352	0	352	313	39	88.92
50	व्याकरण में शास्त्री (बी.ए.)	4	339	5	334	257	77	76.95
51	शिक्षाशास्त्र (बी.एड.)	1	756	1	755	753	2	99.74
52	शिक्षाशास्त्र (बी.एड.)	2	758	2	756	756	0	100
53	शिक्षाशास्त्र (बी.एड.)	3	759	5	754	754	0	100
54	शिक्षाशास्त्र (बी.एड.)	4	755	0	755	754	1	99.87
55	शास्त्री (बी.एससी.) यौगिक विज्ञान में	1	22	0	22	18	4	81.82
56	शास्त्री (बी.एससी.) यौगिक विज्ञान में	2	21	2	19	15	4	78.95
57	प्राकृत में आचार्य (एम.ए.)	1	10	2	8	8	0	100
58	प्राकृत में आचार्य (एम.ए.)	2	7	0	7	7	0	100
59	प्राकृत में आचार्य (एम.ए.)	3	1	0	1	1	0	100
60	प्राकृत में आचार्य (एम.ए.)	4	1	0	1	0	1	0
61	अद्वैत वेदांत में आचार्य (एम.ए.)	1	70	1	69	67	2	97.1
62	अद्वैत वेदांत में आचार्य (एम.ए.)	2	68	2	66	55	11	83.33
63	अद्वैत वेदांत में आचार्य (एम.ए.)	3	78	0	78	75	3	96.15
64	अद्वैत वेदांत में आचार्य (एम.ए.)	4	80	0	80	76	4	95
65	बौद्ध दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	1	12	0	12	11	1	91.67
66	बौद्ध दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	2	12	1	11	8	3	72.73
67	बौद्ध दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	3	20	0	20	20	0	100
68	बौद्ध दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	4	18	0	18	18	0	100
69	दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	1	60	0	60	60	0	100
70	दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	2	61	1	60	60	0	100
71	दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	3	28	0	28	28	0	100
72	दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	4	28	0	28	27	1	96.43
73	धर्मशास्त्र में आचार्य (एम.ए.)	1	81	1	80	79	1	98.75
74	धर्मशास्त्र में आचार्य (एम.ए.)	2	78	0	78	75	3	96.15
75	धर्मशास्त्र में आचार्य (एम.ए.)	3	92	0	92	91	1	98.91
76	धर्मशास्त्र में आचार्य (एम.ए.)	4	91	0	91	90	1	98.9
77	जैन दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	1	9	0	9	9	0	100
78	जैन दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	2	10	0	10	8	2	80
79	जैन दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	3	6	1	5	4	1	80
80	जैन दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	4	5	0	5	1	4	20

81	कश्मीरी शैव दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	1	7	0	7	6	1	85.71
82	कश्मीरी शैव दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	2	6	0	6	6	0	100
83	कश्मीरी शैव दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	3	2	0	2	2	0	100
84	कश्मीरी शैव दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	4	2	0	2	1	1	50
85	मीमांसा में आचार्य (एम.ए.)	1	3	0	3	3	0	100
86	मीमांसा में आचार्य (एम.ए.)	2	3	0	3	3	0	100
87	मीमांसा में आचार्य (एम.ए.)	3	1	0	1	1	0	100
88	मीमांसा में आचार्य (एम.ए.)	4	1	0	1	1	0	100
89	न्याय में आचार्य (एम.ए.)	1	29	0	29	28	1	96.55
90	न्याय में आचार्य (एम.ए.)	2	28	0	28	28	0	100
91	न्याय में आचार्य (एम.ए.)	3	21	0	21	21	0	100
92	न्याय में आचार्य (एम.ए.)	4	21	0	21	21	0	100
93	आचार्य (एम.ए.) पुराणेतिहास में	1	33	3	30	30	0	100
94	आचार्य (एम.ए.) पुराणेतिहास में	2	31	1	30	29	1	96.67
95	आचार्य (एम.ए.) पुराणेतिहास में	3	13	0	13	13	0	100
96	आचार्य (एम.ए.) पुराणेतिहास में	4	13	0	13	13	0	100
97	फलित ज्योतिष में आचार्य (एम.ए.)	1	158	12	146	126	20	86.3
98	फलित ज्योतिष में आचार्य (एम.ए.)	2	142	6	136	112	24	82.35
99	फलित ज्योतिष में आचार्य (एम.ए.)	3	91	3	88	83	5	94.32
100	फलित ज्योतिष में आचार्य (एम.ए.)	4	89	0	89	83	6	93.26
101	व्याकरण में आचार्य (एम.ए.)	1	230	13	217	205	12	94.47
102	व्याकरण में आचार्य (एम.ए.)	2	212	7	205	191	14	93.17
103	व्याकरण में आचार्य (एम.ए.)	3	165	2	163	161	2	98.77
104	व्याकरण में आचार्य (एम.ए.)	4	165	0	165	159	6	96.36
105	आचार्य (एम.ए.) साहित्य में	1	432	13	419	387	32	92.36
106	आचार्य (एम.ए.) साहित्य में	2	400	13	387	252	135	65.12
107	आचार्य (एम.ए.) साहित्य में	3	389	3	386	374	12	96.89
108	आचार्य (एम.ए.) साहित्य में	4	383	0	383	350	33	91.38
109	सिद्धांत ज्योतिष में आचार्य (एम.ए.)	1	11	1	10	9	1	90
110	सिद्धांत ज्योतिष में आचार्य (एम.ए.)	2	8	1	7	7	0	100
111	सिद्धांत ज्योतिष में आचार्य (एम.ए.)	3	10	0	10	10	0	100
112	सिद्धांत ज्योतिष में आचार्य (एम.ए.)	4	10	0	10	9	1	90
113	सांख्य योग में आचार्य (एम.ए.)	1	27	0	27	27	0	100
114	सांख्य योग में आचार्य (एम.ए.)	2	27	0	27	27	0	100
115	सांख्य योग में आचार्य (एम.ए.)	3	14	0	14	14	0	100
116	सांख्य योग में आचार्य (एम.ए.)	4	14	0	14	14	0	100
117	वेद में आचार्य (एम.ए.)	1	48	1	47	45	2	95.74

118	वेद में आचार्य (एम.ए.)	2	53	2	51	47	4	92.16
119	वेद में आचार्य (एम.ए.)	3	23	0	23	21	2	91.3
120	वेद में आचार्य (एम.ए.)	4	22	0	22	22	0	100
121	पाली में एम.ए	1	29	1	28	27	1	96.43
122	पाली में एम.ए	2	26	0	26	26	0	100
123	पाली में एम.ए	3	15	0	15	15	0	100
124	पाली में एम.ए	4	15	0	15	15	0	100
125	हिंदू अध्ययन में एम.ए	1	27	0	27	27	0	100
126	हिंदू अध्ययन में एम.ए	2	27	0	27	24	3	88.89
127	हिंदू अध्ययन में एम.ए	3	4	0	4	4	0	100
128	हिंदू अध्ययन में एम.ए	4	4	0	4	4	0	100
129	नाट्य शास्त्र और भारतीय रंगमंच में एमए	1	12	0	12	12	0	100
130	नाट्य शास्त्र और भारतीय रंगमंच में एमए	2	11	1	10	10	0	100
131	नाट्य शास्त्र और भारतीय रंगमंच में एमए	3	6	2	4	4	0	100
132	नाट्य शास्त्र और भारतीय रंगमंच में एमए	4	5	0	5	4	1	80
133	शिक्षा आचार्य (एम.एड.)	1	53	0	53	52	1	98.11
134	शिक्षा आचार्य (एम.एड.)	2	55	2	53	53	0	100
135	शिक्षा आचार्य (एम.एड.)	3	45	0	45	45	0	100
136	शिक्षा आचार्य (एम.एड.)	4	44	0	44	43	1	97.73
137	योग विज्ञान में आचार्य (एम.एससी.)	1	24	0	24	12	12	50
138	योग विज्ञान में आचार्य (एम.एससी.)	2	23	0	23	20	3	86.96
139	प्राक् शास्त्री	1	1720	54	1666	1512	154	90.76
140	प्राक् शास्त्री	2	1562	67	1495	1325	170	88.63
141	प्राक् शास्त्री	3	1186	16	1170	1070	100	91.45
142	प्राक् शास्त्री	4	1147	0	1147	1053	94	91.8
143	सांख्य योग में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	1	3	0	3	3	0	100
144	सांख्य योग में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	2	3	0	3	3	0	100
145	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	1	10	1	9	9	0	100
146	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	2	9	1	8	8	0	100
147	अद्वैत वेदांत में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	1	10	0	10	10	0	100
148	अद्वैत वेदांत में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	2	10	0	10	8	2	80
149	अद्वैत वेदांत में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	3	2	0	2	2	0	100

150	अद्वैत वेदांत में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	4	2	0	2	1	1	50
151	बौद्ध दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	1	13	0	13	8	5	61.54
152	बौद्ध दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	2	11	0	11	8	3	72.73
153	बौद्ध दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	3	4	0	4	3	1	75
154	बौद्ध दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	4	3	0	3	3	0	100
155	दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	1	10	0	10	10	0	100
156	दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	2	10	0	10	9	1	90
157	दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	3	21	0	21	20	1	95.24
158	दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	4	21	0	21	21	0	100
159	धर्म शास्त्र में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	1	37	1	36	30	6	83.33
160	धर्म शास्त्र में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	2	34	0	34	32	2	94.12
161	धर्म शास्त्र में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	3	23	0	23	23	0	100
162	धर्म शास्त्र में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	4	22	0	22	22	0	100
163	जैन दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	3	1	0	1	1	0	100
164	जैन दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	4	1	0	1	1	0	100
165	फलित ज्योतिष में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	1	21	0	21	19	2	90.48
166	फलित ज्योतिष में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	2	17	1	16	12	4	75
167	फलित ज्योतिष में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	3	10	1	9	9	0	100
168	फलित ज्योतिष में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	4	10	2	8	3	5	37.5
169	न्याय में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	1	11	0	11	11	0	100
170	न्याय में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)	2	10	0	10	9	1	90
171	न्याय में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	3	4	0	4	4	0	100
172	न्याय में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	4	4	0	4	3	1	75
173	पुराणेतिहास में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	1	7	0	7	7	0	100
174	पुराणेतिहास में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	2	5	0	5	5	0	100
175	साहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	1	82	2	80	78	2	97.5
176	साहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	2	76	1	75	63	12	84
177	साहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	3	64	1	63	61	2	96.83
178	साहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	4	63	2	61	44	17	72.13
179	व्याकरण में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	1	74	0	74	71	3	95.95

180	व्याकरण में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	2	72	0	72	65	7	90.28
181	व्याकरण में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	3	80	0	80	77	3	96.25
182	व्याकरण में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.) - ऑनर्स)	4	78	0	78	59	19	75.64
183	शास्त्री 5वां सेमेस्टर (एनईपी से पहले)	5	1344	46	1298	1222	76	94.14
184	शास्त्री प्रतिष्ठा 5वां सेमेस्टर (एनईपी से पहले)		215	2	213	212	1	99.53
185	शास्त्री छठा सेमेस्टर (एनईपी से पहले)		1308	45	1263	1034	229	81.87
186	शास्त्री प्रतिष्ठा छठा सेमेस्टर (एनईपी से पहले)		213	6	207	167	40	80.68
187	पूर्व-मध्यमा-द्वितीय वर्ष.		565	64	501	272	229	54.29
188	प्राक-शास्त्री/उत्तर-मध्यमा-द्वितीय वर्ष (एनईपी से पहले)		57	17	40	13	27	32.5
189	शास्त्री- I सेमेस्टर (एनईपी से पहले)		13	3	10	10	0	100
190	शास्त्री-द्वितीय सेमेस्टर (एनईपी से पहले)		32	5	27	26	1	96.3
191	शास्त्री-तृतीय सेमेस्टर (एनईपी से पहले)		203	22	181	180	1	99.45
192	शास्त्री-IV सेमेस्टर (एनईपी से पहले)		170	18	152	102	50	67.11
193	शास्त्री प्रतिष्ठा- I सेमेस्टर (एनईपी से पहले)		1	0	1	1	0	100
194	शास्त्री प्रतिष्ठा-तृतीय सेमेस्टर (एनईपी से पहले)		19	0	19	19	0	100
195	शास्त्री प्रतिष्ठा-IV सेमेस्टर (एनईपी से पहले)		8	0	8	8	0	100
196	आचार्य- I सेमेस्टर (एनईपी से पहले)		3	0	3	3	0	100
197	आचार्य-द्वितीय सेमेस्टर (एनईपी से पहले)		18	5	13	10	3	76.92
198	आचार्य-तृतीय सेमेस्टर (एनईपी से पहले)		122	4	118	114	4	96.61
199	आचार्य-चतुर्थ सेमेस्टर (एनईपी से पहले)		113	6	107	101	6	94.39

परिसरों में प्रशिक्षित नियमित शिक्षण संकाय है। नियमित संकाय सदस्यों का विवरण संलग्नक-घ में दिया गया है इस वर्ष के दौरान दिनांक 01.04.2023 से 31.03.2024 तक कुल 99 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की गई। इन शोध-छात्रों का विवरण संलग्नक-'ङ' में दिया गया है। विश्वविद्यालय के संबद्ध विद्यालय महाविद्यालय एवं परीक्षाओं को मान्यता देने वाले सरकारों एव विश्वविद्यालयों विवरण (संलग्लक च छ ज) है।

4.1.6 पुस्तकालय

पुस्तकालय शैक्षणिक संस्थानों का हृदय होते हैं, जो ज्ञान के भंडार और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों के सहायक केंद्र के रूप में कार्य करते हैं। हमारी प्रतिष्ठित पुस्तकालय प्रणाली, जिसमें भारत के विभिन्न हिस्सों में फैले 13 परिसर शामिल हैं, पांडुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों और अन्य अद्वितीय संसाधनों के अमूल्य संग्रह के लिए प्रसिद्ध है। यह सीएसयू विश्वविद्यालय के लिए एक शिक्षण संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करता है।

प्रत्येक परिसर पुस्तकालय में वेद, व्याकरण, वेदांत, साहित्य, सांख्य, योग, दर्शन, न्याय, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, तंत्र, पुराण, संस्कृत साहित्य, शिक्षा, कानून जैसे पारंपरिक और आधुनिक दोनों विषयों में संस्कृत साहित्य का व्यापक संग्रह है। विधिशास्त्र), और आधुनिक विषय। सीएसयू लाइब्रेरी संकाय सदस्यों, छात्रों, अनुसंधान विद्वानों और कर्मचारियों की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करती है।

वर्तमान में, सीएसयू लाइब्रेरी अपने हाउसकीपिंग संचालन के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा विकसित ई-ग्रंथालय 4.0 संस्करण लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) का उपयोग कर रही है। ग्रंथालय डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (Delnet) का सदस्य है। एवं Inflibnet का भी सदस्य बन गया है, जो शिक्षा मंत्रालय के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का एक अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र है। इसके शोध-शुद्धि कार्यक्रम के तहत, पुस्तकालय संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों को साहित्यिक चोरी की जांच करने और उनके शोध की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए ड्रिलबिट-एक्सट्रीम 'साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर' तक एक सीधी और आसान पहुंच प्रदान करता है।

पुस्तकालय संग्रह:

वर्तमान में, पुस्तकालय में लगभग 4,000,00+ प्रकाशित, 57000+ पांडुलिपियों, 5000+ शोधप्रबंध का एक बहुमूल्य संग्रह है, और 40+ पत्रिकाओं और 10+ समाचार पत्र हैं। इसके अतिरिक्त सीएसयू परिसरों के पुस्तकालयों में 63 कंप्यूटर सिस्टम भी लगे हुए हैं।

वित्तीय वर्ष 2023-2024 के दौरान, 7086पुस्तकें और जोडी गयीं, और 31 मार्च, 2024 तक पुस्तक क्रय करने पर 28,94,536 रुपये खर्च किए गए।

31 मार्च, 2024 तक सभी परिसरों में पाठकों को लगभग 80,629 पुस्तकें निर्गत (इश्यु) किए गए थे, उसी वित्तीय वर्ष के दौरान 50854 छात्रों/आचार्यों /आगंतुकों ने लाइब्रेरी का उपयोग किया था।

पुस्तकालय सेवाएँ और सुविधाएँ:

पुस्तकालय अपने आगंतुकों को विविध प्रकार की सेवाएँ प्रदान करता है, जैसे पुस्तक निर्गत करने सम्बन्धी सर्कुलेशन सेवा, वर्तमान जागरूकता सेवाएँ (सीएएस), संदर्भ सेवा, एसएमएस/ईमेल अधिसूचना (पुस्तकें जारी करने/वापसी के लिए), दस्तावेज़ स्कैनिंग सुविधा, ऑनलाइन सार्वजनिक पुस्तक सूची (ओपेक), अनुरोध पर ग्रंथ सूची संकलन, और वाई-फाई/इंटरनेट सुविधा। प्रदान की जाने वाली सेवाओं में रिप्रोग्राफ़िक सेवाएँ, समाचार पत्र कटिंग सेवाएँ और प्रिंट सुविधाएँ शामिल हैं।

उपयोगकर्ता नीचे दिए लिंक पर क्लिक कर पुस्तकालय WEBOPAC सुविधा तक पहुंच सकते हैं;

https://eg4.nic.in/SANSKRIT/OPAC/Default.aspx?LIB_CODE=CSUDELHI

4.1.7 विक्रय विभाग

मुख्यालय में विद्यमान विक्रय इकाई केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रकाशनों को सर्वजनसाधारण तक पहुँचाने के लिए निर्गमद्वार के रूप में कार्य करती है। यह इकाई अद्योलित क्रियाकलापों को सञ्चालित करती है: –

- विश्वविद्यालय के प्रकाशनों के विक्रयण हेतु मुख्यालय के विक्रय-केन्द्र का सञ्चालन।
- विभिन्न परिसरों के मान्यता प्राप्त विक्रय-केन्द्रों को विक्रय हेतु पुस्तकों/प्रकाशनों को वितरित करना।
- सम्पूर्ण राष्ट्र में विविध संगठनों द्वारा आयोजित पुस्तक मेलों के दौरान संस्कृत ग्रन्थों के प्रचार एवं विक्रय को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करना।

मुख्यालय में विक्रय इकाई द्वारा प्रकाशनों के विक्रय से प्राप्त राशि का विवरण अधोलिखित है: -

विश्वविद्यालय द्वारा पुनर्मुद्रित पुस्तकें	रु. 4,67,747.00
विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकें	रु. 33,42,736.00
ज्ञान दर्शन डी.वी.डी./सी.डी.	रु. 0.00
कुल योग	रु. 38,10,483.00

4.1.8 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत संवर्धन योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अंतरित निम्नलिखित केन्द्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु उत्तरदायी हैं :-

1. **संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता**

   इस योजना के पांच भाग क्रमश: (अ), (आ), (इ), (ई) तथा (उ) है, जिनका उल्लेख निम्नलिखित है:-

   (अ) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

   (आ) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषयों के अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

   (इ) राज्य सरकार से सम्बधित माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत के अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

   (ई) गुरु शिष्य परम्परा संस्थाओं (पंजीकृत चतुष्पाठी/गुरुकुल/पाठशाला/ टोल/गुरु शिष्य परम्परा पारंपरिक संस्थान) में संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

   (उ) पारंपरिक/प्राच्य संस्थाओं में अध्ययनरत संस्कृत के आवासीय छात्रों को दोपहर और रात्रि भोजन की सुविधा प्रदान करने तथा आवासीय रखरखाव के लिए वित्तीय सहायता।

2. अभावग्रस्त परिस्थितियों में रहने वाले प्रख्यात संस्कृत पंडितो को सम्मान राशि के लिए वित्तीय सहायता।
3. संस्कृत संवर्धन के कार्यक्रम/गतिविधियों के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता।
4. संस्कृत शास्त्र शिक्षण हेतु शास्त्र विद्वानों अथवा सेवानिवृत्त संस्कृत विद्वानों की सेवाओं की उपयोगिता के लिए वित्तीय सहायता। (शास्त्र चूड़ामणि)

5. पंजीकृत पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं के छात्रों के लिए "व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम" संचालित करने के लिए वित्तीय सहायता।

6. संस्कृत पुस्तकों के प्रकाशन, थोक खरीद और दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों के पुनर्मुद्रण।

7. पारम्परिक एवं आधुनिक धारा में नियमित रूप से 9वीं कक्षा से पी.एच.डी. तक संस्कृत/पालि/प्राकृत भाषा को अधयन्न करने वाले छात्र/छात्राओं के लिए छात्रवृति।

8. अष्टादशी – संस्कृत संवर्धन हेतु अठारह परियोजनाएं।

9. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा।

I. संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता

(अ) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

इस योजना के अंतर्गत चयनित संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत अध्यापकों को रु.20,000/- प्रतिमाह की दर से मानदेय एक वित्तीय वर्ष में 12 माह के लिए तथा अंशकालिक संस्कृत अध्यापकों को रु.10,000/- प्रतिमाह की दर से मानदेय एक वित्तीय वर्ष में 12 माह के लिए दिया गया है।

इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में विश्वविद्यालय द्वारा रु.1324.80 लाख की राशि निर्गत की गई। इस वित्तीय सहायता से 324 संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में कार्यरत 781 संस्कृत अध्यापक लाभान्वित हुए है। (संलग्नक-झ)

(आ) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषयों के अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

इस योजना के अंतर्गत चयनित संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषय के अध्यापकों को रु.20,000/- प्रतिमाह की दर से मानदेय एक वित्तीय वर्ष में 12 माह के लिए तथा अंशकालिक आधुनिक विषय के अध्यापकों को रु.10,000/- प्रतिमाह की दर से मानदेय एक वित्तीय वर्ष में 12 माह के लिए दिया गया है।

इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में विश्वविद्यालय द्वारा रु.5028.00 लाख की राशि निर्गत की गई। इस वित्तीय सहायता से 197 संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में कार्यरत 261 आधुनिक विषय अध्यापक/अंशकालिक अध्यापक/कंप्यूटर अध्यापक लाभान्वित हुए है।

(इ) राज्य सरकार से सम्बन्धित माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

इस योजना के अंतर्गत जिन राज्यों में राज्य सरकार के द्वारा माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत अध्यापक उपलब्ध नहीं किये गए, उन राज्यों में सरकारी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को एक संस्कृत अध्यापक के लिए मानदेय राशि रु. 20,000/- प्रतिमाह की दर से एक वित्तीय वर्ष में 12 माह के लिए दिया गया है।

इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में विश्वविद्यालय द्वारा रु.54.00 लाख की राशि निर्गत की गई। इस वित्तीय सहायता से 25 सरकारी विद्यालयों में 25 संस्कृत अध्यापक लाभान्वित हुए है।

(ई) गुरु शिष्य परम्परा संस्थाओं (पंजीकृत चतुष्पाठी/गुरुकुल/पाठशाला/टोल/गुरु शिष्य परम्परा पारंपरिक संस्थान) में संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

इस योजना के अंतर्गत गुरु शिष्य परम्परा संस्थाओं (पंजीकृत चतुष्पाठी/गुरुकुल/पाठशाला/टोल/गुरु शिष्य परम्परा पारंपरिक संस्थान) में चयनित संस्कृत अध्यापकों को रु. 5,000/- प्रतिमाह की दर से मानदेय एक वित्तीय वर्ष में 12 माह के लिए दिया गया है।

इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में विश्वविद्यालय द्वारा रु.66.00 लाख की राशि निर्गत की गई है। इस वित्तीय सहायता से 107 चतुष्पाठी संस्थाओं में कार्यरत 110 संस्कृत अध्यापक लाभान्वित हुए है।

(उ) पारंपरिक/प्राच्य संस्थाओं में अध्ययनरत संस्कृत के आवासीय छात्रों को दोपहर और रात्रि भोजन की सुविधा प्रदान करने तथा आवासीय रखरखाव के लिए वित्तीय सहायता।

इस योजना के अंतर्गत आवासीय सुविधाओं वाले चयनित संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आवासीय पारंपरिक/प्राच्य संस्कृत छात्रों को एक शैक्षणिक वर्ष में 10 महीने के लिए 600 रुपये प्रति माह की दर से दोपहर और रात के भोजन की सुविधा प्रदान करने के लिए आवासीय रखरखाव छात्रवृति के रूप में वित्तीय सहायता दी गयी है।

इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में विश्वविद्यालय द्वारा रु. 193.80 लाख की राशि निर्गत की गयी है। इस वित्तीय सहायता से कुल 3869 आवासीय छात्र लाभान्वित हुए है।

II. अभावग्रस्त परिस्थितियों में रहने वाले प्रख्यात संस्कृत पंडितों को सम्मान राशि के लिए वित्तीय सहायता।

इस योजना के अंतर्गत 65 वर्ष की आयु-सीमा से अधिक आयु वाले प्रसिद्ध योग्य विद्वानों को सम्मान राशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्रोत नहीं है। अनुदान समिति के द्वारा चयनित प्रत्येक विद्वान को रु.60,000/- प्रति वर्ष के लिए सम्मान राशि अन्य आय की कटौती के बिना दी गई हैं।

इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में रु.92.88 लाख की राशि निर्गत की गई है। इस वित्तीय सहायता से कुल 155 संस्कृत पंडित लाभान्वित हुए है।

III. संस्कृत संवर्धन के कार्यक्रम/गतिविधियों के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता।

गैर सरकारी संगठन/संस्कृत विश्वविद्यालयों/विश्वविद्यालयों/संस्थाओं द्वारा संस्कृत के विकास एवं प्रचार के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे संस्कृत विद्वानों का सम्मान, विद्वत सभाओं का आयोजन, संस्कृत की सायंकाल कक्षाएँ, संस्कृत समारोह, सम्मेलन प्रशिक्षण कक्षाएं, अनुसंधान परियोजनाओं, संस्कृत शिक्षण पद्धति का विकास आदि कार्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 41 संस्थाओं/विश्वविद्यालयों/ एन.जी.ओ. के पक्ष में रु.41.00 लाख की राशि की स्वीकृति दी गयी है तथा भुगतान प्रक्रियाधीन हैं एवं रु.1.44 लाख की राशि निर्गत की गयी हैं।

IV. संस्कृत शास्त्र शिक्षण हेतु शास्त्र विद्वानों अथवा सेवानिवृत्त संस्कृत विद्वानों की सेवाओं की उपयोगिता के लिए वित्तीय सहायता। (शास्त्र चूड़ामणि)

इस योजना के अंतर्गत पारम्परिक संस्कृत महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त/प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य यह है कि सेवानिवृत्त/ख्याति प्राप्त संस्कृत विद्वानों की सेवा अनुभवों का उपयोग संस्कृत छात्रों और अध्यापकों की शंकाओं को दूर कर परम्परागत पद्धति से शास्त्रीय गहन अध्ययन करके छात्र अपने विषय के महारथी बन सके।

इस योजना के अंतर्गत परम्परागत-संस्कृत विद्वानों को रु.20,000/- प्रतिमाह की दर दो वर्ष की अवधि हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की गयी है। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में 28 नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2023-24 में 22 शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों का चयन किया गया है। इस योजना के अंतर्गत रु. 39.95 लाख की राशि निर्गत की गई है।

V. पंजीकृत पारंपरिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं के छात्रों के लिए ''व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम'' संचालित करने के लिए वित्तीय सहायता।

इस योजना के अंतर्गत चयनित संस्थाओं को पाण्डुलिपि विज्ञान, रत्नपरीक्षा, फेशन डिजाइन, प्रबन्धन, मंदिर संस्कृति, प्राकृतिक भाषा प्रक्रिया, होटल प्रबंधन, पाकशास्त्र, कृषि संवर्धन, अनुप्रयोग, पर्यटन, अतिथि सत्कार/सम्मान, व्यापक ऑनलाईन पाठ्यक्रम, सूचीपत्र, पुरालेख, कर्मकाण्ड, संस्कृत टंकण एवं आशुलिपि, संस्कृत रचना, संशोधन एवं पुरालेख, विकास आदि कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु रु.1,00,000/- तक प्रत्येक कार्यक्रम आयोजन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 23 संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/संस्थाओं के पक्ष में रु.21.25 लाख की राशि की स्वीकृति दी गयी है तथा भुगतान प्रक्रियाधीन हैं एवं रु.13.22 लाख की राशि निर्गत की गयी हैं।

VI. प्रकाशन, पुनर्मुद्रण और थोक खरीद के लिए वित्तीय सहायता।

वर्ष 2023-24 के लिये विश्वविद्यालय की अनुदान सहायता समिति की बैठक दिनांक 05.06.2024 को आहूत की गई, जिसमें वर्ष 2023-24 के लिए थोक क्रय, प्रकाशन, पुनर्मुद्रण एवं संस्कृत जर्नल/पत्रिका योजना हेतु वित्तीय सहायता के अंतर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों को अनुमोदित किया गया, जिनका विवरण निम्नानुसार है।

वर्ष 2023-24 में प्रकाशन सम्बन्धी व्यय हेतु प्रस्ताव भी स्वीकृत हैं। (संलग्नक ञ)।

क्र.सं	योजना का नाम	प्रस्तावों की कुल संख्या	कुल प्राप्त अनुमोदित प्रस्ताव	स्वीकृत शीर्षकों की कुल संख्या	कुल आवंटित अनुदान
1.	थोक-खरीद	160	132	698	Rs. 77,01,383.5
2.	संस्कृत पुस्तकों का प्रकाशन	21	15	15	Rs. 18,28.400.0
	दुर्लभ संस्कृत पुस्तकों का पुनर्मुद्रण	06	05	58	Rs. 50,00,000.0
3.	संस्कृत जर्नल/पत्रिका/समाचार पत्र	19	17	-	Rs. 16,20,000.0
4.	डाक व्यय	-	-	-	Rs. 7,25,274.00

VII. पालि एवं प्राकृत

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की पहल पर वर्ष 2009 में प्रारंभ की गई 'पालि-प्राकृत योजना' पंचवर्षीय योजना (वर्ष 2012-17) के बाद केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संचालित योजनाओं का अभिन्न अंग बन चुकी है। इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2023-24 लखनऊ एवं जयपुर केंद्रों में निम्नलिखित गतिविधियाँ सम्पन्न हुई –

कार्यशाला – केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय के सहयोग से एकलव्य परिसर में दिनांक 4 फरवरी 2024 से 4 मार्च 2024 तक 30 दिवसीय पालि भाषा शिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

शोध पत्रिका – "पालि प्राकृत अनुशीलनम्" (षण्मासिक शोधपत्रिका, UGC care Listed) Vol. 8, वर्ष 2020 एवं 2021 संयुक्तांक प्रकाशित है एवं Vol. 9 प्रकाशन योग्य है।

पालि-प्राकृत उपोद्घात ग्रन्थ रचना हेतु लगभग 5000 पृष्ठात्मक संकलन कार्य पूर्ण है। एवमेव दशाधिक ग्रन्थों का अनुवादादि कार्य सम्पन्न किये गये हैं।

VIII. अष्टादशी परियोजना

अष्टादशी परियोजना मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग पत्र संख्या F.No. 1-27/2015. Skt.II dated 18.11.2015 के माध्यम से संस्कृत के विकास के लिए अगले दस वर्षों के लिए दीर्घकालिक विजन और रोडमैप का सुझाव देने हेतु श्री एन्. गोपालस्वामी, कुलाधिपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति की अध्यक्षता में तेरह (13) सदस्यों की समिति गठित की थी। उक्त सन्दर्भ में संस्कृत के विकास को बनाए रखने के लिए समिति की प्रमुख सिफारिशों में से एक प्रमुख सिफारिश अष्टादशी (18 परियोजनाएं) है। रिपोर्ट के अनुसार संस्कृत के विकास इंजन को अत्यधिक आवश्यक बढ़ावा देने के लिए अष्टादशी योजना को एक विशेष मामले के रूप में लिया गया। अष्टादशी परियोजना के प्रमुख क्षेत्र हैं-

1. ज्ञानात्मक साहित्य अनुवाद परियोजना
2. पांडुलिपियों का संपादन एवं प्रकाशन परियोजना
3. डिजिटल एवं ऑनलाईन परियोजना
4. ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम परियोजना
5. समकालीन साहित्य परियोजना
6. सांध्यकालीन विद्यालय परियोजना
7. प्रौद्योगिकी अनुकूलन परियोजना
8. कम्प्यूटर शिक्षा परियोजना
9. द्विवार्षिक संस्कृत पुस्तक मेला परियोजना
10. जनता तक संस्कृत पहुँचाना परियोजना
11. शब्दशाला परियोजना
12. दुर्लभ पुस्तकों का पुनः प्रकाशन परियोजना
13. आवासीय प्रशिक्षण परियोजना
14. संस्कृत-आधुनिक विषयों की समेकन परियोजना

15. इंटर्नशिप परियोजना के लिए सहायता
16. बाल साहित्य परियोजना
17. संस्कृत परियोजना के माध्यम से योग
18. संस्कृत माध्यम से आयुर्वेद

रोड मैप कमेटी और पूर्व में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय) की सिफारिशों के अनुसार केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने अष्टादशी परियोजनाओं के अंतर्गत शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों/संगठनों को वित्तीय सहायता के प्रस्तावों को आमंत्रित करने के लिए अधिसूचना जारी की थी। पूर्व-जांच समिति की अधिसूचना और सिफारिशों के अनुसार परियोजनाओं की प्रस्तुति के लिए कुल 182 प्रस्तावों की इंटरफेस मीटिंग बुलाई गई थी। अष्टादशी परियोजनाओं के दिशानिर्देशों और प्रस्तुति की गुणवत्ता के आधार पर उच्च स्तरीय समिति ने 80 परियोजनाओं के लिए कुल लागत रु.5,86,50,000/- सिफारिश की है। फलस्वरूप वित्तीय अनुदान समिति की मंजूरी के बाद संबंधित संस्थानों को नियमानुसार अनुदान वितरित किया जा रहा है।

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तीन प्रकार की छात्रवृत्तियाँ आवंटित करता है -

1. आंतरिक छात्रवृत्ति, जो कि विश्वविद्यालय के अपने परिसरों में पारम्परिक रूप से संस्कृत का अध्ययन करने वाले नियमित छात्रों को प्रदान की जाती है।
2. अखिल भारतीय स्तर पर आधुनिक और पारंपरिक धाराओं के संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/उच्च/उच्च-माध्यमिक विद्यालयों/कॉलजों में अध्ययनरत छात्रों के लिए छात्रवृत्ति हेतु वित्तीय सहायता।

पूर्वोक्त 1.2 प्रकार की छात्रवृत्तियों में प्रकार '1' की छात्रवृत्ति (परिसरीय छात्रों को दी जाने वाली आन्तरिक छात्रवृत्ति) अर्हों को विश्वविद्यालय के परिसरों के द्वारा साक्षात् दी जाती है। द्वितीय प्रकार की छात्रवृत्तियाँ भारतसरकार के 'संस्कृत शिक्षा का विकास' योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाती है। योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों का आवंटन विश्वविद्यालय मुख्यालय के छात्रवृत्ति विभाग द्वारा क्रियान्वित होता है।

आन्तरिक (प्रकार-1) छात्रवृत्तियाँ

प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति की दर क्रम से 600/- रुपये, 800/- रुपये, 800/- रुपये तथा 1000/- रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे शोध छात्रों को 8000/- रुपये की छात्रवृत्ति प्रतिमाह दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 10000/- रुपये वार्षिक सांयोगिक धनराशि भी दी जाती है। यह सांयोगिक धनराशि की दर दिनांक 18.02.2016 से लागू है।

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2023-24 में विश्वविद्यालय द्वारा छात्रो को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है:-

		कक्षा												
क्र. सं.	परिसर	प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षाशास्त्र		आचार्य		शिक्षा आचार्य		विद्या-वारिधि	योग
		I	II	I	II	III	I	II	I	II	I	II		
1	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	11	**11**
2	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	111	67	94	79	36	110	109	290	188	24	12	28	**1148**
3	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	99	55	125	69	58	107	108	64	28	-	-	12	**725**
4	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	10	10	27	23	29	53	51	37	38	-	-	04	**282**
5	जयपुर परिसर, जयपुर	92	56	171	132	72	109	107	74	52	7	2	-	**874**
6	लखनऊ परिसर, लखनऊ	51	51	46	46	46	51	54	49	46	-	-	11	**451**
7	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	57	21	27	16	09	53	55	31	40	-	-	11	**320**
8	वेदव्यास परिसर, बलाहर	96	60	156	127	75	55	55	56	46	-	-	15	**742**
9	भोपाल परिसर, भोपाल	25	32	65	46	37	103	108	32	12	17	31	41	**549**
10	के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई	04	03	22	11	09	50	22	28	13	-	-	02	**194**
11	मुख्यालय, नई दिल्ली	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	27	**27**
12	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	85	21	49	18	02	55	55	27	24	-	-	15	**351**
13	श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	56	23	79	35	45	-	-	20	09	-	-	09	**276**
	कुल योग	**686**	**399**	**861**	**602**	**418**	**746**	**754**	**709**	**496**	**48**	**45**	**186**	**5950**

छात्रवृत्ति प्रदान किये गए छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग के छात्रों की कक्षावार संख्या निम्नलिखित है-

कक्षा	अनु. जाति	अनु. जनजाति	पिछड़ा वर्ग	ई.डब्लयू. एस.	सामान्य	अन्य	पुरुष	स्त्री	योग
प्राक् शास्त्री - I	50	63	99	29	432	13	478	208	686
प्राक् शास्त्री - II	24	18	74	10	263	10	277	122	399
शास्त्री - I	74	37	187	35	515	13	586	275	861
शास्त्री - II	49	26	113	23	385	06	372	230	602
शास्त्री - III	28	14	104	19	240	13	265	153	418
आचार्य -I	62	24	139	51	432	01	341	368	709
आचार्य -II	37	14	132	32	280	01	213	283	496
शिक्षाशास्त्र- I	105	57	177	164	212	31	313	433	746
शिक्षाशास्त्र - II	104	60	237	125	195	33	338	416	754
शिक्षा आचार्य - I	02	-	12	15	19	-	26	22	48
शिक्षा आचार्य - II	02	-	11	09	23	-	35	10	45
विद्यावारिधि	12	05	28	55	86	-	130	56	186
कुल योग	549	318	1313	567	3082	121	3374	2576	5950

संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत वित्तीय सत्र 2023-24 के पारंपरिक एवं आधुनिक धारा में 9वीं कक्षा से पी.एच.डी. तक संस्कृत/पालि/प्राकृत भाषा में नियमित रूप से अध्ययन करने वाले छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु

संस्कृत/पालि/प्राकृत भाषाओं के अध्ययनरत छात्रों को प्रोत्साहित करने हेतु केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत परम्परागत धारा में मान्यता प्राप्त संस्कृत पाठशाला/संस्कृत महाविद्यालय/संस्कृत विश्वविद्यालय तथा आधुनिक धारा में मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय में पूर्वमध्यमा (प्रथमवर्ष)/9वीं,पूर्वमध्यमा(द्वितीयवर्ष)/10वीं,उत्तरमध्यमा/प्राकशास्त्री(प्रथमवर्ष)/11वीं,उत्तरमध्यमा/प्राकशास्त्री(द्वितीयवर्ष) /12वीं, शास्त्री/बी.ए.(प्रथम/द्वितीय/ तृतीय वर्ष), आचार्य/एम.ए. (प्रथम/द्वितीय वर्ष) तथा विद्यावारिधि/पी.एचडी. पाठ्यक्रमों में अथवा समकक्ष पाठ्यक्रमों में संस्कृत/पालि/प्राकृत भाषा को मुख्य विषय या ऐच्छिक विषय के रूप में नियमित रूप से अध्ययनरत/प्रविष्ट छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। छात्रवृत्ति की दर निम्न प्रकार से है:-

कक्षा	छात्रवृत्ति दर
• 9वीं से 10वी तथा समकक्ष पाठ्यक्रम	रू.500/- प्रति माह X10 माह =रू.5000/- प्रतिवर्ष प्रत्येक कक्षा
• 11वीं से 12वीं तथा समकक्ष पाठ्यक्रम	रू.600/- प्रति माह X 10 माह =रू.6000/-प्रतिवर्ष प्रत्येक कक्षा
• बी.ए./बी.ए.(आनर्स)-प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा समकक्ष	रू.800/- प्रति माह X10 माह =रू.8000/-प्रतिवर्ष प्रत्येक कक्षा
• संस्कृत,पालि/प्राकृत में एम.ए.-प्रथम एवं द्वितीय	रू.10000/-प्रति माह X 10 माह =रू.10,000/-प्रतिवर्ष प्रत्येक कक्षा

वर्ष या समकक्ष	
• संस्कृत, पालि/प्राकृत में पी.एच.डी या समकक्ष	रू.2500/- प्रति माह + रू.5000/- आकस्मिक अनुदान रू.35,000/- प्रति वर्ष (केवल तीन वर्षों के लिए)
अनुदान	

योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या भारत सरकार द्वारा उपलब्ध धनराशि के आधार पर निर्धारित की जाती है। भारत सरकार द्वारा समय-समय पर लागू आरक्षण नीति का पालन भी किया जाता है।

संस्कृत संवर्धन की योजना के अन्तर्गत परम्परागत तथा आधुनिक धारा में वर्ष-2023-2024 में छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 11536 पंजीकृत संस्थाओं से 64262 ऑनलाईन आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। राज्यों हेतु निर्धारित स्वीकृत बजट के अनुसार अधिकतम से अधिकतम प्रतिशतता के आधार पर छात्रों की योग्यता सूची तैयार की जाती है। पूर्व कक्षाओं में प्राप्तांकों के आधार पर रैकवार मेधावी छात्रवृत्ति की सूची तैयार करने के पश्चात् 23764 आवेदनकर्ताओं को परम्परागत तथा आधुनिक धारा में नीचे दी गई तालिका के अनुसार वर्ष-2023-2024 की कक्षा 9वीं से पी.एच.डी. तक भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/स्कूलों में छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए चयनित किया गया है:-

(क) परम्परागत धारा:-

कक्षा	कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग श्रेणी	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्ति याँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
पूर्व मध्यमा प्रथम9/वीं	123	65	28	210	00	11	437	रू.5000-/	रू.21,85,000.00
पूर्व मध्यमा द्वितीय10/वीं	187	50	40	237	00	13	527	रू.5000-/	रू.26,35,000.00
उ.मा. / प्राक शास्त्री. / 11 वीं /प्रथमा	772	135	53	432	07	54	1453	रू.6000-/	रू.87,18,000.00
उ.मा. / प्राक शास्त्री. / 12 वीं / द्वितीय	689	112	32	379	00	14	1226	रू.6000-/	रू.73,56,000.00
शास्त्री प्रथम वर्ष/बी.ए.	1103	173	44	459	01	62	1842	रू.8000-/	रू.1,47,36,000.00
शास्त्री द्वितीय वर्ष/बी.ए.	547	159	20	223	01	16	966	रू.8000-/	रू.77,28,000.00
शास्त्री तृतीय वर्ष/बी.ए.	405	121	13	222	01	26	788	रू.8000-/	रू.63,04,000.00
आचार्य प्रथम वर्ष/एम.ए.	503	122	21	298	06	79	1029	रू.10000-/	रू.1,02,90,000.00
आचार्य द्वितीयवर्ष/एम.ए.	360	96	39	217	03	56	771	रू.10000-/	रू.77,10,000.00
विद्यावारिधि पी.एच.डी.	41	19	01	48	02	45	156	रू.35000-/	रू.54,60,000.00
कुल	4730	1052	291	2725	21	376	9195	-----	रू.7,31,22,000.00

(ख) परम्परागत धारा (पूर्वोत्तर)

	कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु.जाति.	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग श्रेणी	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
पूर्व मध्यमा प्रथम9/वीं	05	00	00	00	00	00	05	रु.5000/-	रु.25,000.00
पूर्व मध्यमा द्वितीय10/वीं	10	01	00	00	00	00	11	रु.5000/-	रु.55,000.00
उ.मा. / प्राक शास्त्री. / 11 वीं /प्रथमा	25	14	50	14	00	00	103	रु.6000/-	रु.6,18,000.00
उ.मा. / प्राक शास्त्री. / 12 वीं / द्वितीय	22	06	03	09	00	00	40	रु.6000/-	रु.2,40,000.00
शास्त्री प्रथम वर्ष/बी.ए.	14	13	17	14	00	00	58	रु.8000/-	रु.4,64,000.00
शास्त्री द्वितीय वर्ष/बी.ए.	05	01	08	04	00	00	18	रु.8000/-	रु.1,44,000.00
शास्त्री तृतीय वर्ष/बी.ए.	11	00	00	01	00	00	12	रु.8000/-	रु.-96,000.00
आचार्य प्रथम वर्ष/एम.ए.	07	07	10	07	00	00	31	रु.10000/-	रु.3,10,000.00
आचार्य द्वितीयवर्ष/एम.ए.	08	04	01	02	00	00	15	रु.10000/-	रु.1,50,000.00
विद्यावारिधि पी.एच.डी.	00	00	00	00	00	00	00	रु.35000/-	----
कुल	107	46	89	51	00	00	293	-----	रु.21,02,000.00

(ग) आधुनिक धाराः-

	कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग श्रेणी	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
9वीं	695	260	130	467	11	167	1730	रु.5000/-	रु.86,50,000.00
10वीं	747	266	133	479	5	143	1773	रु.5000/-	रु.88,65,000.00
11वीं	680	258	129	465	17	172	1721	रु.6000/-	रु.1,03,26,000.00
12वीं	836	316	158	569	16	211	2106	रु.6000/-	रु.1,26,36,000.00
शास्त्री प्रथम वर्ष/बी.ए.	447	159	64	287	1	104	1062	रु.8000/-	रु.84,96,000.00
शास्त्री द्वितीय वर्ष/बी.ए.	341	106	33	191	0	36	707	रु.8000/-	रु.56,56,000.00
शास्त्री तृतीय वर्ष/बी.ए.	288	88	26	158	1	23	584	रु.8000/-	रु.46,72,000.00
आचार्य प्रथम वर्ष/एम.ए.	478	145	41	275	4	73	1016	रु.10000/-	रु.1,01,60,000.00

आचार्य द्वितीयवर्ष/एम.ए.	291	83	43	175	2	48	642	रु.10000/-	रु.64,20,000.00
पी.एच.डी.	67	19	3	39	1	16	145	रु.35000/-	रु.50,75,000.00
कुल	4870	1700	760	3105	58	993	11486	-----	रु.8,09,56,000.00

(घ) आधुनिक धारा (पूर्वोत्तर) –

	कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग श्रेणी	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
9वीं	19	19	03	15	01	00	57	रु.5000/-	रु.2,85,000.00
10वीं	25	03	00	10	00	00	38	रु.5000/-	रु.1,90,000.00
11वीं	106	10	02	31	00	00	149	रु.6000/-	रु.8,94,000.00
12वीं	31	03	00	10	00	00	44	रु.6000/-	रु.2,64,000.00
प्रथम वर्ष/बी.ए.	22	00	00	03	00	00	25	रु.8000/-	रु.2,00,000.00
द्वितीय वर्ष/बी.ए.	01	00	00	00	00	00	01	रु.8000/-	रु.08,000.00
तृतीय वर्ष/बी.ए.	03	00	00	00	00	00	03	रु.8000/-	रु.24,000.00
प्रथम वर्ष/एम.ए.	74	14	09	36	00	13	146	रु.10000/-	रु.14,60,000.00
द्वितीयवर्ष/एम.ए.	76	13	04	38	00	03	134	रु.10000/-	रु.13,40,000.00
पी.एच.डी.	10	05	02	10	00	02	29	रु.35000/-	रु.10,15,000.00
कुल	367	67	20	153	01	18	626	-----	रु.56,80,000.00

(ड़) आधुनिक धारा (संस्कृत आनर्स)-

	कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनुजाति.	अनुजाति.जन.	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग श्रेणी	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
प्रथम वर्ष/ बी.ए.	257	95	46	172	2	64	636	रु.8000/-	रु.50,88,000.00
द्वितीय वर्ष/ बी.ए.	308	115	58	207	3	77	768	रु.8000/-	रु.61,44,000.00
तृतीय वर्ष/ बी.ए.	283	102	42	184	2	68	681	रु.8000/-	रु.54,48,000.00
कुल	848	312	146	563	7	209	2085	----	रु.1,66,80,000.00

(छ) आधुनिक धारा (संस्कृत आनर्स) (पूर्वोत्तर)-

	कुलछात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग श्रेणी	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
प्रथम वर्ष/ बी.ए.	11	01	00	05	00	00	17	रू.8000/-	रू.1,36,000.00
द्वितीय वर्ष/ बी.ए.	15	02	00	05	00	00	22	रू.8000/-	रू.1,76,000.00
तृतीय वर्ष/ बी.ए.	22	05	01	12	00	00	40	रू.8000/-	रू.3,20,000.00
कुल	48	08	01	22	00	00	79	----	रू.6,32,000.00

कुलयोग – (क), (ख), (ग), (घ), (च) एवं (छ) –

धारा	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन.जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग श्रेणी	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	कुल राशि
परम्परागत	4730	1052	291	2725	21	376	9195	रू.7,31,22,000.00
परम्परागत (पूर्वोत्तर)	107	46	89	51	00	00	293	रू.21,02,000.00
आधुनिक	4870	1700	760	3105	58	993	11486	रू.8,09,56,000.00
आधुनिक (पूर्वोत्तर)	367	67	20	153	01	18	626	रू.56,80,000.00
आधुनिक(संस्कृत आनर्स)	848	312	146	563	07	209	2085	रू.1,66,80,000.00
आधुनिक (संस्कृत आनर्स) (पूर्वोत्तर)	48	08	01	22	00	00	79	रू.6,32,000.00
कुल	10970	3185	1307	6619	87	1596	23764	रू.17,91,72,000.00

4.1.10 अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरुकुलों में अध्ययनरत प्रतिभान्वित छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर भागग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

वर्ष 2023-24 में राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ निम्न अधोलिखित राज्यों एवं स्थानों में आयोजित की गईं।

1. जम्मू और कश्मीर: रणवीर परिसर, जम्मू
2. हिमाचल प्रदेश: वेद व्यास परिसर, बलाहर
3. दिल्ली: श्री ला.ब.शा.रा.सं. विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
4. उत्तराखण्ड: श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग
5. ओडिशा: सदाशिव परिसर, पुरी

6. बिहार और झारखण्ड दरभङ्गा सं.वि.वि. बिहार
7. पश्चिम बंगाल: कालियाचक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता
8. राजस्थान जयपुर परिसर, जयपुर
9. उत्तर-प्रदेश: लखनऊ परिसर, जयपुर
10. मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ भोपाल परिसर, भोपाल
11. गुजरात: दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, अहमदाबाद
12. महाराष्ट्र, गोवा के. जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ परिसर, मुम्बई
13. आन्ध्र प्रदेश: राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति
14. तमिलनाडु एवं पाण्डिचेरी : मद्रास आदर्श से महाविद्यालय, चेन्नई
15. केरल: गुरुवायूर परिसर, केरल
16. कर्णाटक: कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बंगलूरु
17. पूर्वोत्तर राज्य : एकलव्य परिसर, अगरतला

61 वाँ अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा दिनांक 18-21 मार्च अयोध्या (उ.प्र.) में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यक्रम दिनांक 18 मार्च 2023 को काशी विश्वनाथ मन्दिर के प्रांगण में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में काशीविश्वनाथ मन्दिर न्यासी परिषद के अध्यक्ष प्रो. नागेन्द्र पाण्डेय मुख्यातिथि के रूप में, सारस्वताथि के रूप में प्रो. गोपबन्धु मिश्र, अध्यक्ष, संस्कृत भारती, नीलकण्ठ तिवारीजी, विधानसभा सदस्य, वाराणसी, दक्षिण तथा अध्यक्ष के रूप में प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली उपस्थित थे। राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित 320 छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे 12 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर भाषणस्पर्धा, 10 परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर विभिन्न शलाका परीक्षा, धातुरूप, काव्यपाठ, अमरकोश एवं अष्टाध्यायी पर 4 कंठपाठ प्रतियोगिताएँ, शास्त्रार्थ-विचार, समस्यापूर्ति, अन्त्याक्षरी स्पर्धाओं भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में देश के विभिन्न राज्यों से 40 से अधिक तत्तद विषय के मूर्धन्य विद्वान् आमंत्रित थे।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक सहित रु.12000/-, 8000/-, 5000/- से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त शलाका परीक्षा में 80 प्रतिशत और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65 प्रतिशत सहित प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विशेष पुरस्कार रु. 5000/- प्रदान किये गये। कर्नाटक राज्य ने सभी प्रदर्शनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की। उपस्थित विद्वगण, निर्णायक एवं दर्शकों ने स्पर्धालुओं की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की है।

प्रो. देवीसहाय पाण्डेय 'दीप' ने 18.03.2024 को कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी की अध्यक्षता में हुआ।

इस कार्यक्रम का समापन समारोह 21.03.2024 को अयोध्या में सम्पन्न हुआ। इस समापन समारोह का आयोजन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कामकेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार के कुलपति प्रो. एल.एन. पाण्डेय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या के महासचिव श्री चंपत राय उपस्थित थे।

4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों

<u>योजना का नाम - आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थानों को वित्तीय सहायता हेतु योजना</u>

<u>परिचयः-</u> आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना वर्ष 1976 में भारत सरकार द्वारा पारम्परिक संस्कृत शिक्षा संस्थानों को सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गयी थी। इस योजना को समय - समय पर परिवर्तित/समीक्षित किया गया। इस योजना को प्रथम बार 1983 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, के पत्र क्रमांक F.80-7/88-SK-1 दिनांक 06 अक्टूबर 1983 के माध्यम से संशोधित

किया गया। पुनः इस योजना को 1993 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F.30-19/88-S.K.1 दिनांक 06 जुलाई 1993 के माध्यम से संशोधित किया गया। बाद में इस योजना के क्रियान्वयन हेतु मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F.8.3/94-SK-1 दिनांक 16.06.1995 के माध्यम से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को स्थानान्तरित किया गया। इसके पश्चात मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F.No.31-4/2009-Skt.1 दिनांक 29 जून, 2012 के माध्यम से इस योजना को पुनः संशोधित किया गया। इस योजना को पुनः शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पत्र F.No. 1-5/2017-Skt.I (Vol. III) दिनांक 24 मार्च, 2023 के माध्यम से पत्र F.No. 1-5/2017-Skt.I (Vol. III) दिनांक 12.06.2023 मे दिये गये आगामी स्पष्टीकरण के साथ संशोधित तथा अनुमोदित किया गया।

वर्तमान योजना की समीक्षा और संशोधन, योजना के दिशा-निर्देशों से संबंधित सुझावों/शिकायत याचिकाओं की प्राप्ति, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) विनियम 2018 के जारी होने, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली में परिवर्तित करने, एनईपी-2020 में निहित सिफारिशों के कार्यान्वयन आदि के कारण हुए नए घटनाक्रमों के आधार पर किया गया है।

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 26 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित हो रही हैं एवं इस योजना हेतु वित्त का अधिकांश भाग केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा दिया जाता है। वर्तमान मे इस योजना के अन्तर्गत 22 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय एवं 04 आदर्श संस्कृत शोध संस्थान मान्यता प्राप्त है। नवीनतम संशोधित योजना के अनुसार, इन संस्थानों को स्वीकार्य वेतन अनुदान और छात्रवृत्ति के लिए 100% वित्तीय सहायता दी जाती है। अन्य व्यय के लिए, विभिन्न ग्रेडों के आधार पर आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों हेतु "संशोधित आदर्श योजना-2022" में निर्धारित प्रतिशत के अनुसार वित्तीय सहायता दी जाती है। **(संलग्नक- ट)**

पाली/प्राकृत में विशेषज्ञता प्राप्त एवं इनमें से किसी भी भाषा में शोध/प्रकाशन गतिविधियों में लगे हुए तथा आदर्श संस्कृत शोध संस्थान के लिए निर्धारित मानदंडों को पूरा करने वाले संस्थानों को भी इस योजना के अन्तर्गत मान्यता प्रदान करने पर विचार किया जाएगा। ऐसे मान्यता प्राप्त संस्थानों को "आदर्श पाली शोध संस्थान (APSS)/आदर्श प्राकृत शोध संस्थान (APRSS)" कहा जाएगा।

उद्देश्य - इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक संस्कृत शिक्षा तथा शोध सहायता देना एवं प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा, एनईपी-2020 में निहित सिफारिशों के अनुरूप आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों को संस्कृत और संबद्ध शास्त्रों/विषयों में अन्तर्विषयक अध्ययन करने की संभावनाओं का पता लगाना आवश्यक है। इस प्रयोजन के लिए, इस योजना के अंतर्गत मान्यता प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों और आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों को प्राक् शास्त्री/शास्त्री और आचार्य के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालित करने, डॉक्टरेट/पोस्ट-डॉक्टरेट या दोनों स्तर पर शोध आयोजित और संचालित करने या पांडुलिपियों और दुर्लभ पुस्तकों को संपादित करने और प्रकाशित करने, शोध आधारित प्रकाशन और शोध पत्रिकाएं निकालने, ग्रंथों का संस्कृत से अन्य भाषाओं में या इसके विपरीत क्रम मे अनुवाद करने और व्यक्तिगत रूप से या केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान के सहयोग से कार्यशालाएँ/सेमिनार आदि आयोजित करने के लिए प्रशासनिक और वित्तीय दोनों तरह की सहायता प्रदान की जाती है। यहां परिकल्पित सहायता का अर्थ यूजीसी के नियमों के साथ-साथ भारत सरकार के समय-समय पर लागू होने वाले दिशानिर्देशों के आधार पर इस योजना के उद्देश्यों की पूर्ति करने हेतु सामान्य प्रशासनिक और वित्तीय सहायता प्रदान की जायगी।

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ आदर्श शोध संस्थानों को वित्तीय वर्ष 2023-24 में निर्गत किये गए अनुदान का विवरण :-

क्रमांक	राज्य का नाम	कुल आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों / शोध संस्थानों की राज्यवार संख्या	वित्तीय वर्ष 2023-24 में निर्गत राशि का विवरण (राशि रु० लाख में)
1.	तेलंगाना	01	1,46,38,836.00
2.	बिहार	05	13,22,37,528.00
3.	हरियाणा	02	4,66,21,943.00
4.	हिमाचल प्रदेश	02	6,50,32,433.00
5.	झारखण्ड	01	1,65,76,671.00
6.	कर्नाटक	01	2,44,60,078.00
7.	केरल	02	4,38,87,543.00
8.	महाराष्ट्र	02	2,96,48,560.00
9.	मणिपुर	01	56,48,028.00
10.	तमिलनाडु	02	3,75,66,514.00
11.	उत्तराखण्ड	01	2,11,45,262.00
12.	उत्तर प्रदेश	03	8,96,34,260.00
13.	पश्चिम बंगाल	02	8,78,06,382.00
14.	राजस्थान	01	1,86,09,424.00
कुल निर्गत अनुदान राशि		26	63,35,13,462.00

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान आदर्श योजना के अंतर्गत जारी छात्रवृत्ति राशि का विवरण :

कुल छात्र संख्या									
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	अन्य पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	प्रति माह छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु निर्धारित राशि	निर्गत राशि
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9 वीं	00	00	00	00	00	00	00	600	00
पूर्व मध्यमा-द्वितीय/10 वीं	00	00	00	00	00	00	00	600	00
उत्तरमाध्यम प्रथम / प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष / 11वीं	23	07	00	00	01	11	42	700	276582
उत्तरमाध्यम द्वितीय/ प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष / 12वीं	28	00	00	00	04	31	63	700	421944
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	52	15	01	00	10	09	87	800	645766
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	63	03	00	00	18	26	110	800	783742
शास्त्री/बी.ए. तत्तीय वर्ष	57	15	01	00	11	20	104	800	700974
आचार्य /बी.ए. प्रथम वर्ष	33	06	00	00	01	14	54	1000	494382
आचार्य /बी.ए. द्वितीय वर्ष	73	01	00	00	07	18	99	1000	913638
विधावारिधि /पी.एच.डी. / शोध छात्रवृत्ति	02	05	01	00	02	02	12	8000	518169
कुल	**331**	**52**	**03**	**00**	**54**	**131**	**571**	**-**	**4755197**

4.1.12 परियोजनाएँ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की नवीन परियोजनाएँ।

1. समर्थ

समर्थ शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने कर्मचारियों, छात्रों और अन्य हितधारकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए 2022 में समर्थ परियोजना को सफलतापूर्वक लागू किया है। वर्तमान में, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के 1567 कर्मचारियों का हैं जिनका प्रबंधन समर्थ के माध्यम से किया जाता है। विश्वविद्यालय ने प्रशासनिक प्रक्रियाओं को परिभाषित करने और नियंत्रित करने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाकर अपनी दक्षता में वृद्धि की है। समर्थ द्वारा विश्वविद्यालय संचालन और प्रशासन के विभिन्न कार्यात्मक डोमेन के प्रबंधन के लिए कई मॉड्यूल पेश किए जाते हैं। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय निम्नलिखित मॉड्यूल का कुशलतापूर्वक उपयोग कर रहा है:

- कार्यक्रम और पाठ्यक्रम (111 कार्यक्रम और 1145 पाठ्यक्रम),
- प्रवेश (2024-25 सत्र में नामांकित कुल छात्र 5988),
- मूल्यांकन एवं ग्रेडिंग (सेमेस्टर 2, 4, 6 के लिए परिणाम घोषित)
- भर्ती प्रक्रिया भी समर्थ के माध्यम से की जा रही है।
- रोजगार प्रबंधन (कुल 889 सक्रिय कर्मचारी),
- ज्ञान प्रबंधन (कुल प्रकाशन- 4417 और 1 पेटेंट),
- कैरियर उन्नति, (पीबीएएस आवेदन - 328, सीएएस आवेदन - 135, एपीएआर आवेदन - 382)
- पेरोल प्रबंधन,
- प्रबंधन छोड़ें,
- कानूनी मामला प्रबंधन (प्रणाली में 69 मामले),
- संपदा प्रबंधन प्रणाली (सभी भवन - 87, सभी मंजिलें - 38, सभी कमरे - 239, सभी शौचालय - 38)
- आरटीआई प्रबंधन (69 आरटीआई)
- कोर कम्युनिकेशन सिस्टम (कुल 3315 ईमेल भेजे गए)
- उपयोगकर्ता प्रबंधन (कुल 1567 उपयोगकर्ता)

2. ई-ऑफिस

ई-ऑफिस डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का एक अभिन्न अंग है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय में सरलीकृत, जवाबदेह, उत्तरदायी और पारदर्शी कामकाज हासिल करने के लिए इस परियोजना को लागू किया है। ई-ऑफिस केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्यालय और पूरे भारत में इसके सभी परिसरों में कार्यान्वित किया गया है। वर्तमान में ई-ऑफिस के द्वारा 208 कर्मचारी अपना कार्यलयीय कार्य कर रहे हैं। यह एक उत्पाद सूट है जिसमें दिन-प्रतिदिन की आधिकारिक कार्य-संबंधी गतिविधियों को बदलने के लिए कई एप्लिकेशन शामिल हैं। यह एक डिजिटल कार्यस्थल है जो विश्वविद्यालय को त्वरित निर्णय लेने में सहायता करता है। यह विश्वविद्यालय के कामकाज को कागज रहित बनाने में मदद करता है।

3. मीडिया सेल

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए मीडिया सेल का गठन किया है। यह ट्विटर, यूट्यूब और फेसबुक सहित सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार है। इस सेल के माध्यम से केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों को विश्वविद्यालय के सोशल मीडिया हैंडल पर प्रसारित किया जाता है। मीडिया सेल विश्वविद्यालय के विभिन्न आयोजनों या कार्यक्रमों के लिए पोस्टर और पैम्फलेट डिजाइन करता है।

4. डिजिटल उपस्थिति प्रणाली

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने अपने कर्मचारियों की सटीक उपस्थिति रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए डिजिटल उपस्थिति प्रणाली को अपनाया है। बायोमेट्रिक अटेंडेंस मशीनें मुख्यालय कार्यालय और विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में तैनात की गई हैं। इस प्रणाली पर 1702 उपयोगकर्ताओं की उपस्थिति का रिकॉर्ड रखा जाता है। इसे विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और विद्वानों की दैनिक उपस्थिति को स्वचालित करने के लिए विकसित किया गया है। उपस्थिति को चिह्नित

करने के लिए सिस्टम फिंगरप्रिंट या चेहरे की पहचान सुविधा का उपयोग करता है। यह कर्मचारियों के आगमन से लेकर प्रस्थान तक के कार्य घंटों पर नज़र रखने के लिए उपयोगी है।

1. राजभाषा प्रभाग

- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय(सीएसयू) मुख्यालय और उनके सभी परिसरों में संघ की राजभाषा नीति का कार्यान्वियन सुनिश्चित करना।
- सीएसयू मुख्यालय में प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वियन समिति की बैठक का आयोजन।
- सीएसयू मुख्यालय और उनके सभी परिसरों से राजभाषा विभाग, गृह मन्त्रालय और शिक्षा मन्त्रालय को हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में प्रत्येक तिमाही में प्रगति रिपोर्ट का प्रेषण।
- प्रत्येक तिमाही में राजभाषा हिंदी कार्यशाला का आयोजन।
- राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों और निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना आदि।
- प्रत्येक वर्ष सीएसयू मुख्यालय और परिसरों में हिंदी दिवस मनाया जाना और इस दौरान विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना ताकि कार्मिकों में हिंदी राजभाषा में कार्यनिष्पादित करने में पूर्ण उत्साह बनाए रखना।
- राजभाषा विभाग,गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित हिंदी दिवस और अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलनों में सीएसयू मुख्यालय और परिसरों के कार्मिकों की प्रतिभागिता बनाए रखना।
- राजभाषा विभाग,गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने का पूर्णत; प्रयास।
- राजभाषा विभाग,गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार नगर राजभाषा कार्यान्वियन समिति से संबंधित अपेक्षाओं पर कार्रवाई।

4.1.13 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय शैक्षिक वर्ष 2023-2024 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के माध्यम से निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन किया-

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन
2. केन्द्रीय समिति की बैठक

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन

संस्कृत भाषा भारतीय मनीषा एवं संस्कृति की अनुपम निधि है। संस्कृत का स्वरूप बहुत विशाल एवं व्यापक है। असंख्य भारतीय अपने भारतीय स्वरूप की रक्षा तथा दृढ़ता के लिए संस्कृत पढ़ना चाहते हैं। उन्हें सरल प्रक्रिया से संस्कृत भाषा एवं उसमें सन्निहित ज्ञान-विज्ञान का परिज्ञान कराना है। इस महान् उद्देश्य की संकल्पना के साथ समाज के विविध क्षेत्र के संस्कृत जिज्ञासुओं को संस्कृताध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण का आरम्भ किया गया है।

देश के सुप्रतिष्ठित उच्चशिक्षण संस्थाओं यथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, (IIT,NIT,IIIT,IIM) अभियान्त्रिक एवं आयुर्वेद संस्थानों, आधुनिक विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों से प्राप्त आवेदन के आधार पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा केन्द्रों का निर्धारण किया गया। इन केन्द्रों में प्रशिक्षित संस्कृत भाषा शिक्षकों को वर्तमान शैक्षिक सत्र के लिए नियुक्त किया गया। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के सुचारु सञ्चालन हेतु संस्था प्रमुख के द्वारा प्रत्येक केन्द्र में एक अधिकृत अधिकारी को नामित किया गया। अधिकृत अधिकारी की सहायता से शैक्षिक सत्र 2023-

2024 में आन्ध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, देहली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, कर्णाटक, केरल, महाराष्ट्र, मणिपुर, मध्य प्रदेश, ओड़िसा, पंजाब, राजस्थान, त्रिपुरा, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, मेघालय, पश्चिम बंगाल, तथा पूर्वोत्तर राज्यों में कुल 127 केन्द्रों का सञ्चालन किया गया। अधिकृत अधिकारी अपने केन्द्र के विविध क्रियाकलापों तथा शिक्षकों का मासिक प्रगति विवरण इस विभाग को प्रेषित किए।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण द्वारा संचालित संस्कृत भाषा प्रमाणपत्रीय पाठयक्रम तथा संस्कृत भाषा दक्षता पाठयक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के कुल 5,983 (3609 महिलाएं तथा 2374 पुरुष)अध्येता इस शैक्षिक सत्र में नामांकन कराए।

राज्यानुसार 2023-2024 सत्रीय केन्द्रों की सूची

क्र.सं.	राज्य	केन्द्र संख्या
1.	आन्ध्रप्रदेश	04
2.	अरुणाचल प्रदेश	02
3.	बिहार	03
4.	देहली	02
5.	गोवा	04
6.	गुजरात	07
7.	हिमाचल प्रदेश	01
08.	जम्मू कश्मीर	04
09.	कर्णाटक	03
10.	केरल	03
11.	मेघालय	02
12.	महाराष्ट्र	12
13.	मणिपुर	02
14.	मध्यप्रदेश	07
15.	ओड़िशा	03
16.	पञ्जाब	04
17.	राजस्थान	03
18.	त्रिपुरा	01
19.	तमिलनाडु	01
20.	तेलंगाना	05
21.	उत्तराखण्ड	04
22.	उत्तरप्रदेश	10
23.	पश्चिम बंगाल	16
24.	असम	24
	कुल	127

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन न केवल नगरों और महानगरों में अपितु सुदूरवर्ती छोटे कस्बों, जम्मू कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व (North East) राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया जाता है। इन केन्द्रों में विद्यार्थियों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, गृहिणी, शोधछात्रों, सेवानिवृत्त, व्यवसायिक, श्रमिक सहित विविध व्यवसाय से जुड़े पुरुष तथा महिलाओं ने अत्यन्त उत्साह के साथ भाग लिया।

संस्कृत भाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा संस्कृत भाषा दक्षता पाठ्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई प्रथमा एवं द्वितीया दीक्षा नामक पाठ्य-सामग्री का अध्यापन किया जाता है।अध्येताओं ने इस पाठय-सामग्री की भूरिशः प्रशंसा की है। संस्कृत भाषा प्रमाणपत्रीय तथा संस्कृतभाषा दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को अंकपत्र तथा प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। विभिन्न केन्द्रों में भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें संस्कृत क्षेत्र में कार्य करने वाले महत्त्वपूर्ण अभ्यागतों ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए संस्कृत भाषा के संवर्धन की आवश्यकता पर बल दिया। संस्था प्रमुखों ने अपनी संस्था में अग्रिम शैक्षिक सत्र में भी अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र सञ्चालित करने हेतु विश्वविद्यालय को निवेदन किया है।

उपर्युक्त केन्द्रों के सञ्चालन में राज्य संयोजकों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। शैक्षिक सत्र 2023-2024 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के राज्य संयोजकों की सूची अधोलिखित है-

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्रप्रदेश	डॉ. यू. वेंकटरमणमूर्त्ति, प्रवक्ता (संस्कृत) सत्यनारायणपुरम्, विजयवाड़ा-520011 (आन्ध्रप्रदेश)
2.	बिहार	प्रो. श्रीप्रकाश पाण्डेय, संस्कृतविभाग, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वाटर. नं.23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर(बिहार)
3.	झारखण्ड	डा.ताराकान्त शुक्ल, अध्यक्ष, संस्कृतविभाग, विनोबाभावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखण्ड
4.	गुजरात	डॉ. भा.वं. रामप्रिय, निदेशक, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, एस्.जी.वी.पी.सर्किल, एस. जी. हाईवे, छारोडी, अहमदाबाद-382481 (गुजरात)
5.	दिल्ली	डॉ. टी. महेन्द्र, सहायकाचार्य, संस्कृत एवं प्राच्यविद्या-अध्ययन-संस्थान, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नवदेहली-110067
6.	हरियाणा	प्रो. सुरेन्द्र मोहन मिश्र, प्रकोष्ठ सं. 21, रोड़ भवन, ब्रह्म सरोवर, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा)
7.	हिमाचल प्रदेश	डा. सुदेश गौतम, हिमाचल आदर्श संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जांगला, तहसील-चढ़गांव, जिला-शिमला हिमाचल प्रदेश-171214
8.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, भूतपूर्व प्राचार्य, 3/127, इन्दिरा विहार, ओल्ड जानीपुर, जम्मू जम्मू-कश्मीर-180 007
9.	कर्णाटक	श्री कू. वेंकटेशमूर्ति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री राजीव गान्धी परिसर, जिला-चिकमंगलूर, कर्नाटक श्रृंगेरी-577139,
10.	केरल	डा.के.गिरिधर, सहायकाचार्य शिक्षाशास्त्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, पो--पुरनाटुक्करा, जिला-त्रिचूर-680551 (केरल)
11.	महाराष्ट्र	प्रो. रवीन्द्र अंबादास मुले, संस्कृत-प्रगत-अध्ययनकेन्द्र, पुणेविद्यापीठ, गणेशखिन्ड पुणे-411037 महाराष्ट्र

12.	मध्यप्रदेश	डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, संस्कृतमार्ग, बागसेवनिया, भोपाल-462043 (मध्यप्रदेश)
13.	ओड़िसा	प्रो. हरेकृष्ण महापात्र, लोकनाथ रोड़, गदाधर उच्च विद्यालय के समीप, जिला-पुरी, उड़ीसा-752001.
14.	छत्तीसगढ़	डा. वैभव वसन्त कान्हे, सहायक आचार्य, गवर्नमेंट डी.एस.वी.पी.जी. संस्कृत कॉलेज, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001
15.	असम	डा. रणजित तिवारी, एसोसिएट आचार्य, डिपार्टमेंट आफ ट्रेडिशनल संस्कृत, कुमार भास्कर वर्मा, संस्कृत एंड एनसिएंट स्टडिज यूनिवर्सिटी, नलबारी, असम-781337
16.	पंजाब	प्रो. हर्ष कुमार मेहता, 11 एस-टी--5 सेक्टर-1 तलवाड़ा टाउनशिप, जिला-होशियारपुर, पंजाब-144216
17.	राजस्थान	प्रो. वाई.एस.रमेश, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर-302 018 राजस्थान
18.	तमिलनाडु	डा.आर.रामचन्द्रन्, संस्कृत विभाग, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द कॉलेज, मैलापुर, चेन्नई-04, तमिलनाडु
19.	तेलंगाना	डॉ. के.वरलक्ष्मी, उपनिदेशिका, संस्कृत अकादमी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना-500007.
20.	उत्तराखण्ड	डॉ.हरीशचन्द्र गुरुराणी, उत्तराखण्ड संस्कृत एकेडमी, रानीपुर झाल, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड-249407
21.	उत्तरप्रदेश	प्रो. गोपबन्धु मिश्र, संस्कृत विभाग, कला संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश-221005.
22.	पश्चिम बंगाल	डा.तन्मय कुमार भट्टाचार्य, ए.एफ.-159, रवीन्द्रपल्ली, प्रफुल्लकानन, कोलकाता-700101
23.	गोवा	श्री आनन्द देसाई, कृष्णाई, मकान न- 214, देमानी, कन्सोलिम, सलसिट, गोवा-403507

डॉ. रत्नमोहन झा, आचार्य, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रिय संयोजक के दायित्व का निर्वहण किया गया।

2. केन्द्रीय समिति का उपवेशन

स्थान	अवधि	सदस्यों की संख्या	सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली	06-07-2023	06	1. प्रो.श्रीनिवास वरखेड़ी 2. प्रो.गोपबन्धु मिश्र 3. श्री सत्यनारायण भट्ट 4. डा. रणजित तिवारी 5. श्री कू.वेंकटेशमूर्ति 6. प्रो.रत्नमोहन झा

4.1.14 पत्राचार पाठ्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से देश और विदेश में संस्कृत भाषा सीखने के जिज्ञासु अध्येताओं के लिए द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम) का संचालन वर्ष 1970 से करता आ रहा है।

सत्र 2023-2024 में पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से 40 भारतीय तथा 01 विदेशी अध्येता ने पंजीयन करवाया है।

4.1.15 मुक्तस्वाध्यायपीठम्

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के अधीन संचालित मुक्तस्वाध्यायपीठम् (Institute of Open and Distance Education) के माध्यम से संस्कृत परम्परागत पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ अगस्त, 2010 से किया जा रहा है। इन पारम्परिक उपाधि पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त विभिन्न राज्यों में संचालित संस्कृत अध्ययन केन्द्रों के द्वारा जनसामान्य को संस्कृत सिखाया जाता है। इन केन्द्रों के द्वारा दो पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं, जिनमें प्रथम पाठ्यक्रम का नाम **'संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रमः'**। तथा दूसरे पाठ्यक्रम का नाम **'संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रमः'**। इसके अतिरिक्त संस्कृत भाषा के संवर्धन हेतु पत्राचार माध्यम से संस्कृत सिखाने का प्रकल्प प्रथमतया पत्राचार के माध्यम द्विवर्षीय संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम (हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम) का संचालन कर रहा है।

शैक्षिक सत्र: 2023-2024 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण:-

मुक्तस्वाध्यायपीठम् द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-2024 में ऑन-लाइन माध्यम से प्रमाणपत्रीय, डिप्लोमा कार्यक्रम, प्राक्शास्त्री (02 Years), शास्त्री (03 Years) तथा आचार्य (02 Years) कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 में 26 देशों के 3330 भारतीय तथा 69 विदेशी अध्येता, जिसमें कुल 3399 अध्येताओं ने प्रवेश प्राप्त किया है।

कार्यक्रम विवरण	भारतीय अध्येताओं की संख्या	विदेशी अध्येताओं की संख्या	कुल योग
अवतरणी (Certificate Programmes)	1640	24	1664
अवगाहनी (Advanced Certificate)	243	6	249
दक्षता (Diploma)	334	5	339
प्रवीणः (Advanced Diploma)	73	8	81
विशारदः (Proficiency Diploma)	11	0	11
प्राक्शास्त्री (Intermediate Programmes)	135	0	135
शास्त्री (Graduate Programmes)	155	4	159
आचार्य (Masters Programmes)	347	7	354
Short Term Programme	392	15	407
कुल	3330	69	3399

अभिकल्प समितिः-

अभिकल्प समिति मुक्तस्वाध्यायपीठम् की नियामक परिषद् है। इस वर्ष (2023-2024) अभिकल्प समिति की बैठक दिनांक 08-02-2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र (CIQA) की बैठकः-

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के अन्तर्गत वर्तमान तथा भविष्य में संचालनीय तथा कल्पितकार्य एवं दायित्व निर्वहण हेतु आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र (CIQA) की बैठक दिनांक 08/02/2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

सम्पर्क कक्षाएँः-

मुक्तस्वाध्यायपीठम् द्वारा संचालित समस्त कार्यक्रमों की अध्ययन / अध्यापन / परामर्श / सम्पर्क-कक्षाएँ ऑनलाइन द्वारा चलाई जा रही हैं।

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

परिसरों की एक झलक

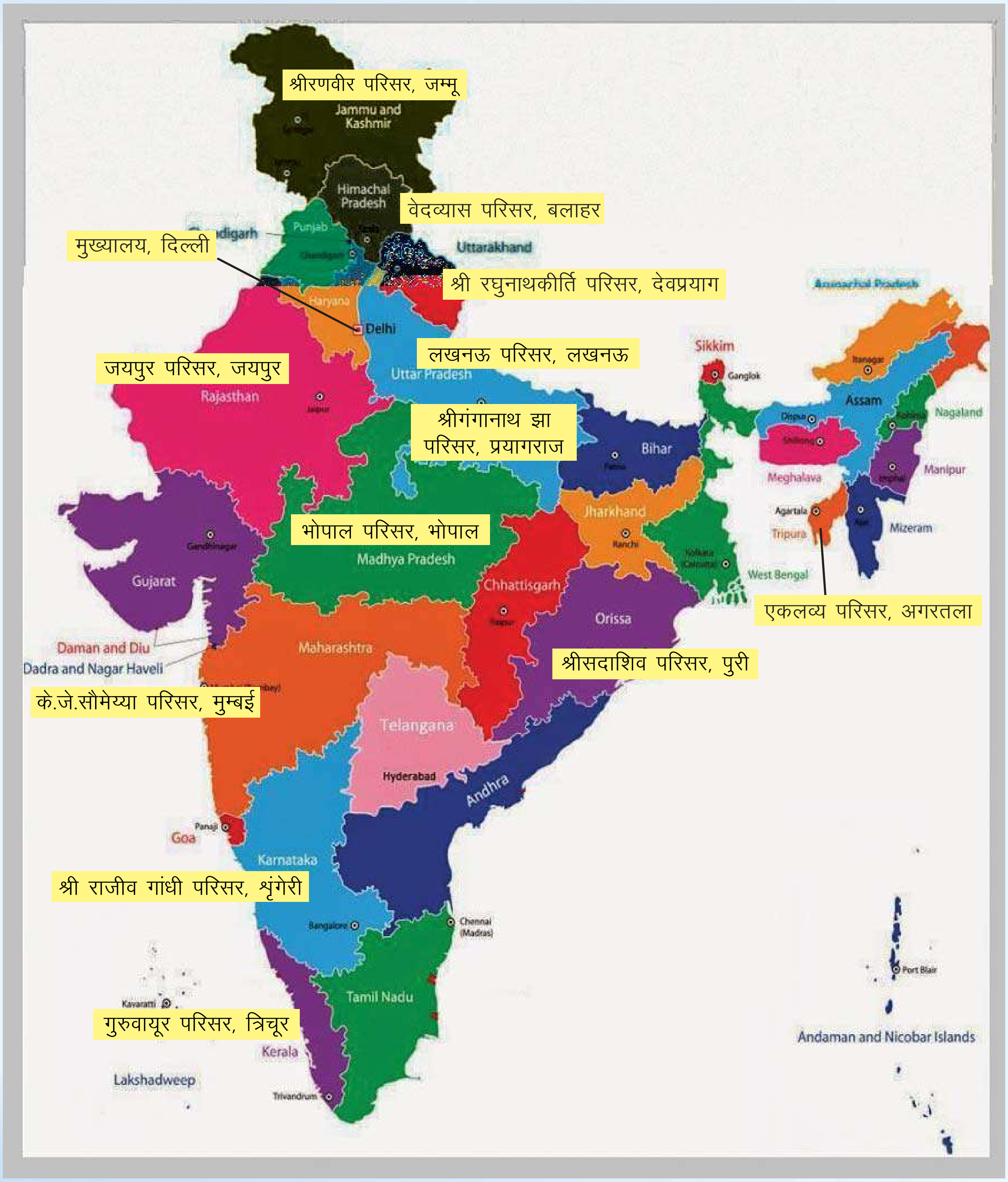

श्रीरणवीर परिसर, जम्मू
Jammu and Kashmir
Himachal Pradesh
वेदव्यास परिसर, बलाहर
मुख्यालय, दिल्ली
Punjab
Uttarakhand
श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग
Haryana
Delhi
लखनऊ परिसर, लखनऊ
जयपुर परिसर, जयपुर
Uttar Pradesh
Rajasthan
Sikkim
Gangtok
Arunachal Pradesh
Assam
Nagaland
श्रीगंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज
Bihar
Meghalaya
Manipur
Jharkhand
Ranchi
Tripura
Agartala
Mizeram
भोपाल परिसर, भोपाल
Madhya Pradesh
Gujarat
Chhattisgarh
West Bengal
Orissa
एकलव्य परिसर, अगरतला
Daman and Diu
Dadra and Nagar Haveli
Maharashtra
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी
के.जे.सौमेय्या परिसर, मुम्बई
Telangana
Hyderabad
Andhra
Goa
Panaji
Karnataka
श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी
Bangalore
Chennai (Madras)
Port Blair
Tamil Nadu
Kavaratti
गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर
Kerala
Andaman and Nicobar Islands
Lakshadweep
Trivandrum

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तरप्रदेश)

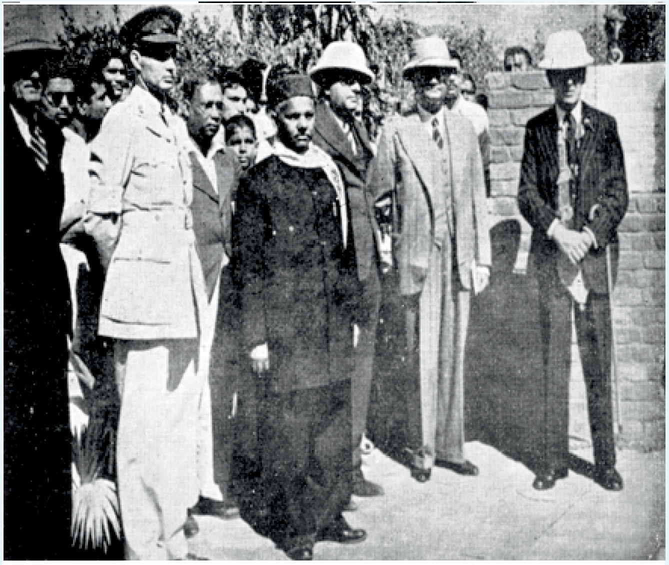

गंगानाथझानुसन्धानसंस्थानशिलान्यासः (फरवरी १३, १९४५)

1. परिचय –

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,गङ्गानाथ झा परिसर का इतिहास 17 नवम्बर, 1943 ई. से प्रारम्भ होता है, जो अपने पूर्वरूप में गङ्गानाथ झा शोधसंस्थान के रूप में स्थापित किया गया था।गङ्गा, यमुना एवं सरस्वती के पावन तट पर बसे तीर्थराज प्रयाग के सुरम्य भू-भाग पर सर गङ्गानाथ झा शोध-संस्थान की स्थापना 17 नवम्बर, 1943 ई. को महामना पं. मदनमोहनमालवीय, डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू, डॉ. भगवानदास, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा, डॉ. गोपीनाथ कविराज, डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद, डॉ. बाबूराम सक्सेना, ले.गवर्नर आदित्यनाथ झा एवं उनके अनुयायियों, शिष्यों एवं विभिन्न पारिवारिक व्यक्तियों के द्वारा डॉ. गङ्गानाथ झा जी की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर हिन्दू हॉस्टल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में की गयी थी।

17 नवम्बर 1943 के दिन गङ्गानाथ झा शोधसंस्थान के उद्घाटन के अवसर पर महामना पं. मदनमोहन मालवीय जी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा था कि -

"There is need for more than one centre like the one you are proposing to erect here. I hope and pray that your efforts may be crowned with success and that you may be able really to build up an active centre of research for ancient Sanskrit learning and other oriental languages. Knowledge is universal and it ought to be popularised. We hope that this centre will be a means of creating such and other centres."

“To the students of Sanskrit, there can not be a better ideal for inspiration than an Institute of this kind created in memory of Dr. Ganganath Jha.”

म.म. डॉ. उमेश मिश्र के प्रयत्न से उ.प्र. सरकार द्वारा कम्पनी बाग के चन्द्रशेखर आजाद पार्क में भूमि प्राप्त होने पर, इस भवन का शिलान्यास 13.02.1945 को उ.प्र. के तत्कालीन राज्यपाल सर मारिस हैलेट के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

सर मॉरिस ने बड़े भाव-भीने शब्दों में कहा कि डॉ. झा किसी प्रदेश-विशेष से सम्बन्धित न होकर पूरे राष्ट्र के थे। प्रयाग के प्रति उनके लगाव को देखते हुये यह बहुत उचित है कि उनकी स्मृति में यहाँ एक शोध संस्थान बने जहाँ से उनके अवशिष्ट कार्य को गति मिले।

डॉ. बाबूराम सक्सेना, डॉ. ईश्वरी प्रसाद, डॉ. एस.पी. चतुर्वेदी एवं पं. के.सी. चट्टोपाध्याय इस समिति में थे। इस समय तक शोध संस्थान का प्रमुख कार्य 'जर्नल' का प्रकाशन रहा।

इसके प्रथम अध्यक्ष डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू (1943-49) थे। उसके बाद डॉ. भगवानदास (1949-59) तथा डॉ. एस.राधाकृष्णन् (1959-63), न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा (1963-65), एवं डॉ. गोपीनाथ कविराज (1965-71) रहे। उपाध्यक्ष के रूप में डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. आदित्यानाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद और डॉ. बाबूराम सक्सेना इस संस्था में अपना योगदान देते रहे। प्रारम्भ से 1967 तक संस्थान के सचिव डॉ. उमेश मिश्र रहे।

महामहोपाध्याय डॉ. पी.वी. काणे, सर सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, डॉ. एफ.डब्ल्यू. थॉमस (ऑक्सफोर्ड), प्रो. फैंकलीन एडगर्टन (न्यूयार्क), मौलवी सईद सुलेमान नकवी (आजमगढ़) और प्रो. मोहम्मद सफी इसके सम्मानित सदस्य रहे। श्री गोपालस्वरूप पाठक, डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, सर एस. वरदाचारी, जस्टिस रघुबर दयाल, एस.सी.दवे और सर सीताराम इसके आजीवन सदस्य रहे। इन विद्वानों के वरदहस्त से इस संस्था की निरन्तर गौरव-वृद्धि होती रही।

1 अप्रैल, 1971 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान वर्तमान में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण अपने अङ्गीभूत विद्यापीठ के रूप में किया गया। तब से यह 'गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' के नाम से जाना गया। सन् 2002 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मानित विश्वविद्यालय बनने के पश्चात् इसका नामकरण राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान,'गङ्गानाथ झा परिसर' हुआ। तदुपरान्त 2020 से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गङ्गानाथ झा परिसर के नाम से यह संस्था प्रगति पथ पर अग्रसर है।

गङ्गानाथ झा परिसर के विकास का बिन्दुवार क्रम

- 1943 से 1971 तक इस संस्थान को गंगानाथ झा शोध संस्थान के नाम से जाना जाता था।
- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा अधिगृहीत करने के बाद इस संस्थान को 1971 से 2002 तक गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में जाना जाता था।
- 2002 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एक मानित–विश्वविद्यालय बन गया, जिसके बाद यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गंगानाथ झा परिसर के रूप में प्रसिद्ध हुआ।
- 2020 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित–विश्वविद्यालय) संसद के एक अधिनियम द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय बन गया, जिसके बाद इसे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर के रूप में जाना जाता है।

2. परिसर की अवस्थिति –

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
गंगानाथ झा परिसर
आज़ाद पार्क, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश, 211002.
फोन- 0532-2460957
ई-मेल- director-prayagraj@csu.co.in
अन्तर्जाल- www.csu-prayagraj.res.in

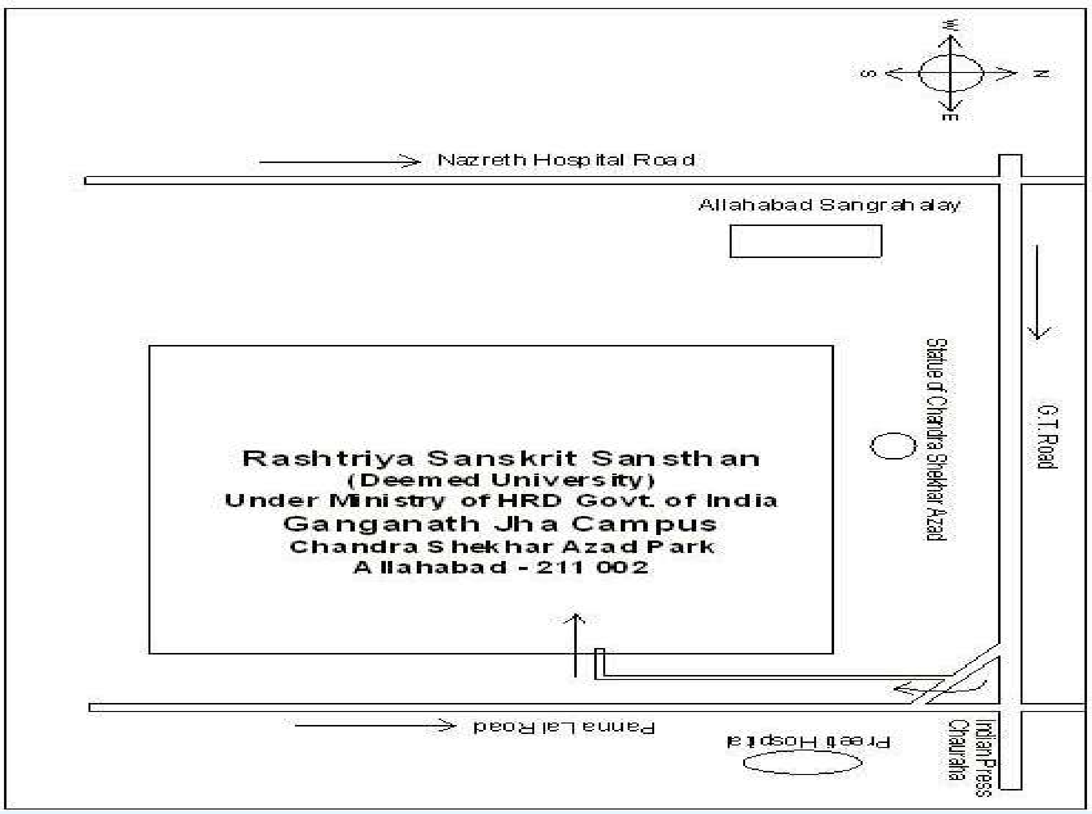

3. परिसर की अवसंरचना

पुस्तकालय- परिसर में एक विशाल पुस्तकालय है जिसमें ५६४७५ भोजपत्रीय पाण्डुलिपियाँ है। यहां अधिकाधिक १५० लोगो के बैठने की उत्तम व्यवस्था है, यहां अध्येता शास्त्राध्ययन के साथ–साथ आधुनिक ग्रन्थों का भी अध्ययन करते है। यहां प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अनेक पत्र-पत्रिकाएँ उपलब्ध रहती है। यहां शान्त वातावरण पठन-पाठन के अनुकूल है।

प्रशासनिक भवन- परिसर में शासकीय कार्यों के लिए एक सुन्दर भवन है।
इसके चहुँ ओर सुन्दर उपवन विद्यमान है जो इसकी शोभा में वृद्धि करता है।

संगणक प्रयोगशाला-परिसर में शोधार्थियों के लिए अनेक उपकरणों से सुसज्जित एक संगणक प्रयोगशाला है।

4. मुख्य गतिविधियाँ –

गंगानाथ झा परिसर मुख्य रूप से एक शोधसंस्थान है। इसके मुख्य कार्यक्षेत्र एवं गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं-

1. महत्त्वपूर्ण अप्रकाशित एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का सम्पादन।
2. प्रकाशन –
   (अ) परिसरीय प्रोजेक्ट के अन्तर्गत सम्पादित पाण्डुलिपियों व अन्य ग्रन्थों का प्रकाशन
   (ब) 'जर्नल ऑफ गंगानाथ झा परिसर' - भारतीय ज्ञान पर आधारित तथा प्राच्य अध्ययन से सम्बन्धित शोध जर्नल का प्रकाशन।
   (स) 'उशती' – शास्त्र अध्ययन व संस्कृत अध्ययन पर आधारित शोध जर्नल का प्रकाशन।
3. पाण्डुलिपियों का संरक्षण व संवर्धन।

4. विश्वविद्यालय के विविध परिसरों में शोधरत छात्रों के लिए(कोर्सवर्क) प्राक्शोधपाठ्यक्रम का सञ्चालन।

5. शोधच्छात्रों के शोधशीर्षक निर्धारणार्थ यथा समय उपवेशन का आयोजन।

6. विविध परिसरों के शोधकेन्द्रों के सञ्चालन हेतु सुझाव प्रदान करना।

7. प्राक्शोधपाठ्यक्रम का निर्माण।

8. शोध को अत्यधिक उन्नत एवं गुणवत्तापूर्ण करने हेतु विविध शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन।

9. शोधप्रशिक्षण केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के अन्तर्गत सभी परिसरों के नवागन्तुक पंजीकृत शोधछात्रों के लिए प्राक्शोधपाठ्यक्रम का सञ्चालन।

10. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की शोधनीति के क्रियान्वयन हेतु शोधविकास प्रकोष्ठ का सञ्चालन।

5. प्रकाशन-

परिसरीय प्रोजेक्ट के अन्तर्गत सम्पादित पाण्डुलिपियों व अन्य ग्रन्थों का प्रकाशन

(ब) 'जर्नल ऑफ गंगानाथ झा परिसर' - भारतीय ज्ञान पर आधारित तथा प्राच्य अध्ययन से सम्बन्धित शोध जर्नल का प्रकाशन।

(स) 'उशती' – शास्त्र अध्ययन व संस्कृत अध्ययन पर आधारित शोध जर्नल का प्रकाशन।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम-

परिसर में प्रमुख रूप से शोधार्थियों का अध्ययन-अध्यापन सुचारु रूप से होता है।

यहां निम्नविभागों में शोधकार्य होता है-

- वेद
- धर्मशास्त्र
- व्याकरण
- शिक्षाशास्त्र
- साहित्य
- पाण्डुलिपि तथा पुरालेखविज्ञान।

7. परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठी/कार्यशाला/व्याख्यानमाला

1. राष्ट्रिय अनुसन्धान कार्यशाला, दिनाङ्क - 08.04.2023 - 13.04.2023

संयोजक	-	प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि.,गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
संयोजन समिति	-	प्रो. मनोज कुमार मिश्र
	-	डॉ. मनीष जुगरान
	-	डॉ. मोनाली दास
	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र
	-	डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी
	-	डॉ. रूपलाल शर्मा
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

2. व्याख्यानमाला - पाणिनीय अनुसंधान में भविष्य की दिशा, दिनाङ्क - 24.04.2023 - 05.05.2023

आयोजक	-	गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
वक्ता	-	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी
	-	प्रो. एम. पीटर श्राफ
		प्रो. अम्बा कुलकर्णी
		प्रो. प्रसाद जोशी
		प्रो. महेश देवकर
		शरन बेन
		प्रो. एलेक्स रुइज़ फाल्केस
		डॉ. अनुजा अजोतिकर
		डॉ. तनुजा अजोतिकर
संयोजक	-	प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज

3. सत्र 2022-23 विद्यावारिधि पाठ्यक्रम प्रवेश हेतु आयोजन, दिनाँक – 29.4.2023 – 2.5.2023

4. विश्व पर्यावरण दिवस, दिनाङ्क – 05.06.2023

मुख्यवक्ता	-	प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर, अध्यक्ष - विश्वार्युवेद मिशन, प्रयागराज
विशिष्टवक्ता	-	डॉ. संजय सिंह, अध्यक्ष -पारिपुनर्स्थापन नवानुसन्धान केन्द्र, प्रयागराज
विशिष्टवक्ता	-	डॉ. अनीता तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, पारिपुनर्स्थापन नवानुसन्धान केन्द्र, प्रयागराज
संयोजिका	-	डॉ. अपराजिता मिश्रा, अध्यक्ष -पाण्डुलिपि पुरालिपिशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
सह-संयोजिका	-	सुश्री अश्विनी लड्ढे, संग्रहालयाध्यक्षा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

5. शोधच्छात्रों के शोधशीर्षक परीक्षण हेतु ऑनलाइन माध्यम एक परीक्षण गोष्ठी सम्पन्न, दिनाँक- 13.6.2023 -14.6.2023

6. विश्व रक्त दाता दिवस, जागरुकता कार्यक्रम, दिनाङ्क –14.06.2023

मुख्यवक्ता	-	डॉ. सुनील कुमार शुक्ल,वरिष्ठ चिकित्सक, स्वरुप रानी नेहरु चिकित्सालय परिसर, प्रयागराज
संयोजक	-	श्री राजेश कान्त तिवारी, डॉ. धीरज कुमार मिश्र, डॉ. विपिन द्विवेदी
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

7. नवम अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस, दिनाङ्क - 21.06.2023

योग प्रशिक्षक	-	श्री योगेश कुमार केसरी, श्री अखिलेश राय
संयोजक	-	प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

8. राष्ट्रिय कार्यशाला - भारतीयव्याकरणपरम्परामवलम्ब्य सार्वभौम-आर्थी-संरचनायाः कल्पनम् दिनाङ्क- 26.06.2023 से 28.06.2023

उद्घाटन सत्र

अध्यक्ष	-	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, के.सं.वि., नई दिल्ली
मुख्यवक्ता	-	डॉ. सोमा पॉल, आई.आई.आई.टी., हैदराबाद
विषय	-	भारतीयव्याकरणपरम्परामवलम्ब्यसार्वभौम-आर्थी-संरचनायाः कल्पनम्
निवेदक	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
संयोजक	-	प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज

समापन सत्र

मुख्यातिथि	-	प्रो. देवेश कुमार द्विवेदी, पूर्व विभागाध्यक्ष, सङ्गणकविज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, शम्भूनाथ अभियान्त्रिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज
संयोजक	-	प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

9. गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं विद्यावारिधि सत्रारम्भ कार्यक्रम, दिनाङ्क - 03.07.2023

मुख्यातिथि	-	प्रो. सदाशिव द्विवेदी, संस्कृत विभाग, का.हि.वि.वि., वाराणसी
संयोजक	-	प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
निवेदक	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक,गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, के.सं.वि, नई दिल्ली

10. हर घर तिरंगा, दिनाङ्क - 14 .08 .2023

संयोजक	-	प्रो.देवदत्त सरोदे, संयोजक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
उपस्थित सदस्य	-	प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय, प्रो. मनोज कुमार मिश्र, प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. मनीष जुगरान, डॉ. मोनाली दास, डॉ. धीरज कुमार मिश्र, डॉ. रामरूप, डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय,सुश्रीअश्विनी लङ्के, श्रीराजेश कान्त तिवारी, परिसरीय शोधच्छात्र तथाकर्मचारीगण
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के सं.वि.वि.,प्रयागराज

11. स्वतन्त्रता दिवस, दिनाङ्क - 15.08.2023

संयोजक	-	प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
उपस्थित सदस्य	-	प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय, प्रो.मनोज कुमार मिश्र, प्रो.अपराजिता मिश्रा, डॉ. मनीष जुगरान, डॉ. मोनाली दास, डॉ. धीरज कुमार मिश्र,

		डॉ. रामरूप, डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय,सुश्री अश्विनी लङ्के, श्रीराजेश कान्त तिवारी, परिसरीय शोधच्छात्र तथा कर्मचारीगण
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

12. मेरी माटी मेरा देश, दिनाङ्क – 15.08.2023

संयोजक	-	श्री राजेश कान्त तिवारी एवं सुश्री अश्विनी लङ्के
उपस्थित सदस्य	-	प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय, प्रो. मनोज कुमार मिश्र, प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. मनीष जुगरान, डॉ. मोनाली दास, डॉ. धीरज कुमार मिश्र, डॉ. रामरूप, डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय, परिसरीय, शोधच्छात्र तथा कर्मचारीगण
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

13. 15 दिवसीय संस्कृतभाषा दक्षता कार्यशाला, दिनाङ्क –21.08.2023 से 04.09.2023

संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, भाषा विभाग, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
सह-संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

14. संस्कृत मास महोत्सव, दिनाङ्क – 21.08.2023 से 20.09.2023
उद्घाटन समारोह, दिनाङ्क - 22.08.2023

मुख्यातिथि	-	प्रो. हरिदत्त शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, इलाहावाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
विशिष्टातिथि	-	प्रो. गोपबन्धु मिश्र, संस्कृत विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
संयोजिका	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

15. महर्षि चरक जयन्ती एवं अलङ्करण समारोह, दिनाङ्क - 24.08.2023

मुख्यातिथि	-	प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी, पूर्व कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
संयोजक	-	प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर, प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. अवनीश पाण्डेय
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

16. G-20 व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 28.08.2023

विषय	-	विश्वबन्धुत्व के भारतीय सिद्धान्त एवं G-20
मुख्यवक्ता	-	प्रो. वी. के. राय, अध्यक्ष, राजनीतिशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
संयोजक	-	प्रो. मनोज कुमार मिश्र, अध्यक्ष, वेदपौरोहित्य कर्मकाण्ड विद्याशाखा, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
सह-संयोजक	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

17. राष्ट्रीय कार्यशाला,दिनाङ्क -30.08.2023 से 04.09.2023

विषय	-	तन्त्रयुक्तियाँ एवं उनके अनुप्रयोग
वक्ता	-	प्रो. जे.एस.आर. प्रसाद, हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद
वक्ता	-	प्रो. दिलीप गाडगिल, आयुर्वेद वैद्य, पुणे, महाराष्ट्र
वक्ता	-	प्रो. माधव विजय आष्टीकर, आयुर्वेद वैद्य, नागपुर
वक्ता	-	प्रो. श्रीप्रसाद बावडेकर, आयुर्वेद वैद्य, पुणे, महाराष्ट्र
वक्ता	-	प्रो. जयरामन, श्री विवेकानन्द योग आयुर्वेद संस्थान, बैंगलूरू
विशिष्टातिथि	-	प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र, सचिव, भारतीय दर्शानिक अनुसन्धान केन्द्र, नई दिल्ली
मुख्यातिथि	-	प्रो. एस. अहिल्या, कुलपति, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बैङ्गलुरु
मुख्यातिथि	-	प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर, अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद मिशन, प्रयागराज
संयोजक	-	प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

18. G-20 व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 08.09.2023

विषय	-	21 वीं शताब्दी के कौशल और वैश्विक शैक्षिक परिदृश्य एवं G-20
मुख्यवक्ता	-	डॉ. शिव कुमार, अखिल भारतीय मन्त्री, विद्याभारती, अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली
संयोजक	-	प्रो. मनोज कुमार मिश्र, अध्यक्ष, वेदपौरोहित्य कर्मकाण्ड विद्याशाखा, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
सह-संयोजक	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

19. हिन्दी दिवस समारोह, दिनाङ्क- 15.09.2023

मुख्यवक्ता	-	प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर, अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद मिशन, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

20. 30 दिवसीय संस्कृतभाषा दक्षता कार्यशाला, दिनाङ्क –26.09.2023 से 18.11.2023

प्रशिक्षक	-	डॉ. मनीष जुगरान एवं डॉ. रूपलाल शर्मा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज,
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा,शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

21. विशेष स्वच्छता अभियान, दिनाङ्क – 01.10.2023 से 31.10.2023

संयोजक	-	डॉ. रामरूप एवं डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय,गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

22. स्नातकोत्तर-डिप्लोमा, पाण्डुलिपि विज्ञान एवं लिपिविज्ञान विद्याशाखा, दिनाङ्क - 05.10.2023

मुख्यवक्ता	-	प्रो. वसन्त कुमार मनुभाई भट्ट, पूर्व निदेशक, भाषा साहित्य भवन, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
विशिष्टवक्ता	-	प्रो. विजयपाल शास्त्री, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, देवप्रयाग परिसर, के.सं.वि.वि., उत्तराखण्ड
संयोजिका	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

23. राष्ट्रिय एकता दिवस, दिनाङ्क - 31.10.2023

मुख्यवक्ता	-	प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि.,गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि', निदेशक (प्र.), गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

24. प्राक्शोधपाठ्यक्रम – 2022-23 उद्घाटन समारोह, दिनाङ्क – 21.11.2023

संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम-2022-23, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
सह-संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
उपस्थित सदस्य	-	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि', प्रो. मनोज कुमार मिश्र, प्रो. देवदत्त सरोदे, प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. मोनाली दास, डॉ. धीरज कुमार मिश्र, शोधच्छात्र, प्राक्शोधपाठ्यक्रम – 2022-23, कर्मचारी गण।
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

25. सरल मानक संस्कृत प्रशिक्षणकार्यशाला, दिनाङ्क –21.11.2023 से 12.12.2023

आयोजक	-	भाषा विभाग, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
मुख्यातिथि	-	प्रो. एस.पी. सिंह, संस्कृत विभागध्याक्ष, सी.एम.पी., महाविद्यालय, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, भाषा विभाग, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
सह-संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

26. पाठालोचन कार्यशाला, दिनाङ्क – 04.12.2023 से 08.12.2023

विषय	-	अभिज्ञानशाकुन्तल की पाठालोचना काश्मीरी वाचना के विशेष सन्दर्भ में

मुख्यवक्ता	-	प्रो. वसन्त कुमार मनुभाई भट्ट, पूर्व निदेशक, भाषा साहित्य भवन, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
विशिष्टवक्ता	-	प्रो. विजयपाल शास्त्री, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, देवप्रयाग परिसर, के.सं.वि.वि., उत्तराखण्ड
संयोजक	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. मनीष जुगरान
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

27. कार्यस्थल में महिलाओं के यौन उत्पीडन निवारण एवं निषेध अधिनियम – 2013, दिनाङ्क – 09.12.2023 से 15.12.2023

आयोजक	-	आई.सी.सी. एवं महिला प्रकोष्ठ
संयोजिका	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
सह-संयोजिका	-	डॉ. मोनाली दास, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

28. भारतीय भाषा दिवस (भारतीय भाषा उत्सव), दिनाङ्क – 11.12.2023

संयोजिका	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
सह-संयोजिका	-	सुश्री. अश्वनी लक्के, संग्रहालयाध्यक्षा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज

29. साहित्य शास्त्रीय व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 12.12.2023

विषय	-	साहित्य शास्त्रीय सिद्धान्त
मुख्यवक्ता	-	प्रो. शिवराम शर्मा, साहित्य विभाग, संस्कृतविद्या धर्मविज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
संयोजक	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

30. साहित्य शास्त्रीय व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 13.12.2023

विषय	-	शाब्दार्थ सम्बन्ध विचार
मुख्यवक्ता	-	प्रो. शिवराम शर्मा, साहित्य विभाग, संस्कृतविद्या धर्मविज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
संयोजक	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

31. साहित्य शास्त्रीय व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 14.12.2023

विषय	-	काव्य समालोचना
मुख्यवक्ता	-	प्रो. शिवराम शर्मा, साहित्य विभाग, संस्कृतविद्या धर्मविज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
संयोजक	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

32. पाण्डुलिपि विज्ञान एवं लिपिविज्ञान व्याख्यान, दिनाङ्क – 15.12.2023

विषय	-	शारदा लिपि
मुख्यवक्ता	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

33. साहित्य शास्त्रीय व्याख्यान, दिनाङ्क – 16.12.2023

विषय	-	रस सिद्धान्त विमर्श
मुख्यवक्ता	-	प्रो. शिवराम शर्मा, पूर्व साहित्य विभागाध्यक्ष, संस्कृतविद्या धर्मविज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
संयोजक	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

34. श्री अन्न महोत्सव वैज्ञानिक संगोष्ठी, दिनाङ्क –19.12.2023

विषय	-	जीवनशैली जन्य व्याधि में अन्न की उपादेयता
आयोजक	-	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज एवं विश्वायुर्वेद मिशन, प्रयागराज
अतिथिवक्ता	-	डॉ. रमाकान्त यादव, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नव देहली
मुख्यातिथि	-	डॉ. विवेक चतुर्वेदी, ए.डी.एम.महाकुम्भ, प्रयागराज
आयोजन समिति	-	प्रो. गिरीन्द सिंह तोमर, प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. अवनीश पाण्डेय
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

35. पाण्डुलिपि विज्ञान एवं लिपिविज्ञान व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 20.12.2023

विषय	-	ब्राह्मी लिपि
मुख्यवक्ता	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

36. संगणक भाषाविज्ञान व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 21.12.2023

विषय	-	आई.सी.टी. परिचय
मुख्यवक्ता	-	श्रीराजेशकान्त तिवारी, संगणक शिक्षक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

37. वाक्यार्थ सभा, दिनाङ्क – 21.12.2023

विषय	-	व्याकरण शास्त्रीय सूत्र एवं सिद्धान्त
मुख्यवक्ता	-	व्याकरणशास्त्र विद्याशाखा के शोधच्छात्र, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
सह-संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

38. गीता जयन्ती, दिनाङ्क – 22.12.2023

विषय	-	श्रीमद्भगवद्गीता का वैशिष्ट्य
मुख्यवक्ता	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

39. शोध व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 27.12.2023

विषय	-	शोध सम्भावनाएँ
मुख्यवक्ता	-	आचार्य विनित चैतन्य, आई.आई.आई.टी, हैदराबाद
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

40. पाण्डुलिपि विज्ञान एवं लिपिविज्ञान व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 28.12.2023

विषय	-	शारदा लिपि
मुख्यवक्ता	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

41. शोध व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 27.12.2023

विषय	-	शोध सम्भावनाएँ
मुख्यवक्ता	-	प्रो. अम्बा कुलकर्णी, आई.आई.आई.टी, हैदराबाद

संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

42. साहित्य शास्त्रीय व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 28.12.2023

विषय	-	अन्तःशास्त्रीय अध्ययन
मुख्यवक्ता	-	प्रो. रामकुमार शर्मा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, जयपुर परिसर, के.सं.वि.वि., जयपुर
संयोजक	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

43. संगणक भाषा विज्ञान व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 29.12.2023

विषय	-	संस्कृत संगणक भाषा विज्ञान अनुसंधान के अवसर
मुख्यवक्ता	-	प्रो. अम्बा कुलकर्णी, आई.आई.आई.टी, हैदराबाद
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

44. साहित्य शास्त्रीय व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 28.12.2023

विषय	-	वृत्तिविमर्श
मुख्यवक्ता	-	प्रो. रामकुमार शर्मा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, जयपुर परिसर, के.सं.वि.वि., जयपुर
संयोजक	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

45. साहित्य शास्त्रीय व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 30.12.2023

विषय	-	व्यञ्जना वृत्तिविमर्श
मुख्यवक्ता	-	प्रो. रामकुमार शर्मा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, जयपुर परिसर, के.सं.वि.वि., जयपुर
संयोजक	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

46. शोध व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 02.01.2024

विषय	-	शोध समस्या के विभिन्न आयाम
मुख्यवक्ता	-	डॉ. पतञ्जलि मिश्र, शिक्षाशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

47. पाण्डुलिपि विज्ञान एवं लिपिविज्ञान व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 04.01.2024

विषय	-	शारदा लिपि

मुख्यवक्ता	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

48. शोध व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 04.01.2024

विषय	-	चर एवं प्राक्कल्पना
मुख्यवक्ता	-	डॉ. पतञ्जलि मिश्र, शिक्षाशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

49. पाण्डुलिपि विज्ञान एवं लिपिविज्ञान व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 05.01.2024

विषय	-	शारदा लिपि संयुक्ताक्षर प्रयोग
मुख्यवक्ता	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

50. शोध व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 05.01.2024

विषय	-	Fundamental Applied Action Research Quantitative and Qualitative Research
मुख्यवक्ता	-	डॉ. पतञ्जलि मिश्र, शिक्षाशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

51. शोध व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 09.01.2024

विषय	-	शोधपत्र लेखन
मुख्यवक्ता	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

52. पाण्डुलिपि विज्ञान एवं लिपिविज्ञान व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 10.01.2024

विषय	-	पाण्डुलिपि संग्रह एवं सूचीकरण का इतिहास
मुख्यवक्ता	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

53. शोध व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 10.01.2024

विषय	-	शोधप्रस्ताव निर्माण
मुख्यवक्ता	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, परिसर, प्रयागराज

54. संस्कृत भाषा दक्षता कार्यशाला, दिनाङ्क – 10.01.2024 से 20.02.2024 पर्यन्त

संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
सह-संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

54. पाण्डुलिपि विज्ञान एवं लिपिविज्ञान व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 11.01.2024

विषय	-	पाण्डुलिपि लेखन के गुण एवं दोष
मुख्यवक्ता	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

55. शोध व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 11.01.2024

विषय	-	न्यादर्श चयन
मुख्यवक्ता	-	डॉ. सोनिया स्थापक, शिक्षाशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

56. पाण्डुलिपि विज्ञान एवं लिपिविज्ञान व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 12.01.2024

विषय	-	पाण्डुलिपि एवं समीक्षाग्रन्थ सम्पादकों का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व
मुख्यवक्ता	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

57. राष्ट्रिय कार्यशाला, दिनाङ्क – 14.01.2024 से 19.01.2024

अयोजक	-	गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज एवं प्रयागराज मेला प्राधिकरण, प्रयागराज
विषय	-	भारतीय ज्ञान परम्परा
मुख्यवक्ता	-	डॉ. ओमप्रकाश पाण्डेय, प्राक्तन विशेषकार्याधिकारी, प्रधानमन्त्री, भारत सरकार

मुख्यवक्ता	-	प्रो. के.राम सुब्रह्मण्यम, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई
मुख्यवक्ता	-	प्रो. हरिशंकर मिश्र, ललित हरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पीलीभीत
विशिष्टातिथि	-	प्रो. गीरिन्द्र सिंह तोमर, अध्यक्ष, विश्वायुर्वेद मिशन, प्रयागराज
मुख्यातिथि	-	डॉ. विवेक चतुर्वेदी, ए.डी.एम., कुम्भ मेला, प्रयागराज
संरक्षक	-	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, के.सं.वि.वि., नई दिल्ली
	-	श्री विजय किरण आनन्द, आई.ए.एस., मेलाधिकारी, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

58. शोध व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 12.01.2024

विषय	-	ऐतिहासिक शोध
मुख्यवक्ता	-	डॉ. पतञ्जलि मिश्र, शिक्षाशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

59. मासिक स्वाध्याय व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 13.01.2024

विषय	-	संस्कृत में शोधसम्भावनाएँ
मुख्यवक्ता	-	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, के.सं.वि.वि., नई दिल्ली
संयोजक	-	प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
सह-संयोजक	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

60. रामायण पारायण, दिनाङ्क – 22.01.2024

विषय	-	रामायण पारायण
संयोजक	-	डॉ. रामरूप, डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय,गङ्गानाथ झा परिसर,के.सं.वि.वि., प्रयागराज
उपस्थिति	-	परिसरीय शिक्षक, अधिकरी/कर्मचारी एवं शोधच्छात्र
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

61. शोध व्याख्यानमाला, दिनाङ्क –23.01.2024

विषय	-	तन्त्रयुक्ति अर्थ एवं लक्ष्य
मुख्यवक्ता	-	प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज

संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

62. विकसित भारत @ 2047, दिनाङ्क – 24.01.2024

भाषण प्रतियोगिता	-	विषय - भारत विकास यात्रा में संस्कृत का योगदान
प्रतिभागी छात्र	-	श्रेयान बनर्जी, ज्ञान सिन्धु, लिखित शर्मा, गोपालकृष्ण दास, शम्भूनाथ त्रिपाठी, हरिश्चन्द्र मिश्र, सुधा मिश्र, श्यामदेव
निर्णायक	-	डॉ. मनीष जुगरान, डॉ. रूपलाल शर्मा
संयोजक	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

63. शोध व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 24.01.2024

विषय	-	दार्शनिक अनुसन्धान
मुख्यवक्ता	-	डॉ. पतञ्जलि मिश्र, शिक्षाशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

64. शोध व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 25.01.2024

विषय	-	नृवंशीय अनुसन्धान
मुख्यवक्ता	-	डॉ. पतञ्जलि मिश्र, शिक्षाशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

65. अष्टावधान कार्यशाला, दिनाङ्क – 29.01.2024 से 31.01.2024

विषय	-	अष्टावधान स्वरुप विमर्श एवं प्रयोग
अष्टावधानी	-	डॉ. उमामहेश्वर एन्, श्री राजीव गाँधी परिसर, श्रृङ्गेरी, के.सं.वि.वि., कर्नाटक
संयोजक	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र, शोध विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

66. शोध व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 29.01.2024

विषय	-	अनुदैर्ध्य एवं अनुप्रस्थ अनुसन्धान
मुख्यवक्ता	-	डॉ. पतञ्जलि मिश्र, शिक्षाशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

67. पाण्डुलिपि विज्ञान एवं लिपिविज्ञान व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 30.01.2024

विषय	-	ग्रन्थलिपि स्पर्शव्यञ्जन स्वरूप
मुख्यवक्ता	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

68. शोध व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 02.02.2024

विषय	-	तन्त्रयुक्तियों का प्रयोग
मुख्यवक्ता	-	प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

69. प्राक्शोधपाठ्यक्रम 2022-23 के शोधच्छात्रों का शोधप्रस्ताव समीक्षण, दिनाङ्क – 03.02.2024 से 05-02-2024

विषय	-	शोधप्रस्ताव समीक्षण
शोधप्रस्ताव समीक्षक	-	प्रो. देवदत्त सरोदे, डॉ. मनीष जुगरान, डॉ. धीरज कुमार मिश्र
संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, सह-संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

70. त्रिदिवसीय राष्ट्रीय शोधसंगोष्ठी, दिनाङ्क – 07.02.2024 से 09-02-2024

विषय	-	त्रिदिवसीय राष्ट्रीय शोधसंगोष्ठी
मुख्यवक्ता	-	प्रो. सदाशिव कुमार द्विवेदी, संस्कृत विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
मुख्यवक्ता	-	प्रो. काशीनाथ न्यौपाने, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
मुख्यवक्ता	-	प्रो. जयकृष्ण मिश्र, धर्मशास्त्र विभाग, श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी
संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
सह-संयोजक	-	डॉ. धीरज कुमार मिश्र, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
सह-संयोजक	-	डॉ. रूपलाल शर्मा, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

71. शोध व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 12.02.2024

विषय	-	विषयवस्तु विश्लेषण
मुख्यवक्ता	-	डॉ. पतञ्जलि मिश्र, शिक्षाशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयोजक	-	डॉ. मनीष जुगरान, संयोजक, प्राक्शोधपाठ्यक्रम, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

72. पाण्डुलिपि विज्ञान एवं लिपिविज्ञान व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 16.02.2024

विषय	-	भारत में पाठसंक्रमण का पूर्व इतिहास
मुख्यवक्ता	-	प्रो. वसन्त कुमार मनुभाई भट्ट, पूर्व निदेशक, भाषा साहित्य भवन, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद,
संयोजक	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

73. पाण्डुलिपि संग्रहालय समीक्षा, दिनाङ्क – 20.02.2024

विषय	-	भारतीय पाण्डुलिपि संग्रहालय
मुख्यवक्ता	-	श्री संजय सिंघल, अध्यक्ष, धरोहर संस्थान, उदयपुर, राजस्थान
संयोजिका	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
सह-संयोजिका	-	सुश्री अश्विनी लङ्के, संग्रहालयाध्यक्ष, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

74. प्राक्शोधपाठ्यक्रम 2022-23 सम्पूर्त्ति समारोह, दिनाङ्क – 23.02.2024

विषय	-	सौप्रस्थानिक समारोह
संयोजक	-	बसंत कोईराला, निधि झा – शोधच्छात्र, प्राक्शोधपाठ्यक्रम 2022-23
उपस्थिति	-	परिसरीय शिक्षक, अधिकारी/कर्मचारी एवं शोधच्छात्र
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

75. विशिष्ट व्याख्यानमाला, दिनाङ्क – 02.03.2024

विषय	-	नूतन शिक्षानीति के सन्दर्भ में संस्कृत के अवसर एवं संस्कृतज्ञों का दायित्व
मुख्यवक्ता	-	तिरुमलाचार्य पि. कुलकर्णी, पूर्णप्रज्ञ विद्यापीठ, बेंगलुरु
संयोजक	-	प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक – शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

76. राष्ट्रीय कार्यशाला, दिनाङ्क – 03.03.2024 से 13-03-2024

विषय	-	पाण्डुलिपि परिरक्षण एवं संरक्षण प्रविधियाँ
आयोजक	-	गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रिय कला केन्द्र, नई दिल्ली
प्रशिक्षक एवं व्याख्याता	-	प्रो. प्रतापानन्द झा, अधिष्ठाता- शैक्षिक, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रिय कला केन्द्र, नई दिल्ली

प्रशिक्षक एवं व्याख्याता	-	प्रो. अचल पाण्ड्या, विभागाध्यक्ष - संरक्षण, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रिय कला केन्द्र, नई दिल्ली
संयोजक	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. मनीष जुगरान
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

77. राष्ट्रीय कार्यशाला (प्रगत स्तर), दिनाङ्क – 14.03.2024 से 20-03-2024

विषय	-	पाण्डुलिपि विज्ञान एवं लिपिविज्ञान
आयोजक	-	पाण्डुलिपि विज्ञान लिपिविज्ञान विद्याशाखा एवं प्राक्शोधपाठ्यक्रम केन्द्र गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., प्रयागराज
प्रशिक्षक एवं व्याख्याता	-	प्रो. सिद्धार्थ यशवन्त वाकणकर, पूर्व उप-निदेशक, ओरिएण्टल रिसर्च इन्स्टिट्यूट, बडोदरा
प्रशिक्षक एवं व्याख्याता	-	प्रो. बसन्त एम भट्ट, पूर्व निदेशक, भाषा साहित्य भवन, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
प्रशिक्षक एवं व्याख्याता	-	डॉ. कीर्ति कान्त शर्मा, प्रमुख (शोध एवं प्रकाशन विभाग) महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, मूंदड़ी, कैथल, हरियाणा
प्रशिक्षक एवं व्याख्याता	-	प्रो. विजयपाल शास्त्री, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, देवप्रयाग परिसर, के.सं.वि.वि., उत्तराखण्ड
विशिष्टातिथि	-	प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर, अध्यक्ष, विश्वायुर्वेद मिशन, प्रयागराज
संयोजक	-	प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. मनीष जुगरान
अध्यक्ष	-	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि., परिसर, प्रयागराज

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या -

(i)	प्रार्थना पत्र प्राप्त	-	03
(ii)	उत्तर प्रेषित	-	03

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)

1. परिचय

श्रीसदाशिव परिसर, भारत सरकार के संसदीय अधिनियम द्वारा स्थापित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभी द्वादश परिसरों में सर्वबृहद् परिसर है। श्री सदाशिव परिसर कालक्रम के अधीन पंडित हरिहर दास एवं पंडित सदाशिव मिश्र के द्वारा पाठशाला (टोल) से प्रारम्भ होकर वर्तमान में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एक गौरवशाली परिसर के रूप में पुष्पित हो रहा है।

श्री सदाशिव परिसर में प्राक्शास्त्री से लेकर विद्यावारिधि तथा दूरस्थशिक्षा के पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं और इन विविध शैक्षिक उपक्रमों में इस वर्ष 1244 छात्र-छात्राएँ नामांकित हैं।विश्वविद्यालय के इस परिसर में शैक्षिक एवं गैरशैक्षिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे आचार्यों एवं कार्मिकों की संयुक्त संख्या 100 से अधिक है। वर्तमान समय में उपरोक्त शैक्षिक-उपक्रमों तथा प्रशासन के समुचित समन्वय से संस्कृत वाङ्मय एवं भाषा की निरन्तर वृद्धि हो रही है।

2. परिसर की स्थान

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
श्री सदाशिव परिसर,पुरी, चंदन हजुरी मार्ग,
जनपद - पुरी, ओडिशा,
पिन संख्या - 752001,
ई-संकेत – director.puri@csu.co.in
आन्तर्जालिकपता www.csu-puri.edu.in
दूरभाष संख्या (06752) 223439

3. परिसर की अवसंरचना

छात्रावास- श्री सदाशिव परिसर संस्कृत अध्ययन के विकास के लिए अथक प्रयास कर रहा है। संस्कृत विद्या का विकास विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या से ही होता है। छात्रों की प्राथमिक आवश्यकता भोजन और आवास की सुविधा है। अगर रहने-खाने की सुविधा हो जाये तो वे पढ़ाई में मन लगायेंगे। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, श्री सदाशिव कैंपस पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए निःशुल्क छात्रावास सुविधाएं प्रदान कर रहा है। श्री सदाशिव परिसर में महर्षि वाल्मिकी छात्रावास (लड़कों का छात्रावास) और सुभद्रा महिला छात्रावास (महिला छात्रावास) हैं।

क्रीडा एवं व्यायामशाला-श्री सदाशिव कैंपस अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल और जिम सहित विभिन्न सुविधाएं प्रदान कर रहा है। इसमें कई प्रकार की खेल सुविधाएं हैं जो छात्रों की जरूरतों को पूरा करती हैं। परिसर में कुश्ती, बैडमिंटन, कबड्डी, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, शतरंज, टेबल टेनिस और अन्य खेलों की सुविधाएं हैं। बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए सिंथेटिक इनडोर कोर्ट और कबड्डी खिलाड़ियों के लिए सिंथेटिक मैट था। कुश्ती के लिए सिंथेटिक मैट भी मौजूद थे। पहलवानों और अन्य युद्ध स्पर्धाओं के खिलाड़ियों के विभिन्न आयु समूहों के प्रशिक्षण के लिए एक बहुउद्देश्यीय चटाई है। योग प्रशिक्षण के लिए एक योग कक्ष उपलब्ध है। परिसर में खो-खो मैदान भी उपलब्ध है। इसके अलावा छात्रों के लिए एथलेटिक्स स्पर्धाओं जैसे दौड़ना, कूदना, फेंकना और अन्य खेलों में प्रशिक्षण के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध हैं। जयदेव हॉल के शीर्ष पर एक व्यायामशाला बनाई गई है। बॉयज हॉस्टल में कच्चा आउटडोर बैडमिंटन कोर्ट और फुटबॉल मैदान भी उपलब्ध था।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला- श्री सदाशिव कैंपस में कंप्यूटर लैब्स सॉफ्टवेयर के माध्यम से छात्र-अनुकूल गतिविधियां प्रदान करने के लिए पूरी तरह सुसज्जित है। प्राक्शास्त्री और शास्त्री छात्रों के लिए कंप्यूटर शिक्षा अनिवार्य है और पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग है। हमारे पास प्रौद्योगिकी से जुड़े सीखने के माहौल तक निगरानी पहुंच के लिए इंटरनेट सुविधा के साथ सबसे आधुनिक कंप्यूटर हैं।

ज्योतिष प्रयोगशाला-इस ज्योतिष प्रयोगशाला में विभिन्न उपकरण उपलब्ध हैं। जैसे खगोल विज्ञान के लिए गोल यंत्र, अज़ीमुथ यंत्र, चक्र यंत्र, कम्पास, हस्तरेखा विज्ञान का निरीक्षण करने के लिए लेंस, ग्रहण ज्ञान के लिए ग्रहण लिपि, रात के समय ग्रहों को देखने के लिए दूरबीन यंत्र, वर्षा मापने का यंत्र, पवन मापने का यंत्र, ग्रह भूकेन्द्रित सूर्यकेंद्रित कक्षा क्रम, उच्च -ग्रहों का निम्न चार्ट, साइन गणित करने के लिए उपकरण, वास्तु ज्ञान के लिए वास्तु यंत्र आदि।

ग्रहवाटिका- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री सदाशिव परिसर ज्योतिष विभाग द्वारा निर्मित एक उद्यान है जहाँ नवग्रहों के वृक्ष लगे हुए हैं। जिसका उपयोग परिसर के सभी परिवारों के साथ-साथ समाज के हर वर्ग के लाभ के लिए किया जाएगा। दुष्ट ग्रहों की शांति के लिए उस पेड़ की जड़ में जल चढ़ा सकते हैं, परिक्रमा कर सकते हैं और पूजा कर सकते हैं। बिना सामान्य प्रयास के भी कोई व्यक्ति इस ग्रह वाटिका का सदुपयोग करके अपने अशुभ ग्रह के फलों से मुक्ति पा सकता है और शुभता प्राप्त कर सकता है।

मनोविज्ञान प्रयोगशाला- मनोविज्ञान प्रयोगशाला की भूमिका बी.एड./एम.एड. की समझ को समृद्ध/सुधारना है। छात्रों के बारे में:

सीखने, सिखाने, विकास (विभिन्न पहलुओं), माप, मूल्यांकन और मूल्यांकन की कक्षा प्रक्रियाएं और छात्रों, शिक्षकों, प्रिंसिपल और प्रशासनिक कर्मचारियों, माता-पिता, समुदाय आदि सहित अन्य स्कूल कर्मियों की गतिशीलता।

4. मुख्य गतिविधियाँ

- शिक्षण
- आंतरिक मूल्यांकन
- परीक्षा का आयोजन
- नवीन अनुसंधान और अनुसंधान का मार्गदर्शन
- ट्यूटोरियल कक्षाएं और उपचारात्मक कक्षाएं
- नेट/OSTET के लिए कोचिंग
- हिन्दी बोलने और समझने के लिए संभाषण कक्षाएं
- संस्कृत बोलने और समझने के लिए संभाषण कक्षाएं
- अंग्रेजी बोलने और समझने के लिए संभाषण कक्षाएं
- बी.एड छात्रों के लिए इंटर्नशिप
- खेल-कूद और अन्य पाठ्येतर गतिविधियाँ

5. प्रकाशन

श्री सदशिव परिसर में गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन की समृद्ध संस्कृति है। परिसर प्रतिवर्ष '*पौर्णमासी जर्नल*' प्रकाशित करता है जबकि परिसर के सभी विभाग संबंधित विभागों की ओर से जर्नल प्रकाशित करते हैं।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय, श्रीसदाशिव परिसर में अधोलिखित विभागों में प्राक्शास्त्री से विद्यावारिधि (12^{th} – Ph.d) तक अध्ययन-अध्यापन होता है।

वेद, वेदांग एवं वैदिक विज्ञानविद्यास्थान

1. ज्योतिष
2. व्याकरण

शास्त्रीय ज्ञान प्रणाली विद्यास्थान

1. धर्मशास्त्र

दर्शन विद्यास्थान

1. अद्वैत वेदांत
2. न्याय
3. सर्वदर्शन
4. सांख्ययोग

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति विद्यास्थान

1. साहित्य
2. पुराणेतिहास

आधुनिक विषय विद्यास्थान

1. हिन्दी
2. उडिया
3. अंग्रेजी
4. इतिहास
5. कम्प्यूटर विज्ञान

शिक्षाशास्त्र विभाग

7. परिसर के द्वारा आयोजित संगोष्ठी, कार्यशाला तथा व्याख्यानमाला

- वेदान्त विभाग द्वारा 05.03.2023 से 05.04.2023 तक **'वाक्य कौशलम्'** विषय पर एक मास व्याप्य राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का समन्वयन आचार्य शम्भूनाथ महालिक ने किया। जिसमें शोधछात्रों नें भी भाग ग्रहण किया।
- परिसरीय वेबसाइट का तीन भाषाओं में शुभारंभ माननीय निदेशक आचार्य अतुल कुमार नंद ने 22.04.23 को किया। वेबसाइट विकास के संयोजक और सदस्य श्री सुशांत शतपथी और श्री बिश्वनाथ मिश्रा थे। शुभारम्भ के समय डॉ महेश कुमार पाणिग्राही और डॉ दुर्गा चरण षडंगी महोदय भी मौजूद थे।
- 5 से 20 अप्रैल 2023 तक, सदाशिव परिसर, पुरी के आधुनिक विभाग द्वारा विभिन्न जी-20 प्रायोजित कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें –
  - 5 अप्रैल को वाद-विवाद प्रतियोगिता
  - 6 अप्रैल को रंगोली प्रतियोगिता
  - 7 अप्रैल को वृक्षारोपण
  - 8 अप्रैल को योग कार्यशाला
  - 10 अप्रैल को जी-20 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

- 11 अप्रैल को खेल कार्यक्रम
- 14 अप्रैल को बाजरा की उपयोगिता और पोषक तत्वों के बारे में कार्यक्रम
- 15 अप्रैल को स्वच्छ भारत कार्यक्रम
- 18 अप्रैल को "सदाशिव प्रीमियर लीग" क्रिकेट क्रीडा श्रृंखला
- 20 अप्रैल को फिटनेस कार्यक्रम और समापन समारोह मनाया गया। इस अवसर पर परिसर के निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद, आधुनिक विभाग के विभागाध्यक्ष श्री दुर्गा प्रसाद दास महापात्र, विशिष्ट सूचना प्रसारण अधिकारी, श्री विश्वनाथ पण्डा उपस्थित थे। श्री विश्वनाथ मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

❖ विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक वर्ष 05 जून को मनाया जाता है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,के श्री सदाशिव परिसर, पुरी में इस वर्ष भी विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, जिसमे पर्यावरण के महत्त्व एवं उसके विषय के बारे में परिसर के निदेशक प्रो. अतुल कुमार नन्द ने छात्र/छात्राओं को सारगर्भित जानकारी दी तथा परिसर के शिक्षक एवं कर्मचारियों के साथ वृक्षारोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।

❖ श्री सदाशिव परिसर में 21 जून 2023 को विश्व योग दिवस का आयोजन किया गया। तत्पश्चात एक शैक्षणिक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें योग, योग शास्त्र, योग विज्ञान, योगासन, योग चिकित्सा और प्राकृतिक चिकित्सा जैसे विषयों पर चर्चा की गई। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन योग विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ. मणिकांत तिवारी ने किया।

❖ केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्रीसदाशिव परिसर में पूर्व शोध पाठ्यक्रम का उद्घाटन 17 जुलाई, 2023 को आयोजित किया गया। परिसर के निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. किशोर चंद्र पाढ़ी ने मुख्य भाषण दिया। व्याख्यान के दौरान, कई शिक्षकों ने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विषयों की व्याख्या की।

❖ केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी को ऐसे विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति से वास्तव में गौरव प्राप्त हुआ, जिनमें माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी शामिल थे। उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने **'मेरी माटी मेरा देश'** अभियान के तहत इस सामूहिक औषधीय वृक्षारोपण कार्यक्रम को अत्यधिक मूल्य और महत्त्व दिया। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी, ओडिशा ने 14 अगस्त से 15 अगस्त, 2023 तक परिसर के निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद की देखरेख में *"मेरी माटी मेरा देश अभियान"* मनाया और इस कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. रमाकांत मिश्रा ने किया।

❖ हमारे परिसर ने 12 अगस्त से 18 अगस्त, 2023 तक परिसर निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद की देखरेख में *"एंटी रैगिंग सप्ताह"* मनाया। आचार्य निर्मला पाणिग्रही ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

❖ श्री सदाशिव परिसर में 76वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान तीन कार्यक्रम आयोजित किए गए; ध्वजारोहण, हर घर तिरंगा और वृक्षारोपण। हर घर में एकता को बढ़ावा देना - 13 अगस्त से 15 अगस्त, 2023 तक देशभक्ति का प्रचार करने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री सदाशिव परिसर के निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद के नेतृत्व में और डॉ. गौतम कुमार चौधरी के समन्वयन में *'हर घर तिरंगा'* अभियान के लिए हमसे जुड़ें। प्रो. अतुल कुमार नंद माननीय निदेशक ने सुबह 7.30 बजे ध्वजारोहण किया और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। सभी शिक्षकों ने तिरंगा झंडा थामकर *''भारत माता की जय"* के नारे लगाते हुए जुलूस किया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर निदेशक, वरिष्ठ शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने वृक्षारोपण किया।

- ❖ गृह मंत्रालय ने केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी के सहयोग से 25 अगस्त, 2023 को आतंकवाद विरोधी अभ्यास के लिए एनएसजी कमांडो द्वारा एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का समन्वयन हमारे निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद के देख-रेख में डॉ. गौतम कुमार चौधरी ने किया।
- ❖ मेजर ध्यानचंद की स्मृति में *"राष्ट्रीय खेल दिवस"* का आयोजन किया गया। छात्रों और शिक्षकों के बीच शतरंज और मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच आयोजित किए गए। यह प्रतियोगिता डॉ गौतम कुमार चौधरी द्वारा परिसर निदेशक प्रो अतुल कुमार नंद के देख-रेख में आयोजित की गई थी।
- ❖ दिनांक 29.08.2023 को प्रातः 11:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक हमारे परिसर में संस्कृत सप्ताह मनाया गया। परिसर निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद की अध्यक्षता में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- ❖ हर साल की तरह इस साल भी 5 सितंबर को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री सदाशिव परिसर में शिक्षक दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। यह उत्सव हमारे परिसर निदेशक आचार्य अतुल कुमार नंद के सफल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिक्षक दिवस के अवसर पर छात्रों के लिए एक निबंध लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में परिसर के विभिन्न विभागों के 35 छात्रों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का विषय था: *"छात्रवत्सलःगुरुः"* (छात्रप्रेमी शिक्षक)। न केवल छात्रों, बल्कि शिक्षकों ने भी अपने गुरुओं को उनके गुणों का बखान करके याद किया। शिक्षक दिवस के समारोह के दिन पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया।
- ❖ 14 से 29 सितम्बर 2023 तक हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम मनाया गया जिसमें 14 सितम्बर को निबंध लेखन प्रतियोगिता, 15 सितम्बर को शिक्षक सम्मान, 16 सितम्बर को कविता पाठ प्रतियोगिता, 19 सितम्बर को संगीत प्रतियोगिता, 20 सितम्बर को रंगोली प्रतियोगिता, 21 सितम्बर को भाषण प्रतियोगिता, 23 सितम्बर को कार्यालय कर्मचारियों के लिए भाषण प्रतियोगिता, 26 सितम्बर को पोस्टर प्रतियोगिता, 27 सितम्बर को शिक्षकों के लिए भाषण प्रतियोगिता, 28 सितम्बर को राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर संगोष्ठी तथा 29 सितम्बर को समापन समारोह होगा। समापन समारोह में परिसर के निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद ने छात्र-छात्राओं को हिंदी के विकास एवं प्रगति के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी दी। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। डॉ. रश्मि मिश्रा, डॉ. स्वागतिका मोहंती, मधुस्मिता मिश्रा और श्रीमती पद्मजा सतपथी विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक थीं और डॉ. शक्ति प्रसाद द्विवेदी कार्यक्रम के समन्वयक थे।
- ❖ 19-9-2023 को श्री सदाशिव परिसर में गणेश चतुर्थी महोत्सव पर भगवान गणेश की पूजा की गई। डॉ. कृष्ण चंद्र काबी ने मंत्रोच्चारण के साथ भगवान गणेश की पूजा और वैदिक अनुष्ठान संपन्न कराया। माननीय निदेशक, प्रो. अतुल कुमार नंद ने कार्यक्रम में भाग लिया और पुष्प अर्पित किए। परिसर के सभी संकायों और छात्रों ने पूजा कार्यक्रम में भाग लिया और देवता को पुष्प अर्पित किए।
- ❖ श्री सदाशिव परिसर के पुराणेतिहास विभाग ने श्री भागवत जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भाद्रपद पूर्णिमा *(इंद्र उत्सव पूर्णिमा)* (29.09.2023) का आयोजन किया। इस अवसर के मुख्य संरक्षक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी भी उपस्थित रहे।
- ❖ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के पश्चात भारत को स्वच्छ, समृद्ध और स्वस्थ भारत बनाने की परिकल्पना को क्रियान्वित करने के लिए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य श्रीनिवास वेरखेड़ी, आचार्य अतुल कुमार नंद, निदेशक, श्री सदाशिव परिसर, पुरी के मार्गदर्शन में सभी परिसरों में स्वच्छता का अभियान चल रहा है। निदेशक के नेतृत्व में रविवार 01-10-2023 को प्रातः 09.00 बजे परिसर में एक हजार से अधिक छात्र-छात्राओं के साथ सभी शिक्षक-कर्मचारी उपस्थित थे। प्रातः 9.30 बजे सभी परिसर से समुद्र तट पर एकत्रित हुए और समुद्र तट की सफाई का कार्य किया। इसके साथ ही रास्ते में स्थित दुकानों में भी यात्रियों में स्वच्छता के प्रति

जागरूकता पैदा की गई। यह कार्यक्रम एक घंटे से अधिक समय तक चला और ऐसा लगा कि स्वच्छता के इस जन आंदोलन ने सभी को प्रभावित किया।

- 11 नवंबर को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया। स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री, महान स्वतंत्रता सेनानी, भारत रत्न और प्रसिद्ध शिक्षाविद् मौलाना अबुल कलाम आज़ाद को याद करने के लिए। शिक्षा दिवस के संयोजक सहायक आचार्य डॉ. भाग्यसिंह गुर्जर और श्री रमाकांत सा थे। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर परिसर के छात्रों के लिए *'मौलाना अबुल कलाम आज़ादवर्यस्य भारतीय शिक्षायामवदानम्'* विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- 15.11.2023 को भगवान बिरसामुण्डा जयन्ती का पालन किया गया, कार्यक्रम के तहत छात्रों का चित्रांकन स्पर्धा, भाषण स्पर्धा व निबंध लेखन स्पर्धा की गई। कार्यक्रम के संयोजक श्री रमाकान्त सा थे।
- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी के नए शैक्षणिक भवन का शिलान्यास माननीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा हमारे आदरणीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ 18.11.2023 को लक्ष्मीपुराण पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में किया जाएगा। इसके बाद श्री सदाशिव परिसर, पुरी के निदेशक आचार्य अतुल कुमार नंद के मार्गदर्शन में तीन दिनों तक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का समन्वय आचार्य रमाकांत मिश्रा ने किया।
- श्री सदाशिव परिसर में 25 से 31 अक्टूबर 2023 तक राष्ट्रीय एकता सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह के दौरान निबंध लेखन, भाषण, चित्रकला और दौड़ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं को परिसर के निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद ने पुरस्कृत किया और बधाई दी।
- हर साल की तरह इस साल भी सतर्कता जागरूकता सप्ताह (30 अक्टूबर से 05 नवंबर 2023) केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी में मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में असम के पूर्व डीजीपी और आईपीएस श्री विभूति भूषण मिश्रा उपस्थित थे। उन्होंने विषय के विशेषज्ञों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक आचार्य अतुल कुमार नंद ने की। इस अवसर पर प्रो. विजयपाल कछवाह, प्रो. के.वी. सौम्याजुलु, प्रो. ललित कुमार साहू आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ओम नारायण मिश्रा ने किया। कार्यक्रम को सुनने के लिए सभी विभागों के जिज्ञासु विद्वानों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में, उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से भ्रष्टाचार से दूर रहने का संकल्प लिया।
- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य श्रीनिवास वरखेड़ी और हमारे निदेशक आचार्य अतुल कुमार नंदा, श्री सदाशिव परिसर पुरी के मार्गदर्शन में श्री सदाशिव परिसर में 9 से 10 नवंबर 2023 तक द्वितीय क्षेत्रीय रूपक महोत्सव जोनल-4 मनाया गया। कार्यक्रम का समन्वयन आचार्य धर्मेंद्र कुमार सिंहदेव ने किया।
- 28.11.2023 को संविधान दिवस मनाने के लिए एक बैठक आयोजित की गई ताकि 26 नवंबर को संविधान की पूर्णता तिथि को याद किया जा सके। संविधान दिवस के अवसर पर परिसर के छात्रों के लिए एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। परिसर निदेशक आचार्य अतुल कुमार नंद की अध्यक्षता और आयोजक डॉ. ओम नारायण मिश्रा के नेतृत्व में कार्यक्रम सफल रहा।
- भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय साक्षरता और जागरूकता विषय पर सीएसयू, श्री सदाशिव परिसर के समन्वय से वॉकथॉन का आयोजन किया गया। हमारे परिसर के छात्रों ने 02.12.2023 को श्री गुंडीचा मंदिर, ग्रैंड रोड, पुरी में इस वॉकथॉन में भाग लिया।
- "महिला उत्पीड़न रोकथाम सप्ताह" के अवसर पर, श्री सदाशिव परिसर, पुरी में परिसर निदेशक, प्रो. अतुल कुमार नंद की देखरेख में एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें सभी शिक्षक और गैर-शिक्षक महिलाएं एकत्रित हुईं

और अपने-अपने दृष्टिकोण से विषय को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. गौराप्रिया दाश और प्रो. निर्मला पाणिग्रही ने किया।

- दिसम्बर 13, 2023 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के बीच के.सं.वि., श्री सदाशिव परिसर पुरी के विभिन्न बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों के लिए श्री अजय गुप्ता, (विशेष महानिदेशक, सीपीडब्ल्यूडी, कोलकाता) और प्रो. अतुल कुमार नंद (निदेशक सीएसयू, एसएससी, पुरी) की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी में जनजातीय शोध एवं ज्ञान केंद्र, दिल्ली के सहयोग से दिनांक 4-1-2024 से 6-1-2024 तक तीन दिवसीय **जनजातीय कार्यशाला**'*अध्ययन*'का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन आचार्य रमाकांत मिश्रा ने किया।
- "वसुधैव कुटुम्बकम्" विषय पर 09 से 12 जनवरी, 2024 तक 04 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन ग्लोरी फेस्ट 2024 द्वारा किया गया था और इसे राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के सहयोग से केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एसएससी, पुरी द्वारा प्रायोजित किया गया था।
- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर पुरी में हमारे परिसर निदेशक आचार्य अतुल कुमार नंद की देखरेख में हमारा 75वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। हमने अपने संविधान के आदर्शों को बनाए रखने और एक उज्जवल और अधिक सामंजस्यपूर्ण भारत की दिशा में काम करने का संकल्प लिया।
- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, ओडिशा के श्री सदाशिव परिसर में निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद के मार्गदर्शन और प्रख्यात कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी के संरक्षण में *"विकसित भारत कार्यक्रम"* के लिए 29-1-2024 को छात्रों की भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सभी छात्रों ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में संस्कृत के योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अवस्थी शैलेश कुमार ने किया। विचारक के रूप में डॉ. अंकित मिश्रा और डॉ. मृत्युंजय चक्रवर्ती मौजूद थे। कार्यक्रम के संयोजक रमाकांत सा ने अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।
- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, के श्री सदाशिव परिसर में निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद के मार्गदर्शन में 03.02.2024 से 04.02.2024 तक अष्टदशी परियोजना के तहत नाटक महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. धर्मेंद्र कुमार सिंहदेव ने किया।
- दिनाङ्क 21.02.2024 को परिसर में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. मिहिर प्रसाद मिश्रा को मुख्य अतिथि, श्री बद्रीनाथ मिश्रा को मुख्य अतिथि तथा प्रो. दुर्गा प्रसाद दास महापात्रा को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। प्रो. अतुल कुमार नंद ने बैठक की अध्यक्षता की तथा अध्यक्षीय भाषण दिया।
- *"छंदशास्त्रं तस्य प्रयोगश्च"* विषय पर 15-21 फरवरी 2024 के मध्य एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें छंद परिचय, गुरु-लघु, गण, यति, श्लोक उच्चारण, छंद रचना, समस्या समाधान, छंद प्रयोग आदि विषयों का शिक्षण एवं अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. धर्मेंद्र कुमार सिंहदेव ने किया।
- इस वर्ष राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन *'युवा आवाज़ें'* राष्ट्र के परिवर्तन के लिए *'भागीदारी और सशक्तिकरण''* विषय पर किया गया। राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव, 2024 का आयोजन 19 फरवरी 2024 से किया किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. प्रियजीत महापात्रा ने किया।
- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, के श्री सदाशिव परिसर में निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद के मार्गदर्शन में 22.02.2024 से 27.02.2024 तक शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा बेसिक स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. ओम नारायण मिश्रा एवं डॉ. सागरिका नन्द द्वारा किया गया। शिक्षाशास्त्र विभाग के चतुर्थ सत्र के छात्र-छात्राओं नें प्रशिक्षण शिविर में अनिवार्य रूप से भाग लिया।

प्रशिक्षण शिविर के अन्तिम दिन भारत स्काउट-गाइड के प्रदेश अध्यक्ष श्री कालीप्रसाद मिश्र का आतिथ्य परिसर निदेशक प्रो. अतुल कुमार नन्द द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. विजयपाल कछवाह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

- शिक्षा विभाग का *"शिक्षा खेल महोत्सव 2K24"* हमारे कैंपस निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद और कार्यक्रम संयोजक प्रो. विजयपाल कच्छवाह की देखरेख में 29 फरवरी से 01 मार्च 2024 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।
- शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में छात्रों के लिए दिनांक 08.05.2023 को एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री जगन्नाथ विश्वविद्यालय के आचार्य एवं पूर्वकुलपति किशोर चन्द्र पाढी जी का मूल्यपरक शिक्षा पर ओजस्वी उद्बोधन से छात्र लाभान्वित हुए। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. भास्कर रेड्डी ने किया। सभी विभागीय अध्यापकों के सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हआ।
- युवाओं में मतदान के प्रति आकर्षण उत्पन्न करनें के लिए *"'पहला वोट देश के लिए"*अभियान में *'मतदाता प्रतिज्ञा'*लेने पर गर्व है, यह सब हमारे परिसर निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद के मार्गदर्शन में हुआ। देश के लिए हर वोट का महत्त्व है अतः हम सब मिलकर अपने देश का भविष्य सवारें। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. गौतम कुमार चौधरी ने किया।
- दिनांक 21/03/2024 को यशस्वी कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी के संरक्षण में माननीय निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद की उपस्थिति में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी के श्री सदाशिव परिसर में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत स्किल हब का उद्घाटन किया गया। इस स्किल हब में चार कौशल (योग प्रशिक्षक, योग प्रशिक्षक, ब्राइडल एवं फैशन एवं पोर्टफोलियो मेकअप आर्टिस्ट एवं हिंदी टाइपिंग) का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उक्त अवसर पर 80 छात्र-छात्राओं नें भाग लिया। इस उद्घाटन कार्यक्रम में अनुभाग अधिकारी श्री सुरेन्द्र कुमार महापात्रा, स्किल-हब समन्वयक श्री रमाकांत सा, प्रशिक्षक डॉ. मृत्युंजय चक्रवर्ती, डॉ. अवस्थी शैलेश कुमार, श्रीमती निर्लिप्ता मेकप एवं प्रशिक्षु छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

4.2.3 श्री रणबीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

1. परिचय (Introduction)

जम्मू-काश्मीर के महाराजाधिराज श्रीरणबीरसिंह ने संस्कृतविद्या के पारम्परिक एवं अगाध-अद्भुतज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जम्मूप्रान्त में सन्1800 के उत्तरार्ध में श्रीरघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की थी। दिनाङ्क 01 अप्रैल, 1971 को केन्द्रसरकार ने इसका अधिग्रहण किया तथा इसे **"श्रीरणबीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ"** का नाम दिया। 02 मई, 2002 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को बृहत्तम बहुपरिसरीय राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) घोषित किया गया। तब से 29 अप्रैल 2020 तक श्रीरणबीर परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) के नाम से विख्यात रहा। इस परिसर के प्रथम प्राचार्य डॉ. अनन्त मराल शास्त्री थे तथा क्रमशः डॉ. दयानन्द भार्गव, डॉ. जे. गांगुली, डॉ. जगन्नाथ पाठक, डॉ. राघव प्रसाद चौधरी, डॉ. राम किशोर शुक्ल, डॉ. प्रियतम चन्द्र शास्त्री (कार्यवाहक), प्रो. जी. गंगन्ना, प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, प्रो. यशपाल खजूरिया (कार्यवाहक), प्रो. एम्. चन्द्रशेखर (कार्यवाहक), प्रो. पी.एन. शास्त्री (कार्यवाहक), प्रो. रामानुज देवनाथन, प्रो.बच्चा भारती (कार्यवाहक), प्रो. लोकमान्य मिश्र (कार्यवाहक), श्री शरत् चन्द्र शर्मा (कार्यवाहक), प्रो. फतह सिंह (कार्यवाहक) श्री शरत् चन्द्र शर्मा (कार्यवाहक) एवं प्रो. वासुदेव शर्मा परिसर के (कार्यवाहक) प्राचार्य रहे। 30 अप्रैल 2020 को संसदीय अधिनियम के द्वारा इसे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के नाम का दर्जा दिया गया, तब से प्राचार्य के स्थान पर निदेशक व्यवस्था प्रारम्भ हुई जिसमें प्रो. वासुदेव शर्मा प्रथम निदेशक रहे उसके पश्चात् प्रो. मदन मोहन झा और वर्तमान में प्रो. श्रीधर मिश्र निदेशक हैं।

2. परिसर का स्थान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
श्री रणबीर परिसर कोट भलवाल, जम्मू (जम्मू-कश्मीर) -181122
दूरभाष- 0191-2623533, 0191-2623090
ई-मेल: director-jammu@csu.co.in
अन्तर्जाल- www.csu-jammu.edu.in

3. परिसर की अवसंरचना

पुस्तकालय (Library) श्री रणबीर परिसर का अपना सुसमृद्ध पुस्तकालय है, जिसमें विविध विषयों की लगभग 46,000 पुस्तकें उपलब्ध हैं।

ई-पुस्तकालय (E-Library)

श्री रणबीर परिसर की ग्रन्थात्मक ज्ञाननिधि को परिचयात्मक दृष्टि से सर्वजन सुलभ बनाने के उद्देश्य से परिसर में ई-पुस्तकालय का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। जिसमें बहुत पुस्तकों का ई पुस्तकालयीकरण कर दिया गया है और वर्तमान में कार्य चल रहा है।

वेधशाला (Planetarium)

विद्यार्थियों को सौविध्यपूर्वक ज्योतिषशास्त्र का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिकज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से श्री रणबीर परिसर में एक लघु वेधशाला भी स्थापित की गई है। इस वेधशाला में लघु तारामण्डल, दूरवीक्षण-यन्त्र, ग्रहकक्षाक्रम- यन्त्र, चन्द्रकला- यन्त्र, सौरचन्द्रग्रहण-यन्त्र तथा गोल-यन्त्र आदि अनेक यन्त्र एवं चित्रफलक विद्यमान हैं।

सम्मेलन कक्ष (Conference Hall)

श्री रणबीर परिसर में एक मन्त्रणा सभागार बनाया गया है, जो कि आधुनिक एवं उत्कृष्ट सुविधाजनक फर्नीचर से सुसज्जित है। इस मन्त्रणा सभागार में 62 व्यक्तियों के बैठने की सुखद व्यवस्था है।

वाणी विलास सभागार (Vani Vilas Auditorium)

विद्वत व्याख्यान तथा विद्यार्थियों की नृत्य-नाट्य-भाषणादि, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के सुचारु से संचालन के लिये श्रीरणबीर परिसर में आधुनिक तकनीकियुक्त ध्वनि प्रकाशादिव्यवस्था से सम्पन्न तथा सुन्दर फर्नीचर से सुसज्जित '*वाणीविलास*' सभागार भी है। इस भव्य सभागार में 500 लोगों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है।

सङ्गणक-कक्ष (Computer Room)

आधुनिक विषयों के अन्तर्गत शास्त्री स्तर तक विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से परिसर में संगणक-कक्ष भी बनाया गया है। इस संगणक-कक्ष में पर्याप्त रूप से उपयोगी फर्नीचर की सुविधा सहित 25 संगणक यन्त्रों की व्यवस्था है। संगणक कक्ष इन्टरनेट सुविधा से परिपूर्ण है।

प्रति विभाग कम्प्यूटर (Departmental Computers)

विभागीय कार्यों को सुचारु रूप से गति देने और अधिक व्यवस्थित ढंग से कार्यों के सम्पन्न करने के लिए परिसर के प्रति विभाग एक-एक कम्प्यूटर, इन्टरनेट की सुविधा सहित लगाये गए हैं। समस्त परिसर में फाईबर इन्टरनैट की व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित है। परिसर के प्रत्येक विभाग में एक स्मार्ट कक्षा (स्मार्ट क्लासरुम) की व्यवस्था फाईवर इन्टरनेट के साथ की गई है।

विभागीय पुस्तकालय (Departmental Library)

विद्यार्थियों के जिज्ञासा पठन-पाठन की प्रवृत्ति और उनमें पढने के प्रति रुचि जाग्रत करने के लिए परिसर के प्रत्येक विभाग में 50,000 हजार रूपये की राशि से पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

भाषा-प्रयोगशाला (Language Lab)

परिसर के शिक्षाशास्त्र-विभाग (Pedagogy) में भाषा-प्रयोगशाला का शैक्षणिक वर्ष 2016-17 में निर्माण हुआ। इसके लिए 11 कम्प्यूटर प्रदान किए गए है भाषा-कौशल अधिगम के लिए व्यवस्था की गई है। इस में 10 अधिगम संगणक एवं 01 अनुदेशक संगणक व्यवस्थित हैं।

मनोविज्ञान प्रयोगशाला (Psychology Lab)

परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग में मनोविज्ञान-प्रयोगशाला में नवीन उपकरणों की व्यवस्था की गई। जिसमें अत्याधुनिक इलेक्ट्रानिक उपकरण भी सम्मिलित हैं।

आचार्य वर्ग एवं कार्यालयीय कर्मचारी (Teaching & Non Teaching Staff)

परिसर में आचार्य, सह-आचार्य, सहायक आचार्य, अनुबन्धित एवं अतिथि शिक्षक आदि कुल मिलाकर 46 शैक्षणिक सदस्य कार्यरत हैं। परिसर में 38 कार्यालयीय सदस्य, 14 सुरक्षा प्रहरी तथा कर्मचारी कार्यरत हैं। इनकी संख्या में यथासमय इसमें परिवर्तन भी किया जा सकता है।

छात्रावास (Hostel)

दूरदराज के क्षेत्रों तथा अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों के लिये श्रीरणबीर परिसर में छात्र-छात्राओं के लिये अलग-अलग पर्याप्त विस्तृत सुविधा सम्पन्न पुरुष छात्रावास (Boys Hostel) तथा महिला छात्रावास (Girls Hostel) हैं। इन छात्रावासों में कुल 84 आवास कक्ष हैं। जिनमें 168 विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है। छात्रावासों में उष्णक-यंत्र (गीजर) भी हैं। छात्रावासीय छात्रों एवं छात्राओं की भोजन व्यवस्था के लिये दोनों छात्रावासों में सुविधायुक्त भोजनालय भी बनाए गये हैं।

कर्मचारी आवास (Staff Quarters)

प्राचार्य, छात्रावासीय-अधीक्षक तथा परिसरीय सदस्यों की आवासीय सुविधार्थ परिसर में शिक्षकावास बनाये गए हैं।

व्यायामशाला (Gymnasium)

विद्यार्थियों के मानसिक एवं शारीरिक-स्वास्थ्य के लिए परिसर में योग-क्रीडा तथा व्यायाम का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। जिस के लिए एक व्यायामशाला का निर्माण किया गया है। इस व्यायामशाला में विविध आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं। ओपन जिम की सुविधा भी है।

क्रीडा-क्षेत्र (Play Ground)

परिसर में एक विशाल खेल का मैदान भी है, जिसमें सभी प्रकार की क्रीडात्मक गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

4. मुख्यगतिविधियाँ

श्रीरणबीर परिसर में नई शिक्षा नीति आधारित क्रेडिट प्रणाली के अन्तर्गत पारम्परिक शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक विषयों का भी सुन्दर सामंजस्य स्थापित कर अध्ययन-अध्यापन किया जाता है। विश्वविद्यालय मुख्यालय के निर्देशानुसार वार्षिक एवं सत्रार्धिक परीक्षा प्रणाली (Semester System)भी लागू है। कक्षानुसार परिसर में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था इस प्रकार है-

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा (Traditional Sanskrit Studies)

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के अन्तर्गत श्रीरणबीर परिसर में क्रेडिट व्यवस्था आधारित प्राक्शास्त्री (सत्रार्द्ध) (इण्टरमीडिएट), शास्त्री (सत्रार्द्ध) (B.A.) तथा आचार्य (सत्रार्द्ध) (M.A.) शैक्षणिक अध्ययन की व्यवस्था है। इन कक्षाओं में व्याकरणशास्त्र, साहित्यशास्त्र, दर्शनशास्त्र, सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिषशास्त्र तथा वेदवाङ्मय संस्कृत के पारम्परिक शास्त्रीय विषयों के साथ-साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, कम्प्यूटर एवं पर्यावरण शिक्षा, योग इत्यादि आधुनिक विषयों का भी अध्ययन करवाया जाता है।

व्यावसायिक-शिक्षा (Professional Education)

श्री रणबीर परिसर में व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र-विभाग (Education Department) में दो वर्षीय (सत्रार्द्ध) शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) का प्रशिक्षण दिया जाता है।

प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (Certificate Courses)

वेद कर्मकाण्ड पौरोहित्य विद्याशाखा द्वारा छात्रों के लिए एक वर्षीय प्रमाण-पत्रीय पाठ्यक्रम संचालित है।सत्र 2023-24 में एक वर्षीय योग प्रमाण पत्र पाठ्क्रम संचालित किया जाना है।

शोधकार्य (Research Activities)

संस्कृतविद्या की विविध विद्याओं में प्रासंगिक विषयों में बहु-आयामी शोध के उद्देश्य से श्रीरणबीर परिसर में विद्यावारिधि (Ph.D.) के निर्देशन की भी समुचित व्यवस्था है। गत वर्षों तक इस परिसर में 120 शोधार्थी विद्यावारिधि (Ph.D.) की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में पंजीकृत शोधार्थियों की संख्या 12 है।

काश्मीर शैव दर्शन (Shaivism of Kashmir)

जम्मू काश्मीर राज्य दो दृष्टिगत रखते हुए दर्शन विद्याशाखा के अंतर्गत आचार्य कक्षा में काश्मीरशैव दर्शन कक्षा का संचालन किया जा रहा है।

5. प्रकाशन (Publications)

विविध ज्ञान-विज्ञान, दर्शन आदि से सम्बन्धित 23 ग्रन्थ परिसर द्वारा प्रकाशित किये जा चुके हैं। इनमें कश्मीरशैवदर्शन से सम्बन्धित ग्रन्थों की माँग सम्पूर्ण देश से की जा रही है। संस्कृत, हिन्दी, डोगरी तथा अंग्रेजी भाषा में गवेषणापूर्ण निबन्धों आदि से सुसज्जित *"श्रीवैष्णवी"* नामक वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन भी विगत वर्षों से होता आ रहा है। इस पत्रिका को जनवरी 2022 में *UGC केयर* सूची में शामिल किया गया है तथा ISSN- 7552277906X नंबर एन.आइ.एस.सी. आइ. आर. द्वारा दिया गया है। परिसर के शिक्षा विभाग द्वारा भी *"शिक्षामृतम्"* नामक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। जो वर्तमान में *UGC केयर* सूची में संग्रहीत है।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम

विद्याशाखा (Subjects & Departments)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रणबीर परिसर में अध्ययनविषयानुरूप –

वेद, वेदांग एवं वैदिक विज्ञान संस्थान

1. वेद-कर्मकाण्ड-पौरोहित्य
2. वेदभाष्यम्
3. ज्योतिष
4. व्याकरण

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा

दर्शन संस्थान

1. सर्वदर्शन
2. काश्मीर शैवदर्शन

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति संस्थान

1. साहित्य

आधुनिक विषय संस्थान

1. हिन्दी
2. डोगरी
3. अंग्रेजी
4. इतिहास
5. योग
6. कम्प्यूटर विज्ञान
7. शारीरिक शिक्षा
8. राजनीतिक विज्ञान

7. अन्य क्रिया कलाप/समारोह/कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण—

- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,नई दिल्ली द्वारा आयोजित *"अखिल भारतीय रूपक महोत्सव"* का आयोजन दिनांक 06 मार्च 2024 से 09 मार्च 2024 तक विश्वविद्यालय के जयपुर परिसर में किया गया। जिसमें परिसर के छात्रों द्वारा श्री वत्सराज प्रणीत हास्य रस प्रधान हास्यचूणामणि प्रहसन का अभिमंचन किया गया। इस महोत्सव में परिसर के शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र श्री शिवशंकर बेहरा ने सर्वोत्तम पोषकनट का पुरस्कार प्राप्त किया, परिसर स्तरीय पुरस्कार में शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र श्री अमन सडोत्रा ने प्रथम, शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र राहुल शर्मा ने द्वितीय, शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र शिवशंकर बेहरा ने तृतीय एवं शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के छात्र श्री ऋतिक मगोत्रा ने सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त किया।
- **राष्ट्रीय सेवा योजना** की विश्वविद्यालय परिसर में दो इकाई संचालित है, जिसमें लगभग 200 छात्र पंजीकृत हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. योगेन्द्र दीक्षित एवं कार्यक्रम अधिकारी श्री मनीन्दर सिंह है। वर्ष भर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों का संचालन नियमित रूप से किया जाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अन्तर्गत वर्ष भर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है
- दिनांक 16 से 18 जून 2023 को झारखंड के रांची में आयोजित *"राष्ट्रीय ड्रैगन बोट रेसिंग प्रतियोगिता"* में परिसर के छत्रों ने भाग लिया।
- दिनांक 14 अगस्त 2023 को परिसर में *"विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस"* का आयोजन किया गया। इसके कार्यक्रम के अंतर्गत परिसर में विभाजन विभीषिका की चित्र प्रदर्शिनी लगाई गई जिसके अवलोकन के लिए परिसर के विद्यार्थी, आचार्य, कर्मचारी तथा स्थानीय लोग भी उपस्थित थे।
- 15.08.2023 को *स्वतन्त्रता दिवस* मनाया गया जिसमें परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन झा ने ध्वजारोहण किया।
- दिनांक 25-08-2023 को परिसर के ज्योतिष विद्याशाखा के अंतर्गत *"पित्तजरोगाणां निदानोपचारयोःपरिप्रेक्ष्ये ज्योतिष-आयुर्वेद-योगशास्त्राणाम् अन्तस्सम्बन्धः"* विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी के उद्घाटन में लखनऊ परिसर के निदेशक तथा वेद-वेदांग संकाय के अध्यक्ष प्रो. सर्वनारायण झा महोदय थे। संगोष्ठी का आयोजन आफलाइन तथा ऑनलाइन दोनों माध्यमों से आयोजित किया गया।

❖ केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रणबीर परिसर जम्मू में 28 अगस्त से 5 सितंबर 2023 तक *संस्कृत सप्ताह* का आयोजन किया गया। इस संस्कृत्त सप्ताह के अंतर्गत संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए परिसर के अतिरिक्त जम्मू के अन्य विभिन्न विद्यालयों में सभाएं आयोजित की गई तथा जम्मू के अलग-अलग क्षेत्रों में संस्कृत रैली भी निकाली गई। शिक्षक दिवस के अवसर पर मंगलवार को इसका समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री पुरुषोत्तम लाल दुबे, सम्मानित अतिथि के रूप में वेदप्रकाश तथा सारस्वत अतिथि के रूप में वाचस्पति शास्त्री जी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक आदरणीय प्रो. मदन मोहन झा महोदय ने किया।

❖ दिनांक 21-08-2023 से 28-08-2023 तक परिसर के ज्योतिष विद्याशाखा के द्वारा *"चापीयत्रिकोणगणित"* विषय पर अष्टदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन 21-08-23 को किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में वेदव्यास परिसर के निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक महोदय उपस्थित थे। कार्यशाला ऑनलाइन तथा आफलाइन दोनों माध्यान से आयोजित किया किया गया।

❖ दिनांक 28-29 अगस्त 2023 को परिसर के वेद, पौरोहित्य एवं कर्मकांड विद्याशाखा के अंतर्गत *"सहास्तित्वस्य वैदिकी अवधारणा"* विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेद संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी आफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से आयोजित किया गया। इसमें 110 से अधिक प्रतिभागियों ने पत्रवाचन किया। इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में गंगानाथ झा परिसर के आचार्य एवं वेद, पौरोहित्य एवं कर्मकांड विद्याशाखा के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार मिश्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सहाचार्य डॉ सुनील कात्यायन, देवप्रयाग के सहायक आचार्य शैलेंद्र कुमार उनियाल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के आचार्य तथा संस्कृत विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र, श्रीलालबहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के वेद विभाग के अध्यक्ष प्रो. रामानुज उपाध्याय, महात्मा गांधी संस्थान मारिशस के दर्शन विभाग की अध्यक्षा सहायक आचार्य वेदिका हरदयाल चेकोरी, श्रीलालबहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कर्मकांड-पौरोहित्य विभाग के आचार्य प्रो. रामराज उपाध्याय तथा लखनऊ परिसर के सहायक आचार्य डॉ धर्मेंद्र कुमार पाठक महोदय ने अपना बहुमूल्य वक्तव्य प्रस्तुत किया।

❖ दिनांक 29 अगस्त 2023 को परिसर में **राष्ट्रीय खेल दिवस** के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों की खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

❖ दिनांक 01 से 15 सितम्बर 2023 को परिसर में **स्वच्छता पखवाड़ा** का आयोजन किया गया जिसमें परिसर के समस्त विद्यार्थी और आचार्य और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही। परिसर में तथा परिसर के बाहर भी जाकर स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरणबीर परिसर जम्मू के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाड़ा 14 - 29 सितम्बर 2023 तक आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन 14 सितम्बर को हुआ। उदघाटन में मुख्यातिथि के रूप में श्री अमित राय, प्रबन्धक, एसबीआई, कोट, सारस्वतातिथि के रूप में उपस्थित डॉ अमिताश ओझा, केन्द्रीय विश्वविद्यालय जम्मू तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. सतीश कुमार कपूर महोदय उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़ा 2023 का समापन 29 सितम्बर को किया गया जिसमें प्रतियोगिताओं में विजित विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

❖ स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत *"एक तारीख एक घंटा"* अभियान दिनांक 01 अक्टुबर 2023 से परिसर तथा परिसर के बाहर भी चलाया गया जिसके अनुपालन में प्रतिदिन सायं 4:00 बजे स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया।

❖ दिनांक 16 अक्टूबर 2023 को परिसर में *वाग्वर्धिनी* कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक माह के अंतिम शुक्रवार को यह आयोजन किया गया।

❖ दिनांक 07 नवंबर 2023 को परिसर में **एकदिवसीय नागरिक सुरक्षा जागरूकता** कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- दिनांक 23-11-2023 को *"हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता"* विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन परिसर के वाणी विलास सभागार में किया गया। इस विशिष्ट कार्यक्रम में विशिष्ट व्याख्याता के रूप में जगदगुरु रामभद्राचार्य के कुलपति प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय महोदय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- दिनांक 28 नवंबर 2023 से 30 नवंबर 2023 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के *उत्तर क्षेत्रीय युवा महोत्सव*, वेदव्यास परिसर, बालाहार, हिमांचल प्रदेश में परिसर से विभिन्न खेल प्रतियोगिता में भागीदारी हेतु 40 सदस्यीय खिलाड़ियों का दल भाग ग्रहण हेतु गया।
- **61वीं जम्मू-काश्मीर राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा** का आयोजन 11-12 दिसम्बर 2023 को किया गया। इस कार्यक्रम में जम्मू काश्मीर राज्य के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी परिसर में उपस्थित होकर अलग-अलग प्रकार के शास्त्रीय स्पर्धा में भाग ग्रहण किए।
- 11 दिसम्बर 2023 को सुब्रमण्यम भारती की स्मृति में परिसर में **भारतीय भाषा उत्सव** का आयोजन परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विद्यार्थियों ने नाट्य एवं संगीत की प्रस्तुति भी दी।
- दिनांक 26 से 29 दिसम्बर 2023 को आयोजित **ASU एथलीट मीट KIIT विश्वविद्यालय**, भुवनेश्वर, में परिसर के 5 विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- दिनांक 14 फरवरी 2024 को वसंत पंचमी के उपलक्ष्य पर परिसर में *माँ सरस्वती पूजन उत्सव* का आयोजन किया गया।
- दिनांक 3 मार्च 2024 को विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार परिसर के वाणीविलास सभागार में **श्रीमदभगवतगीता का प्रतिदिन एक अध्याय पारायण** का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 18 दिनों तक प्रतिदिन श्रीमद्भगवतगीता का एक अध्याय का पारायण किया गया।
- दिनांक 11 मार्च 2024 से 17 मार्च 2024 तक परिसर में सात दिवसीय NSS यूनिट द्वारा कैंप का आयोजन किया गया।
- दिनांक 12-27 मार्च 2024 को **सरलमानक संस्कृत कार्यशाला** का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जम्मू-काश्मीर के विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में जाकर वहाँ के शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को संस्कृत के सामान्य रूप को व्याख्यायित किया गया।
- दिनांक 13 मार्च से 14 मार्च 2024 को परिसर के भारतीय भाषा विभाग के द्वारा *"भक्ति साहित्यः संस्कृत, हिन्दी एवं डोगरी भाषा के परिप्रेक्ष्य में"* विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी आफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों में संचालित किया गया। इस संगोष्ठी में लगभग 115 से अधिक प्रतिभागियों ने शोधपत्र वाचन किया।
- दिनांक 18 मार्च से 22 मार्च 2024 तक परिसर से 18 विद्यार्थी, विश्वविद्यालय के जयपुर परिसर में आयोजित पाँच दिवसीय विशेष संस्कृत भाषा प्रशिक्षण के लिए भागीदारी की।

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, तृश्शूर, केरल

1. परिचय:

केरल, भगवान का अपना देश, जो आदिशंकराचार्य के जन्म से पवित्र है, जगद्गुरु श्री शंकराचार्य के अद्वैत वेदांत के दर्शन से प्रभावित होकर, जाति, रंग, लिंग और पंथ के भेदभाव के बिना रहने वाले स्थान के रूप में शिखर पर है। संस्कृतप्राणयभजनम् पी.टी. कुरियाकोस मास्टर ने 1909 में पावरट्टी में गुरुवायूर साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ की शुरुआत की और 1934 में मद्रास विश्वविद्यालय के तहत यू.जी. और पी.जी. पाठ्यक्रम शुरू किए गए, जिसे बाद में 1972 में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने ले लिया और इसे साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के रूप में फिर से नामित किया। 1979 में इसका नाम बदलकर गुरुवायूर केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ कर दिया गया और 1983 में इसे वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। पुरनाट्टुकरा में स्थित नए प्रशासनिक और शैक्षणिक ब्लॉक का उद्घाटन 16 अगस्त 1998 को तत्कालीन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने किया था। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान को बहुपरिसरीय मानित विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया और 7 मई 2002 को इस संस्थान का नाम बदलकर राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर कैंपस कर दिया गया। इसे 2020 वर्ष में संसदीय अधिनियम द्वारा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है।

2. परिसर का स्थान:

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(शिक्षामन्त्रालय, भारत सरकार के तहत)
गुरुवयूर परिसर, पुराणट्टुकरा पोस्ट,त्रिशूर - 680551
केरल राज्य,भारत
टेलीफ़ोन: +91 487 2307208
टेली फैक्स: +91 087 2307608
ई-मेल: director-thrissur@csu.co.in
अन्तर्जाल: www.csu-guruvayoor-edu-in

3. परिसर की अवसंरचना

पुरानाट्टुकरा का मुख्य केंद्र, चौदह एकड़ के विस्तार के साथ एक सुंदर परिदृश्य पर स्थित है। इसमें मुख्य शैक्षणिक ब्लॉक, प्रशासनिक ब्लॉक, पुस्तकालय, लड़कों और लड़कियों के छात्रावास, गेस्ट हाउस, सभागार, खेल का मैदान, अर्ध कार्यात्मक भवन और कर्मचारी आवास शामिल हैं।

पी.टी. करभवन - का केंद्र 50 सेंट की भूमि पर स्थित है। इस केंद्र का नाम बदलकर दिया गया है।

कुरियाकोस स्मृति भवन- यह एक मंजिला इमारत है जिसमें दो बड़े हॉल, एक प्रशासनिक कक्ष और सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त दस क्लास रूम हैं।

पी.टी. में तीन महीने की अवधि की दीक्षा (गैर औपचारिक संस्कृत शिक्षा) और संस्कृत सीखने के पत्राचार पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। कुरियाकोस स्मृति भवन। यह पांडुलिपि संग्रह के केंद्र के रूप में भी कार्य कर रहा है।

4. मुख्य गतिविधियां:

पारंपरिक विषयों की पेशकश:

व्याकरण - प्राक्-शास्त्री से आचार्य तक

साहित्य - प्राक्-शास्त्री से आचार्य तक

दर्शन - केवल प्राक-शास्त्री पाठ्यक्रम में

वेदांत - शास्त्री से आचार्य तक

न्याय - शास्त्री से आचार्य तक

ज्योतिष - शास्त्री से आचार्य तक

प्रस्तावित आधुनिक विषय –

अनिवार्य पेपर: अंग्रेजी - प्राक-शास्त्री से शास्त्री तक

कम्प्यूटर विज्ञान - प्रका-शास्त्री से शास्त्री तक

पर्यावरण विज्ञान - शास्त्री तृतीय वर्ष में केवल

शारीरिक शिक्षा -सभी कक्षाएँ

आधुनिक विषयों की पेशकश

वैकल्पिक विषय

इतिहास- प्राक-शास्त्री से शास्त्री तक

अंग्रेजी साहित्य - केवल शास्त्री पाठ्यक्रम में।

मलयालम - प्राक-शास्त्री से शास्त्री तक,

हिंदी - प्राक-शास्त्री से शास्त्री तक, केवल शास्त्री तृतीय सत्र में अनिवार्य

कंप्यूटर विज्ञान - प्रका-शास्त्री से शास्त्री तक।

प्राक्शास्त्री- दो वर्षीय पाठ्यक्रम प्राक्शास्त्री

शास्त्री   - तीन साल का कोर्स

आचार्य   -दो साल का कोर्स

शिक्षा-शास्त्री - दो वर्षीय पाठ्यक्रम

एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आई.टी.ई.पी.) बी.ए., बी.एड.- चार वर्षीय पाठ्यक्रम (शैक्षिक वर्ष 2024-25 से प्रभावी)

विद्यावारिधि - न्यूनतम दो वर्ष से अधिकतम पांच वर्ष।

योग और आयुर्वेद साहित्य में डिप्लोमा- एक वर्ष का पाठ्यक्रम।

योगिक विज्ञान में पीजी डिप्लोमा - एक वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम

प्लस टू कोर्स - पावरट्टी सेंटर

5. प्रकाशन

परिसर में प्रकाशन की पुरातन परम्परार ही है, तथा अनेक पुस्तको का प्रकाशन एवं ई-पुस्तक के रूप में अनावरण भी किया गया है।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायुर परिसर में अधोलिखित विभागों में प्राक्शास्त्री से विद्यावारिधि (12^{th}– Ph.d) तक अध्ययन-अध्यापन होता है।

वेद, वेदांग एवं वैदिक विज्ञान संस्थान

1. ज्योतिष
2. नव्यव्याकरण

दर्शन संस्थान

1.अद्वैतवेदान्त
2. नव्यन्याय

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति संस्थान

1. साहित्य

यौगिकविज्ञान एवं समग्र स्वास्थ्य पद्धतियों का संस्थान

1. यौगिकविज्ञान
2. आयुर्वेद साहित्य

आधुनिक विषय संस्थान

1. हिन्दी
2. मलयालम
3. अंग्रेजी
4. इतिहास
5. कम्प्यूटर विज्ञान
6. शारीरिक शिक्षा

शिक्षाशास्त्र विभाग

7. परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/व्याख्यानों और विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण:

हमारे विश्वविद्यालय और परिसरों का NAAC दौरा अप्रैल 2023 में हुआ था और हम ग्रेड A++ से सम्मानित होने से बहुत खुश हैं। इसके बाद फरवरी 2024 में हमारे विश्वविद्यालय को यूजीसी आयोग के तहत वर्गीकृत स्वायत्तता श्रेणी-I प्रदान की गई है।

1. संस्कृत सप्ताह समारोह
2. 21 दिवसीय भाषा शिक्षण कार्यशाला
3. शिक्षक दिवस मनाया
4. शिक्षा दिवस मनाया
5. केरल पिरवी दिवस मनाया गया
6. साहित्य एवं कला दिवस आयोजित।
7. कहावतों का पाठ.
8. सूक्ष्म शिक्षण आयोजित किया गया।
9. मैक्रो-टीचिंग आयोजित की गई।

10. 14वां पी.टी. कुरियाक्कोस मास्टर मेमोरियल अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान 23.02.2024 को हमारे संस्थापक की 51वीं पुण्य तिथि पर आयोजित हुआ।

11. 15 जनवरी 2024 को हमारे परिसर में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया।

12. 10 जनवरी 2023 को हिंदी विश्व दिवस का आयोजन किया गया..

13. कैंपस संकाय ने नेट/सेट/ जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं और बी.एड और पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोचिंग कक्षाएं आयोजित कीं।

14. अद्वैत वेदांत विभाग

 एक सात दिवसीय पाठ्यक्रम आधारित कार्यशाला: 29.02.2024 से 06.03.2024

 अ. विस्तार व्याख्यान: 20 मार्च 2024.

 ब. विस्तार व्याख्यान: 25 मार्च 2024

15. भारतीय भाषा विभाग:

 एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी: 22 मार्च, 2024

16. ज्योतिष विभाग:

 अ.व्याख्यान आयोजित: 4 मई 2023

 ब.राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित: 1 दिसंबर 2023।

 स.विशेष व्याख्यान: 20 मार्च 2024

17. न्याय विभाग

 क.सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला: 05.02.2024 से 11.02.2024

 ख.विस्तार व्याख्यान: 22 मार्च 2024।

18. साहित्य विभाग:

 राष्ट्रीय संगोष्ठी: 8, 9, 10 नवंबर 2023

 विस्तार व्याख्यान : 20 मार्च 2024

19. व्याकरण विभाग

 विस्तार व्याख्यान : 13 मार्च 2024

20. शिक्षाशास्त्र विभाग:

 अ.राष्ट्रीय सांगोष्ठियां आयोजित: 13, 14 जुलाई 2023 और 25, 26 मार्च 2024,

 ब.विस्तार व्याख्यान 15 मार्च 2024

 स.व्यक्तित्व विकास शिविर: 16 मार्च 2024

21. योग एवं आयुर्वेद साहित्य विभाग

 दस दिवसीय कार्यशाला: 22 फरवरी से 2 मार्च 2024

 विशेष व्याख्यान: 20 मार्च 2024.

22. अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ:

a. व्याख्यान आयोजित: 4 अगस्त 2023

बी.राष्ट्रीय कार्यशाला: 18, 19 मार्च 2024

23. सरल संस्कृत पर कार्यशाला आयोजित: 21 मार्च, 2024।

24. नवंबर 2023 में श्रृंगेरी परिसर में क्षेत्रीय स्तर का युवा महोत्सव आयोजित किया गया। हमारे छात्रों को साहित्यिक, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों में विभिन्न पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

25. 7 दिसंबर 2023 को गुरुवायूर परिसर में जोनल स्तरीय नाटक प्रतियोगिता आयोजित की गई, हमारे परिसर ने प्रथम स्थान जीता है।

26. हमारे परिसर के इक्कीस छात्रों ने मार्च 2024 में जयपुर परिसर में आयोजित अखिल भारतीय नाटक प्रतियोगिता में भाग लिया, सर्वश्रेष्ठ निर्देशन, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री और चार व्यक्तिगत पुरस्कार प्राप्त किए।

27. 18 से 21 मार्च 2024 के दौरान अयोध्या में आयोजित अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता के लिए कैंपस स्तर पर केरल राज्य के उम्मीदवारों का चयन किया गया था। कैंपस के छात्रों अश्विन (बी.एड), नम्या (आचार्य द्वितीय) और अनर्घा (शास्त्री तृतीय) ने पुरस्कार प्राप्त किया।

28. व्यक्तित्व विकास कक्षाएं आयोजित की गईं।

29. ज्योतिष विभाग द्वारा एक खगोलीय अवलोकन कार्यक्रम (आकाश अवलोकन) का आयोजन किया गया।

30. पुस्तकालय गतिविधियों को ई-ग्रंथालय-4.0 सॉफ्टवेयर के साथ डिजिटल किया गया है।

31. हमारे विश्वविद्यालय में एन.ई.पी. 2020 के अनुसार नया पाठ्यक्रम लागू किया गया है।

32. हमारे परिसर के पावरट्टी केंद्र को प्लस टू पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए केंद्र से मंजूरी मिल गई है।

33. जुलाई 2023 में हमारे परिसर में प्री-पी.एच.डी. पाठ्यक्रम कार्य कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

34. इस वर्ष पहली बार संस्कृत में राष्ट्रीय ओलंपियाड आयोजित किया गया, जो 3 सितंबर, 2023 को के.सं.वि. की एक उल्लेखनीय पहल थी। केरल के कई छात्रों ने अच्छी रैंकिंग प्राप्त की है।

35. हमारे परिसर की एनएसएस समिति की पहल के तहत 1 से 15 अक्टूबर 2023 तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया था। हमारे सभी एन.एस.एस. सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों ने अपना उचित समर्थन दिया है और सक्रिय भागीदारी निभाई है।

36. 11,12 अक्टूबर 2023 को खेल दिवस आयोजित किया गया।

37. छात्र प्लेसमेंट: किरण कुमार, पुनीत कुमार, जगन त्रिपाठी, आतिरा बाबू, दुर्गा एस.नंबूतिरी, विष्णुप्रिया और सावित्री ई.एन.नाम के सात छात्रों को स्कूलों की अमृता विद्यालय श्रृंखला में प्लेसमेंट मिला है।

38. विभागीय कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने हिन्दी पखवाड़ा प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

39. विभागीय कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने मातृभाषादिन कार्यक्रम में भाग लिया।

40. 15.08.2023 को पुरनाट्टुकरा परिसर में 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। निदेशक ने पुरनाट्टुकरा में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। माननीय कुलपति ने ऑनलाइन मोड में संदेश दिया।

41. 3 नवंबर 2023 को परिसर में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

42. भगवत-गीता-जयंती पारायण 22.12.2023 को परिसर में उत्साह के साथ आयोजित किया गया था।

43. 11.12.2023 को परिसर में भारतीय भाषा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किए गए।

44. एन.एस.एस. टीम एड्स जागरूकता कार्यक्रम के तहत दिसंबर 2024 आयोजित किया गया

45. एन.एस.एस. टीम कैंसर जागरूकता कार्यक्रम के तहत जनवरी 2024 आयोजित किया गया

46. 26.01.2024 को पुरनाट्टुकरा और पावरट्टी परिसर में गणतंत्र दिवस मनाया गया। निदेशक ने पुरनाट्टुकरा में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और आचार्य ई.आर.नारायणन ने पावरट्टी में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

47. कैंपस ने 25 फ़रवरी से 29, 2024 तक एन.एस.एस. के मार्गदर्शन में एक नशा विरोधी अभियान चलाया। कैंपस और बाहरी परिसर क्षेत्र जैसे, अमला, चित्तिलपिल्ली, मुतुवरा जैसे क्षेत्रों में जुलूस का आयोजन किया है।

48. कैंपस में एन.एस.एस. के मार्गदर्शन में हर महीने (जुलाई 2023 से अप्रैल 2024 तक) सफाई कार्यक्रम आयोजित किए।

49. कैंपस ने 25 मार्च 2024 को अमला मेडिकल कॉलेज के सहयोग से एन.एस.एस. के मार्गदर्शन में एक नशा विरोधी अभियान चलाया। अमला मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सा विभाग के डॉ. लिजी विजयन मुख्य अतिथि थे और उन्होंने छात्रों के बीच नशीली दवाओं के बारे में जागरूकता के महत्व पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

पावरट्टी केंद्र में आयोजित कार्यशालाएं

1. केरल कला रूपों पर राष्ट्रीय कार्यशाला
   सितंबर 12,13 2023.
2. 26 दिसंबर से 30 दिसंबर 2023 तक नाट्यशास्त्र पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय पाठ्य कार्यशाला।
3. शास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 से 21 जनवरी 2024 तक आयोजित किया गया।
4. विद्यालय स्तरीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम 29 जनवरी - 2 फरवरी 2024 तक आयोजित किया गया।
5. केरल कला रूपों पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला 12.02.2024 से 16.02.2024 तक आयोजित की गई थी
6. पांडुलिपियों पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला 26.02.2024 से 01.03.2024 तक आयोजित की गई थी।
7. कथकली पर राष्ट्रीय कार्यशाला: 11 से 15 मार्च 2024।
8. कूडियाट्टम पर राष्ट्रीय कार्यशाला: 18 से 22 मार्च 2024।

नियुक्तियां (शिक्षण):

1. श्रीमती. आशा ई. डॉ.मनन कुमार अग्रवाल, डॉ. रोशनी वेंकटेश्वरन और डॉ. सौमित्र आचार्य सितंबर 2023 में हमारे परिसर में शिक्षण संकाय के रूप में शामिल हुए हैं।
2. डॉ. शिवाजी एन.एम सहायक आचार्य के रूप में परिसर में शामिल हुए सितंबर 2023 में

नियुक्तियाँ (गैर-शिक्षण):

1. श्री हर्ष, श्री विपिन और श्री निशांत मार्च और अप्रैल 2023 के दौरान एडमिन सेक्शन में हमारे कैंपस में शामिल हुए हैं।

प्रचार:

1. प्रो. ई.आर. नारायणन, प्रो. के. विश्वनाथन और प्रो. एन.आर. श्रीधरन को सितंबर 2023 में आचार्य स्तर पर पदोन्नत किया गया।

2. डॉ. ओ.आर. विजयराघवन को सितंबर 2023 में एसोसिएट आचार्य पद पर पदोन्नत किया गया।
3. श्रीमति. विजयकुमारी प्रशासनिक कर्मचारी को अनुभाग अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया
4. कार्यालय कर्मचारी सरन्या को अवर लिपिक स्तर पर पदोन्नत किया गया।
5. कैम्पस अतिथि अध्यपिका श्रीमती मणिचित्रा पी.एस. श्रीमती निशा विनोद, डॉ.रम्या पी.आर. को अतिथि से संविदा पर पदोन्नत किया गया।

स्थानान्तरण:

1. प्रो. ललिता कुमार साहू का अक्टूबर 2023 में सदाशिव परिसर, पुरी में स्थानांतरण हो गया।
2. प्रो. श्रीगोविंदा पांडे जी ने अक्टूबर 2023 में गुरुवयूर परिसर के निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला।
3. आचार्य स्तर पर पदोन्नत हुए रामचन्द्र जोइसा को के.जे. सोमैया परिसर, मुंबई में स्थानांतरित कर दिया गया
4. प्रो. के.के. शाइन जी को के.जे. सोमैया परिसर, मुंबई निदेशक के रूप में पदोन्नत और स्थानांतरित किया गया।
5. प्रो.आर.बालामुरुगन को अक्टूबर 2023 में पुरी परिसर से गुरुवयूर परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया।

सेवानिवृत्ति:

1. श्रीमति शांता मल्टी टास्किंग स्टॉफ सेवानिवृत्ति

5. आर.टी.आई. के अंतर्गत प्राप्त प्रश्नों/उत्तरों की संख्या। अधिनियम -2005 के तहत

प्राप्त किए	-	4
उत्तर दिया	-	4

4.2.5. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर

1. परिचय

राजस्थान राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय स्व. श्री शिवचरण माथुर जी के अनुरोध पर पद्मश्री डॉ. मण्डन मिश्र पूर्वनिदेशक के सत्प्रयासों से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के प्रथम निदेशक प्रो. रामकरण शर्मा के द्वारा 13.05.1983 को परिसर ''केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ'' के नाम से स्थापित किया गया। कालान्तर में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। संसद द्वारा पारित अधिनियम से दिनांक 30 अप्रैल 2020 से यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के नाम से जाना जाता है। परम्परागत शिक्षा के प्रचार-प्रसार, दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण, उनके प्रकाशन, संस्कृत-विद्या क्षेत्र में शोध-कार्यों के संवर्धन तथा शास्त्रज्ञान के साथ-साथ आधुनिक, लोकोपयोगी, नूतन विषयों के ज्ञान प्रदान के लिए प्रयासरत यह परिसर इस वर्ष अपनी स्थापना के 40 गौरवपूर्ण वर्ष पूर्ण कर रहा है। सत्रारम्भ से सत्रावसान तक परिसर ने अनेक शैक्षिक उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। उत्कृष्ट शिक्षण, छात्र संख्या सौविध्य की दृष्टि से जयपुर परिसर अनेक सुप्रतिष्ठित संस्कृत विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में अग्रगण्य है।

2. परिसर का स्थान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
जयपुर परिसर
त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बायपास-302018
दूरभाष – 0141-2761236
ई-मेलः Director-jaipur@csu.co.in
वेबसाइटः http://csu-jaipur.edu.in

3. परिसर की स्थिति

डॉ. सरोजिनी महिषी महोदया के उपाध्यक्ष काल में उनके सत्प्रयासों तथा भारत सरकार के द्वारा दी गई वित्तीय सहायता से राजस्थान की राजधानी जयपुर नगर में केन्द्रीय क्षेत्र त्रिवेणी नगर में 7.27 एकड़ भूखण्ड में 60 कमरों से युक्त संस्थान का यह विशाल भवन अध्यापन कक्षों, प्रशासन खण्ड, व्यायामशाला, सुसज्जित सभागार, पुस्तकालय, परियोजना खण्ड, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, प्राकृत शोध-अध्ययन केन्द्र, स्वाध्याय केन्द्र, छात्र-छात्राओं के पृथक् पृथक् छात्रावास, आचार्य-कर्मचारी आवास, क्रीडांगण, बाग-बगीचे इत्यादि भौतिक सम्पदाओं से युक्त है। इस वर्ष भवन के नवीनीकरण, मरम्मत तथा नवीन सौन्दर्यीकरण जैसे कार्य भी किये गये हैं। छात्रों की संख्या में वृद्धि एवं गुणवत्ता संवर्धन के प्रयोजन से कम्प्यूटर प्रशिक्षण आदि नूतन अत्याधुनिक संगण प्रयोगशाला का निर्माण किया गया।

4. मुख्य गतिविधियाँ

- सत्र 2023-24 में दिनांक 26-27 अप्रैल 2023 को नैक निरीक्षण समिति द्वारा विश्वविद्यालय का आंतरिक गुणवत्ता एवं प्रत्यायन की दृष्टि से निरीक्षण किया गया तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को अत्यन्त गौरवास्पद 'A++' श्रेणी प्रदान की गई।

- जयपुर परिसर का बी.सी.सी. द्वारा भौतिक निरीक्षण करके तीन वर्षीय एल.एल.बी. (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम चलाया जाने की अनुमति प्राप्त हो गई है। सत्र 2024-25 से विधिशास्त्र द्वारा यह पाठ्यक्रम (आई टैप) के लिये (एन.सी.टी.ई.) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा निरीक्षण करके अनुमति प्रदान की गई तथा सत्र 2024-25 से परिसर द्वारा चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम नियमित रूप से चलाया जाएगा।

सत्र 2023-24 में राशि रू. 34,49,50,276/- की लागत से नवनिर्मित बहूद्देशीय भवन सुसज्जित सभागार, अतिथि गृह, चार लिफ्ट, पार्किंग आदि सभी सुविधाओं से युक्त भवन में सुचारू रूप से कार्य प्रारम्भ किया गया है। नैक निरीक्षण की दृष्टि से सम्पूर्ण परिसर का सुशोभीकरण किया गया तथा नैक द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को 'A++' श्रेणी प्रदान की गई।

5. उपलब्ध पाठ्यक्रम

विद्यास्थानानि विद्याशाखाश्च (Schools & Departments)

	प्रकोष्ठसङ्ख्या
वेदविज्ञानविद्यास्थानम्-वैदिक-वेदाङ्ग School of Veda-Vedanga & Vedic Science	
वेद-विद्याशाखा Department of Veda	
व्याकरणशास्त्र-विद्याशाखा Department of Vyakarana Shastra	
ज्योतिषशास्त्र-विद्याशाखा Department of Jyotish Shastra	
दर्शनविद्यास्थानम् School of Darshna	
दर्शनविद्याशाखा Department of Sarva-darshana	
जैनदर्शन एवं प्राकृत विद्याशाखा Department of Jain Darshan & Prakrit	
शिक्षाशास्त्र-कौशलप्रशिक्षणविद्यास्थानम् School of Shikshasastra (Education) & Kaushal Prashikshan (Skilling)	
शिक्षाशास्त्रविद्याशाखा Department of Shikshashastra (Education)	
शारीरिक-शिक्षा एवं खेल-विद्याशाखा Department of Physical Education and Sports	
भाषाविद्यास्थानम्-संस्कृति-साहित्य School of Languages, Literature and Culture	
संस्कृतसाहित्य विद्याशाखा Department of Sanskrit Sahitya	

आंग्लविद्याशाखा Department of English	
हिन्दीभाषाविद्याशाखा Department of Hindi Language	
शास्त्रीय-ज्ञानप्रणाली-विद्यास्थानम् School of Shastriya Knowledge Systems	
धर्मशास्त्रविद्याशाखा Department of Dharmashastra	
समकालिकमानविकी-ज्ञानप्रणाली-विद्यास्थानम् School of Contemporary Knowledge Systems & Humanities	
सामाजिकविद्याशाखा-विज्ञान Department of Social Sciences • राजनीतिविज्ञानम् Political Science • इतिहास History	
बहुविषयकविद्यास्थानम् – तकनीक-विज्ञान School of Multidisciplinary Sciences & Technology	
संगणकविज्ञानविद्याशाखा Department of Computer Sciences	

6. परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/व्याख्यानों और गतिविधियों का संक्षिप्त विवरणः

क्रं सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	अतिथि/वक्ता	अध्यक्ष	संयोजन
1.	10.04.2023	अन्तार्राष्ट्रीय विचारगोष्ठी	श्रीमती कीर्तिदेवी रामजतन, विभागाध्यक्ष, स्कूल ऑफइण्डोलॉजिकल स्टडीज, मोका, मॉरिशस	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. डम्बरुधरपति
2.	14.04.2023	डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती	डॉ. सुमन मौर्य, उपनिदेशक (ए.पी.टी.सी.) राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. गौराङ्गबाघ
3.	26.04.2023 से 27.04.2023	नैक टीम निरीक्षण	श्री सी.जी. विजय कुमार एवं नैक पीयर टीम	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी	प्रो. ईश्वर भट्ट एवं प्रो. सुदेश कुमार शर्मा
4.	04.05.2023	विशिष्ट व्याख्यान	प्रो. पी.एन. शास्त्री	प्रो. श्रीयांश कुमार सिंघई	डॉ. विजय दाधीच
5.	10.05.2023	युवासंवाद इण्डिया@ 2047	श्रेत्रीय निदेशालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. सुभाष चन्द मीणा

6.	12.05.2023	सामाजिक जनचेतना यात्रा	परिसरीय समस्त छात्र-छात्राएँ तथा कर्मचारी	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. डम्बरुधरपति
7.	15.05.2023	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा समावर्तन कार्यक्रम	प्रो. चाँदकिरण सलूजा	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. वाई. एस. रमेश
8.	21.05.2023 से 05.06.2023	विश्वपर्यावरण पखवाड़ा	शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार एवं मुख्यालय नई दिल्ली	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. सीमा अग्रवाल
9.	21.06.2023	अन्तर्राष्ट्रीय योगदिवस	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. नवनीत कुमार एवं श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
10.	03.07.2023	गुरुपूर्णिमा महोत्सव तथा विद्वत्सम्मान महोत्सव	समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण	प्रो. फतह सिहं	प्रो. ईश्वर भट्ट
11.	04.07.2023 से 10.07.2023	कबमास्टर लीडर बेसिक कोर्स	सप्त दिवसीय कार्यशाला	प्रो. फतह सिंह	डॉ. मनीष कुमार चाण्डक
12.	24.07.2023 से 28.07.2023	संस्कृत शिक्षा कम्पेडियम एवं शिक्षासूत्र ग्रन्थ विमर्श कार्यशाला	पञ्चदिवसीय कार्यशाला	प्रो. फतह सिंह	प्रो. कुलदीप शर्मा
13.	14.08.2023	विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस	छात्रा द्वारा वीडियों प्रस्तुति	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. सीमा अग्रवाल
14.	15.08.2023	मेरी माटी मेरा देश	सांस्कृतिक संध्या	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
15.	15.08.2023	स्वतन्त्रता दिवस	ध्वजारोहण	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
16.	13.08.2023 से 15.08.2023	हर घर तिरंगा	समस्त छात्र एवं स्टाफ	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
17.	05.08.2023 से 26.08.2023	संस्कृत वॉइस डाटा कलेक्शन	नीले कणी सन्टर, आई. आई. टी. मद्रास	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. पवन व्यास
18.	14.09.2023 से 27.09.2023	हिन्दी पखवाडा-2023	विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन	प्रो. फतह सिंह	डॉ. रेखा कुमारी एवं डॉ. प्रीती शर्मा
19.	01.10.2023	स्वच्छता जागरूकता सप्ताह (स्वच्छता ही सेवा)	एक तारीख एक घण्टा एक साथ (एक घण्टा श्रमदान)	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
20.	05.10.2023	मैत्रीदिवसः (क्षमावणीपर्वः)	प्रो. श्रीयांश कुमार सिंघई	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. श्रुति जैन
21.	09.10.2023	युवमहोत्सवः 2023 परिसरस्तरे चयन स्पर्धानामायोजनम्	स्पर्धानाम् आयोजनम्	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा

22.	13.10.2023	अमृकलशयात्रा पौधारोपण अमृतवाटिका पंचप्रणप्रतिज्ञा सांस्कृतिक कार्यक्रम	परिसरी विद्याशाखा के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएँ	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
23.	16.10.2023	विश्वविद्यालय स्थापना दिवस (आभासीय पटल पर)	श्री नरेन्द्र अवस्थी	प्रो. फतह सिंह	श्री दीपक कुमार वर्मा
24.	29.10.2023 से 31.10.2023	योगसाधना शिविर	डॉ. नवनीत कुमार	प्रो. फतह सिंह	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
25.	31.10.2023	राष्ट्रीय एकता दौड़	युवा कार्यालय एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
26.	31.10.2023	राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम	युवा कार्यालय एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
27.	10.11.2023	दीपावली स्नेहमिलन समारोह	निदेशक जयपुर परिसर	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. फतह सिंह
28.	13.11.2023 से 22.11.2023	एन.ई.पी. अभिविन्यास एवं संवेदीकरण	श्रीलाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (ऑनलाइन माध्यम से) एवं एम.एम.टी.पी.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. वाई. एस. रमेश
29.	20.11.2023	61वॉं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा(चयनस्पर्धा)	परिसरीय छात्र	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय
30.	24.11.2023	संविधान की उद्देशिका का वाचन कार्यक्रम	डॉ. सीमा अग्रवाल	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. विनी शर्मा
31.	25.11.2023 से 26.11.2023	''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयन''	लखनऊ परिसर द्वारा आयोजित वेबिनार	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय एवं डॉ. सीमा अग्रवाल
32.	26.11.2023	संविधान दिवस सेमिनार (ऑनलाइन वेबिनार)	परिसरीय शिक्षक एवं छात्र-छात्राएँ	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. सीमा अग्रवाल
33.	26.11.2023	संविधान दिवस कार्यक्रम	डॉ. आलोक श्रीवास्तव, परीक्षा नियन्त्रक, हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर	प्रो. वाई. एस. रमेश	डॉ. डम्बरुधरपति
34.	01.12.2023	जागरूकता शपथ	समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी	प्रो. वाई. एस. रमेश	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
35.	01.12.2023	विश्व एड्स दिवस	समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी	प्रो. वाई. एस. रमेश	डॉ. विष्णु कुमार निर्मल

36.	22.12.2023	गीता जयन्ती महोत्सव	रेवासाधाम पीठाधीश्वर राघवाचार्य जी 'वेदांती' एवं हाथोजधाम पीठाधीश्वर स्वामी बालमुकुन्दाचार्य जी	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. रानी दाधीच
37.	03.01.2024 से 13.01.2024	भारतीयशिक्षायां शिक्षणाधिगमपरम्परा	सप्तदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. वाई. एस. समेश एवं डॉ. डम्बरुधरपति
38.	04.02.2024	अन्तर्राष्ट्रीय गीता ऑलम्पियाड उद्घाटन समारोह	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी (आभासीय पटल)	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. रानी दाधीच
39.	08.01.2024	भारतीयशिक्षयां शिक्षणाधिगम परम्परा	प्रो. चाँदकिरण सलूजा	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. डम्बरुधरपति
40.	12.01.2024	स्वामी विवेकानन्द जयन्ती तथा विकसित भारत अभियान	समस्त छात्र-छात्राएँ	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. मनीष कुमार चाण्डक एवं डॉ. किरण खींची
41.	17.01.2024 से 19.01.2024	राष्ट्रीय शैक्षिक सिम्पोजिया	प्रो. चाँद किरण सलूजा	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. डम्बरुधरपति
42.	19.01.2024	विधायक सम्मान समारोह	संस्कृत भाषा में शपथ लेने वाले विधायकों का सम्मान	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. वाई. एस. रमेश
43.	22.01.2024	राम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह तथा कारसेवक सम्मान समारोह	वाल्मीकि रामायण का सामूहिक पारायण कार्यक्रम	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. रानी दाधीच
44.	23.01.2024 से 29.01.2024	हरविजयमहाकाव्य प्रथम द्वितीय सर्गयोः अध्यापनं ध्वन्यङ्कनं च	प्रो. जगत नारायण पाण्डेय	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. राकेश कुमार जैन
45.	26.01.2024	गणतन्त्र दिवस का आयोजन	ध्वज वन्दन कार्यक्रम	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
46.	29.01.2024 से 30.01.2024	ज्योतिषशास्त्रदृशा निर्वाचनप्रक्रियायाः विश्लेषणम्	प्रो. मदन मोहन पाठक एवं प्रो. विनोद कुमार शर्मा	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. ईश्वर भट्ट
47.	29.01.2024	विकसित भारत भाषण प्रतियोगिता	विकसित भारत, मेरी दृष्टि में	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. सीमा अग्रवाल
48.	31.01.2024	गो फॉर यूथ ऑलम्पियाड	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी (आभासीय पटल)	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. रानी दाधीच एवं श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
49.	06.02.2024	शास्त्र प्रशिक्षण वर्ग	प्रो. वाई. एस. रमेश	प्रो. वाई. एस. रमेश	डॉ. डम्बरुधरपति एवं डॉ. प्रमोद बुटोलिया
50.	07.02.2024 से	भारतीय ज्ञान परम्परायां विज्ञानस्य प्रौद्योगिक्याश्च	त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. वाई. एस. रमे एवं प्रो. कुलदीप

	09.02.2024	अध्ययन-अध्यापन परम्परा			शर्मा
51.	14.02.2024	पुलवामा शहीद स्मृति यात्रा	प्रो. अमित झालानी	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	श्री नरेश सिंह
52.	14.02.2024	बसन्त पंचमी पूजा	वेद विभाग	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. सुधाकर पाण्डेय एवं डॉ. रजनीश पाण्डेय
53.	14.02.2024	अन्तः प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारम्भ (आभासीय पटल पर)	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. वाई. एस. रमेश एवं प्रो. कुलदीप शर्मा
54.	16.02.2024	सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम	अलबर्ट हॉल पर प्रस्तुति जयपुर परिसर एवं क्रीडा भारती द्वारा आयोजित	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. नवनीत कुमार
55.	22.02.2024 से 24.02.2024	भारतीय ज्ञान परम्परायां विज्ञानस्य प्रौद्योगिक्याश्च अध्यापन परम्परा	समस्त प्रतिभागीगण	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. वाई. एस. रमेश
56.	27.02.2024 से 29.02.2024	प्राकृत वाङ्मय में उपोद्धात (त्रिदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला)	प्रो. धर्मचन्द जैन	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. धर्मेन्द्र जैन
57.	29.02.2024	सरल मानक संस्कृत कार्यशाला	कुलपति, पूर्णिमा विश्वविद्यालय	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. डम्बरुधरपति एवं डॉ. प्रमोद बुटोलिया
58.	04.03.2024	प्रेसवार्ता (रूपक महोत्सव)	विभिन्न समाचार पत्रों तथा चैनल से आये पत्रकार	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. रानी दाधीच
59.	06.03.2024 से 09.03.2024	20वॉ अखिल भारतीय रूपक महोत्सव	देश के विभिन्न राज्यों से आये नाट्य मण्डलियाँ	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा एवं प्रो. राम कुमार शर्मा	प्रो. राम कुमार शर्मा
60.	11.03.2024 से 15.03.2024	अभिमुखीकरण कार्यक्रम	प्रो. चाँद किरण सलूजा	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. वाई. एस. रमेश एवं प्रो. कुलदीप शर्मा
61.	11.03.2024 से 17.03.2024	प्राकृत शिक्षण कार्यशाला	प्रो. धर्मचन्द जैन	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. धर्मेन्द्र जैन
62.	14.03.2024 से 18.03.2024	शास्त्रीय पाण्डुलिपि शास्त्राध्ययन कार्यशाला (पंचदिवसीय)	प्रो. रामसेवक दुबे एवं डॉ. राजधर मिश्र	प्रो. वाई. एस. रमेश	डॉ. कार्तिक भागवत
63.	12.03.2024 से 29.03.2024	सरल मानक संस्कृत कार्यशाला	विभिन्न शिक्षकों द्वारा विविध शिक्षण संस्थाओं में शिविर संचालित किये गये	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. डम्बरुधरपति
64.	17.03.2024	स्नुषाविजयम्, नाट्यप्रस्तुति	राष्ट्रीय मरू महोत्सव	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. राकेश कुमार जैन

65.	18.03.2024 से 22.03.2024	संस्कृत भाषा दक्षता कार्यक्रम	युवा महोत्सव के विजेता छात्र	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. कुलदीप शर्मा
66.	18.03.2024 से 19.03.2024	How to read text with special emphasis on IKS and NEP 2020	डॉ. शरत चन्द शर्मा	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. लक्ष्मी शर्मा
67.	19.03.2024 से 20.03.2024	भारतीय भाषा अनुवाद कार्यशाला	प्रो. वाई. एस. रमेश	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. वाई. एस. रमेश
68.	20.03.2024 से 21.03.2024	भारतीय ज्ञान परम्परा आधारित सतत पर्यावरण कार्य एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन कौशल	प्रो. आशा कौशिक एवं प्रो. ईनाक्षी चतुर्वेदी	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा एवं प्रो. वाई. एस. रमेश	डॉ. सीमा अग्रवाल
69.	29.03.2024 से 31.03.2024	योग प्रशिक्षण वर्ग	योग विभाग द्वारा आयोजित	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. नवनीत कुमार

राष्ट्रीय सेवा योजना

जयपुर परिसर में सत्र 2023-24 में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत 02 इकाइयों में कुल 200 स्वयं सेवकों का पंजीकरण किया गया। जिनमें 105 छात्र और 95 छात्राएँ हैं। भारत सरकार के युवा कल्याण एवं खेल मन्त्रालय के सहयोग से परिसर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनीष चाण्डक एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. किरण खींची के नेतृत्व में परिसर एवं परिसर के बाहर वृक्षारोपण, स्वच्छता, जन-जागरुकता अभियान, रक्तदान आदि अनेक सेवा कार्य इस सत्र में किए गए।

सूचना का अधिकार अधिनियम- 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या-

प्रार्थनापत्र प्राप्त - 02

उत्तर प्रेषित - 02

4.2.6 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर

1. परिसर परिचय

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा पूर्णरूप से वित्त पोषित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की शाखा के रूप में वर्ष 1986 में 'केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थापित हुआ। 07.05.2002 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को मानित विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त हुई। तब से इसे राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थान 'लखनऊ परिसर' के रूप में जाना जाता रहा। शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा 30 अप्रैल, 2020 को संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) 'केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय' के रूप में परिणत हुआ। आज लखनऊ परिसर न केवल भारत अपितु सम्पूर्ण विश्व में अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के कारण प्रसिद्धि पा रहा है। इस संस्था को राष्ट्रिय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा वर्ष 2023 में A++ श्रेणी प्राप्त है। यहाँ संस्कृत के साथ-साथ पालि एवं प्राकृत के अध्ययन एवं अनुसन्धान भी समानन्तर हो रहे हैं। इस विश्वविद्यालय में वर्तमान कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी के शैक्षणिक एवं प्राशासनिक नेतृत्व में 2022 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का पूर्णतः क्रियान्वयन किया और आज उसका परिणाम सम्पूर्ण देश में देखने को मिलता है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में प्राक् शास्त्री, शास्त्री, शिक्षाशास्त्री, आचार्य एवं विद्यावारिधि पर्यन्त शिक्षा की व्यवस्था है। यहाँ व्याकरणशास्त्र, साहित्य, ज्योतिष, वेद, बौद्धदर्शन, पालि तथा शिक्षाशास्त्र के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं संगणक आदि विषयों का अध्यापन होता है। लखनऊ परिसर में महिला एवं पुरुष अध्येताओं के लिए पृथक्-पृथक् छात्रावास की व्यवस्था है। प्राध्यापकों और कर्मचारियों हेतु कर्मचारी आवास भी परिसर में हैं, जिनमें कुछ आचार्य एवं कर्मचारी निवास करते हैं। यह परिसर 10 एकड़ भूमि में अवस्थित है। निदेशक कार्यालय, प्राशासनिक अनुभाग, लेखा अनुभाग, केन्द्रीय पुस्तकालय, विभागीय पुस्तकालय एवं शैक्षणिक प्रौद्यौगिकी प्रयोगशाला परिसर में सुसज्जित हैं। परिसर के शैक्षणिक एवं शिक्षा सम्बद्ध गतिविधियों के विस्तार के साथ नवीन भवनों के निर्माण हेतु प्रस्ताव शिक्षा मन्त्रालय में विचाराधीन है।

2. परिसर का स्थान

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर
विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ (226010) उत्तर प्रदेश
फ़ोनो-9455543942, 0522-2393748,
ई-मेल- director-lucknow@csu.co.in
अन्तर्जाल- www.csu-lucknow.edu.in

3. परिसर की अवसंरचना

यह परिसर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ (गोमती नगर) के विशाल खण्ड-4 में 10 एकड़ के भूखण्ड में गोमती नदी से पूरब दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। संयोगवश इस संस्थान के तीनों तरफ प्रशस्त मार्ग हैं। जबकि दो तरफ मुख्य मार्ग हैं। परिसर में 160 शायिका का पुरुष छात्रावास, 80 शायिका का महिला छात्रावास है। जिनमें छात्र-छात्राएँ रहकर विद्याध्ययनन करते हैं। छात्रावास में एक सहकारी परम्परागत भोजनालय है, जिसमें छात्र-छात्राओं के भोजन, जलपान आदि का प्रबन्ध छात्र-छात्राओं के द्वारा ही किया जाता है। शैक्षणिक भवन एवं छात्रावास आदि में निःशुल्क इण्टरनेट सुविधा भी उपलब्ध है।

4. मुख्य गतिविधियाँ

इस परिसर में व्याकरण, ज्योतिष, वेद, साहित्य, बौद्धदर्शन, पालि, शिक्षाशास्त्र का मुख्य रूप से अध्ययन, अध्यापन एवं अनुसन्धान होता है। छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास और रोजगार की दृष्टि से पारम्परिक विषयों के अतिरिक्त आधुनिक विषय जैसे- हिन्दी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, संगणक विज्ञान भी स्नातक स्तर तक पढ़ाये जाते हैं। इसके अतिरिक्त क्रीड़ा, योग, पर्यावरण, नाट्य प्रशिक्षण आदि जैसे विषय भी प्रमुखता से पढ़ाये जाते हैं।

5. उपलब्ध पाठ्यक्रम

वेद, वेदांग एवं वैदिक विज्ञान विद्यास्थान

1. ज्योतिष
2. नव्यव्याकरण
3. वेद

दर्शन विद्यास्थान

1. बौद्ध दर्शन एवं पालि

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति विद्यास्थान

1. संस्कृत साहित्य
2. आंग्ल भाषा
3. हिन्दी

यौगिकविज्ञान एवं समग्र स्वास्थ्य चर्या विद्यास्थान

1. योग
2. शारीरिक शिक्षा

समकालिक ज्ञानप्रणाली मानविकी विद्यास्थान

1. राजनीति विज्ञान
2. अर्थशास्त्र

बहुविषयक विज्ञान तकनीकी विद्यास्थान

1. कम्प्यूटर विज्ञान

शिक्षाशास्त्र कौशल प्रशिक्षण विद्यास्थान

शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा

6. प्रकाशन

परिसर से अनेक ग्रन्थ एव शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित होती है जिनमें प्रमुख “आर्ष सूर्यसिद्धान्तः” “लघुभासकरीयम”; ‘गोमती’ पत्रिकादि।

7. परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठियों /कार्यशालाओं/व्याख्यानों और विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण:

i. नशा मुक्त भारत पखवाड़ा

23.5.2023 को लखनऊ परिसर में नशा मुक्त पखवाड़ा का शुभारम्भ हुआ। इसके अन्तर्गत चर्चाओं के द्वारा विद्यार्थियों को नशे के प्रति सचेत किया गया।

ii. विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

31.5.2023 से 5.6.2023 तक परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों का संचालन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा ने की।

iii. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून, 2023 को परिसर में नौवे "अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 6:30 बजे पूर्वाह्न में योगाभ्यास एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया। मार्गदर्शन प्रो. धनीन्द्र कुमार झा का रहा।

iv. अनुवाद प्रविधि प्रशिक्षुता कार्यक्रम

2.8.2023 से 16.8.2023 तक अनुवाद प्रविधि प्रशिक्षुता कार्यक्रम हुआ।

v. संस्कृत सप्ताह का आयोजन

2-16 अगस्त, 2023 की अवधि में परिसर में 'संस्कृत सप्ताह महोत्सव' का आयोजन हुआ। इसके अन्तर्गत सप्ताह पर्यन्त विभिन्न कार्यक्रम जैसे- प्रभातफेरी, संस्कृत शोभा यात्रा आदि आयोजित किये कये। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा जी रहे।

vi. स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त, 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में 77 वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन हुआ। इसके अन्तर्गत परिसर निदेशक ने तिरंगा फहरा कर अध्यक्षीय भाषण से परिसर परिवार को संबोधित किया। ध्वजारोहण कार्यक्रम में आचार्य, कार्यालय कर्मचारी तथा छात्र उपस्थित रहे।

vii. जन-जन के राम G-20

23.8.2023 को आकाशवाणी लखनऊ एवं के.सं.वि.वि., लखनऊ परिसर के संयुक्त तत्वावधान में "जन-जन के राम" G-20 के अन्तर्गत कार्यक्रम हुआ।

viii शिक्षक दिवस

5.9.2023 शिक्षक दिवस के अवसर पर परिसर द्वार एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षकों के अधिकार एवं कर्तव्य तथा शिक्षकों के प्रतीक रूप में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के आदर्शों को अपनाने पर बल दिया गया।

ix. हिन्दी पखवाड़ा

18-27 सितम्बर, 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन हुआ, जिसके अन्तर्गत हिन्दी राजभाषा के विषय में महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गई। हिन्दी भाषा के प्रचार के लिए विभिन्न कार्यक्रम तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों तथा कार्यालय कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय-क्रम में पुरस्कृत भी किया गया। अन्तर्जाल के माध्यम से जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य वि.वि. के कुलपति प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय जी भी जुड़े। समापन समारोह 27 सितम्बर को किया जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. हरिशंकर मिश्र सेवानिवृत्त आचार्य, लखनऊ विश्वविद्यालय रहे।

x. स्वच्छता ही सेवा

1.10.2023 को के.सं.वि. की राष्ट्रीय सेवायोजन इकाई के तत्वावधान में "स्वच्छता ही सेवा" इस ध्येय वाक्य को साकार करने के लिए, विशाल खण्ड-1, वार्ड नं. 62 में अध्यापक, कर्मचारी और समस्त छात्र-छात्राओं ने मिलकर स्वच्छता की।

xi. मेरी माटी मेरा देश

दिनांक 11.10.2023 को "मेरी माटी मेरा देश" अभियान के.सं.वि. लखनऊ परिसर के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम परिसर निदेशक की अध्यक्षता में आरम्भ हुआ। इसके अनन्तर वाटिका स्थापन के लिए पौधारोपण किया गया।

xii. राष्ट्रीय एकता शपथ ग्रहण

31 अक्टूबर, 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में 'राष्ट्रीय एकता शपथ ग्रहण' कार्यक्रम आयोजित हुआ। परिसरीय कर्मचारियों तथा छात्रों द्वारा राष्ट्रीय एकता अक्षुण्य रखने की शपथ ली गई। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर के निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा जी रहे।

xiii. क्षेत्रीय रूपक महोत्सव

दिनांक 3.11.2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्याय, लखनऊ परिसर में आयोजित क्षेत्रीय रूपक महोत्सव में विविध स्पर्धाओं एवं प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले तीन परिसर एवं चार आदर्श महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभागिता की, शैक्षिक सांस्कृतिक नाटक किया। इसमें 1. लखनऊ परिसर (भागवदज्जुकीयम्), 2. भोपाल परिसर (हास्यचूड़ामणिः), 3. जयपुर परिसर (स्नुषाविजयम्), 4. श्रीमती लाडदेवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय बरूदनी, राजस्थान (लटकमेलकम्), 5. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, बछोला, पलवल (मत्तविलासप्रहसनम्), 6. श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, मथुरा (पलाण्डुमण्डनम्), 7. श्री एकरसानन्द आदर्शन संस्कृत महाविद्यालय, मैनपुरी (धूर्तसमागमः), परिसर एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रूपक महोत्सव में भाग लिया। प्रथम पुरस्कार- लखनऊ परिसर (भागवदज्जुकीयम्), एवं भोपाल परिसर (हास्यचूड़ामणि), द्वितीय पुरस्कार- जयपुर परिसर (स्नुषाविजयम्), तृतीय पुरस्कार- श्रीएकरसानन्द आदर्श संस्कृत महाविद्याल, मैनपुरी (धूतसमागमः)।

xiv. क्षेत्रीय युवा महोत्सव

दिनांक 5 से 7 नवम्बर 2023 तक के.सं.वि.वि., लखनऊ परिसर में क्षेत्रीय युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। विविध प्रतियोगिताओं में के.सं.वि.वि. के तीन परिसर तथा 4 आदर्श महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने भाग ग्रहण किया। 1. के.सं.वि.वि. लखनऊ परिसर, 2. के.सं.वि.वि. भोपाल परिसर, 3. के.सं.वि.वि. जयपुर परिसर, 4. श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आ.सं.म. राजस्थान, 5. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, बघोला, पलवल, हरियाणा 6 श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, मथुरा, उ.प्र., 7. श्री एकरसानन्द आदर्श संस्कृत महा.वि., मैनपुरी, उत्तरप्रदेश।

xv. जनजातीय गौरव दिवस

16 नवम्बर, 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में बिरसा मुण्डा की जयन्ती के उपलक्ष्य में 'जनजातीय गौरव दिवस' मनाया गया।

xvi. संविधान दिवस

26 नवम्बर, 2023 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में 'संविधान दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय संविधान की संरचना, इतिहास एवं इसके महत्त्व पर कार्यक्रम के अन्तर्गत व्याख्यान आयोजित किये गये।

xvii. राज्य स्तरीय शास्त्री स्पर्धा

दिनांक 9-10 दिसम्बर 2023 को राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन हुआ जिसमें प्रदेश भर के विभिन्न शास्त्रों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। विजयी प्रतिभागी अखिल भारतीय स्पर्धा हेतु चयनित किए गये।

xviii. भारतीय भाषा उत्सव

11 दिसम्बर, 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में सुब्रह्मण्य भारती की जयन्ती के उपलक्ष्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' आयोजित किया गया, जिसके अन्तर्गत भारतीय भाषा उत्सव प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा ने की। समन्वयक डा. प्रफुल्ल गडपाल जी रहे।

xix. सप्त दिवसीय राष्ट्रीय गोल परिभाषा कार्यशाला

3-9 जनवरी 2024 तक के.सं.वि. वि., लखनऊ परिसर में सप्त दिवसीय राष्ट्रीय गोल परिभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न राज्यों से वरिष्ठ आचार्य, शोधच्छात्रों ने प्रत्यक्ष तथा आभासीय रूप में प्रतिभाग किया।

xx. सप्तदिवसीय विभक्त्यर्थविचार विषयक कार्यशाला

दिनांक 3-9 जनवरी 2024 तक के.सं.वि.वि., लखनऊ परिसर में सप्तदिवसीय विभक्त्यर्थविचार विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अध्यापन हेतु विभिन्न प्रान्तों के लब्धप्रतिष्ठ विद्वान् आहूत किए गये। कार्यशाला प्रो. धनीन्द्र कुमार झा के संयोजकत्व में सम्पन्न हुई।

xxi. सप्तदिवसीय राष्ट्रीय लीलावती कार्यशाला लीलावती कार्यशाला

9-15 जनवरी 2024 तक के.सं.वि., लखनऊ परिसर में सप्तदिवसीय राष्ट्रीय लीलावती कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से गण, विद्वान और शोधच्छात्रों ने सोत्साह प्रतिभाग किया।

xxii. गणतंत्र दिवस

26 जनवरी, 2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में 79 वें गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें परिसर निदेशक द्वारा ध्वजारोहण कर अध्यक्षीय सम्बोधन किया तथा छात्रों एवं कर्मचारियों को मिष्ठान्न वितरण किया गया। आचार्य, छात्र-छात्राएं एवं कार्यालयीय अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक उक्त कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

xxiii. राष्ट्रीय उपोद्घात संशोधन कार्यशाला

2 से 15 फरवरी 2024 तक "पालि अध्ययन केन्द्र" तथा बौद्ध दर्शन विद्याशाखा द्वारा राष्ट्रीय उपोद्घात संशोधन कार्यशाला का आयोजन के.सं.वि.वि., लखनऊ परिसर में हुआ। इसका संयोजन प्रो. गुरुचरण सिंह नेगी तथा डॉ. प्रफुल्ल गडपाल ने किया।

xxiv. "ऋक्सामयोः सम्बन्ध-मीमांसा" अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 3 से 5 फरवरी 2024 तक के.सं.वि.वि. लखनऊ परिसर में "वेद पौरोहित्य कर्मकाण्ड विद्याशाखा" द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "ऋक्सामयोः सम्बन्ध-मीमांसा" आयोजित हुई। उद्घाटन कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी जी ने किया।

xxv. "संस्कृतवाङ्मयस्थ-कथासाहित्यस्य सर्वगामिता" अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार

साहित्य विभागीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 14-15 फरवरी 2024 को संस्कृतवाङ्मयस्थ-कथासाहित्यस्य सर्वगामिता शीर्षक पर अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार हुआ। संयोजक डॉ. प्रफुल्ल गडपाल रहे।

xxvi.अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

22 फरवरी, 2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में **"अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस"** का आयोजन हुआ। इसमें विश्व स्तर पर समाप्त होने वाली भाषाओं के संरक्षण पर विचार विमर्श हुआ। बोलियों एव भाषाओं के संवर्धन सम्बन्धी विषयों पर व्याख्यान आयोजित किये गयें।

xxvii.सरस्वती पूजन

24 फरवरी, 2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में **सरस्वती पूजन कार्यक्रम** का आयोजन किया गया।

xxviii. अन्तर्राष्ट्रीय ज्योतिष सेमिनार

24-26 फरवरी 2024 तक के.सं.वि.वि., लखनऊ परिसर में तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय ज्योतिष सेमिनार का आयोजन हुआ। इसमें विश्व के अनेक देशों से विद्वान् पधारे।

xix. 'जेन्डर इक्युवल टूडे फॉर ए सस्टेनेबल टुमारो' अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

08 मार्च, 2024 को परिसर में **"अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस"** का आयोजन हुआ, जिसमें **'जेन्डर इक्युवल टूडे फॉर ए सस्टेनेबल टुमारो'** विषय पर परिचर्चा-सत्र का आयोजन हुआ।

xxx.अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन

दिनांक 18-21 मार्च 2024 तक अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन अयोध्या धाम में हुआ। इस विशिष्ट कार्यक्रम में देश के कोने-कोने से विषय विशेषज्ञ आए और प्रतियोगी विद्यार्थियों की प्रतिभा के अनुसार उनकी मेधा का मूल्यांकन किया। इसी क्रम में सभी ने श्रीराम जन्मभूमि पर निर्मित भव्य श्रीरामलला का दर्शन किया। तदुपरान्त सरयू जी की आरती की। श्रृंगेरी परिसर के विद्यार्थियों द्वारा श्रीमत् बाल्मीकि रामायण का अखण्ड पारायण किया गया। सम्पूर्ति समारोह में श्री रामजन्मभूमि न्यास के प्रमुख न्यासी सचिव श्री चम्पतराय जी, श्री रामलला मन्दिर के प्रधान पुजारी, कुलपति जी, निदेशक जी तथा कुलसचिव जी आदि उपस्थित रहे।

xxxi. वार्षिकोत्सव का आयोजन

दिनांक 31 मार्च 2024 को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया इसमें विभिन्न शैक्षणिक/सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में विजयी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

5. सूचना का अधिकार अधिनियम- 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या-

प्रार्थनापत्र प्राप्त	-	02
उत्तर प्रेषित	-	02

4.2.7 राजीव गाँधी परिसर मेनसे, श्रृंगेरी (कर्नाटक)

1. परिचय

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री राजीव गान्धी परिसर, शृङ्गेरी प्राचीन-ज्ञान परम्पराओं का केन्द्र है, जहाँ श्री आदि शंकराचार्य भगवत् पाद द्वारा दक्षिणाम्नाय पीठ की स्थापना प्राचीन ज्ञान-कोष का सरंक्षण तथा संवर्धन के लिए स्थापित किया है। इसी परम पवित्र स्थान पर अपनी अंगीभूत इकाई के रूप में 13 जनवरी 1992 को 'राजीव गाँधी संस्कृत विद्यापीठ' की स्थापना भारत सरकार के तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. अर्जुन सिंह जी की अध्यक्षता में तथा भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर.वेंकटरमन जी की उपस्थिति में जगद्गुरु श्री श्री भारती तीर्थ महास्वामी जी दक्षिणाम्नाय शङ्गेरी श्री शारदा पीठम् के पवित्र कर कमलों द्वारा दिनांक 05 मार्च 1992 को इस परिसर का उद्घाटन किया गया। वर्तमान में यह परिसर **'केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गाँधी परिसर'** के नाम से जाना जाता है। इस परिसर के मुख्य भवन का निर्माण केंद्रीय निर्माण विभाग ने 1.63 करोड़ की लागत से किया। द्वितीय चरण के वर्ष 2014-2015 में छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावास, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण रू 4.17 करोड़ की लागत से किया गया। अभी शीघ्र ही मुख्य भवन का विस्तार, छात्रावास का विस्तार तथा क्रीडांगण निर्माण रू 8.05 करोड़ की लागत से किया गया। जिसका उद्घाटन 07 फरवरी सन् 2016 को रा.संस्कृत संस्थान के माननीय कुलपति प्रो. पी. एन. शास्त्री जी के करकमलों द्वारा किया गया है।

2023-24 मेंकुल 421 छात्र-छात्राएँ विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रविष्ट हुए हैं। परिसरीय छात्रों के लिए मध्याह्न भोजन उपलब्ध करवाने के लिए यह परिसर परम श्रद्धेय श्रीजगद्गुरु श्री श्रीभारती तीर्थ महास्वामी जीत था श्रद्धेय जगद्गुरु श्री विधुशेखर भारती महास्वामी जी और आदरणीय पद्मश्री. डा.वी.आर.गौरी शंकर प्रशासक श्री शारदापीठ, श्रृंगेरी एवं स्थानीय सलाहकार समिति अध्यक्ष के प्रति 'राजीव गाँधी परिसर श्रृंगेरी' हृदय से कृतज्ञता ज्ञापित करता है।

2. परिसर का स्थान

राजीव गांधी परिसर
मेनसे, भारती नगर पोस्ट,
श्रृंगेरी - 577 139 कर्नाटक राज्य, भारत
टेलीफ़ोन: +91 8265 250258
टेली फैक्स: +91 8265 251763
ई-मेल: director-sringeri@csu.co.in
अन्तर्जाल: www.csu-sringeri.edu.in

3. परिसर की अवसंरचना

विश्वविद्यालय ने श्रृंगेरी में परिसर विकसित करने के लिए कर्नाटक राज्य सरकार से 10 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है। परिसर का प्रशासनिक-सह-शैक्षणिक ब्लॉक 163 लाख रुपये की लागत से पूरा किया गया और सीपीडब्ल्यूडी द्वारा सौंप दिया गया। सिविल कार्य के दूसरे चरण में छात्र और छात्राओं के लिए दो छात्रावास, सरकारी आवास और गेस्ट हाउस शामिल हैं, जो 417 लाख. रुपये की लागत पर पूरा हो चुके हैं।

4. मुख्यगतिविधियाँ

यह परिसर साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैतवेदान्त मीमांसा, नव्यन्याय और फलितज्योतिष विषयों में आचार्य (एम.ए) शास्त्री (बी.ए), स्तर तक की, शिक्षाशास्त्री (बी.एड), और प्राक्शास्त्री (इण्टरमीडिएट) स्तर तक की शिक्षा प्रदान करता है। इस

परिसर द्वारा शोध छात्रों को शोध कार्य पूर्ण करने के पश्चात, विद्यावारिधि (पी.एच.डी) की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त आधुनिक विषयों के अंतर्गत हिंदी, कन्नड़, अंग्रेजी, इतिहास, कंप्यूटर विज्ञान और शारीरिक शिक्षा की विशेष व्यवस्था है। साथ साथ वास्तुशास्त्र के डिप्लोमा कोर्स एवं शास्त्री प्रतिष्ठा वर्ग का भी आरंभ किया गया है।

5. प्रकाशन

परिसर से अनेक ग्रन्थ प्रकाशित हुए है जिनमें उल्लेखनीय है- "जगद्गुरुविजयम", "विवेचनी", "प्रमाणसमीक्षा"। "संस्कृतवार्ता" पत्रिका का भी इस परिसर द्वारा किया जाता है।

6. उपलब्धपाठ्यक्रम

वेद, वेदांग एवं वैदिक विज्ञानसंस्थान

वेदभाष्यम्

फलित ज्योतिष

नव्यव्याकरण

शास्त्रीय ज्ञान प्रणाली संस्थान

धर्मशास्त्र

दर्शन संस्थान

अद्वैत वेदांत

मीमांसा

नव्यन्याय

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति संस्थान

साहित्य

यौगिकविज्ञान एवं समग्र स्वास्थ्य पद्धतियों का संस्थान

यौगिकविज्ञान

आधुनिक विषय संस्थान

हिन्दी

कन्नड

अंग्रेजी

इतिहास

कम्प्यूटर विज्ञान

शिक्षाशास्त्र विभाग

7. परिसर के द्वारा आयोजित संगोष्ठी, कार्यशाला तथा व्याख्यानमाला

❖ विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर परिसर में दिनांक 09/05/2023 से 05/06/2023 तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके संयोजक डा. वेंकटेश मूर्ति जी थे। डा. रमेशचन्द्र बरमोला, डा. किरण शंकर भट्ट, श्री नवनीत कृष्ण जे तथा श्री गणेश ईश्वेर भट्ट जी इस समिति के सदस्य थे।

❖ विश्वयोग दिवस

विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य पर परिसर में दिनांक 21/06/2023 को 'योग दिवस' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। योग समिति के सदस्य प्रो. रामचन्द्रुल बालाजि, प्रो. गणेश ईश्वर भट्ट, डा. एच.डी. रामचन्द्र की उपस्थिति तथा निर्देशन में प्रातः 6 बजे योगासन सभागार में छात्रों ने योगासन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य निर्देशक परिसर के निदेशक प्रो. सी.एस.एस. नरसिंह मूर्ति महोदय थे। कार्यक्रम का समापन समारोह 21/06/2023 को सायं 4 बजे आयोजित किया गया।

❖ 'व्यासपूजा' समारोह

व्यासपूजा हमारे यहां डा.सी.एस.एस.नरसिंह मूर्ति जी के मार्गदर्शन में की गई है। दिनांक 03/07/2023 'गुरुपूर्णिमा' के अवसर पर परिसर में प्रो.सूर्यनारायण भट्ट, मीमांसा विद्याशाखा तथा श्री आदर्श विनायक भट्ट, मीमांसा विद्याशाखा 'वेदव्यास' पूजासमारोह के समन्वयक थे। 'वेद व्यास' पूजा के उपलक्ष्य पर मुख्यातिथि प्रो. ए.पी. सच्चिदान्द जी ने 'संस्कृतभाषा की महत्ता' तथा 'संस्कृत विषय का अध्ययन' विषय पर मुख्य उद्बोधन किया।

❖ जनजातीय गौरव दिवस

परिसर में दिनांक 15 नवम्बर 2023 से 26 नवम्बर 2023 तक 'जनजातीय गौरव दिवस' का समारोह श्री विरसा मुण्डा के जन्म दिवस पर आयोजित किया गया। जिसमें डा. अरविन्द सोमदत्त, डा. प्रभाकर एम ए. तथा डा. एच.डी. रामचन्द्र जी को सम्मानित किया गया। इसके अन्ततर्गत छात्रों के लिए विविध क्रीड़ाओं तथा अनेक प्रतियोगिताओं जैसे-निबन्ध-लेखन प्रतियोगिता, सद्यः भाषण प्रतियोगिता इत्यादि का आयोजन किया गया।

❖ 'स्वच्छ भारत अभियान' कार्यक्रम का आयोजन

परिसर में 'स्वच्छ भारत अभियान' कार्यक्रम का आयोजन 1 अक्टूबर 2023 को किया गया। स्वच्छता कार्यक्रम के अन्तर्गत 'स्वच्छ भारत', एवं 'स्वच्छता ही सेवा' मुख्य विषय को लेकर कार्यक्रम का सफल अनुप्रयोग शिक्षाशास्त्र के संयोजक प्रो. रामचन्द्रुलि बालाजी के निर्देशन में प्रातः 10 बजे किया गया।

❖ 'मेरा भारत मेरा देश' कार्यक्रम

'मेरा भारत मेरा देश' (मेरी माटी मेरा देश) कार्यक्रम का आयोजन परिसर में 14 अगस्त 2023 को सफलता पूर्वक किया गया। जिसमें 'देश के विभाजन का डर' के स्मरण दिवस पर भारतीय सेना के संयोजन में 'भारतीय सेना पद्मनाभ' को निमंत्रण दिया गया था। कार्यक्रम मे भाग लेने के लिए स्वतंत्रता सेनानियों के प्रसिद्ध नेताओं और नायकों की छवियों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी लगायी गयी, जिसका उद्घाटन परिसर के निदेशक प्रो. सी.एस.एस. नरसिंह मूर्ति जी द्वारा दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। इस अवसर पर 'मेरी माटी मेरा देश' विषय को लेकर प्रतिज्ञा लेने का कार्यक्रम किया गया तथा इस विषय पर माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा दिए गये निर्देशानुसार छात्रों को पुनर्जागृत करने के लिए विशेष वक्तव्य प्रस्तुत किए।

❖ स्वतंत्रतादिवस:-

परिसर में 15-08-2023 को स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम 'अमृतमहोत्सव' के रूप में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आचार्य सी.एस.एस. नरसिंहमूर्ति महोदय ने ध्वजारोहण किया। इस कार्यक्रम में भारतीय तिरंगे को सम्मान सहित नमन किया गया। छात्रों ने देश भक्ति नृत्य-गीतों के साथ साथ विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया।

❖ संस्कृतसप्ताहसमारोह :-

हमारे परिसर में 09.08.2023 से संस्कृत सप्ताह समारोह मनाया गया। श्री मठ में उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। परम पावन जगद्गुरु श्री श्री भारती तीर्थ महासन्निधानम और परम पावन जगद्गुरु श्री श्री विधुशेखर भारती सन्निधानम ने आशीर्वाद के साथ सत्र का उद्घाटन किया। संस्कृत दिवस समारोह के सुचारू संचालन के लिए शिक्षाशास्त्र-विभागाध्यक्ष

प्रो.चंद्रकांत के नेतृत्व में एक समिति गठित की गई। इस कार्यक्रम के समापन समारोह में हरिहरपुरा हाई स्कूल के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक विद्वान अनंत हेब्बार ने पुरस्कार वितरित किये और समापन भाषण दिया।

❖ शिक्षक पर्व

परिसर में शिक्षक पर्व के उपलक्ष्य में दिनांक 05-09-2023 से 09.09.2023 तक, पञ्च दिवसीय 'शिक्षक दिवस' का आयोजन किया गया। दिनांक 05 सितम्बर 2023 को परिसर के पूर्व व्याख्याता एवं वर्तमान गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड कॉलेज ऑफ आर्ट्स, मूडुबिड्रे के सहायक आचार्य डॉ. विनय एम.एस ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और शिक्षक दिवस की महत्ता पर व्याख्यान दिया। विद्यार्थियों ने भी निष्ठापूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया। परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. महाबलेश्वर पी. भट्ट ने भावपूर्ण भाषण के साथ कार्यक्रम का समापन किया और परिसर के निदेशक प्रो. सी.एस.एस. नरसिंह मूर्ति महोदय ने अध्यक्षीय भाषण दिया।

❖ हिंदी दिवस

हिंदी भाषा के विकास तथा अनुप्रयोग पर बल देते हुए परिसर में दिनांक 14 सितम्बर 2023 को 'हिंदी दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर परिसर में विविध प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें भाषण प्रतियोगिता, निबन्ध लेखन प्रतियोगिता, कविता पाठ इत्यादि हैं। हिंदी भाषा को बल प्रदान करने हेतु कार्यालयीय क्रिया-कलापों तथा विविध कार्यों के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग करने पर बल दिया गया। इस कार्यक्रम के अवसर पर कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति माननीया प्रो.अहल्या महोदया मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम का कुशल संचालन डा. राघवेन्द्र भट्ट (साहित्य विद्याशाखा) तथा डा. दयानिधि शर्मा (शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा) के द्वारा किया गया। इस अवसर पर परिसर के निदेशक प्रो.सी.एस.एस. नरसिंह मूर्ति महोदय के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया।

❖ स्थापना दिवस

दिनांक 13.10.2023 को विश्वविद्यालय स्थापना दिवस कार्यक्रम का संचालन डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट एवं डॉ. अरुण भट्ट द्वारा किया गया। इस दौरान संस्थान के पूर्व कुलपति व परिसर प्राचार्य प्रो ए.पी. सच्चिदानंद को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कुटुम्ब शास्त्री और तात्कालिक कुलपति प्रो.श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय ने आनलाईन माध्यम से विशिष्ट भाषण दिया।

❖ सतर्कता सप्ताह

सतर्कता एवं जागरूकता सप्ताह दिनांक 31.10.2023 से 06.11.2023 तक आयोजित किया गया। इसमें प्रतिज्ञा स्वीकृति, निबंध लेखन प्रतियोगिताएँ और विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किए गए। 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत-एक विकसित भारत' विषय पर अधिवक्ता श्री एस.के.शशिभूषण ने विशिष्ट व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्ण अनंत पद्मनाभम और श्री विश्वनाथ हेगड़े ने किया।

❖ कन्नड़ राज्योत्सव

कन्नड़ राज्योत्सव के अवसर पर दिनांक 20 नवम्बर 2023 को परिसर में कन्नड़ राज्योत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक एवं वेदान्त विद्याशाखा के संयोजक प्रो. गणेश ईश्वर भट्ट के निर्देशन में कन्नड़ भाषा से सम्बन्धित छात्रों द्वारा अनेक प्रतियोगिताओं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

❖ वलय युवा महोत्सव

इस वर्ष केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री राजीव गान्धी परिसर श्रृङ्गेरी में 'वलय युवा महोत्सव' का आयोजन दिनांक 24 नवम्बर 2023 से 26 नवम्बर 2023 तक सफलता पूर्वक किया गया। इस आयोजन में के.सं. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न क्रीडाओं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विभिन्न परिसरों तथा महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जिसका भौगोलिक क्षेत्र भारत के दक्षिणी क्षेत्र में आने वाली संस्थाओं को सम्मिलित कर निर्धारित किया गया

था। इस वलय युवा महोत्सव में शारीरिक तथा मानसिक गतिविधियों में नृत्य, संङ्गीत, दौड़, कूद, मल्ल युद्ध, चेस, कैरम, बेडमिंटन इत्यादि खेल प्रतियोगिताओं का आयेजन किया गया। जो छात्रों की शारीरिक तथा मानसिक क्षमताओं का विकास करने हेतु आवश्यक होते हैं। इस युवा महोत्सव में विश्विद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले पुरस्कारों में से प्रथम पुरस्कार 'विजय वैजयन्ती' श्री राजीव गान्धी परिसर को प्राप्त हुआ। इस महोत्सव का संयोजन शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के वरिष्ठाचार्य प्रो.चन्द्रकान्त महोदय द्वारा किया गया।

❖ संविधान दिवस

दिनांक 26 नवम्बर 2023 को 'संविधान दिवस'के उपलक्ष्य पर परिसर में 'शपथ कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान संविधान में उल्लिखित प्रस्तावना की शपथ ली गयी। इसी दिन 'जनजातीय गौरव दिवस' का भी आयोजन किया गया।

❖ गीता जयंती कार्यक्रम

परिसर में दिनांक 28.11.2023 से 05-12-2023 तक गीता जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। पहले दिन महामहोपाध्याय दौर्बल प्रभाकर शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। समापन समारोह में डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट ने विशिष्ट व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विश्वनाथ हेगड़े ने किया।

❖ नवचिन्तन तथा नवोत्सव कार्यक्रम

दिनांक 28 नवम्बर 2023 को परिसर में 'नवचिंनतन तथा नवोत्सव' कार्यक्रम के उपलक्ष्य पर परिसरीय छात्रों द्वारा आयोजित उत्सव को धूम-धाम से मनाया गया। जिसमें नए विचार तथा नवचिन्तन परम्परा का विकास होना जीवन का अभिन्न अंग माना गया। इस अवसर पर छात्रों द्वारा भक्ति से सराबोर गीतों की प्रस्तुतियाँ की गयीं।

❖ भारतीय भाषा संगम (सर्व भाषा सरस्वती) कार्यक्रम का आयोजन

परिसर में दिनांक 11 दिसम्बर 2023 को भारतीय भाषा महोत्सव का आयोजन अत्यन्त गौरव के साथ किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान छात्रों के लिए द्विभाषा-भाषीय कार्यक्रम के अन्तर्गत अनेक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं। जिसमें भाषण, संवाद, क्षेत्रीय खान-पान एवं सामाजिक विषयों पर विविध भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन मुख्य संयोजक प्रो. गणेश ईश्वर भट्ट (वेदान्त विद्याशाखा) जी के कुशल निर्देशन में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. मेल्लापुरम् जी.वी. वेंकटेश महोदय ने विविध भारतीय भाषाओं की सामाजिक तथा सांस्कृतिक महत्ता पर अपने व्याख्यान द्वारा प्रकाश डाला।

❖ संस्था के गणमान्य व्यक्तियों का आगमन कार्यक्रम

दिनांक 12 दिसम्बर 2023 को राजीव गान्धी परिसर में के. सं. विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी के आगमन पर चार दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 10/12/ 2023 से दिनांक 13/12/2023 तक किया गया। इस दौरान माननीय कुलपति श्रीनिवास वरखेड़ी जी की उपस्थिति में परिसर के विशिष्ट कार्यक्रमों में प्राध्यापकों, छात्रों, निर्माणविभाग के कर्मचारियों, कार्यालयीय कर्मचारियों तथा संस्था से सम्बन्धित अन्य कर्मचारियों के क्रिया-कलापों तथा समस्याओं से सम्बन्धित विषयों पर व्यापक विचार विमर्श किया गया। इस दौरान माननीय कुलपति जी द्वारा, परिसर के निदेशक प्रो. सी.एस.एस. नरसिंह मूर्ति जी तथा प्राध्यापकों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके उपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा छात्रों की समस्याओं का समाधान करते हुए शैक्षणिक तथा कार्यालयीय गतिविधियों को गतिशीलता प्रदान करते हुए प्रेरणास्रोत के रूप में आशीर्वाद देते हुए परिसर को गौरव प्रदान किया गया।

❖ 'मुक्तस्वाध्यायपीठ' का उद्घाटन कार्यक्रम

परिसर में दिनांक 12 दिसम्बर 2023 को प्रातः मुक्तस्वाध्यायपीठ में 'चिन्तन तथा विकास कार्यशाला' का उद्घाटन किया गया। इस कार्यशाला में डा. मनोज कुमार नागसम्पीगे महोदय द्वारा भाषण प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में के.सं.

विश्वविद्यालय राजीव गान्धी परिसर के स्वाध्यायपीठ के समन्वयक तथा निदेशक प्रो.रत्नमोहन झा महोदय द्वारा शिक्षण प्रणालियों तथा विविध पुस्तकों का विमोचन किया गया। कार्यशाला से सम्बन्धित सभी सुविधाएँ परिसरीय स्वाध्यायपीठ के मुख्य संयोजक श्री वेंकटेश मूर्ति जी द्वारा उपलब्ध करवायी गयीं।

❖ 'श्रीधान्यजागर्या' कार्यक्रम

दिनांक 14 दिसम्बर 2023 को परिसर में 'श्री धान्यजागर्या' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान परिसर के सभागार में शिक्षाशास्त्र विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. चन्द्रकान्त महोदय द्वारा 'श्रीधान्यजागर्या' विषय पर मुख्य भाषण प्रस्तुत किया गया। इसके दौरान साहित्य विभाग के सहायक आचार्य डा. उमामाहेश्वर तथा व्याकरण विभाग की सहायक प्राध्यापिका डा. शिवकुमारी काटूरी ने कार्यक्रम की महत्ता पर बल देते हुए विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस व्याख्यान में विशेष रूप से कड्धान्यों (भारतीय खेतों में पैदा होने वाले स्थूल धान्य) की उपयोगिता पौष्टिकता तथा विशिष्टताओं को प्रकाशित किया गया। इस कार्यक्रम के द्वारा श्रीधान्यों की उपयोगिताओं तथा महत्ताओं को प्रदर्शित किया गया जो हर भारतीय कृषक को आर्थिक रूप से आगे बढ़ने में सहायक है।

❖ 'गीता ओलम्पीयाड' कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह

'गीता ओलम्पीयाड' कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह दिनांक 4 जनवरी 2024 के.सं. विश्वविद्यालय नई दिल्ली, के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय द्वारा आभासी (आनलाईन माध्यम) रूप से किया गया। इस कार्यक्रम में परिसर के निदेशक महोदय, आचार्यगण, छात्र-छात्राएँ एवं कार्यालयीय कर्मचारियों ने भाग लिया।

❖ अखण्ड वाल्मीकीय रामायण पारायण तथा दीपोत्सव कार्यक्रम

दिनांक 22 जनवरी 2024 को प्रातः 6 बजे से दिनांक 24 जनवरी 2024 प्रातः 10 बजे तक परिसर में अखण्ड वाल्मीकीय रामायण पारायण तथा दीपोत्सव कार्यक्रम श्री राम नवमी के अवसर पर आयोजित किया गया। जिसमें दीपोत्सव कार्यक्रम 22 जनवरी 2024 शाम को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचन्द्र जी की प्राण प्रतिष्ठा समारोह कार्यक्रम में परिसर के निदेशक महोदय तथा परिसरीय सभी छात्र-छात्राओं सहित अन्य सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने आभासीय रूप से भाग लिया। समापन समारोह में छात्रों द्वारा प्रस्तुत भजन-कीर्तन के साथ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय का विशिष्ट संबोधन तथा निदेशक महोदय का अध्यक्षीय संभाषण सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में अयोध्या में श्री राममन्दिर निर्माण में कारसेवा से सम्बन्धित श्रृङ्गेरी क्षेत्र से प्रतिभागी कारसेवकों द्वारा अपने अनुभव को कहा गया। परिसर की तरफ से उन कारसेवकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व परिसर की छात्र कल्याण परिषद् के सदस्यों तथा मुक्त स्वाध्याय पीठ के सहायक आचार्य (अनुबंध) श्री उमामहेश्वर एन, द्वारा अद्भुत रूप से किया गया किया।

❖ 'विकसित भारत के लिए संस्कृत भाषा का योगदान' भाषण प्रतियोगिता

परिसर में दिनांक 25 जनवरी 2024 को **'विकसित भारत के लिए संस्कृत भाषा का योगदान'** विषय को लेकर एक भाषण प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भाषण-प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्रों की मान्यता राष्ट्रीय स्तर की निर्धारित की गयी थी, जिसका मुख्य ध्येय था **'विकसित भारत 2047'** का परिप्रेक्ष्य। इस प्रतियोगिता में विजेताओं तथा पुरस्कारों की स्थिति इस प्रकार थी-

विजेता	-	पुरस्कार तथा धनराशि
सुदर्शन एम एस.	-	प्रथम पुरस्कार राशि- रु.1000
श्रावणी देशपाण्डे	-	द्वितीय पुरस्कार राशि-रु. 700
सौभाग्यरञ्जन सामन्त राय	-	तृतीय पुरस्कार राशि-रु.500

इस कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के आचार्य प्रो.हरिप्रसाद के. महोदय थे।

❖ 'विकसित भारत के लिए संस्कृत भाषा का योगदान' भाषण प्रतियोगिता

परिसर में दिनांक 25 जनवरी 2024 को **'विकसित भारत के लिए संस्कृत भाषा का योगदान'** विषय को लेकर एक भाषण प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भाषण-प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्रों की मान्यता राष्ट्रीय स्तर की निर्धारित की गयी थी, जिसका मुख्य ध्येय था **'विकसित भारत 2047'** का परिप्रेक्ष्य। इस प्रतियोगिता में विजेताओं तथा पुरस्कारों की स्थिति इस प्रकार थी-

विजेता	-	पुरस्कार तथा धनराशि
सुदर्शन एम एस.	-	प्रथम पुरस्कार राशि- रु.1000
श्रावणी देशपाण्डे	-	द्वितीय पुरस्कार राशि-रु. 700
सौभाग्यरञ्जन सामन्त राय	-	तृतीय पुरस्कार राशि-रु.500

इस कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के आचार्य प्रो.हरिप्रसाद के. महोदय थे।

❖ गणतंत्र दिवस समारोह कार्यक्रम

परिसर में दिनांक 26 जनवरी 2024 को गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम परिसर के निदेशक महोदय के निर्देशन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में निदेशक महोदय द्वारा भारतीय प्रतिष्ठा को प्रदर्शित करने वाले तिरंगे झण्डे को ससम्मान फहराया गया। कार्यक्रम के संयोजक शिक्षाशास्त्र विभाग के असोसिएट प्रो.डा.वेंकटरमण एस.भट्ट तथा क्रीडा विभाग के उपनिदेशक डा. एच.डी.रामचन्द्र जी द्वारा गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय समारोह सफलता पूर्वक सम्पन्न किया गया।

❖ 'भारतीय ज्ञान परम्परा' पर विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 9 फरवरी 2024 को एम.आई,टी. द्वारा आयोजित 'भारतीय ज्ञान परम्परा' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान के अवसर पर श्री धनंजय आचार्य द्वारा छात्रों हेतु 'बी.एस.सी. इन वैदिक साईंस' कार्यक्रम का परिचय प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डा.विश्वनाथ हेगड़े महोदय ने किया।

❖ विश्व महिला दिवस

'विश्व महिला दिवस' कार्यक्रम 02 मार्च 2024 से 08 मार्च 2024 तक पूरे सप्ताह आयोजित किया गया। उद्घाटन अवसर पर श्रृंगेरी की प्रसिद्ध आयुर्वेदिक चिकित्सक श्रीमती लक्ष्मी ने स्वास्थ्य संबंधी उपाय बताए। छात्राओं ने भाषण, निबंध, खेलकूद, अभिनय, वॉल पेंटिंग, गायन आदि प्रतियोगिताओं में भाग लिया। हिंदी विदुषी डॉ. ज्योतिका काकतकर की उपस्थिति में समापन समारोह की अध्यक्षता हमारे परिसर निदेशक प्रो.सी.एस.एस.एन.मूर्ति ने की। डॉ. शिवकुमारी काटूरी और सुश्री सुमना ने समन्वयक की भूमिका का सफलता पूर्वक निर्वाह किया।

1. परिसर द्वारा आयोजित सेमिनार कार्यशाला / व्याख्यान और विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण-

दिनांक 23 मार्च 2024 से दिनांक 24 मार्च 2024 तक वेदांग वेदभाष्य विद्याशाखा ने **'दर्शेष्टि प्रयोग'** एवं **'दर्श पूर्ण मास'** विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान परिसर के प्रांगण में वेद ब्रह्मा श्री नरसिंह भट्ट, अग्निहोत्री और शिमोगा क्षेत्र से सोमयाजी पहुँचे और दर्शेष्टि की। प्रो.आर.एन. अयंगर जैन विश्वविद्यालय, बैंगलोर ने **'दर्श पूर्ण चंद्रमा का वैज्ञानिक दृष्टिकोण'** विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक एवं संचालन प्रो.सूर्य नारायण भट्ट एवं श्री आदर्श विनायक भट्ट ने किया। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. सुब्राय वि. भट्ट ने की।

2. दिनांक 27 मार्च 2024 से दिनांक 29 मार्च 2024 तक ज्योतिष विद्याशाखा द्वारा **'गोलियरेखागणितम्'** विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो.श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया गया। परिसर निदेशक प्रो.सी.एस.नरसिंह मूर्ति ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस

कार्यशाला में प्रो. सर्वनारायण झा, प्रो. प्रवेश व्यास, प्रो. श्रीमती हंसधर झा ने भी भाषण दिया। समापन समारोह में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के पूर्व कुलपति आचार्य सच्चिदानंद उडुपा मुख्य अतिथि थे। डा. विजयानंद अडिग, श्री नागपति हेगड़े, डा. रामानंद भट्ट, डा. उमाकांत तिवारी, डा. कृष्ण कुमार द्विवेदी और श्री ब्रजेश पाठक ने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

3. दिनांक 27 मार्च 2024 को न्यायविद्याशाखा ने 'न्यायमञ्जरीस्थ प्रमेयविचाराणं समीक्षा' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में श्री वेंकटेश्वर वेद विश्वविद्यालय और कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति आचार्य के.ई. देवनाथन ने मुख्य भाषण दिया। के.सं.वि. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। प्रो.उमाकांत भट्ट ने पर्यवेक्षकीय भाषण दिया। परिसर निदेशक प्रो. सी.एस.एस.नरसिंह मूर्ति की अध्यक्षता में प्रो. नवीन होला, डा. श्यामसुन्दर एवं श्री राघवेन्द्र अरोल्ली के समन्वयन में सेमिनार का उत्तम रीति से संचालन हुआ।

सूचना का अधिकार अधिनियम- 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या-

प्रार्थनापत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.8 वेदव्यास परिसर, बलाहर, कांगडा, हिमाचल प्रदेश

1. परिचय

शिक्षा-मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भारत का एकमात्र बहु-परिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय है। इसका एक परिसर हिमाचलप्रदेश के कांगडा जिले में बलाहर गांव में वेदव्यास परिसर के नाम से संचालित है। परिसर की स्थापना दिनांक 16.09.1997 को केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के नाम से भारत के प्रथम धरोहर ग्राम गरली में हुई थी। वर्ष 2002 में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित-विश्वविद्यालय) गरली के नाम से प्रचलित हुआ। दिनांक 28.01.2012 से यह परिसर बलाहर ग्राम में 13.26 करोड रुपये की लागत से अपने नव-निर्मित भवन में संचालित हुआ। 30 अप्रैल, 2020 को इस विश्वविद्यालय को संसद अधिनियम के द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में परिवर्तित होने का गौरव प्राप्त हुआ।

वेदव्यास-परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के स्वप्न एवं लक्ष्य को वास्तविकता में परिणत करने में सतत प्रगतिशील है। परिसर का लक्ष्य एवं उद्देश्य संस्कृत भाषा एवं उसकी विविध शास्त्रीय परम्पराओं का परिरक्षण एवं संवर्धन करना है। परिसर में वर्ष 1997 से व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य विषयों में प्राक्शास्त्री, शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है। उपर्युक्त विषयों में विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि के लिए शोध भी प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त संगणकविज्ञान, पर्यावरण, हिन्दी, अंग्रेजी एवं इतिहास आदि आधुनिक विषयों को भी स्नातक स्तर तक पढाया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि एक ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होने के कारण परिसर के विकास एवं संस्कृत भाषा के प्रचार हेतु यहां अधिक सम्भावनाएं हैं। हिमाचल-प्रदेश के लोग अत्यन्त विनम्र एवं उदार प्रकृति के होते हैं तथा धार्मिक परम्पराओं एवं भारतीय संस्कृति में अखण्ड श्रद्धा तथा विश्वास रखते हैं। यह परिसर समीपस्थ जन समुदायों को संस्कृत से जोडने के लिए प्रयासरत है। इस दिशा में परिसर के छात्रों एवं अध्यापकों का योगदान उल्लेखनीय है।

2. परिसर का स्थान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
वेदव्यास परिसर
बलाहर, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश – 177108
टेलीफ़ैक्स- 01970-245409
इमेल- directorbalahar@csu.co.in
अन्तर्जाल-www.csu-balahar.edu.in

3. परिसर की अवसंरचना

परिसर में छात्रों के लिए निम्नलिखित सुविधाएं हैं।

1. बालक-छात्रावास
2. बालिका-छात्रावास
3. व्यायाम एवं योग-केन्द्र
4. भाषा प्रयोगशाला
5. मनोविज्ञान प्रयोगशाला
6. ज्योतिष विज्ञान प्रयोगशाला

7. आई. सी. टी. कम्प्यूटर प्रयोगशाला (इन्टरनेट सुविधा)
8. स्मार्ट कक्ष
9. क्रीडा स्थल
10. नाटक आदि हेतु प्रेक्षागृह
11. छात्रों के लिए छात्रवृत्ति
12. परिसर का कार्यक्षेत्र भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न प्रकार के राष्ट्रिय स्तर के कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने हेतु समुचित अवसर उपलब्ध कराना है।

4. मुख्यगतिविधियाँ

- डॉ.सरोजिनी महिषी महिला अध्ययन अनुसंधान केंद्र - केंद्र का उद्देश्य महिलाओं, नारीवाद, लिंग और कामुकता से संबंधित मुद्दों पर शिक्षण, अनुसंधान, दस्तावेज़ीकरण और प्रकाशन, प्रशिक्षण और परामर्श को बढ़ावा देना है, जिसका उद्देश्य महिलाओं का समर्थन करना है। समाज के सभी वर्गों को अपनी आंतरिक क्षमताओं को समझने और अधिक लिंग-न्यायपूर्ण समाज बनाने की आवश्यकता है। समाज में महिलाओं की भूमिकाओं और महिलाओं के जीवन और स्थिति को प्रभावित करने वाले रुझानों के बारे में ज्ञान विकसित करने, बढ़ावा देने और प्रसारित करने के लिए, केंद्र का लक्ष्य है:

1- महिलाओं और विकास के संबंध में प्राथमिक और व्यावहारिक अनुसंधान करना, प्रयास करना और प्रोत्साहित करना।

2- शैक्षणिक संस्थानों, जमीनी स्तर के संगठनों के साथ-साथ अनुसंधान, वकालत और संबंधित गतिविधियों में लगे व्यक्तियों के साथ सहयोग करना।

3- ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना और सहायता करना।

4- समाज के सभी स्तरों पर महिलाओं की पूर्ण और प्रभावी भागीदारी के लिए सामाजिक परिवर्तन में तेजी लाने के उद्देश्य से सेमिनार, सम्मेलन जैसी गतिविधियाँ चलाना।

- शिक्षण
- नए प्रवेशित छात्रों के लिये संस्कृत सम्भाषण शिविर

5. प्रकाशन

परिसर अनेक ग्रन्थों एवं पत्रिकाओं का प्रकाशन करता है जिनमें यू.जी.सी केयर लिस्ट में "वेद विपाशा" सम्मिलित है। तथा अन्य पत्रिकाएं भी प्रकाशित करता है।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम

परिसर में अधोलिखित विभागों में प्राक्शास्त्री से विद्यावारिधि (12^{th} – Ph.d) तक अध्ययन-अध्यापन होता है

वेद, वेदांग एवं वैदिक विज्ञान विद्यास्थान

1. वेद-कर्मकाण्ड-पौरोहित्य
2. नव्यव्याकरण
3. ज्योतिष

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति विद्यास्थान

1. साहित्य

दर्शन विद्यास्थान

1. अद्वैतवेदान्त

यौगिक विज्ञान एवं स्वास्थ्य पद्धतियां विद्यास्थान

1. योग

आधुनिक विषय विद्यास्थान

1. हिन्दी
2. अंग्रेजी
3. कम्प्यूटर विज्ञान
4. इतिहास

शिक्षाशास्त्र विभाग

7. परिसर में आयोजित संगोष्ठी, कार्यशाला तथा व्याख्यानमाला –

- **अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस**

वेदव्यास परिसर में दिनांक 21.6.2023 को अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस का आयोजन अत्यन्त उत्साहपूर्वक किया गया। जिसमें मुख्य प्रशिक्षक के रूप में सुप्रसिद्ध योगगुरु श्री बलबीर पटियाल ने सभी परिसर वासियों को योग का अभ्यास करवाया एवं योग के विषय में सभी को जागरूक किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक ने की। इसमें परिसर के लगभग 85 आचार्य एवं कर्मचारी तथा लगभग 500 छात्र-छात्राऐं उपस्थित रहे।

- **विशिष्ट शिक्षण-संस्था-संदर्शन शैक्षिक यात्रा**

वेदव्यास परिसर के शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा द्वारा विद्यार्थियों के लिए दिनांक 30.06.2023 से 02.07.2023 तक विशिष्टशिक्षण संस्था संदर्शन शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के समस्त प्राध्यापकों एवं लगभग 105 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। यात्रा का सफल संयोजन विभाग के सहायकाचार्य डॉ. सत्यदेव ने किया।

- **सत्रारम्भ कार्यक्रम**

वेदव्यास परिसर में 3 जुलाई, 2023 को नवीन शैक्षणिक सत्र का भव्य शुभारम्भ एवं दीक्षारम्भ कार्यक्रम सोत्साहपूर्वक मनाया गया। जिसमें परिसर के प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा शिवार्चन, वाग्देवी समाराधन एवं हवन, महर्षि वेदव्यास-पूजन किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी ने स्व-उद्बोधन में समस्त परिसरवासियों को नवीन सत्र में करणीय कार्यों के लिए विशेष रूप से उद्बोधित किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदनमोहन पाठक ने की। कार्यक्रम के अन्त में प्रसाद वितरण किया गया। जिसमें परिसर के लगभग 500 से अधिक प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने भाग ग्रहण किया।

- **बालक छात्रावास शिलान्यास**

वेदव्यास परिसर में दिनांक 05 जुलाई, 2023 को परिसर के नवीन बालक छात्रावास का शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रमुख यजमान के रूप में परिसर निदेशक प्रो. मदनमोहन पाठक थे। कार्यक्रम के प्रमुख आचार्य के रूप में डॉ. शैलेश कुमार तिवारी एवं डॉ. भूपेन्द्र कुमार ओझा ने भूमि पूजन किया। कार्यक्रम में परिसर के अन्य आचार्य, कर्मचारी एवं विद्यार्थी गण भी उपस्थित रहे।

- ## श्लोकरचना-अभ्यास कार्यशाला

वेदव्यास परिसर एवं हिमाचल संस्कृत अकादमी, हिमाचल प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 7-13 जुलाई, 2023 तक सप्तदिवसीय श्लोकरचनाभ्यास कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन समारोह 7 जुलाई 2023 को किया गया, जिसमें उद्घाटक के रूप में जयपुर परिसर के साहित्य विभाग प्रमुख प्रो. रामकुमार शर्मा, विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. गणेशदत्त भारद्वाज एवं सारस्वतातिथि के रूप में आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जांगला के साहित्यमर्मज्ञ डॉ. हरिदत्त ग्वाडी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक द्वारा की गई। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों से विभिन्न छन्दों में श्लोक रचना का अभ्यास करवाया गया। जिसमें लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग ग्रहण किया। कार्यक्रम के संयोजक श्री पंकज, सहायकाचार्य, साहित्य विद्याशाखा रहे।

- ## प्राक्शोधपाठ्यक्रम का शुभारम्भ

वेदव्यास परिसर के शोध विकास प्रकोष्ठ के द्वारा प्राक्शोधपाठ्यक्रम का शुभारम्भ दिनांक – 24.7.2023 को प्रात: 11 बजे संगोष्ठी कक्ष में किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रो. मदनमोहन पाठक ने की एवं कार्यक्रम के संयोजक प्रो. मञ्जूनाथ एस. जि. एवं सह संयोजक के रूप में डॉ. सुरेश पाण्डेय थे। इस कार्यक्रम में संयोजक प्रो. मञ्जूनाथ एस. जि. द्वारा प्राक्शोध-पाठ्यक्रम की विषयवस्तु एवं आगामी योजना को विस्तार से विवेचित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 15 शोधार्थी एवं लगभग 30 आचार्य उपस्थित रहे।

- ## प्रशिक्षुता कार्यक्रम-

वेदव्यास परिसर में दिनांक 27-07-2023 से 10.08.2023 तक शास्त्री प्रथमवर्ष के छात्रों के लिए प्रशिक्षुता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, रणबीर परिसर, जम्मू के लगभग 85 प्रशिक्षुओं एवं वेदव्यास परिसर के लगभग 180 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को वेद एवं कर्मकाण्ड का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक ज्ञान, ज्योतिष, कौशल विकास, तकनीकि ज्ञान एवं आत्मनिर्भरता आदि विविध क्षेत्रों का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में अनेक प्राध्यापकों ने अध्यापन कर विशेष योगदान दिया। यह कार्यक्रम परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुरेश पाण्डेय एवं सह-संयोजक डॉ. श्याम बाबू थे।

- ## महिला अध्ययन केन्द्र की पुनः स्थापना-

वेदव्यास परिसर में वर्ष 2011 में महिलाओं में शैक्षणिक उत्थान की दृष्टि से तत्कालिन कुलपति प्रो. राधाबल्लभ त्रिपाठी द्वारा महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना हुई। जिसकी गतिविधियां प्राशासनिक कारणों से विगत वर्षों से स्थगित थी। दिनांक 11-08-2023 को महिला अध्ययन केन्द्र की पुनः स्थापना की गई। वर्तमान कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी के निर्देशन में इसकी पुनः स्थापना निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक की अध्यक्षता में की गई। कार्यक्रम में लगभग 85 आचार्य एवं कर्मचारियों सहित 300 छात्र-छात्राऐं उपस्थित रहे। यह अध्ययन केन्द्र वेदान्त विद्याशाखा की प्राध्यापिका सुश्री के. मनोज्ञा के संयोजकत्व में कार्य कर रहा है।

- ## स्वतन्त्रता पखवाड़ा

दिनांक 13-08-2023 को वेदव्यास परिसर में निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक की अध्यक्षता में स्वतन्त्रता पखवाड़े का शुभारम्भ हुआ। इस दौरान परिसर के छात्रों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के साथ शोभा-यात्रा निकाली गई। इस शोभा-यात्रा कार्यक्रम में स्वतन्त्रता सैनानियों को याद किया गया। इस कार्यक्रम में 50 प्राध्यापकों सहित 200 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

- ## स्वतन्त्रता दिवस समारोह

दिनांक 15-08-2023 को वेदव्यास परिसर में स्वतन्त्रता दिवस के शुभावसर पर ध्वजारोहण किया गया। यह कार्यक्रम परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस दौरान उन्होंने अपने उद्बोधन में स्वतन्त्रता सैनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए छात्रों को राष्ट्र के प्रति विश्वासपात्र रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर परिसर के 85 आचार्य एवं कर्मचारियों सहित लगभग 500 छात्र उपिस्थित रहे।

- ## सद्भावना दिवस-

दिनांक 20-08-2023 को वेदव्यास परिसर में वेदान्त विद्याशाखा के विभाग संयोजक प्रो. मञ्जुनाथ एस. जि. की अध्यक्षता में संगोष्ठी कक्ष में सद्भावना दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें सभी को आपसी सद्भाव-पूर्वक आचार-व्यवहार के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर लगभग 50 आचार्य एवं कर्मचारी तथा 50 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

- ## संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन-

परिसर में दिनांक 21-08-2023 से 05-09-2023 तक सरल मानक संस्कृत के आधार पर प्रभारी निदेशक प्रो. मञ्जुनाथ एस. जि. के निर्देशानुसार श्री पंकज एवं डॉ. ऋचा विश्वाल के संयोजकत्व में सम्भाषण शिविर का संचालन किया गया। जिसमें शास्त्री प्रथम वर्ष के 200 छात्र उपस्थित रहे।

- ## कार्यालयीय कर्मचारियों एवं संस्कृतेतर अध्यापकों के लिए दस दिवसीया सरल संस्कृत सम्भाषण कक्षा

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नवदेहली के माननीय कुलपति की संकल्पना के तहत एक उपक्रम के अनुसार सरलमानकसंस्कृतानुष्ठान समिति का गठन वेदव्यास परिसर में भी किया गया। जिसके संयोजन का दायित्व ज्योतिष विद्याशाखा के सहायकाचार्य डॉ. मनोज श्रीमाल को दिया गया। जिसमें प्रथम सोपान में कार्यालयीय कर्मचारियों एवं संस्कृतेतर अध्यापकों के लिए दस दिवसीया सरलसंस्कृत सम्भाषण कक्षा का आयोजन दिनांक 22.08.2023 से 31.08.2023 तक सांयकाल 5.30 से 6.30 पर्यन्त किया गया। जिसका उद्घाटन समारोह दिनांक 22.08.2023 को आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक एवं मुख्यातिथि के रूप में वेदान्त विद्याशाखा के प्रो. मञ्जूनाथ एस. जि. थे। इस कक्षा में 45 प्रतिभागियों ने भागग्रहण किया एवं कक्षा का सफल अध्यापन कार्य ज्योतिष विद्याशाखा के आचार्य डॉ. यज्ञदत्त द्वारा किया गया। कार्यशाला का सफल संयोजन डॉ. मनोज श्रीमाल ने किया।

- ## संस्कृत सप्ताह आयोजन-

दिनांक 27-08-2023 से 02-09-2023 तक वेदव्यास परिसर में संस्कृत सप्ताह का आयोजन प्रो. मदन मोहन पाठक की अध्यक्षता में किया गया। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीता-श्लोकोच्चारण, सुभाषित-कण्ठपाठ, वेदमन्त्रोच्चारण, भाषण-स्पर्धा आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्त में श्रेष्ठ छात्रों को पुरस्कृत किया गया। इसमें लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया एवं दिनांक 01-09-2023 को धरोहर ग्राम प्रागपुर में संस्कृत शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 85 प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के साथ लगभग 700 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम श्री पंकज के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ।

- ## शिक्षक दिवस-

दिनांक 05-09-2023 को वेदव्यास परिसर में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिसर के समस्त छात्रों ने शिक्षकों को विविध उपहारों के द्वारा सम्मानित किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो.

मदन मोहन पाठक ने की। कार्यक्रम में विशेष रूप से पदोन्नत हुए प्रो. शीश राम एवं प्रो. मञ्जुनाथ एस. जि. को स्मृति चिन्ह प्रदान करके सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लगभग 85 आचार्य एवं कर्मचारियों के सहित 500 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

- **हिन्दी पखवाडा-**

वेदव्यास परिसर में दिनांक 14-9-2023 को हिन्दी पखवाडा का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक ने की। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में पुस्तकालयाध्यक्ष श्री विक्रमजीत ने राष्ट्र निर्माण एवं कार्यालयीय कार्यों में हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अन्तर्गत 28-09-2023 तक परिसर में छात्रों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन परिसर के भाषा विज्ञान विद्याशाखा के प्रमुख डॉ. ओम प्रकाश साहनी ने किया। इस पखवाड़े में 70 प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों सहित लगभग 300 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

- **वेदव्यास परिसर का स्थापना दिवस समारोह-**

दिनांक 15-16 सितम्बर 2023 को वेदव्यास परिसर के स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक ने की। इस अवसर पर शास्त्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। जिसमें परिसर में सेवा दे चुके प्राध्यापकों को आमन्त्रित किया गया। साथ ही कक्षा में अधिक अंक प्राप्त किए छात्रों को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में पूर्व प्राचार्य प्रो. सुरेन्द्र झा, विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. विजयपाल शास्त्री, सम्मानितिथि के रूप में प्रो. गणेश शंकर विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर लगभग 85 आचार्य एवं कर्मचारियों सहित 400 छात्र उपस्थित रहे।

- **शोधविकास-प्रकोष्ठ की व्याख्यान माला -**

दिनांक 18-09-2023 से 22-09-2023 तक वेदव्यास परिसर के शोध विकास प्रकोष्ठ के द्वारा व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। जिसमें केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नव देहली से परीक्षा नियन्त्रक प्रो. पवन कुमार, प्रयागराज परिसर से प्रो. देवदत्त सरोडे, प्रो. कपिल कपूर, देवप्रयाग परिसर निदेशक प्रो. पी. वी. बी. सुब्रह्मयण्यम, प्रकाशन विभाग, नव देहली के संयुक्त निदेशक डॉ. गणेश पण्डित, सुप्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री प्रो. चांद किरण सलूजा, श्री लाल बहादूर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से प्रो. अनिता पाण्डेय भारद्वाज, प्रो. रामनाथ झा, प्रो. वी. वी. जे. डी. पाल, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी आदि विद्वानों का ऑनलाईन माध्यम से व्याख्यान करवाया गया। जिसका लाभ परिसर के लगभग 30 शोधच्छात्रों को हुआ। कार्यक्रम का सफल संयोजन शोध विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. मञ्जूनाथ एस. जि. के द्वारा किया गया।

- **उत्तरक्षेत्रीय रूपक महोत्सव -**

वेदव्यास परिसर में दिनांक 01-11-2023 को उत्तरक्षेत्रीय रूपक महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें वेदव्यास परिसर, बलाहर, श्री रणबीर परिसर, जम्मू, श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जांगला, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, अम्बाला, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार आदि संस्थाओं के नाट्य दलों ने प्रतिभाग किया। जिसमें वेदव्यास परिसर, बलाहर ने प्रथम, श्री रणबीर परिसर, जम्मू ने द्वितीय, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार ने तृतीय, श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग एवं आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में प्रो. गोपबन्धु मिश्र एवं निर्णायक के रूप में प्रो. रामकुमार शर्मा एवं प्रो. केशवानन्द कौशल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 14 मार्गदर्शकों के मार्गदर्शन में 140

प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रेक्षकों के रूप में परिसर के 85 आचार्य एवं कर्मचारियों सहित लगभग 500 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

- **महिला छात्रावास में संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन -**

दिनांक 10-11-2023 को वेदव्यास परिसर के महिला छात्रावास में चल रहे सप्तदिवसीय सम्भाषण शिविर का समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसकी अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की। यह कार्यक्रम महिला छात्रावास अधिष्ठाता सुश्री डॉ. के. मनोज्ञा के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ। जिसमें छात्रावास की लगभग 130 छात्राओं ने भाग लिया।

- **उत्तरक्षेत्रीय युवा महोत्सव-**

दिनांक 28-11-2023 से 30-11-2023 तक वेदव्यास परिसर में उत्तरक्षेत्रीय युवा-महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें वेदव्यास परिसर, बलाहर, श्री रणबीर परिसर, जम्मू, श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जांगला, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, अम्बाला, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार, श्री माता वैष्णों देवी गुरुकुल, कटडा आदि संस्थाओं के छात्रदलों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय, उज्जैन के माननीय कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जि., विशिष्टातिथि के रूप में देवप्रयाग परिसर के निदेशक प्रो. पी. वी. बी. सुब्रह्मण्यम् एवं सुप्रसिद्ध क्रीडा विशेषज्ञ प्रो. गजेन्द्र शर्मा उपस्थित रहे। इस दौरान विविध भारतीय क्रीड़ा स्पर्धाएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। जिसमें वेदव्यास परिसर, बलाहर ने प्रथम, श्री रणबीर परिसर, जम्मू ने द्वितीय, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, हिमाचलप्रदेश ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम में विभिन्न परिसरों के 24 मार्गदर्शकों के मार्गदर्शन में लगभग 320 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रेक्षकों के रूप में परिसर के 85 प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों सहित लगभग 700 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सम्पूर्ण युवा-महोत्सव परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। यह महोत्सव संयोजक प्रो. मञ्जूनाथ एस. जि. एवं सह-संयोजक डॉ. मनोज श्रीमाल एवं डॉ. संजय मनकोटिया के सफल संयोजन में निर्विघ्न सम्पन्न हुआ।

- **यौन उत्पीड़न निषेध सप्ताह-**

वेदव्यास परिसर में दिनांक 09-12-2023 को महिला अध्ययन केन्द्र की ओर से बदरीका छात्रावास में यौन उत्पीड़न निषेध सप्ताह का प्रारम्भ हुआ। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में वेदव्यास परिसर की अनुभाग अधिकारी श्रीमती अनुराधा शर्मा उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी द्वारा की गई। इस दौरान छात्रावासीय छात्राओं को स्वयं के प्रति सचेत रहने हेतु जागरूक किया गया। ताकि किसी भी प्रकार की अनैतिक घटना घटित न हो सके। इस दौरान लगभग 130 छात्राएं उपस्थित रही।

- **शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा द्वारा कला एवं शिल्प प्रदर्शनी-**

दिनांक 19.12.2023 को वेदव्यास परिसर की शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के छात्रों ने कला एवं शिल्प के द्वारा निर्मित सामग्री का प्रदर्शन किया। इस दौरान परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने सभी छात्रों की कला प्रदर्शनी की प्रशंसा कर उनको आशीर्वचन प्रदान किया। इस अवसर पर शिक्षाशास्त्र विभाग के 7 आचार्य व 55 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम विद्याशाखा के विभागाध्यक्ष प्रो. शीशराम के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संयोजन विभाग की प्राध्यापिका डॉ. प्रियांका चन्द्र ने किया।

- **गीता जयन्ती उत्सव-**

दिनांक 21-12-2023 को वेदव्यास परिसर में परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी की अध्यक्षता में गीता जयन्ती उत्सव सोत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर परिसर परिवार द्वारा गीता के 18 अध्यायों का सामूहिक पारायण किया

गया। इस दौरान निदेशक महोदया ने गीता के महात्म्य पर भी प्रकाश डाला। इस उत्सव में परिसर के लगभग 75 आचार्य एवं कर्मचारी तथा लगभग 500 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

- **बौद्ध धर्म परिचायक विशेष सत्र-**

दिनांक 04-01-2024 को वेदव्यास परिसर में बौद्ध भिक्षुओं का विशेष दल परिसर में उपस्थित हुआ। जिन्होंने बौद्ध धर्म से सम्बन्धित दुर्लभ पाण्डुलिपियों को परिसर के पुस्तकालय के लिए समर्पित किया। साथ ही इस तरह के अति महत्वपूर्ण कार्य सम्पदान हेतु पूर्ण सहयोग का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने अभ्यागतों का स्वागत किया इस दौरान लगभग 80 प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों सहित परिसर के 300 छात्र उपस्थित रहे।

- **विश्व हिन्दी दिवस-**

दिनांक 10-01-2024 को वेदव्यास परिसर में महिला संस्कृत अध्ययन केन्द्र एवं हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डॉ. के. मनोज्ञा एवं डॉ. पीयूष त्रिपाठी के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर परिसर के लगभग 500 छात्र-छात्राओं को सुप्रसिद्ध 12वीं फेल नामक चलचित्र दिखाया गया।

- **फिट इण्डिया सप्ताह-**

दिनांक 17-01-2024 से वेदव्यास परिसर में परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी के निर्देशन में फिट इण्डिया सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमें परिसर के छात्रों के लिए विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन सभी गतिविधियों में परिसर के लगभग 800 छात्रों ने सोत्साहपूर्वक भाग ग्रहण किया। यह कार्यक्रम शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के सहायकाचार्य डॉ. पुरुषोत्तम के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ।

- **संस्कृत सम्भाषण शिविर-**

दिनांक 23-01-2024 से 05-02-2024 तक वेदव्यास परिसर की सरल संस्कृत अनुष्ठान समिति द्वारा सरल संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान परिसर के लगभग 200 विद्यार्थियों ने सरल संस्कृत सम्भाषण शिविर में प्रतिभाग किया तथा विद्यार्थियों ने संस्कृत सम्भाषण में दक्षता प्राप्त की। इस कार्यक्रम के संयोजक ज्योतिष विद्याशाखा के सहायकाचार्य डॉ. मनोज श्रीमाल, व्याकरण विद्याशाखा के आचार्य डॉ. भूपेन्द्र कुमार ओझा, ज्योतिष विद्याशाखा के आचार्य डॉ. यज्ञदत्त एवं डॉ. शैलेश कुमार तिवारी रहे। सम्भाषण के शिक्षण का दायित्व व्याकरण विभाग की आचार्य द्वितीयवर्ष की छात्रा सुश्री तारा, साहित्य विभाग के छात्र आचार्य प्रथम वर्ष के श्री टेकचन्द्र एवं वेदान्त विभाग के आचार्य द्वितीय वर्ष के छात्र श्री किशोरी एवं ज्योतिष विभाग के आचार्य प्रथमवर्ष के छात्र श्री होशियार ने निर्वहण किया।

- **वाल्मीकि रामायण पाठ-**

परिसर में दिनांक 21-22.01.2024 को प्रातः 10.00 बजे से अखण्ड रामचरितमानस एवं वाल्मीकि रामायण का पाठ किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से अयोध्या में श्री रामचन्द्र जी की प्राण-प्रतिष्ठा से प्रेरित होकर आयोजित किया गया था। यह उत्सव डॉ. दीप कुमार एवं डॉ. मुकेश शर्मा के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ। इसमें परिसर के लगभग 70 प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों सहित लगभग 300 छात्रों ने भाग लिया।

- **यन्त्रराज निर्माण कार्यशाला-**

दिनांक 25-01-2024 को ज्योतिष विद्याशाखा के विभाग संयोजक डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा के संयोजकत्व में आचार्य प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के 30 छात्रों ने यन्त्रराजनामक खगोलीय यन्त्र का निर्माण किया। साथ ही डॉ. विजेन्द्र कुमार

शर्मा ने यन्त्र राज की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए यन्त्र की प्रयोग-विधि छात्रों को बताई। इसमें ज्योतिष विद्याशाखा के समस्त आचार्य भी उपस्थित रहे।

- **भारतीय गणतन्त्र दिवस-**

दिनांक 26-01-2024 को वेदव्यास परिसर में गणतन्त्र दिवस के अवसर पर परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। साथ ही निदेशक महोदया ने छात्रों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत उद्बोधन दिया। यह कार्यक्रम शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के विभागाध्यक्ष प्रो. शीशराम के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में परिसर के छात्रों द्वारा देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में 80 प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों सहित परिसर के लगभग 500 छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त में सभी को मिष्ठान वितरण किया गया।

- **विकसित भारत अभियान-**

दिनांक 29-01-2024 को वेदव्यास परिसर में विकसित भारत अभियान का उद्घाटन कार्यक्रम परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम मोदी जी के 2047 तक के विकसित भारत अभियान का हिस्सा था। इस अवसर पर कार्यक्रम में परिसर के 85 आचार्य एवं कर्मचारियों सहित 500 छात्रों ने भाग लिया।

- **दस कार्य दिवसीय सरल ज्योतिष प्रशिक्षण कार्यशाला-**

वेदव्यास परिसर के ज्योतिष विद्याशाखा के तत्वावधान में दिनांक 12-02-2024 से 23-02-2024 पर्यन्त दस कार्य दिवसीय सरल ज्योतिष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन-सत्र दिनांक 12-02-2024 को परिसर के भरतमण्डप में रखा गया। जिसमें मुख्यवक्ता के रूप में चाणक्य विश्वविद्यालय, बेंगलुरू के आचार्य डॉ. रामकृष्ण पेजत्ताय (ऑनलाईन माध्यम से), विशिष्टवक्ता के रूप में शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. शीशराम एवं सम्मानितातिथि के रूप में वेदान्त विभाग संयोजक प्रो. मञ्जूनाथ एस. जि. उपस्थित थे। 10 दिवस तक समस्त विभागों के प्रतिभागियों को ज्योतिष का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह दिनांक 23-02-2024 को आयोजित किया गया। यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी के संरक्षकत्व एवं परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी की अध्यक्षता एवं विभाग संयोजक डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। विषय विशेषज्ञ के रूप में विभाग के समस्त आचार्य डॉ. मनोज श्रीमाल, डॉ. दीपकुमार, डॉ. विनोद शर्मा, डॉ. यज्ञदत्त, डॉ. शैलेश कुमार तिवारी थे। इस कार्यशाला में परिसर के अन्य प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों सहित 270 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का सफल संयोजन डॉ. मनोज श्रीमाल ने किया।

- **महिला सुरक्षा एवं अधिकार विषय पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी-**

वेदव्यास परिसर के महिला संस्कृत अध्ययन केन्द्र की ओर से दिनांक 19-20.02.2024 को द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसका विषय महिला सुरक्षा एवं अधिकार था। संगोष्ठी में मुख्यातिथि के रूप में श्रीमती माधुरी सहस्रबुद्धे, सारस्वतातिथि के रूप में श्रीमती शिल्पा बेक्टाएवं विशिष्टातिथि के रूप में सुश्री सुमेधा आचार्य उपस्थित रहीं। यह कार्यक्रम वेदान्त विद्याशाखा की प्राध्यापिका सुश्री के. मनोज्ञा के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर परिसर के 85 प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों सहित लगभग 400 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

- **बंसत पंचमी कार्यक्रम-**

परिसर में दिनांक 14-02-2024 को प्रभारी निदेशक प्रो. शीश राम के निदेशकत्व में बंसत पंचमी का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सरस्वती माता की पूजा की गई एवं विविध स्तुतियों के द्वारा मां शारदा की अर्चना की गई। इस अवसर पर परिसर के लगभग 85 प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों सहित लगभग 550 विद्यार्थियों ने भागग्रहण किया।

- **सांस्कृतिक कार्यक्रम-**

दिनांक 26-02-2024 को वेदव्यास परिसर की शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के 55 छात्रों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियां की। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सन्तोष गोडरा थी।

- **व्याकरण विद्याशाखा की दस दिवसीय कार्यशाला-**

दिनांक 27-02-2024 से 07-03-2024 तक वेदव्यास परिसर में व्याकरण विद्याशाखा के तत्वावधान में **न्यायव्याकरणावलोके आख्यातार्थविचारः** विषय पर दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी एवं सहसंयोजक डॉ. भूपेन्द्र कुमार ओझा, डॉ. महात्मा वीणापाणि एवं डॉ. गोविन्द शुक्ल रहे।

- **सामाजिक चेतना शोभायात्रा**

वेदव्यास परिसर के शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा द्वारा सामाजिक चेतना शोभायात्रा का आयोजन दिनांक 28.02.2024 को किया गया। जिसमें विभाग के समस्त प्राध्यापकों एवं लगभग 105 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। यात्रा का सफल संयोजन विभाग के आचार्य डॉ. मुकेश शर्मा ने किया।

- **विश्व मातृभाषा दिवस-**

दिनांक 29-02-2024 को वेदव्यास परिसर में बड़े ही धूमधाम से विश्व मातृभाषा दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम प्रो. सत्यम कुमारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में बैंक ऑफ इंडिया, प्रागपुर की बैंक मैनेजर श्रीमती संतोष सतोरिया थी। विशिष्टातिथि के रूप में शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के शीशराम ने मातृभाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर परिसर के लगभग 85 प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों सहित लगभग 400 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ओमप्रकाश साहनी थे।

- **प्रथम दीक्षान्त समारोह-**

दिनांक 07-03-2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली का प्रथम दीक्षान्त समारोह यशोभूमि में आयोजित किया गया। जिसमें वेदव्यास परिसर के लगभग 200 छात्रों ने स्वयं सेवी के रूप में कार्य किया। ध्यातव्य है कि इस अवसर पर वेदव्यास परिसर के 7 आचार्य एवं कर्मचारियों को कार्य में सहयोगार्थ प्रतिनियुक्त किया गया था।

- **अखिल भारतीय रूपक महोत्सव-**

दिनांक 06-09.03.2024 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविश्वविद्यालय, जयपुर परिसर में आयोजित अखिल रूपक महोत्सव में वेदव्यास परिसर के नाट्य दल नें प्रतिभाग किया। साहित्य विद्याशाखा के विभाग संयोजक डॉ. श्याम बाबू एवं आचार्य डॉ. योगेश पाण्डेय के मार्गदर्शन में परिसर के 18 छात्रों ने नाट्य प्रस्तुति की।

- **वेदान्तविभागीया पञ्चदिवसात्मिका राष्ट्रीय कार्यशाला-**

दिनांक 11-03-2024 से 15.03.2024 तक वेदव्यास परिसर की वेदान्त विद्याशाखा की ओर से **पञ्चदिवसात्मिका राष्ट्रीय कार्यशाला** का प्रारम्भ हुआ। इस कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के पूर्व अध्यक्ष प्रो. कृष्णकांत उपस्थित थे। साथ ही राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय के अद्वैत वेदान्त विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सतीश के. एस. ने अपने विद्वतपूर्ण व्याख्यान से विद्यार्थियों को उपकृत् किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के प्रभारी निदेशक डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा ने की। कार्यशाला में विभागीय प्राध्यापकों डॉ. प्रिंस चक्रवर्ती, डॉ. रघु बी. राज, डॉ राजन मिश्रएवं डॉ. के. मनोज्ञा ने अभूतपूर्व योगदान दिया। यह कार्यशाला प्रो. मन्जुनाथ एस. जि. संयोजकत्व में सम्पन्न हुई। इसमें लगभग 50 प्रतिभागियों ने भागग्रहण किया।

- **शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में आयोजित विशिष्ट व्याख्यान-**

दिनांक 14-03-2024 को शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में एक विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप अ. शि. म. वि., धर्मशाला के डॉ. मनोज कुमार ने सारगर्भित व्याख्यान प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की। इस अवसर पर प्रो. शीश राम सहित विद्याशाखा के 7 आचार्य एवं लगभग 110 छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संयोजन विभाग के सहायकाचार्य डॉ. सत्यदेव ने किया।

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में संस्कृत के क्रियान्वयन पर आधारित राष्ट्रिय संगोष्ठी**

दिनांक 03-04-2024 को शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में **राष्ट्रिय शिक्षा नीति 2020 में संस्कृत के क्रियान्वयन पर आधारित राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।** कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की। इस अवसर पर प्रो. शीश राम सहित विद्याशाखा के 7 आचार्य एवं लगभग 110 छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संयोजन विभाग के आचार्य डॉ. मुकेश शर्मा ने किया।

- **एकदिवसीय सरल मानक संस्कृत कार्यशालाएं -**

1. वेदव्यास परिसर में भारतीय भाषा समिति एवं केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में सरल मानक संस्कृत पर एक दिवसीय कार्यशाला 21 फरवरी, 2024 को संपन्न हुई। कार्यशाला का उद्घाटन समारोह 21.02.2024 को वेदव्यास परिसर के भरतमंडप सभागार में आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि एवं मुख्यवक्ता के रूप में केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के सहाचार्य डॉ. बृहस्पति मिश्र, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से विशिष्टातिथि के रूप में शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायकाचार्य डॉ. दिनेश यादवः, एवं सारस्वतातिथि के रूप में सहायकाचार्य डॉ. परमेश कुमार शर्मा उपस्थित रहे। सम्मानितातिथि के रूप में वेदांत विद्याशाखा के विभाग समन्वयक प्रो. मन्जुनाथ एस. जि. थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता वेदव्यास परिसर के निदेशक प्रो. श्रीमती सत्यम कुमारी ने की। कार्यशाला में आगन्तुक विद्वानों ने सरल मानक संस्कृत की कार्यशैली पर स्वकीय उद्बोधन से प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मनोज श्रीमाल थे।
2. भारतीय भाषा समिति, वेदव्यास परिसर एवं श्री आत्मानन्दाश्रम, जोगीपंगा, हिमाचलप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 20-03-2024 को एकदिवसीय सरल मानक संस्कृत कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें वेदव्यास परिसर, श्री आत्मानन्दाश्रम, जोगीपंगा, हिमाचलप्रदेश एवं समीपवर्ती क्षेत्रों के लगभग 160 से अधिक प्राध्यापकों एवं छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला की अध्यक्षता परमपूज्य महाराज श्री उमेशानन्द जी ने की। विशिष्टातिथि के रूप में ज्योतिष विद्याशाखा के विभाग संयोजक डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा, सारस्वतातिथि के रूप में आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी के ज्योतिष विभाग के सहाचार्य डॉ. मुकेशकुमार उपस्थित थे। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के वेदान्त विद्याशाखा के संयोजक प्रो. मन्जुनाथ एस. जि. ने की। मुख्यातिथि के रूप में आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी के आचार्य डॉ. केदारदत्त पुरोहित थे। कार्यशाला में सरल मानक संस्कृत के संवर्धन एवं संरक्षण पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला के संयोजक रूप में ज्योतिष विद्याशाखा के आचार्य डॉ. यज्ञदत्त एवं सह संयोजक डॉ. मनोज श्रीमाल एवं डॉ. शैलेश कुमार तिवारी थे।
3. दिनांक 23-03-2024 को भारतीय भाषा समिति, वेदव्यास परिसर एवं पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, नलेटी के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय सरल मानक संस्कृत कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें वेदव्यास परिसर, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, नलेटी एवं समीपवर्ती क्षेत्रों के लगभग 200 से अधिक प्राध्यापकों एवं छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला में मुख्यवक्ता के रूप में डॉ. विकास अंगीरस, डॉ. गिरिराज गौतम, डॉ. पुरुषोत्तम, डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी थे। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. मन्जुनाथ एस. जि. एवं श्रद्धेय परमानन्द जी महाराज उपस्थित थे। कार्यशाला में व्याकरण विद्याशाखा के आचार्य डॉ. भूपेन्द्र कुमार ओझा ने अत्यधिक सहयोग किया।

कार्यशाला के रूप में संयोजक ज्योतिष विद्याशाखा के आचार्य डॉ. शैलेश कुमार तिवारी एवं सह संयोजक डॉ. मनोज श्रीमाल एवं डॉ. यज्ञदत्त थे।

- **साहित्य विद्याशाखा की एक दिवसीया राष्ट्रीय संगोष्ठी-**

दिनांक 27-03-2024 को वेदव्यास परिसर में साहित्य विद्याशाखा की ओर से एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय **संस्कृतसाहित्ये हिमाचलस्य योगदानम्** रहा। इसकी अध्यक्षता प्रभारी निदेशक प्रो. मन्जुनाथ एस.जि. ने की। इसमें मुख्यातिथि के रूप में डॉ. ओंकार चन्द एवं मुख्यवक्ता के रूप में डॉ. राधावल्लभ शर्मा उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम श्री पंकज के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ। इसमें 25 शोधपत्रों का वाचन किया गया तथा साहित्य विद्याशाखा के लगभग 350 छात्र एवं विभाग के अन्य आचार्य भी उपस्थित रहे।

- **विद्याभारती के साथ एम.ओ.यू.-**

दिनांक 04.04.2024 को वेदव्यास परिसर में प्रो. सत्यम कुमारी के निदेशकत्व में छात्रों के लिए रोजगार को दृष्टिगत करते हुए विद्याभारती विद्यालय संगठन से एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नवदेहली से डॉ. अमृता कौर, डॉ. चक्रधर मेहर एवं डॉ. जि. सूर्यप्रसाद आदि गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम डॉ. मुकेश शर्मा के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ।

- **विशिष्ट शिक्षण-संस्था-संदर्शन शैक्षिक यात्रा**

वेदव्यास परिसर के शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा द्वारा विद्यार्थियों के लिए दिनांक 04.04.2024 से 05.04.2024 तक विशिष्टशिक्षण संस्था संदर्शन शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के समस्त प्राध्यापकों एवं लगभग 55 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। यात्रा का सफल संयोजन विभाग के सहायकाचार्य डॉ. सत्यदेव ने किया।

- **नवसंवत्सर कार्यक्रम-**

दिनांक 09.04.2024 को चैत्र प्रतिप्रदा के दिन भारतीय नवसंवत्सर के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें परिसर के लगभग 85 आचार्य एवं कर्मचारी सहित 450 छात्र उपस्थित रहे।

- **डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती-**

दिनांक 14.04.2024 को वेदव्यास परिसर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रभारी निदेशक प्रो. शीशराम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ एवं उन्होंने सामाजिक समरसता के प्रति छात्रों को जागरुक किया।। जिसमें परिसर के लगभग 80 आचार्य एवं कर्मचारी सहित 350 छात्र उपस्थित रहे।

- **Open Access Publishing विषय पर एक दिवसीया कार्यशाला**

वेदव्यास परिसर के पुस्तकालय विभाग द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर, बलाहर एवं पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 25.04.2024 को Open Access Publishing विषय पर एक दिवसीया कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. शिवराम राव के., इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहित गर्ग एवं श्रीमती प्रिया ने अपने सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का सफल संयोजन वेदव्यास परिसर के पुस्तकालयाध्यक्ष श्री विक्रमजीत ने किया। कार्यशाला में लगभग 92 प्रतिभागियों ने भागग्रहण किया।

- **व्यक्तित्व विकास शिविर एवं संगणक कार्यशाला**

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्रों हेतु पाठ्यचर्या में निर्धारित व्यावसायिक क्षमतोन्नयन (EPC-05) के अन्तर्गत व्यक्तित्व विकास शिविर एवं संगणक कार्यशाला का आयोजन 18 से 19 अप्रैल 2024 को परिसर में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री अंकुश राणा जी, सॉफ्टवेयर इंजिनियर एवं आन्त्रप्रेन्योर, बीड़-बीलिंग, काङ्गडा तथा समापन में 19.04.2024 को डॉ. मुकेश कुमार, सहायकाचार्य, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, ऊना का सान्निध्य प्राप्त हुआ। इसमें सामाजिक अन्तःक्रिया (Outreach) सत्र के अन्तर्गत नगरोटा स्थित वृद्धाश्रम तथा बालिका आश्रम गरली में यथासामर्थ्य सामग्री वितरण एवं शैक्षिक जागरूकता सम्पादित कर सांस्थानिक सामाजिक उत्तरदायित्व (ISR= Institutional Social Responsibility) का पालन करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. पुरुषोत्तम ने किया।

- **परीक्षायाः प्रतीक्षायाम् कार्यक्रम-**

परिसर में दिनांक 22.04.2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी ने ऑनलाईन माध्यम से वेदव्यास परिसर के लगभग 700 छात्रों से परीक्षा पे चर्चा के अन्तर्गत परीक्षोपयोगी समस्याओं एवं चुनौतियों को लेकर ज्ञानवर्द्धन किया। इस अवसर पर अनेक छात्रों ने अपने प्रश्नों को माननीय कुलपति के समक्ष रखा एवं कुलपति जी ने सभी जिज्ञासाओं का समुचित शमन किया।

- **प्रकाशन विभाग का उपवेशन-**

दिनांक 13-06-2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रकाशन विभाग द्वारा एक ऑनलाईन उपवेशन का आयोजन किया गया। जिसमें माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी ने उपस्थित सभी प्राध्यापकों को लेखन कार्य हेतु प्रेरित किया। इस दौरान वेदव्यास परिसर के निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी सहित लगभग 43 आचार्य उपस्थित रहे।

एन. एस. एस. गतिविधियां

1. एन.एस.एस. शिविर का आयोजन

शिक्षाशास्त्री प्रथमवर्ष द्वितीय सत्रार्द्ध के विद्यार्थियों के एन.एस.एस. शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 50 छात्रों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के संयोजक विभाग के सहायकाचार्य डॉ. कृष्णानन्द दन्नाना रहे।

2. स्वच्छता पखवाडा-

दिनांक 26-09-2023 से 06-10-2023 तक वेदव्यास परिसर में एन.एस.एस. ईकाई के द्वारा स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया गया। एन.एस.एस. कार्यक्रम संयोजक श्री पंकज एवं कार्यक्रमाधिकारी श्री अमित वालिया के नेतृत्व में वेदव्यास परिसर को स्वच्छ किया गया। साथ ही निकवर्त्ती क्षेत्रों में जाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया गया। इसमें एन.एस.एस. के 200 स्वयं-सेवियों ने सहयोग किया।

3. मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम-

दिनांक 13-10-2023 को वेदव्यास परिसर में एन. एस. एस. ईकाई एवं युवा नेहरू केन्द्र, धर्मशाला के संयुक्त तत्त्वावधान में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय विद्यायक श्री विक्रम ठाकुर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इसमें लगभग 100 ग्रामीण, 85 आचार्य एवं कर्मचारी एवं 50 नृत्य आदि दल के सदस्य तथा लगभग 300 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

4. एन. एस. एस. विशेष शिविर-

दिनांक 23-11-2023 से 29-11-2023 तक वेदव्यास परिसर में एन. एस. एस. ईकाई की ओर से सप्त दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 50 स्वयं सेवियों ने मनोयोग से परिसर को सुन्दर बनाने में अपना योगदान दिया। इस दौरान छात्रों के मार्गदर्शन के लिए विविध स्थानों से विद्वानों को बुलाकर व्याख्यान करवाया गया। साथ ही सामाजिक विषयों के प्रति स्वयं सेवियों को जागरूक किया गया। यह कार्यक्रम एन. एस. एस. ईकाई कार्यक्रम संयोजक श्री पंकज एवं कार्यक्रमाधिकारी श्री अमित वालिया के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

5. युवा दिवस-

दिनांक 12-01-2024 को वेदव्यास परिसर में एन. एस. एस. ईकाई की ओर से प्रभारी निदेशक डॉ. प्रतिज्ञा आर्या की अध्यक्षता में युवा दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम को एन. एस. एस. के 200 स्वयं सेवियों को दिखाया गया एवं स्वामी विवेकानन्द के जीवन चरित्र पर भी प्रकाश डाला गया। यह कार्यक्रम एन. एस. एस. कार्यक्रमाधिकारी श्री अमित वालिया के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ।

6. परिसर स्वच्छता अभियान-

दिनांक 25-01-2024 को वेदव्यास परिसर में एन.एस.एस. इकाई के द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान एन.एस.एस. के 200 स्वयं सेवियों ने वेदव्यास व्यास परिसर को सुन्दर बनाने पूर्ण सहयोग दिया। यह कार्यक्रम श्री पंकज के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ।

7. वृक्षारोपण कार्यक्रम-

परिसर में दिनांक 19-02-2024 को वेदव्यास परिसर में एन.एस.एस. इकाई के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर एन.एस.एस. 200 स्वयं सेवी उपस्थित रहे।

8. युवा संवाद-

दिनांक 04-03-2024 को वेदव्यास परिसर की एन.एस.एस. इकाई द्वारा छात्रों के लिए युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें पंच प्राण विषय पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इसमें सफल छात्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में श्री प्रताप सिंह उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम श्री पंकज एवं श्री अमित वालिया के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ।

9. राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष शिविर-

दिनांक 18-03-2024 से 22-03-2024 तक वेदव्यास परिसर में राष्ट्रिय सेवा योजना का पंचदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एन.एस.एस. के लगभग 50 स्वयं सेवियों ने भाग लिया। इस शिविर के दौरान समीपवर्ती ग्राम गरली, प्रागपुर, नलेटी आदि क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में कृषि मुख्यालय शिमला के डॉ. मुनीष सूद उपस्थित रहे। इन्होंने जैविक कृषि पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को जैविक कृषि के लिए प्रेरित किया।

• छात्रोपलब्धि

दिनांक 19-01-2024 को नेशनल टेस्ट एंजेसी (NTA) यू.जी.सी. नेट का परिणाम घोषित किया। जिसमें वेदव्यास परिसर के साहित्य विद्याशाखा के आचार्य द्वितीय वर्ष के 4 विद्यार्थियों 1. मानो, 2. निशा देवी, 3. अंजिल कुमारी, 4. पंकज ने यू.जी.सी. नेट की परीक्षा उतीर्ण कर परिसर का गौरव बढ़ाया। छात्रों की इस उपलब्धि के लिए परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने सभी उत्तीर्ण छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए आशिर्वचन प्रदान किया।

1. दिनांक 26-02-2024 को शिक्षाशास्त्र प्रथमवर्ष के प्रथम सत्रार्द्ध का परीक्षा परिणाम उद्घोषित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय स्तर पर वेदव्यास परिसर की छात्रा ज्योति कुमारी ने 607/650 अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया।
2. हिमाचल संस्कृत अकादमी, हिमाचलप्रदेश द्वारा दिनांक 4-5.03.2024 को राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, सोलन में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें वेदव्यास परिसर के ज्योतिष विभाग के आचार्य डॉ. विनोद शर्मा के संयोजकत्व में विद्यार्थियों का एक दल प्रतियोगिता में भागग्रहण करने के लिए सोलन गया। प्रतियोगिता में वैदिक मन्त्रोच्चारण में शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र दिवेश, सद्योभाषण प्रतियोगिता में आचार्य प्रथम वर्ष के छात्र

टेकचन्द ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लघुप्रश्नोत्तरी में कपिल एवं टेकचन्द, सूत्रान्त्याक्षरी में विकास एवं सुनीता एवं लघु नाटिका में वैभव, अश्विनी, नीतिका, टेकचन्द, कपिल, निशा एवं सरिता आदि छात्रों के द्वारा द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया गया। संस्कृत गीतिका में शिक्षाशास्त्र द्वितीय वर्ष की प्रीति एवं संस्कृत भाषण में शास्त्री प्रथम वर्ष के छात्र प्रशान्त द्वारा तृतीय स्थान प्राप्त कर छात्रदल ने प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार विजयवैजयन्ती प्राप्त किया।

3. दिनांक 22-03-2024 को वेदव्यास परिसर साहित्य विद्याशाखा की छात्रा सुश्री भावना को अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में साहित्य भाषाण में तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

4. संस्कृत भारती, हिमाचल प्रदेश द्वारा दिनांक 1-2.10.2023 को आयोजित राज्य स्तरीया शास्त्रीया स्पर्धा में वेदव्यास परिसर के सूर्यसिद्धान्त प्रतियोगिता में ज्योतिष विभाग के शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र ओमकार ने प्रथम, हर्ष ने तृतीय श्रीमद्भगवद्गीता प्रतियोगिता में।

4.2.9 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,भोपाल परिसर, भोपाल, (मध्य प्रदेश)

1. परिचय

भोपाल एक ऐसा शहर है जो प्राचीन काल से ही प्राकृतिक, बौद्धिक, साहित्यिक, ऐतिहासिक और राजनीतिक सम्पदा की दृष्टि से समृद्ध रहा है। इसलिए भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय ने भोपाल में भोपाल परिसर की स्थापना हेतु स्थापना आदेश क्रमांक-Sanskrit-1-section dated 31st March, 2002 जारी किया। सरकार के इस आदेश के क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रिय संस्कृत स्सथान, नई दिल्ली ने पत्र क्रमांक - 37021/2002-admin/1108 कार्यालय आदेश क्रमांक 107/ dated 05.06.2002 के अनुसार प्राचार्य एवं अन्य विभाग आदि उपलब्ध कराने के पश्चात् दिनांक 01 जुलाई, 2002 से भोपाल परिसर का शुभारम्भ किया गया। भोपाल परिसर का औपचारिक उद्घाटन दिनांक 16 सितम्बर, 2002 को म.प्र. के तत्कालीन राज्यपाल माननीय भाई महावीर जी द्वारा प्रो. वेम्पटी कुटुम्ब शास्त्री, तत्कालीन कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली की उपस्थिति में घोषित किया गया था। परिसर के संस्थापक प्राचार्य, आचार्य आजाद मिश्र और संस्कृत जगत के अन्य प्रतिष्ठित विद्वानों ने इस परिसर के निर्माण की आधारशिला रखी। उसके बाद तत्कालीन मुख्यमन्त्री माननीय श्री दिग्विजय सिंह ने 27.02.2003 को आवंटित भूमि पर इस परिसर भवन का शिलान्यास किया। परिसर में साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, जैन दर्शन, दर्शन और शिक्षा सहित विभिन्न विषयों के 06 विभाग चल रहे हैं। इनके साथ ही अंग्रेजी, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, इतिहास और कंप्यूटर जैसे आधुनिक विषयों की भी शिक्षा दी जाती है। प्रस्तावित पाठ्यक्रमों में प्राक् शास्त्री,शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्र, शिक्षा आचार्य, ज्योतिष में सर्टिफिकेट कोर्स (त्रैमासिक), वास्तु शास्त्र में डिप्लोमा, नाट्यशास्त्र में डिप्लोमा, कर्मकाण्ड और पौरोहित्य में डिप्लोमा और संस्कृत ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में विद्यावारिधि (पीएच.डी.) शामिल हैं। शारीरिक शिक्षा के प्रशिक्षण के लिए छात्रों को खेल के मैदान के साथ एक आधुनिक व्यायामशाला भी प्रदान की गई है। मुक्त स्वाध्याय पीठ संस्कृत सीखने के इच्छुक लोगों को संस्कृत शिक्षा प्रदान करने के लिए परिसर में काम कर रहा है। परिसर के वररुचि ग्रन्थागार (केन्द्रीय पुस्तकालय) में हजारों पुस्तकें,कई पत्रिकाएँ,अन्य पत्रिकाएँ और समाचार पत्र उपलब्ध हैं। परिसर में संस्कृत में उन्नत अध्ययन के लिए सुव्यवस्थित एवं सुसज्जित कंप्यूटर, ज्योतिष, भाषा, पाठ्यक्रम और मनोविज्ञान की प्रयोगशालाएँ हैं। परिसर में व्यवस्थित ओपन एयर थिएटर बनाया गया है, जिसमें एक बार में 300 लोग बैठ सकते हैं। भोपाल परिसर में अद्वितीय नाट्यशास्त्र अनुसन्धान केन्द्र चलता है, जो संस्कृत नाटकों की नाट्य प्रस्तुति पर काम करता है। यह संस्कृत गीतों और श्लोकों की ऑडियो सीडी रिकॉर्ड करता है और तैयार करता है। भोपाल परिसर दो ISSN पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है, जिनका नाम है राष्ट्री (ISSN 2231-2129) और शास्त्र मीमांसा (ISSN -2321-6948)। परिसर के सभी विभागों में वार्षिक प्रकाशन भी होते हैं। इस प्रकार यह परिसर संस्कृत शिक्षा के विकास के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

2. परिसर का स्थान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
भोपाल परिसर संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया,
भोपाल – 462043 मध्य प्रदेश
फोन- 0755-2418043
अन्तर्जाल: www.csu-bhopal.edu.in
इमेल: director-bhopal@csu.co.in
rsks_bhopal@yahoo.com

3. परिसर की अवसंरचना

मुख्यभवन का वत्सराज भवन नामकरण हुआ और उसी दिन से अपने वत्सराज भवन में परिसर की सभी गतिविधियाँ प्रारम्भ हो गयी थी। इस समय वत्सराज मुख्यभवन के अन्तर्गत सभी कक्षाएँ, सभी प्रयोगशालाएँ, अनौपचारिक कक्षाएँ, विभागीय पुस्तकालय, दूरस्थशिक्षण केन्द्र, नाट्यशास्त्र अनुसन्धान केन्द्र, सभाकक्ष और सर्वसाधन सम्पन्न सभागार, शोधकक्ष सुव्यवस्थित रूप में उपलब्ध हैं। इनके साथ ही परिसर में व्यवस्थित वररुचि ग्रन्थागार (केन्द्रीय पुस्तकालय) और दृश्य साधन सम्पन्न वातानुकूलित भवभूति प्रेक्षागार भी उपलब्ध है। उसमें अतिथि निवास कक्ष, शिक्षककक्ष और विभागाध्यक्ष कक्ष आदि नियमानुसार प्रकल्पित हैं। इस के अतिरिक्त आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 333 छात्रों का पुरुष छात्रावास, 108 छात्राओं का महिला छात्रावास, अतिथि निवास, प्राचार्य एवं कर्मचारी आवास के उपलब्ध है।

4. मुख्य गतिविधियाँ

- राष्ट्रीय संगोष्ठी - संस्कृत संवर्धन में अनुसूचित जाति एवं जनजाति का योगदान –
- स्वच्छता ही सेवा - 01 अक्टूबर, 2023
- स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट
- नाट्यशास्त्र कार्यशाला
- भारतीय शैक्षिक मनोविज्ञान पर राष्ट्रीय कार्यशाला

5. प्रकाशन

परिसर अनेक ग्रन्थों तथा शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन करता है जिनमें उल्लेखनीय पत्रिकाएं हैं- “राष्ट्री”, “शास्त्रमीमांसा” आदि।

6. उपलब्धपाठ्यक्रम

परिसर में अधोलिखित विभागों में प्राक्शास्त्री से विद्यावारिधि (12^{th} – Ph.d) तक अध्ययन-अध्यापन होता है

वेद, वेदांग एवं वैदिक विज्ञानसंस्थान

वेद-कर्मकाण्ड-पौरोहित्य

नव्यव्याकरण

ज्योतिष

वास्तु

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति संस्थान

साहित्य

दर्शन

1. जैनदर्शन
2. सर्व दर्शन

आधुनिक विषय संस्थान

1. हिन्दी
2. अंग्रेजी

3. कम्प्यूटर विज्ञान
4. इतिहास
5. राजनीति विज्ञान
6. शारीरिक शिक्षा

शिक्षाशास्त्र विभाग

नाट्यशास्त्र विभाग

7. परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठी, कार्यशाला तथा व्याख्यानमाला

- गुरु पूर्णिमा व्यास पूजा -03 जुलाई, 2023
- अनुसन्धान पद्धति और प्रकाशन कार्यशाला - 17- 21 जुलाई, 2023
- एनएसएस (NSS) द्वारा बर्रई ग्राम में एक दिवसीय शिविर का आयोजन -17 जुलाई, 2023
- दीक्षारम्भ एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष – 17-26 जुलाई, 2023
- साहित्य विषय की पाठ्यचर्या विकास बैठक - 17-21 जुलाई, 2023
- विशेष व्याख्यान : भारतीय ज्ञानपरम्परा गुरु महिमा - 19 जुलाई, 2023
- विशेष व्याख्यान : डॉ. सत्यनारायण भट्ट द्वारा - 22 जुलाई, 2023
- याज्ञसेनी (नई दिल्ली) में भागीदारी - 27-28 जुलाई, 2023
- उत्कर्ष एवं उन्मेष में भागीदारी - 3-6 अगस्त, 2023
- विभाजन विभीषिका दिवस - 14 अगस्त, 2023
- स्वतन्त्रता दिवस समारोह - 15 अगस्त, 2023
- अनुवादिनीतन्त्रिकांश परिचय एवं संस्कृत द्वारा भारतीय भाषाओं के विकास विषयक ऑनलाइन व्याख्यान का प्रसारण - 16 अगस्त, 2023
- प्रशिक्षुता कार्यक्रम - 16 - 30 अगस्त, 2023
- संस्कृत मास (सप्ताह) महोत्सव - 29 अगस्त, 2023 से 29 सितम्बर, 2023
- स्वच्छता पक्ष - 1-15 सितम्बर, 2023
- शिक्षक दिवस राधाकृष्णन् स्मृति व्याख्यानमाला - 5 सितम्बर, 2023
- महर्षि पाराशर अन्तर्राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन–9 व 10 सितम्बर, 2023
- संस्कृत सम्भाषण शिविर - 11 से 21 सितम्बर, 2023
- युवा संसद में भागीदारी - 12 सितम्बर, 2023
- हिन्दी पखवाड़ा - 14-29 सितम्बर, 2023
- विदाई एवं स्वागत - 20 सितम्बर, 2023
- कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन में प्रसन्नराघवम् नाटक की प्रस्तुति -21 सितम्बर, 2023
- मतदाता जागरूकता गतिविधियाँ - 21 सितम्बर, 2023
- एनएसएस (NSS) दिवस - 24 सितम्बर, 2023
- राष्ट्रीय संगोष्ठी - संस्कृत संवर्धन में अनुसूचित जाति एवं जनजाति का योगदान –
- स्वच्छता ही सेवा - 01 अक्टूबर, 2023

- स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट - एक दिवसीय कार्यशाला - 5 अक्टूबर, 2023
- संस्कृत माह का समापन समारोह एवं वरिष्ठ आचार्यों को विदाई- 9 अक्टूबर, 2023
- त्रैमासिक शोध पाठ्यक्रम समापन - 10 अक्टूबर, 2023
- वार्षिक गतिविधियाँ - 10-13 अक्टूबर, 2023
- अमृत कलश यात्रा - 14 अक्टूबर, 2023
- राष्ट्रीय एकता दिवस - 31 अक्टूबर, 2023
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह - (30 अक्टूबर 2023 से 4 नवम्बर 2023)
- क्षेत्रीय रूपक प्रतियोगिता में प्रतिभाग, लखनऊ - 4 नवम्बर, 2023
- क्षेत्रीय युवा महोत्सव लखनऊ में प्रतिभाग - 5-7 नवम्बर, 2023
- अयोध्या में सीता स्वयंवर नाटक की प्रस्तुति - 10-11 नवम्बर, 2023
- जनजातीय गौरव दिवस - 15-26 जनवरी, 2023
- संविधान दिवस - 26 नवम्बर, 2023
- नाट्यशास्त्र कार्यशाला - 5-14 दिसम्बर, 2023
- शोध प्रस्ताव - शोध उपकरण निर्माण कार्यशाला - 7 दिसम्बर, 2023
- भारतीय भाषा उत्सव - 11 दिसम्बर, 2023
- वार्षिक रिपोर्ट यौन उत्पीड़न रोकथाम जागरूकता सप्ताह – 9-15 दिसम्बर, 2023.
- अनुसन्धान प्रस्ताव और उपकरण पर कार्यशाला - 18-22 दिसम्बर, 2023
- बाजरा वर्ष गतिविधि - 15 दिसम्बर, 2023
- तानसेन समारोह ग्वालियर में सहभागिता - 25-26 दिसम्बर, 2023
- सुशासन दिवस - 25 दिसम्बर, 2023
- अखण्डरामचरितमानस पारायणम्– 31 दिसम्बर, 2023-1 जनवरी, 2024
- संस्कृत शिक्षा सारसंग्रह सम्पादन कार्यशाला - 3-7 जनवरी, 2024
- अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा - 8-9 जनवरी, 2024
- केन्द्रीय मूल्यांकन - 8 -20 जनवरी, 2024
- शिक्षा विभाग में वीथी नाटक प्रशिक्षण - 8-21 जनवरी, 2024
- अखिल भारतीय भोजराज पञ्चाङ्ग निर्माण कार्यशाला – 10-16 जनवरी, 2024
- राष्ट्रीय युवा दिवस - 12 जनवरी, 2024
- भारतीय शैक्षिक मनोविज्ञान पर राष्ट्रीय कार्यशाला–15-20 जनवरी, 2024
- भोपाल परिसर में माननीय कुलपति का दौरा - 15 जनवरी, 2024
- बीएड प्रथम वर्ष द्वारा नुक्कड़ नाटक - 22 जनवरी, 2024
- वाल्मीकि रामायण पाठ - 22 जनवरी, 2024
- भाषण प्रतियोगिता- विकसित भारत संकल्प@2047- 24 जनवरी, 2024
- गणतन्त्र दिवस समारोह - 26 जनवरी, 2024
- वार्षिक रिपोर्ट परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम लाइव स्ट्रीमिंग 29 जनवरी, 2024

- एनसीटीई (NCTE) टीम द्वारा आईटीईपी (ITEP)के लिए निरीक्षण–
- G04 यूथ ओलम्पियाड की लाइव स्ट्रीमिंग - 31 जनवरी, 2024
- पञ्चाङ्ग कार्यशाला - 5-7 फरवरी, 2024
- सरस्वती पूजा वसन्त पञ्चमी - 14 फरवरी, 2024
- शिक्षाशास्त्र विभाग,राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अनुसन्धान अवसर विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन- 19-20 फरवरी, 2024
- राजभाषा निरीक्षण - 20 फरवरी, 2024
- मातृभाषा दिवस - 21 फरवरी, 2024
- साहित्य विद्याशाखा और भारतीय भाषा विद्याशाखा द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन - 22-24 फरवरी, 2024
- वार्षिक रिपोर्ट एनएसएस(NSS) शिविर 25 फरवरी - 2 मार्च, 2024
- 06 दिवसीय फेस टू फेस मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम आईकेएस (IKS)– 26 फरवरी से 02 मार्च, 2024
- सप्त दिवसीय योग एवं व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण शिविर –27 फरवरी - 4 मार्च, 2024
- वार्षिक रिपोर्ट पीएमकेवीवाई (PMKVY) उद्घाटन समारोह – 4 फरवरी, 2024
- अंग्रेजी विभाग द्वारा परिसंवाद - 11 मार्च, 2024
- दर्शन विभाग द्वारा विशेष व्याख्यान - 11 मार्च, 2024
- सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा परिचर्चा - 12 मार्च, 2024
- कम्प्यूटर विज्ञान और प्राकृतिक भाषा संसाधन विभाग द्वारा संगोष्ठी - 14 मार्च, 2024
- अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग - 18-21 मार्च, 2024
- स्वामी दयानन्द सरस्वती पर राष्ट्रीय सम्मेलन - 18-20 मार्च, 2024
- जैनदर्शन विभाग द्वारा संगोष्ठी - 21 मार्च, 2024
- वार्षिकोत्सव- 21-22 मार्च, 2024

4.2.10 के जे सोमैया परिसर, मुंबई (महाराष्ट्र)

1. परिचय-

परोपकारी और महान दूरदर्शी पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित श्री करमशी जेठा भाई सोमैया का शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में महान योगदान था। उन्होंने सोमैया विद्याविहार में एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना की, जो अब सबसे बड़े और सम्मानित शैक्षणिक संस्थानों में से एक है और दुनिया भर में सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता है। सोमैया परिवार धार्मिक है और संस्कृत भाषा के प्रति उनका गहरा लगाव है। इसलिए श्री शांतिलाल सोमैया, पुत्र के.जे. सोमैया ने सोमैया विद्याविहार में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानत विश्वविद्यालय) नई दिल्ली का एक परिसर स्थापित करने के लिए मानव संसाधन विकास मन्त्रालय को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के परिसर की स्थापना के लिए के.जे. सोमैया ट्रस्ट, विद्याविहार, मुंबई द्वारा भवन निर्माण के लिए एक एकड़ भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव के साथ प्रस्ताव प्रस्तुत करने के परिणामस्वरूप, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा नियुक्त एक समिति निरीक्षण किया और वहां अपना घटक विद्यापीठ स्थापित करने की सिफारिश की। भारत सरकार का मानव संसाधन विकास मंत्रालय 31 मार्च 2002 को लिए गए निर्णय के माध्यम से समिति की सिफारिशों से सहमत था। के.जे. सोमैया ट्रस्ट ने संस्थान को भवन के निर्माण तक कक्षाएं संचालित करने के लिए अपने मौजूदा निर्मित ढांचे का उपयोग करने की अनुमति दी। 16 मई 2002 के शुभ दिन पर, भारत सरकार के तत्कालीन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने मुंबई परिसर का उद्घाटन किया। इस परिसर में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया ठीक 2003 से शुरू हुई। एन.सी.टी.ई. 2006 से परिसर में अनुमोदित शिक्षा-शास्त्री पाठ्यक्रम (बी.एड. से स्नातक) भी शुरू किया गया था।

2. परिसर का स्थान:

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
के जे सोमैया परिसर,
प्रथम तल, सुरुचि भवन,
विद्याविहार (ई), मुंबई,
महाराष्ट्र- 400077
फ़ोन:022 2102 5452/82
ई-मेल: rsksmumbai@yahoo.com / csumumbai12@gmail.com

3. परिसर की अवसंरचना

परिसर भारत की आर्थिक राजधानी विद्याविहार पूर्व, घाटकोपर, मुंबई, महाराष्ट्र में स्थित है।

वर्तमान में सोमैया परिसर के चाणक्य भवन में शिक्षण-अधिगम गतिविधियाँ, शास्त्र कक्षाएं एवं शोध कार्य चल रहे हैं। निदेशक का कक्ष और प्रशासनिक कार्यालय परिसर के सुरुचि भवन में स्थित हैं। पुस्तकालय की सुविधा इसके बगल में स्थित एक भवन में व्यवस्थित की गई है। सोमैया विद्याविहार के पॉलिटेक्निक छात्रावास में चार कमरे 20 छात्रों की छात्रावास सुविधा के लिए आवंटित किए गए हैं।

4. मुख्य गतिविधियाँ

- शिक्षण
- आन्तरिक मूल्यांकन
- परीक्षा का आयोजन
- नवीन अनुसंधान और अनुसंधान का मार्गदर्शन
- ट्यूटोरियल कक्षाएँ

5. प्रकाशन

परिसर से अनेक ग्रन्थों का प्रकाशन होता है। जिनमें "वाग्वै ब्रह्म" तथा "विद्यारश्मि" पत्रिकाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम

परिसर में अधोलिखित विभागों में प्राक्शास्त्री से विद्यावारिधि (12^{th} – Ph.d) तक अध्ययन-अध्यापन होता है

वेद, वेदांग एवं वैदिक विज्ञानसंस्थान

ज्योतिष
नव्यव्याकरण

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति संस्थान

साहित्य

आधुनिक विषय संस्थान

हिन्दी
अंग्रेजी
मराठी
राजनीति विज्ञान
कम्प्यूटर विज्ञान
शारीरिक शिक्षा
पर्यावरण विज्ञान

शिक्षाशास्त्र विभाग

7. परिसर के द्वारा आयोजित संगोष्ठी, कार्यशाला तथा व्याख्यानमाला

- **शैक्षणिक सत्र का उद्घाटन:**

  ऑफलाइन मोड के माध्यम से छात्रों का आगमन जुलाई 2023 में हुआ।

○ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस:

परिसर द्वारा 21 जून 2023 को परिसर के निदेशक प्रो. लक्ष्मीनिवासपाण्डेय जी के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप मे उमाशंकर कौशिक, सहायकाचार्य योग विभाग सोमैया विद्या विहार, मुम्बई उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कुमार ने किया।

○ गुरुपूर्णिमा ०३ जुलाई २०२३

परिसर में दिनांक ०३ जुलाई २०२३ को पूर्वाह्ण ०२:३० बजे से गुरुपूजन संप्रदाय को ध्यान में रखते हुए गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए छात्रों द्वारा गुरुपूर्णिमा कार्यक्रम का आयोजन प्रो. भारत भूषण मिश्रा की अध्यक्षता में किया गया, कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में पंडित अनिलकुमार पाठक जी उपस्थित थे।इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. बोधकुमार झा और संचालक डॉ. संदीप जोशी थे।

○ दीक्षारम्भ कार्यक्रम १८ अगस्त २०२३ से २५ अगस्त २०२३

परिसर में १८ अगस्त २०२३ से २५ अगस्त २०२३ तक नवागत छात्रों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिस मे परिसर में प्रचलित विभिन्न विषयों का परिचय, परिसर परिचय, अंग्रेजी भाषा प्रशिक्षण, संस्कृत संभाषण कार्यशाला योगाभ्यास आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. संदीप जोशी ने तथा मार्गदर्शन प्रो.बोध कुमार झा ने किया।

○ संस्कृत सप्ताह

संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन दिनांक ३१ अगस्त, २०२३ से ०८ नवंबर, २०२३ तक क. जे. सोमैया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय और आई.आई.टि. मुम्बई संस्था के संयुक्त तत्त्वाधान में किया गया। जिसमे वाक्यार्थ सभा, संस्कृतगीतगान प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, वादविवाद प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरस्पर्धा,चित्र प्रदर्शिनी, शोभायात्रा, व्याख्यान आदि सम्मिलित थे। दिनांक ०५ नवंबर २०२३ को भारतीय ज्ञान परम्परा के विषये में प्रो.मन्दार भानुशे जी का व्याख्यान सम्पन्न हुआ। इस साप्ताहिक कार्यक्रम का समापन दिनांक ०८ नवंबर, २०२३ को पूर्वाह्ण ११.०० बजे से समायोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में रविन्द्र मुळे जी, विशिष्टातिथि प्रो. सम्पदा सन्त और अध्यक्ष के रूप में प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय उपस्थित होकर अपना अभूतपूर्व मार्गदर्शन दिए। समापन सत्र में श्री. नीरज दाण्डेकर जी को संस्कृत सेवाव्रती पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. बोध कुमार झा थे।

○ मेरी माटी मेरा देश

परिसर में दिनांक 13.10.2023 को मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिसर के सभी छात्र अध्यापक और कर्मचारियों ने इसमे भाग ले के मातृभूमी के प्रति कृतज्ञता भाव प्रकट किया। इस अवसर पर शोभायात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन और अध्यक्षता प्रो.भारत भूषण मिश्र जी ने निर्वहन किया।

○ स्वच्छता अभियान 2023

दिनांक 15.09.2023 से 02.10.2023 तक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। परिसर के निदेशक प्रो. लक्ष्मी निवास पांडे जी के अध्यक्षता में सफाई के दौरान मुंबई परिसर के छात्रों, शिक्षकों और कार्यालय कर्मचारियों ने परिसर की इमारत

और आसपास के क्षेत्र में सफाई का काम किया है। इस कार्यक्रम के संयोजक शारीरिक शिक्षा विभाग के अतिथि प्रशिक्षक (खेल निदेशक ग्रेड) डॉ. शंकर आंधले थे।

○ जनजातीय गौरव दिवस (बिरसा मुंडा जयंती)

भगवान बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष्य परिसर में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन दिनांक २८.११.२०२३ को किया गया। यह कार्यक्रम प्रो. के.के. शैन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। व्याकरण विभाग के सहायकाचार्य डॉ. इंद्र कुमार मीना ने मुख्यवक्ता के रूप मे उद्बोधन किया। परिसरीय अनुसूचित जनजातीय कर्मचारी तथा छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दशरथ भरासागर थे।

○ राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

दिनांक ११ नवम्बर, २०२३ अपराह्ण ११.०० बजे मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जन्म दिवस के उपलक्ष में प्रो. के.के.शैन महोदय की अध्यक्षता में परिसरीय सभी शिक्षक उपस्थित होकर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में डॉ.अमोल उबाळे सहायकाचार्य, पी.वी.डी.टी.महिला शिक्षा महाविद्यालय उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दशरथ भरासागर ने किया।

○ संविधान दिवस

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के.जे. सोमैया परिसर, मुंबई के कार्यालय आदेश संख्या-101 दिनांक 25-11-2022 के अनुपालन में 26-11-2023 को पूर्वाह्ण 11:00 बजे से संविधान दिवस का ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. के. गिरिधर राव, सहायकाचार्य शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा गुरुवायूरपरिसर, विषय विशेषज्ञ के रूप मे परिसर के राजनीति विज्ञान के आचार्य डॉ. रंजय कुमार सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. कुमारजी ने किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी आभासिक रूप से जुड़े रहे।

○ गीता जयंती

दिनांक २२.१२.२०२३ अपराह्ण ०४.०० बजे गीता जयंती के उपलक्ष्य में गीता पारायण और भाषण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. देवदत्त सरोदे महोदय का उद्बोधन हुआ। उपनिषदों के प्रमाण वचनों से उन्होने भगवद्गीता का वर्तमानकालीन महत्त्व को बोधित किया। इस कार्यक्रम के संयोजन डॉ. कुमार जीने तथा संचालन डॉ. संदीप जोशीजी ने किया।

○ भारतीय भाषा दिवस

हर साल की तरह इस साल भी 08 दिसंबर 2023 से 11 दिसंबर 2023 तक को भारतीय भाषा महोत्सव मनाया गया। परिसर के निदेशक प्रो. के.के.शैन जी की अध्यक्षता में समारोह आयोजित किया गया और मुख्य अतिथि प्रो. सुनील रामटेके थे। इस कार्यक्रम में **मातृभाषायां मातृभूमिवर्णनम्** इस विषय में भाषण प्रतियोगिता तथा मातृभाषागान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मराठी उडिया भाषाओं में छात्रों ने अपनी प्रस्तुती दी। प्रो.बोधकुमार झा जी ने कार्यक्रम का संयोजन किया।

○ महिलाओं का यौन उत्पीडन निवारण जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 15/12/2023 को पूर्वाह्ण 11.00 बजे परिसर में महिलाओं का यौन उत्पीडन निवारण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा की सहायकाचार्या डॉ. श्रुती के.बि. ने परिसरीय महिला सदस्यों को

उद्बोधित करते हुए महिला सुरक्षा अधिनियम 2013 के सन्दर्भ में जानकारी दी। कार्यक्रम मे डॉ.मिनाक्षी बर्हाटे मराठी सहायकाचार्या उपस्थित थी। कार्यक्रम का संयोजन डॉ.दीपान्विता दास ने किया।

- **वीर बाल दिवस:**

हर साल 26 दिसंबर को 10वें गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादे बाबा फतेह सिंह और जोरावर सिंह की शहादत का सम्मान करने के लिए वीर बाल दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन हमारे मुम्बई परिसर में आचार्य भारत भूषण मिश्र की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने एवं प्रो रंजय कुमार सिंह ने अपने विचार व्यक्त किये. कार्यक्रम का संचालन डॉ. संदीप जोशी एवं डॉ. शंकर आंधले द्वारा किया गया।

- **हिन्दी कार्यशाला**

दिनांक 28/12/2023 को मध्याह्न 12.00 बजे परिसर में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम व्याकरणविभाग के अध्यक्ष आचार्य बोध कुमार झा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता परिसर के ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष प्रो. भारत भूषण मिश्र थे। कार्यक्रम की संयोजिका हिंदी विषय की शिक्षिका डॉ. गीता दुबे थीं।

- **विकसित भारत @2047**

दिनांक 29/01/2024 कोपरिसर में विकसित भारत @ 2047 के परिप्रक्ष्य में **भारतविकासयात्रायां संस्कृतस्य योगदानम्** इस विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर के निदेशक प्रो.के.के.शैन थे। इस प्रतियोगिता मे 15 छात्रो ने भाग लिया। जिस मे प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त छात्रों को सम्मान राशि और प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। स्पर्धा के निर्णायक रूप में डॉ. कुमार डॉ. गणपति हगडे डॉ. संदीप जोशी ने कार्य निर्वहन किया।

- **द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी**

परिसर में दिनांक 08/02/2024 और 09/02/2024 को भारतीयभाषा विद्याशाखा द्वारा हिन्दी एवं मराठी विषय मे द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का मुख्य विषय विभजनविभीषिका था। कार्यक्रम की अध्यक्षता का निर्वहन परिसर के निदेशक प्रो.के.के.शैन महोदय ने किया। इस संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों को प्रो.अवधेश कुमार शुक्ल, डॉ. नरेन्द्र पाठक, प्रो.पृथ्विराज तौर, डॉ.मिथिलेश शर्मा, डॉ.सतीश पाण्डेय, डॉ.शीतला प्रसाद दूबे ने अलंकृत किया। इस संगोष्ठी मे हिन्दी भाषा में 24 तथा मराठी भाषा में 18 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। संगोष्ठी में प्रस्तुत शोधपत्रों को विभजनविभीषिका नामक शोधपत्रिका में प्रकाशित किया गया, जिसका विमोचन परिसर के निदेशक जी के द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी का संयोजन डॉ.गीता दूबे और डॉ.मिनाक्षी बर्हाटे ने किया।

4.18 युवा दिवस

दिनांक 12.01.2024 को अपराह्न 03.00 बजे परिसर में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के उपलक्ष्य में युवा दिवस मनाया गया। मुख्यातिथि के रूप में प्रो. विलास नांदवडेकर एस.एन.डि.टी. महाविद्यालय ने छात्रों का उद्बोधन किया। इस अवसर पर श्रीमान् विकास शर्मा विस्तारक, भारतीयशिक्षामण्डल कोंकणप्रान्त उपस्थित थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर के निदेशक प्रो.के.के.शैन थे। कार्यक्रम का सत्र संचालन एवं संयोजन डॉ. कुमार जी ने किया।

- **गणतंत्र दिवस**

दिनांक 26-01-2024 को सोमैया परिसर में गणतंत्र दिवस मनाया गया जिसमें परिसर के सदस्यों ने भाग लिया।

○ **राष्ट्रिय सेवा योजना उद्घाटन कार्यक्रम**

दिनांक 02-02-2024 को सोमैया परिसर में राष्ट्रिय सेवा योजना उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप मे डॉ. अमोल उबाळे जी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दशरथ भरासागर ने किया।

अन्य गतिविधियाँ

खेल

हमारे छात्रों ने शारीरिक शिक्षा शिक्षक डॉ. शंकर बी. आंधले के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया है

युवा महोत्सव जोन-1 24.11.2023 से 26.11.2023 तक राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी में आयोजित किया गया है। जिसमें परिसर के छात्रों ने 10 स्वर्ण पदक, 8 रजत पदक और 7 कांस्य पदक हासिल किए। इसमें निम्नलिखित पदक विजेता रहे।

अ.क्र.	छात्र का नाम	स्पर्धा	पदक
1.	सागरिका यादव	गोला फेक	स्वर्ण पदक
2.	प्रवीण गुप्ता	थाली फेक गोला फेक	स्वर्ण पदक
3.	हिमांशु गर्ग	चतुरंग (चेस)	स्वर्ण पदक
		संगणकीय संस्कृत	रजत पदक
4.	आशमा शर्मा	योगासन	स्वर्ण पदक
5.	संकेत राणे	1500 मी. धावन	स्वर्ण पदक
6.	रणजित रजक	800 मी. धावन	स्वर्ण पदक
7.	नेहा वर्मा	100 मी. धावन	स्वर्ण पदक
8.	केयूर कुलकर्णी	चलचित्र निर्माण	स्वर्ण पदक
9.	अमित साहू	100 मी. धावन	रजत पदक
		ऊंची कूद	कांस्य पदक
10.	तरुबाला प्रधान	लंबी कूद	रजत पदक
		200 धावन	कांस्य पदक
11.	अभिषेक थिटे	57 किलो. मल्लयुद्ध	रजत पदक
		200 मी. धावन	कांस्य पदक
12.	राजकुमार साह	400 मी. धावन	रजत पदक
		लंबी कूद	कांस्य पदक
13.	मयूर मेहता	75 किलो. मल्लयुद्ध	रजत पदक
14.	सायली मालजी	रंगोली	रजत पदक
15.	श्रीपाद वैद्य	वार्ता लेखन	रजत पदक

16.	विवेक शिर्के	65 किलो. मल्लयुद्ध	कांस्य पदक
17.	अनादी मलिक	61 किलो. मल्लयुद्ध	कांस्य पदक
18.	आदर्श महापात्र	समूह गान	कांस्य पदक
19.	श्रीपाद वैद्य		
20.	कृतिका महाजन		
21.	प्राजक्ता पेंडसे		
22.	कोमल राउत		
23.	ईशा परमार		

सूचना का अधिकार

आरटी आई प्राप्त : 00

उत्तर दिया गया : 00

4.2.11 एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा

परिचय-

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पूर्णतः एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है, पूरे भारत में इसके कुल 13 परिसर हैं। इस विश्वविद्यालय को हाल ही में NAAC द्वारा A++ ग्रेड से मान्यता दी गई है। इस प्रकार त्रिपुरा के पास अपने शैक्षिक केंद्र के हिस्से के रूप में NAAC द्वारा A++ ग्रेड वाला एक परिसर है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने 04-06-2013 से त्रिपुरा में अपनी यात्रा शुरू की है।

इसे त्रिपुरा सरकार द्वारा दो परिसर आवंटित किए गए हैं – एक परिसर लेम्बुचेरा में 3.25 एकड़ और दूसरा तारानगर मोहनपुर में 9.22 एकड़। लेम्बुचेरा के 3.25 एकड़ के परिसर में, परिसर की शैक्षणिक और प्रशासनिक शाखाएँ चलाई जा रही हैं।

वर्तमान में यह परिसर शिक्षार्थियों के लिए प्राक्-शास्त्री (ग्यारहवीं और बारहवीं), शास्त्री (बी.ए), शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)ऑनर्स), शिक्षाशास्त्री (बी.एड.), आचार्य (एम.ए.) और विद्यावारिधि (पी एच डी) पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

2. परिसर का स्थान

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (पूर्व में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय)
शिक्षा मंत्रालय, भारतसरकार के तहत
एकलव्य परिसर, ग्राम- सिपाई पारा,
पी.ओ.- लेम्बुचेर्रा,पश्चिम त्रिपुरा-799210
फोन- 0381-2907855
इमेल- director-agartala.csu.co.in
अन्तर्जाल- www.csu-agartala.edu.in

3. परिसर की अवसंरचना

इसे त्रिपुरा सरकार द्वारा दो परिसर आवंटित किए गए हैं – एक परिसर लेम्बुचेरा में 3.25 एकड़ और दूसरा तारानगर मोहनपुर में 9.22 एकड़। लेम्बुचेरा के 3.25 एकड़ के परिसर में, परिसर की शैक्षणिक और प्रशासनिक शाखाएँ चलाई जा रही हैं तथा व्यायामशाला इन्टरनेट की सुविधा उपलब्ध है। महिला छात्रावास- इसमें 167 छात्राओं के आवास की व्यवस्था है तथा व्यायामशाला इन्टरनेट की सुविधा उपलब्ध है।

पुरुषछात्रावास- इसमें 167 छात्रों के आवास की व्यवस्था है।

4. मुख्य गतिविधियाँ

- वर्तमान में यह परिसर शिक्षार्थियों के लिए प्राक्-शास्त्री (ग्यारहवीं और बारहवीं), शास्त्री (बी.ए),शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.)ऑनर्स), शिक्षाशास्त्री (बी.एड.), आचार्य (एम.ए.) और विद्यावारिधि (पी एच डी) पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

- कुल 08 कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विभाग हैं, अर्थात् व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, वेदांत, बौद्ध दर्शन, वेद, पौरिहित्य और कर्मकांड और शिक्षाशास्त्र विभाग।
- इन पारंपरिक विभागों के अलावा, आधुनिक विषयों और भाषाओं को अंग्रेजी (अंग्रेजी भाषा और साहित्य), भारतीय भाषाओं (हिंदी और बंगाली), सामाजिक विज्ञान (राजनीति विज्ञान) विभागों के माध्यम से प्राक्-शास्त्री और शास्त्री शिक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में पेश किया जा रहा है। और समकालीन विज्ञान और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (पर्यावरण विज्ञान और कंप्यूटर शिक्षा) विभाग।
- हाल ही में शैक्षणिक सत्र - 2022-23 से योग विज्ञान और अध्यात्म विभाग भी शुरू किया गया है और यह विभाग शिक्षार्थियों के शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक साबित होता है।
- इसके अलावा, यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि इस विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रम संरचना में अपने मूल सिद्धांत के साथ एनईपी-2020 को लागू किया है।
- सभी संस्कृत विषयों को सरल मानक संस्कृत (Simple Standard Sanskrit) के रूप में पढ़ाया जा रहा है।

5. प्रकाशन-

परिसर अनेक पुस्तकों तथा पत्रिकाओं के प्रकाशन में सहयोग करता है।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम

परिसर में प्राकशास्त्री से विद्यावारिधि तक निम्न विषयों का अध्ययन अध्यापन होता है।

वेद, वेदांग एवं वैदिक विज्ञान संस्थान

वेद-कर्मकाण्ड-पौरोहित्य

व्याकरण

ज्योतिष

शास्त्रीय ज्ञान प्रणाली संस्थान

धर्मशास्त्र

दर्शन संस्थान

वेदांत

बौद्ध दर्शन और पालि

शिक्षाशास्त्र एवं कौशल प्रशिक्षण संस्थान

शिक्षाशास्त्र

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति संस्थान

संस्कृत साहित्य

अंग्रेजी

भारतीय भाषा

हिन्दी

बांग्ला

यौगिकविज्ञान एवं समग्र स्वास्थ्य पद्धतियों का संस्थान

यौगिक विज्ञान

बहुविषयक एवं प्रौद्योगिकी संस्थान

कम्प्यूटर विज्ञान

समकालीन ज्ञान प्रणाली एवं मानविकी संस्थान

राजनीति विज्ञान (सामाजिक विज्ञान)

7. एकलव्य परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठी, कार्यशाला तथा व्याख्यानमाला

स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एकलव्य परिसर, अगरतला में 15-08-2023 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने सुबह 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अपने संबोधन में उन्होंने राष्ट्रीय एकता के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। डॉ. राजीब घोष, सहायक आचार्य (शारीरिक शिक्षा) ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

संस्कृत सप्ताह का आयोजन

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने त्रिपुरा के लेम्बुचेरा स्थित अपने परिसर में 27.08.2023 से 01.09.2023 तक संस्कृत सप्ताह मनाया। इसका उद्घाटन 27.08.2023 को उमाकांत अकादमी से आरएमएस चौमुहनी होते हुए स्वामी विवेकानंद मैदान तक एक भव्य संस्कृत जागरूकता रैली के साथ किया गया।

28 और 29 अगस्त 2023 को विभिन्न प्रकार के संस्कृत साहित्यिक प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित किए गए,जिसमें केंद्रीय विद्यालय, कुंजाबन, रविशंकर एच.एस. के छात्र शामिल हुए। उमाकांत अकादमी, असम राइफल्स पब्लिक स्कूल, गांधीग्राम एच.एस. विद्यालय एवं एकलव्य परिसर से भी छात्रों ने भाग लिया।

30 और 31 अगस्त को दो विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए, जिनमें भाषाविज्ञान विभाग, त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. निरंजन उप्पूर और बांग्लादेश के चटगांव विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के एसोसिएट आचार्य डॉ. सिपक कृष्ण देब नाथ शामिल थे। यहां तक कि 30.08.2023 को दूरदर्शन केंद्र, अगरतला द्वारा 'भारतीय ज्ञान प्रणाली में संस्कृत का योगदान' विषय पर एक टॉक शो भी प्रसारित किया गया था जिसमें आचार्य सत्यदेव पोद्दार, माननीय कुलपति, एमबीबी विश्वविद्यालय, प्रो. प्रभात कुमार महापात्र, निदेशक थे। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर र श्री दीपांकर राय, प्राचार्य, कुंजबन, अगरतला ने पैनल विशेषज्ञों के रूप में भाग लिए।

1 सितंबर, 2023 को संस्कृतसप्ताह का समापन सत्र आयोजित किया गया जिसमें एमबीबी विश्वविद्यालय, अगरतला के माननीय कुलपति आचार्य सत्यदेव पोद्दार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि पूरे सत्र की अध्यक्षता प्रो. सर्वनारायणझा जी ने की। प्रो.सर्वनारायणझा, माननीय कुलपति प्रभारी, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय।

परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और कहा कि सबसे पुरानी और वैज्ञानिक भाषा होने के कारण संस्कृत में बड़े पैमाने पर कंप्यूटर और जनसमूह की आदर्श भाषा बनने की क्षमता है। सप्ताह भर चलने वाले इस उत्सव के समन्वयक अद्वैत वेदांत के सहायक आचार्य डॉ. श्रीकार जी एन थे।

श्रीगणेश चतुर्थी का आयोजन

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला द्वारा दिनांक 19.09.2023 को प्रातः 11:00 बजे श्री गणेश चतुर्थी मनाई गई। परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने परिसर के अन्य कर्मचारियों और छात्रों के साथ पूजा में भाग लिया और पवित्र यज्ञ किया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रकाश रंजन मिश्र, सहायक आचार्य (वेद विभाग) एवं डॉ. जितेन्द्र तिवारी, सहायक आचार्य (साहित्य) ने किया।

हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला में दिनांक 14-09-2023 से 29-09-2023 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह दिनांक 14-09-2023 को हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुकांत कुमार सेनापति उपस्थित रहे। सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. प्रभात कुमार महापात्र ने की। सम्पूर्ण कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ब्रह्मा नंद मिश्र, सहायक आचार्य (हिंदी) थे जबकि समन्वयक दर्शन विद्या शाखा के प्रमुख प्रो. अवधेश कुमार चौबे थे। उसी का समापन सत्र दिनांक 29-09-2023 को आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दूरदर्शन केंद्र, अगरतला के निदेशक श्री रामस्वरूप टाइगर उपस्थित थे।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया गया

पूरे देश के साथ समानता रखते हुए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने भी 01-10-2023 को सुबह 10 बजे स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत एक व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। इस व्यापक स्वच्छता अभियान में परिसर के सभी छात्र और कर्मचारी शामिल हुए। लेम्बुचेरा बाजार से रवि कुमार एच.एस. तक के आसपास के क्षेत्रों में भाग लिया और सफाई की। परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने सभी छात्रों को अपने-अपने पड़ोस के क्षेत्रों में उचित स्वच्छता की आवश्यकता और सामाजिक विस्तार सेवा के महत्व के बारे में बताया। इस स्वच्छता अभियान का समन्वयन नोडल अधिकारी, सहायक आचार्य (अद्वैत वेदांत) के रूप में डॉ. नेपाल दास और समन्वयक के रूप में डॉ. नन्ददुलाल मंडल, सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्र) द्वारा किया गया।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर द्वारा पर्यावरण प्रदूषण, प्लास्टिक, लोग, स्थान और प्रतिज्ञा पर कार्यशाला आयोजित की गई

एक महीने तक चलने वाले स्वच्छ भारत अभियान के हिस्से के रूप में, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने 06-10-2023 को बहुउद्देशीय हॉल में 'पर्यावरण प्रदूषण, प्लास्टिक, लोग, स्थान और प्रतिज्ञा' विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला आयोजित कीगई। छात्रों के लिए परिसर का इस कार्यशाला में वर्ल्ड फॉर वर्ल्ड फाउंडेशन, गुजरात के संस्थापक-निदेशक डॉ. मानसी बाल भागवा मुख्य अतिथि सह वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अपने भाषण में, उन्होंने सभी छात्रों को प्रकृति और मानव के बीच के अंतर्संबंध के बारे में बताया और प्रकृति को सभी प्रकार के मानव निर्मित खतरों से बचाने के लिए पहल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यशाला के इस सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो प्रभात कुमार महापात्र ने की. अपने भाषण में, उन्होंने परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के महत्व पर जोर दिया और सभी से परिसर के अंदर प्लास्टिक उत्पादों का उपयोग करने से परहेज करने का आग्रह किया। इस कार्यशाला के समन्वयक शिक्षाशास्त्र के सहायक आचार्य डॉ. नन्ददुलाल मंडल थे।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर द्वारा प्राक्-शारदोत्सव मनाया गया

लेम्बुचेरा, 12-10-2023: केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला के धर्मशास्त्र विभाग की तरफ से 12-10-2023 को अपने परिसर में प्राक्-शारदोत्सव मनाया। उत्सव के अन्तर्गत दोपहर 12 बजे 'पूर्वोत्तर भारत में दुर्गा पूजा परंपरा की उत्पत्ति और विकास' विषय पर एक विस्तार व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया, जिसमें संस्कृत विभाग से डॉ. अनिल कुमार आचार्य, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर कॉलेज को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। मंच पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में शिक्षा शास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. बीपीएम श्रीनिवास और धर्मशास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. मनोज कुमार साहू का उल्लेख किया जा सकता है। इस सत्र में स्वागत भाषण और धन्यवाद ज्ञापन क्रमशः डॉ. इतिश्री महापात्रा और डॉ. प्रियदर्शिनी मेकप ने दिया जबकि मंच समन्वयन धर्मशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री विकास सरकार ने किया। पूरे सत्र की अध्यक्षता प्रो.अवधेश कुमार चौबे निदेशक प्रभारी, सी एस यू, एकलव्य परिसर ने की। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में दोपहर 2 बजे छात्रों द्वारा रंगारंग दुर्गा पूजा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर परिसर का समस्त आचार्य गण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर द्वारा क्षेत्रीय नाट्य महोत्सव का आयोजन किया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा में एकलव्य परिसर, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के 13 परिसरों में से एक, श्री की शुभ उपस्थिति में 9 नवंबर, 2023 को जोनल रूपकमहोत्सव (संस्कृत नाटक महोत्सव) का उद्घाटन किया गया। विकास देबबर्मा, आदिवासी कल्याण मंत्री, सरकार। मुख्य अतिथि के रूप में त्रिपुरा के. अपने संबोधन में श्री. विकास देबबर्मा ने विश्वविद्यालय की इस पहल की सराहना की क्योंकि यह लोगों को संस्कृत नाट्य कला और साहित्य के बारे में जानने का अवसर प्रदान करता है। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में विशिष्ट अतिथि के रूप में कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय, असम के कुलपति प्रो. प्रह्लाद जोशी और विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि महाविद्यालय, त्रिपुरा के प्राचार्य प्रो. तपन कुमार मैती का उल्लेख किया जा सकता है। आचार्य प्रह्लाद जोशी ने अपने संबोधन में कला और साहित्य के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान प्रणाली की समृद्ध परंपरा पर प्रकाश डाला, जबकि आचार्य तपन कुमार मैती ने संस्कृत कला और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की इस पहल की सराहना की। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो प्रभात कुमार महापात्र ने की।

2 दिनों तक चलने वाले इस नाटक महोत्सव में पांच अलग-अलग राज्यों के विभिन्न संस्थान भाग ले रहे हैं. ये संस्थान हैं-राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठम बिहार, डॉ. रामजी महेता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय बिहार, कालिया चक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, जगदीश नारायणब्रह्मचारी आश्रम आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बिहार, श्रीरामसुंदर संस्कृत विश्वविद्याप्रतिस्थानम, बिहार, श्रीसीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, लक्ष्मीदेवी-श्रोफ-आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, सदाशिव परिसर, पुरी और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने श्री की शुभ उपस्थिति में अपने परिसर परिसर में डॉ. मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती के अवसर पर 11-11-2023 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया। श्री एन.सी.शर्मा, माध्यमिक शिक्षा निदेशक, त्रिपुरा सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, उन्होंने एनईपी-2020 के मूल सिद्धांत के उचित कार्यान्वयन की आवश्यकता

पर जोर दिया ताकि छात्र इस सकारात्मक नीति का अंतिम लाभ उठा सकें। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में सम्माननीय अतिथि के रूप में भवनस् कॉलेज ऑफ एजुकेशन, त्रिपुरा के प्राचार्य डॉ. रजत दे का उल्लेख किया जाना चाहिए। अपने संबोधन में, उन्होंने अपने सभी परिसरों में एनईपी-2020 को इसके मूल सिद्धांत के रूप में लागू करने में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की पहल की सराहना की। शिक्षा शास्त्र विभाग के प्रमुख आचार्य बी पी एम श्रीनिवास भी सम्मानित अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित थे। मंच संयोजन डॉ. विचित्र रंजन पांडा, सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्र) ने किया।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में द्वितीय क्षेत्रीय युवा महोत्सव का आयोजन हुआ

22-11-2023 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा के एकलव्य परिसर में श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात के माननीय कुलपति आचार्य सुकांत कुमार सेनापति की शुभ उपस्थिति में 3 दिवसीय क्षेत्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि। आचार्य सेनापति ने अपने संबोधन में कहा कि मानव व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए मन और शरीर की उचित परिणति आवश्यक है। प्राचीन काल से ही भारतीय ज्ञान प्रणाली शारीरिक और आध्यात्मिक विकास के लिए स्वस्थ शरीर और दिमाग की आवश्यकता पर जोर देती रही है। योग की भारतीय परंपरा इस संबंध में एक मील का पत्थर है। उन्होंने आगे कहा कि भविष्य की स्वस्थ पीढ़ी के निर्माण में अपनी विशाल भूमिका के लिए दुनिया भर में सभी सरकारों और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा खेल के विभिन्न रूपों को अभी भी बढ़ावा दिया जा रहा है। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में प्रो. एस.के. पात्र सम्मानित अतिथि के रूप में एनआईटी, अगरतला के निदेशक उपस्थित थें। प्रो.एस्.के.पात्रा ने युवा उत्सव के माध्यम से खेल, खेल और योग को बढ़ावा देने में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की पहल की सराहना की। इसके अलावा, सीएसयू, नई दिल्ली के निदेशक (कार्यक्रम) आचार्य मधुकेश्वर भट्ट और स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय, मोहनपुर के प्राचार्य डॉ. हराधन साहा सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता सीएसयू, एकलव्य परिसर, अगरतला के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की। कुल 08 संस्थान जैसे राधामाधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मणिपुर, राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठम बिहार, श्री स्वामी परंकुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बिहार, डॉ. रामजी महेता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय बिहार, कालियाचकबिक्रमकिशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, श्रीरामसुंदर संस्कृत विश्वविद्याप्रतिस्थानम बिहार, श्रीसीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, सदाशिव परिसर, पुरी और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने विभिन्न राज्यों से भाग लिया।

संविधान दिवस और जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया

केंद्रीय संस्कृत संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने 26-11-2023 को संविधान दिवस और जन जातीय गौरव दिवस मनाया। संविधान दिवस के अवसर पर आचार्य (डॉ.) नचिकेता मित्तल, रजिस्ट्रार, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और आचार्य अवधेश कुमार चौबे, विभागाध्यक्ष (बौद्ध दर्शन) सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रो.मित्तल ने मौलिक अधिकारों की पूर्ण क्षमता का आनंद लेने के लिए मौलिक कर्तव्यों के पालन के महत्व पर जोर दिया।

जबकि जन जातीय गौरव दिवस में एमबीबी विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के आचार्य बिंदू रंजन चकमा ने मुख्य अतिथि के रूप में सत्र की शोभा बढ़ाई और आचार्य अवधेश कुमार चौबे, विभागाध्यक्ष (बौद्ध दर्शन) सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो चकमा ने अपने संबोधन में आजादी हासिल करने में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के गौरवशाली

योगदान पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर कुछ स्थानीय आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ताओं और शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया। संविधान दिवस और जनजातीय गौरव दिवस के दोनों सत्रों की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की। इस अवसर पर परिसर का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में भाषा दिवस और अंतर्राष्ट्रीय बाजरा दिवस मनाया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में 11-12-2023 को अपने परिसर परिसर में भाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के प्रतियोगी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी मातृभाषा में अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के प्रभारी निदेशक आचार्य बी.पी.एम.श्रीनिवास ने की। अपने संबोधन में, आचार्य श्रीनिवास ने कहा कि मातृभाषा का महत्व वास्तव में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और सरकार द्वारा अनिवार्य इस तरह के आयोजनों में परिलक्षित होता है। भारत सरकार बड़े पैमाने पर स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देने और संरक्षित करने में सहायक साबित होगी। इसके अलावा, विभिन्न स्थानीय भाषाओं में एक विशेष व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई जिसमें डॉ. बीनापानी चंदा ने क्रमशः बांग्ला में, डॉ. अपूर्व शर्मा ने असमिया में, डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्रा ने उड़िया में और डॉ. ब्रह्मा नंद मिश्रा ने हिंदी में व्याख्यान दिया।

इसके अलावा, 11-12-2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा दिवस भी मनाया गया, जिसके अवसर पर आचार्य बीपीएम श्रीनिवास, निदेशक प्रभारी ने सत्र की अध्यक्षता की और छात्रों को बाजरा के पौष्टिक महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बाजरा भविष्य में भोजन का एक अच्छा विकल्प होगा और विशेष रूप से विकासशील देशों में कुपोषण के मुद्दे को प्रभावी तरीके से संबोधित करेगा। इन दोनों आयोजनों में परिसर का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस और नशा मुक्ति भारत अभियान मनाया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने 14-12-2023 को मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. नीलाद्रि पाल, सहायक आचार्य, कृषि महाविद्यालय, लेम्बुचेरा की शुभ उपस्थिति में विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस और नशा मुक्ति मुक्त भारत अभियान मनाया। डॉ. नीलाद्रि पाल ने अपने भाषण में मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने ऊर्जा की खपत को संतुलित करने के लिए ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के उपयोग पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की. इस आयोजन के समन्वयक डॉ. श्रीकारा जीएन थे। वहीं नशामुक्ति भारत अभियान के तहत परिसर के समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में विश्व ब्रेल दिवस मनाया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने 04-01-2024 को मुख्य अतिथि के रूप में दृश्य विकलांग व्यक्तियों (दिव्यांगजन) के सशक्तिकरण संस्थान की प्रिंसिपल श्रीमती कृष्णा रॉय गांगुली की शुभ उपस्थिति में विश्व ब्रेल दिवस मनाया। अपने संबोधन में, श्रीमती गांगुली ने दृष्टिबाधित लोगों के लिए लेखन प्रणाली शुरू करने में फ्रांसीसी शिक्षक लुई ब्रेल के योगदान पर प्रकाश डाला और इस कार्यक्रम के आयोजन में विश्वविद्यालय की पहल की सराहना की। श्रीमती कृष्णा रॉय गांगुली के साथ उनके संस्थान के दो छात्र भी थे जिन्हें आगे की पढ़ाई के लिए थोड़ा प्रोत्साहन देकर प्रोत्साहित किया गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो.अवधेश कुमार चौबे ने की, जिन्होंने छात्रों को विभिन्न दृष्टिबाधित प्रसिद्ध लोगों के उदाहरणों से अवगत कराया, जिन्होंने समाज की भलाई के लिए बहुत योगदान दिया था। इस

कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. दिवेश शर्मा, सहायक आचार्य (ज्योतिष विभाग), श्री मोहनलाल वर्मा, सहायक आचार्य (साहित्य विभाग), डॉ. आशीष मिश्रा, सहायक आचार्य (वेद विभाग) ने किया। इस अवसर पर परिसर का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने स्वामी विवेकानंद की जयंती के सम्मान में 12-01-2024 को राष्ट्रीय युव दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रामकृष्ण मिशन प्राइवेट आईटीआई के प्राचार्य स्वामी वेदांगानंदजी उपस्थित रहे। अपने भाषण में, स्वामी वेदांगानंदजी ने कहा कि युवाओं के लिए एक आदर्श, विवेकानन्द के बारे में अभी भी और अधिक अध्ययन करने की आवश्यकता है ताकि उनकी व्यावहारिक सोच को उजागर किया जा सके और हमारे दैनिक जीवन में उनके प्रेरक शब्दों को आत्मसात किया जा सके। सुश्री जय साहा, सहायक आचार्य (संस्कृत विभाग), त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने सम्मानित अतिथि के रूप में स्वामी विवेकानंद के जीवन के आध्यात्मिक पहलू पर प्रकाश डाला और सभी छात्रों को जीवन और राष्ट्र के प्रति समग्र दृष्टिकोण रखने के लिए प्रेरित किया। परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने सत्र की अध्यक्षता की और सभी छात्रों से स्वामी विवेकानन्द की तरह जीवन के प्रति समावेशी सार्वभौमिक दृष्टिकोण रखने का आग्रह किया। इस अवसर पर एक रैली का भी आयोजन किया गया जिसमें परिसर के सभी कर्मचारी और छात्र शामिल हुए। भाग लिया। इस आयोजन के समन्वयक डॉ. नंददुलाल मंडल, सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्र) थे।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में पराक्रम दिवस मनाया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर ने 23-01-2024 को अपने परिसर परिसर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एमबीबी कॉलेज, अगरतला के प्राचार्य डॉ. निर्मल भद्र उपस्थित रहे। अपने संबोधन में डॉ. निर्मल भद्र ने कहा कि नेताजी सुभाष युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं और उनके आदर्शों को भावी पीढ़ी के मन में बिठाने की जरूरत है ताकि सच्ची राष्ट्रीयता की भावना पैदा हो सके। उनके अलावा, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य (इतिहास विभाग) डॉ. मोनीसंकर मिश्रा ने मुख्य वक्ता के रूप में सत्र में भाग लिया और स्वतंत्रता संग्राम में सुभाष चंद्र बोस के योगदान और आधुनिक युग में भी उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने सत्र की अध्यक्षता की और अपने भाषण से सभी छात्रों को देशभक्ति के उत्साह से भर दिया। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. शिवरामकृष्ण सिंहा, सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्र) द्वारा किया गया। इस अवसर पर परिसर का समस्त कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में गणतंत्र दिवस मनाया गया

लेम्बुचेरा, त्रिपुरा, 26-01-2024: पूरे देश के साथ समानता रखते हुए, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने 26-01-2024 को अपने परिसर परिसर में गणतंत्र दिवस मनाया। इस कार्यक्रम के तहत सुबह 9 बजे परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। प्रो प्रभात कुमार महापात्र ने अपने भाषण में छात्रों के समक्ष इस दिन के महत्व और ब्रिटिश शासन के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर परिसर का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। डॉ. राजीब घोष, सहायक आचार्य (शारीरिक शिक्षा) इस कार्यक्रम के समन्वयक थे जबकि श्री. मोहनलाल वर्मा, सहायक आचार्य (साहित्य) और डॉ. आशीष मिश्रा, सहायक आचार्य (वेद) संयुक्त समन्वयक थे।

पूर्वोत्तर राज्य स्तरीय शास्त्री स्पर्धा का उद्घाटन केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में हुआ

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा में एकलव्य परिसर ने 27-01-2024 को पूर्वोत्तर राज्य स्तरीय शास्त्री स्पर्धा का उद्घाटन किया, जो संस्कृत के सहायक आचार्य डॉ. तन्मय भट्टाचार्य की शुभ उपस्थिति में 28-01-2024 तक जारी रहेगा। मुख्य अतिथि के रूप में कॉलेज और विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल। अपने भाषण में डॉ. तन्मय भट्टाचार्य ने कहा कि संस्कृत शास्त्र भारतीय ज्ञान प्रणाली का आधार हैं और इस तरह के आयोजन जनता के बीच शास्त्री ज्ञान प्रणाली को बढ़ावा देने और प्रसारित करने में सहायक हैं। डॉ. श्रीकार जी एन, सहायक आचार्य (अद्वैत वेदांत) और इस कार्यक्रम के समन्वयक ने अपने मुख्य भाषण सह स्वागत भाषण में बताया कि यह राज्य स्तरीय कार्यक्रम अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता का प्रारंभिक कार्यक्रम है जो केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा अयोध्या में आयोजित किया जाना है। साथ ही उन्होंने बताया कि इस राज्य स्तरीय शास्त्रार्थ प्रतियोगिता में चुने गए प्रतिभागियों को अयोध्या में इस अखिल भारतीय शास्त्रार्थ स्पर्धा में भाग लेने के लिए पात्र माना जाएगा।

इस सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो प्रभात कुमार महापात्र ने की। अपने संबोधन में आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने कहा कि इस प्रकार के शास्त्रीय प्रतिस्पर्धी आयोजन सभी शिक्षार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए एक शैक्षणिक मंच प्रदान करते हैं और इस आयोजन में सभी शिक्षार्थियों की सहज भागीदारी वास्तव में सराहनीय है। इस आयोजन के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के साहित्यिक प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम जैसे भाषण, प्रश्नोत्तरी, श्लोक पाठ आदि का आयोजन किया जाना है। इस अवसर पर परिसर का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सात दिवसीय एन एस एस शिविर के भाग के रूप में रक्तदान कार्यक्रम का सी एस यू, एकलव्य परिसर में उद्घाटन किया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा ने 13-02-2024 को एक मेगा रक्तदान कार्यक्रम के साथ अपने परिसर परिसर में 7 दिवसीय एनएसएस शिविर का उद्घाटन किया। इस रक्तदान शिविर का समन्वय जीबी अस्पताल, अगरतला के ब्लड बैंक अनुभाग के डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों द्वारा किया गया था। यह एनएसएस शिविर 18-02-2024 तक जारी रहना है। इसके उद्घाटन समारोह में आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, अगरतला के रजिस्ट्रार डॉ. ए. रंगनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया तथा मानवीय दृष्टिकोण से इस प्रकार के अभियान की आवश्यकता से अवगत कराया। परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने सामाजिक परिप्रेक्ष्य में एनएसएस स्वयंसेवकों की भूमिका पर प्रकाश डाला और छात्रों को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया। इस रक्तदान शिविर में परिसर के विद्यार्थियों एवं कर्मचारी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। परिसर के कार्यक्रम अधिकारी (एनएसएस) डॉ. नंददुलाल मंडल ने बताया कि इस 7 दिवसीय एनएसएस शिविर के हिस्से के रूप में विभिन्न प्रकार की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ जैसे रंगोली डिजाइनिंग, स्वच्छता अभियान, योग सत्र आदि आयोजित की जानी हैं।

माननीय प्रधान मंत्री द्वारा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर की विभिन्न पूर्ण निर्माण परियोजनाओं का राष्ट्र को आभासी समर्पण

भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 20-02-2024 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के शैक्षणिक, प्रशासनिक, पुस्तकालय ब्लॉक, लड़कों और लड़कियों के छात्रावास, गेस्ट हाउस और कर्मचारी आवास राष्ट्र को समर्पित (वस्तुतः) किया। यह निर्माण परियोजना 100.83 करोड़ रुपये की थी। इस अवसर पर त्रिपुरा के मुख्यमंत्री आचार्य (डॉ.) माणिक साहा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के लेम्बुचेरा परिसर में सशरीर उपस्थित रहे। अपने संबोधन

में प्रो. (डॉ.) माणिक साहा ने सरकार द्वारा की गई सकारात्मक पहल पर प्रकाश डाला। उचित ढांचागत विकास के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के दायरे को बढ़ाने में और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर को पूर्वोत्तर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार में एक संपत्ति के रूप में माना। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि मानव संसाधन की उचित स्थिरता तभी संभव है जब इस मानव संसाधन की क्षमता को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाया जाए और उन्होंने आशा व्यक्त की कि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर त्रिपुरा में छात्रों के दिमाग में कैरियर केंद्रित ज्ञान पैदा करने की दिशा में प्रयास करेगा। सुश्री प्रतिमा भौमिक, राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता, सरकार। भारत सरकार ने भी विशेष अतिथि के रूप में मंच की शोभा बढ़ाई। सुश्री प्रतिमा भौमिक ने अपने संबोधन में सभी क्षेत्रों में वर्तमान सरकार की प्रगतिशील प्रकृति पर प्रकाश डाला और शिक्षा क्षेत्र में वर्तमान सरकार द्वारा की गई विभिन्न सकारात्मक सुधारात्मक पहलों के बारे में बताया। श्री राजेश भागवानी, मुख्य अभियंता, सीपीडब्ल्यूडी, त्रिपुरा भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. आर.जी. केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रभारी रजिस्ट्रार प्रो. आर. जी. मुरली कृष्ण ने इस उद्घाटन सत्र में भाग लिया और स्वागत भाषण दिया, जबकि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने विश्वविद्यालय की ओर से सभी का हार्दिक आभार व्यक्त किया। धन्यवाद ज्ञापन के माध्यम से गणमान्य व्यक्ति। अंत में राष्ट्रगान के साथ इस उद्घाटन सत्र का समापन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने 21-02-2024 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया। इस अवसर पर बीबीएमसी, अगरतला के बांग्ला विभाग की सहायक आचार्य डॉ. बरनाली भौमिक घोष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में डॉ. बरनाली घोष ने हमारे दैनिक जीवन में मातृभाषा के महत्व पर प्रकाश डाला और आजादी से पहले बांग्लादेश की घटना का जिक्र करते हुए मातृभाषा दिवस की उत्पत्ति के इतिहास पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, विश्वविद्यालय में विभिन्न भाषाई पृष्ठभूमि के कई संकाय सदस्यों ने बांग्ला, उड़िया, तेलुगु, मराठी, कन्नड़ और हिंदी जैसी विभिन्न भाषाओं में मातृभाषा के महत्व के बारे में अपनी राय व्यक्त की। सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो प्रभात कुमार महापात्र ने की. इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. बीनापानी चंदा, सहायक आचार्य (बंगाली) थीं जबकि मंच समन्वयन डॉ. ब्रह्मा नंद मिश्रा, सहायक आचार्य (हिंदी) ने किया। सभी छात्रों और कर्मचारियों ने सांस रोककर सत्र में भाग लिया।

मतदाता जागरूकता अभियान मेरा पहला वोट देश के लिए आयोजित किया गया

भारत सरकार के निर्देश के अनुपालन में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर द्वारा दिनांक 06-03-2024 को सायं 4 बजे मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। परिसर में इस अभियान में श्री बलराम दास, सहायक आचार्य (राजनीति विज्ञान) ने मतदान के अधिकार एवं वोट डालने की आवश्यकता पर व्याख्यान दिया। उन्होंने एक लोकतांत्रिक राष्ट्र में सभी मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। सत्र की अध्यक्षता परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो.अवधेश कुमार चौबे ने की। सत्र का संचालन डॉ. उत्तम कुमार सिंह, सहायक आचार्य (बौद्ध दर्शन) ने किया, जबकि पूरे कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. नंददुलाल मंडल, सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्र) थे।

सी.एस.यू., एकलव्य परिसर में वार्षिक दिवस आयोजित

28 अप्रैल, 2024, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा:-केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा ने 28 अप्रैल, 2024 को अपने परिसर में वार्षिक दिवस मनाया। श्री दर्शनलाल गोला, आई.जी.सीआरपीएफ, त्रिपुरा सेक्टर ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने संस्कृत भाषा की प्राचीनता और इस संस्कृत भाषा की मौलिकता के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने वर्तमान युग में इस प्राचीन भाषा की प्रासंगिकता पर भी चर्चा की। इसके अलावा, उन्होंने सभी

छात्रों से खेल-कूद जैसी पाठ्येतर गतिविधियों में उत्साहपूर्वक शामिल होने का आग्रह किया। वार्षिक दिवस के इस अवसर पर, विभिन्न कक्षाओं की अंतिम परीक्षाओं में रैंक धारकों के साथ-साथ रूपक महोत्सव, युवा महोत्सव और अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों और विजेताओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा, सत्र के दौरान कुछ संकाय सदस्यों को उनकी अतिरिक्त शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए भी सम्मानित किया गया। परिसर के निदेशक प्रो.प्रभात कुमार महापात्र ने सत्र की अध्यक्षता की और भविष्य में और अधिक रचनात्मक और पाठ्येतर पहल के लिए सभी को प्रोत्साहित किया। यह कार्यक्रम धन्यवाद ज्ञापन और शांति मंत्र पाठ के साथ समाप्त हुआ।

1. संगोष्ठी/कार्यशाला/विशिष्ट व्याख्यान

वास्तु शास्त्र पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला के ज्योतिष विभाग ने 01-12-2023 को शुभ अवसर पर 'आधुनिक सन्धर्वे वास्तुशास्त्रस्य योगदानम्' (वर्तमान संदर्भ में वास्तु शास्त्र का योगदान) विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि के रूप में आईआईआईटी (अगरतला) के निदेशक आचार्य (डॉ.) अभय कुमार उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रो अभय कुमार ने वास्तु शास्त्र के वैज्ञानिक पहलू और वर्तमान वास्तुकला पर इसके अपरिहार्य प्रभाव पर प्रकाश डाला। श्री मनोज कुमार सिंह, कार्यकारी अभियंता (सिविल), सीपीडब्ल्यूडी, टीसीडी-I, उषाबाजार ने इस शैक्षणिक सभा को विशेष अतिथि के रूप में संबोधित किया और वर्तमान वास्तुकला अध्ययन में वास्तु शास्त्र के विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं को आत्मसात करने के महत्व पर जोर दिया ताकि स्थायी और प्रभावी हो सके। प्राचीन वास्तुशिल्प डिजाइन के समान निर्माण कार्य इस आधुनिक युग में शुरू किए जा सकते हैं। डॉ. चित्तरंजन नायक, सहायक आचार्य (ज्योतिष), राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति, ने संसाधन व्यक्ति के रूप में सत्र में भाग लिया। अपने व्याख्यान में उन्होंने भारतीय ज्ञान प्रणाली के परिप्रेक्ष्य से वास्तु शास्त्र के इतिहास और मनुष्य के दैनिक जीवन पर इसके वैज्ञानिक प्रभाव पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता आचार्य प्रभात कुमार महापात्र, निदेशक, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने की। इस अवसर पर विभिन्न संस्थानों एवं एकलव्य परिसर के गणमान्य व्यक्ति, शोधार्थी, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के ज्योतिष विभाग द्वारा 'आधुनिक सन्दर्भे वास्तुशास्त्रस्य योगदानम्' (वर्तमान संदर्भ में वास्तुशास्त्र का योगदान') विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का 02-12-2023 को औपचारिक समापन हो गया। मुख्य अतिथि के रूप में त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य गंगा प्रसाद प्रसेन की शुभ उपस्थिति में, अपने संबोधन में, आचार्य प्रसेन ने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली हमारी संस्कृति और बौद्धिक सभाओं के मूल में निहित है, जो ज्ञान की आधुनिक धारा के साथ भारतीय ज्ञान परम्परा के ज्ञान के विशाल भंडार के पुनरुद्धार और आत्मसात करने का संकेत देती है। सम्मानित अतिथि के रूप में लखनऊ परिसर के निदेशक आचार्य सर्व नारायण झा ने वास्तु शास्त्र की वैज्ञानिक बारीकियों और दैनिक जीवन पर उनके प्रभाव पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के एडीजी प्रो. आलोक त्रिपाठी ने वास्तु शास्त्र की संहिताओं पर वैज्ञानिक निर्माण की प्राचीन प्रक्रिया और इसके सदियों से चले आ रहे प्रभाव को इस आधुनिक युग में भी बरकरार रखा। समापन सत्र की अध्यक्षता आचार्य प्रभात कुमार महापात्र, निदेशक, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने की। इस अवसर पर विभिन्न संस्थानों एवं एकलव्य परिसर के गणमान्य व्यक्ति, शोधार्थी, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित रहे।

श्रीमद्भगवद गीता के भक्ति रस पर विस्तार व्याख्यान सत्र आयोजित

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा ने 13-12-2023 को राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति के पूर्व कुलपति आचार्य हरेकृष्ण सत्पथी की शुभ उपस्थिति में श्रीमद्भगवद्गीता में निहित 'भक्ति रस' पर एक विस्तार व्याख्यान सत्र आयोजित किया। अपने संबोधन में, उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता में अंतर्निहित अध्यात्मवाद पर प्रकाश डाला और शिक्षार्थियों को व्यावहारिक दृष्टिकोण से इस पवित्र ग्रंथ की सामग्री का अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आगे भगवद गीता के उन पहलुओं के बारे में बताया जिनका पालन करके लोग सकारात्मक आध्यात्मिक जीवन जी सकते हैं। इस सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की. सत्र के समन्वयक सह आचार्य एवं साहित्य विभाग के प्रमुख डॉ. पारितोष दास थे।

धर्मशास्त्र विभाग द्वारा 7 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के धर्मशास्त्र विभाग ने 08-01-2024 को 'धर्मशास्त्रोपयोगिनं मीमांसान्यां विचारः' विषय पर 7 दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया जो 14-01-2024 तक जारी रही। मुख्य अतिथि के रूप में त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य आचार्य चंदन चक्रवर्ती ने दीप प्रज्वलित करके उद्घाटन सत्र की शुरुआत की। वही उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, बिहार के सेवानिवृत्त आचार्य आचार्य वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि धर्मशास्त्र आज भी समकालीन समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और वर्तमान न्यायिक व्यवस्था को भी प्रभावित करता है। सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो प्रभात कुमार महापात्र ने की. इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से 50 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन सत्र में परिसर के सभी कर्मचारी और छात्र शामिल हुए। डॉ. मनोज कुमार साहू, सहायक आचार्य (धर्मशास्त्र) इस कार्यशाला के समन्वयक हैं जबकि डॉ. इतिश्री महापात्र और डॉ. सौम्यज्योति साहा इस कार्यशाला के संयुक्त समन्वयक हैं।

सरल मानक संस्कृत पर एक दिवसीय कार्यशाला

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने 2 फरवरी 2024 को संस्कृत विभाग, नेताजी सुभाष महाविद्यालय, उदयपुर के सहयोग से सरल मानक संस्कृत (सरलमानकसंकृतम्) पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसी विषय पर एक और कार्यशाला 'सरल मानक संस्कृत' (सरलमानकसंकृतम्) संस्कृत विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से 3 फरवरी 2024 को और उसी तीसरे नंबर की निरंतरता में आयोजित किया गया था। 'सरल मानक संस्कृत' (सरलमानकसंकृतम्) पर कार्यशाला 4 फरवरी 2024 को एकलव्य परिसर, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित की गई थी। इन सभी तीन सरलमानकसंस्कृतम् कार्यशालाओं को भारतीय भाषा समिति, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया था। कॉलेज के संकाय सदस्य, संस्कृत विद्यालय के शिक्षक और संस्कृत कार्यशाला में राज्य के सभी जिलों से आये विद्वान शामिल हुए।

पाली शिक्षा, साहित्य पर कार्यशाला आयोजित

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने 04-02-2024 को पाली शिक्षा, साहित्य पर एक कार्यशाला का उद्घाटन किया जो 04-03-2024 तक जारी रही। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में त्रिपुरा सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति आचार्य गंगा प्रसाद प्रसेन मौजूद रहे। अपने भाषण में प्रो. प्रसेन ने कहा कि बौद्ध विहित और गैर-विहित

ग्रंथों की भाषा के रूप में पाली अपने आप में जीवन जीने के सात्विक तरीके का संदेश देती है और इस प्रकार अनादि काल से जनता को आकर्षित करती है। श्री तृप्ति कांत हती, डीआइजी, सीआरपीएफ, विशेष अतिथि के रूप में इस सत्र में शामिल हुए। सीएसयू, लखनऊ कैंपस से इस कार्यशाला के सह-समन्वयक डॉ. जयवंत खंडारे ने मुख्य भाषण दिया।

परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने सत्र की अध्यक्षता की और पूर्वोत्तर क्षेत्र में इस कार्यशाला के आयोजन में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की पहल की सराहना की क्योंकि यह क्षेत्र बौद्ध दर्शन की उपजाऊ भूमि है और यह अनुकूल घटना फैल जाएगी। पालि साहित्य और दर्शन में मानव कल्याण के लिए मानवता का संदेश निहित है। इस कार्यशाला के संयोजक प्रो. (डॉ.) दीनानाथ शर्मा ने सम्मानित अतिथि के रूप में सत्र की अध्यक्षता की, जबकि एकलव्य परिसर के बुद्ध दर्शन और पाली विभाग के प्रमुख प्रो. दिल्ली इस कार्यशाला के समन्वयक हैं। 30 दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला में देश के विभिन्न हिस्सों से गणमान्य व्यक्ति, संसाधन व्यक्ति और प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में परिसर का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पाली शिक्षण और साहित्य पर कार्यशाला का समापन सत्र 04-03-2024 को सुबह 10 बजे त्रिपुरा के माननीय राज्यपाल श्री इंद्रसेन रेड्डी नल्लू की शुभ उपस्थिति में आयोजित किया गया। अपने भाषण में, त्रिपुरा के माननीय राज्यपाल, श्री इंद्रसेन रेड्डी नल्लू ने कहा कि बौद्ध विहित और गैर-विहित ग्रंथों की भाषा के रूप में पाली भारतीय ज्ञान प्रणाली का एक अनिवार्य हिस्सा है और सभी उच्च शैक्षणिक संस्थानों को इसे बढ़ावा देने के लिए उचित रणनीति अपनानी चाहिए। उन्होंने इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजन के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को बधाई भी दी। परिसर के निदेशक प्रो. प्रभात कुमार महापात्र ने स्वागत भाषण दिया, जबकि सीएसयू, लखनऊ परिसर से इस कार्यशाला के सह-समन्वयक डॉ. जयवंत खंडारे ने 30 दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति आचार्य श्रीनिवास वरखेड़ी ने भी सत्र की शोभा बढ़ाई। अपने संबोधन में उन्होंने टिप्पणी की कि पूर्वोत्तर क्षेत्र बौद्ध दर्शन की उपजाऊ भूमि है और यह अनुकूल घटना मानव कल्याण के लिए पाली साहित्य और दर्शन में निहित मानवता के संदेश को प्रसारित करेगी। एकलव्य परिसर के बुद्ध दर्शन एवं पाली विभाग के प्रमुख प्रो.अवधेश कुमार चौबे ने धन्यवाद ज्ञापन किया। 30 दिनों तक चली इस कार्यशाला में देश के विभिन्न हिस्सों से गणमान्य व्यक्तियों, संसाधन व्यक्तियों और प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन सत्र में परिसर का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। सत्र का संचालन डॉ. गणेश्वर नाथ झा, सहायक आचार्य (व्याकरण) ने किया।

अकादमिक नेतृत्व पर विस्तार व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा ने 19-02-2024 को सुबह 10 बजे नव नालंदा महाविहार (मानित विश्वविद्यालय) के संस्कृत विभाग के प्रमुख आचार्य विजय कुमार कर्ण के तत्वावधान में अकादमिक नेतृत्व पर एक विस्तार व्याख्यान सत्र आयोजित किया। बिहार रिसोर्स पर्सन के रूप में। अपने संबोधन में आचार्य विजय कुमार कर्ण ने उच्च शिक्षण संस्थानों में संरक्षक और मार्गदर्शक के रूप में संकाय सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उनका मत था कि शिक्षकों को प्राप्त ज्ञान के व्यावहारिक पहलू को छात्रों के दिमाग में बिठाना चाहिए ताकि छात्र आत्मनिर्भर बन सकें। बौद्ध दर्शन के विभागाध्यक्ष प्रो.अवधेश कुमार चौबे ने विशेष अतिथि के रूप में सत्र की शोभा बढ़ाई, जबकि परिसर के निदेशक प्रो.प्रभात कुमार महापात्र ने सत्र की अध्यक्षता की। सभी छात्रों और कर्मचारियों ने सांस रोककर सत्र में भाग लिया।

भारतीय ज्ञान परम्परा पर 5 दिवसीय एफडीपी सह राष्ट्रीय कार्यशाला का सीएसयू, एकलव्य परिसर में उद्घाटन

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, होली क्रॉस कॉलेज, त्रिपुरा के संयुक्त सहयोग से 18 से 22 मार्च, 2024 तक 'आधुनिक शिक्षा प्रणाली के साथ आईकेएस को आत्मसात करने की रणनीतियाँ' विषय पर 5 दिवसीय एफडीपी सह राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। इसका सत्र 18-03-2024 को सुबह 11 बजे केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में आयोजित किया गया था। एमबीबी विश्वविद्यालय, त्रिपुरा के माननीय कुलपति आचार्य सत्यदेव पोद्दार ने मुख्य अतिथि के रूप में सत्र की अध्यक्षता की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक शिक्षा प्रणाली का उचित संश्लेषण तभी संभव होगा जब विद्वानों के संवाद के लिए इस तरह की शैक्षणिक पहल की जाएगी। डॉ. फादर बेनी के. जॉन सीएससी, होली क्रॉस कॉलेज के प्रिंसिपल, ने सम्मानित अतिथि के रूप में सत्र की शोभा बढ़ाई और कहा कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली के साथ आईकेएस के उचित एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में सहयोगात्मक पहल भी की जाएगी। आचार्य पीवीबी सुब्रमण्यम, निदेशक, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, रघुनाथ कीर्ति परिसर, उत्तराखंड ने सत्र को संसाधन व्यक्ति के रूप में संबोधित किया और गणित को बढ़ावा देने में भास्कराचार्य के समृद्ध योगदान पर प्रकाश डाला। इस सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की, जिन्होंने ज्योतिष शास्त्र में निहित वैज्ञानिक अवधारणाओं पर प्रकाश डाला। इस उद्घाटन सत्र का संचालन सहायक आचार्य (अंग्रेजी) डॉ. सुमन आचार्जी ने किया।

एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम में, 'आधुनिक शिक्षा प्रणाली के साथ आईकेएस को आत्मसात करने की रणनीतियाँ' पर 5 दिवसीय एफडीपी सह राष्ट्रीय कार्यशाला 22-03-2024 को आचार्य (डॉ.) माधव कुमार पांडा की गरिमामय उपस्थिति में औपचारिक रूप से समाप्त हो गई। मुख्य अतिथि के रूप में जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी के धर्मशास्त्र विभाग के पूर्व प्रमुख। उसी के पांचवें तकनीकी सह समापन सत्र में, डॉ. बाबूराम स्वामी, सह आचार्य (अंग्रेजी), दशरथ देब मेमोरियल कॉलेज, खोवाई ने 'भारतीय ज्ञान प्रणाली और साहित्य' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में सत्र को संबोधित किया। सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो प्रभात कुमार महापात्र ने की. यह 5 दिवसीय एफडीपी सह राष्ट्रीय कार्यशाला केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर और होली क्रॉस कॉलेज, त्रिपुरा के संयुक्त सहयोग से आयोजित की गई थी। सभी सत्रों में विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। सुश्री स्मिता देबनाथ और डॉ. सुभाष देबनाथ होली क्रॉस कॉलेज, अगरतला की ओर से क्रमशः समन्वयक और संयुक्त समन्वयक थे, जबकि डॉ. सुमन अचार्जी और श्री सुब्रमण्यम भट्ट केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर की ओर से समन्वयक और संयुक्त समन्वयक थे।

हिंदू कानून पर 7 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई

लेम्बुचेरा, त्रिपुरा, 22-03-2024: लेम्बुचेरा त्रिपुरा में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर के संकाय विकास केंद्र ने आचार्य (डॉ.) की शुभ उपस्थिति में 22-03-2024 को हिंदू कानून पर 7 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। मुख्य वक्ता के रूप में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी त्रिपुरा के माननीय कुलपति योगेश प्रताप सिंह उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रो. (डॉ.) योगेश प्रताप सिंह ने कहा कि धर्मशास्त्र में निहित ज्ञान का विशाल भंडार हिंदू कानून तैयार करने में समृद्ध प्रभाव डालता है। इसके अलावा, पुरी के जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के धर्मशास्त्र विभाग के पूर्व प्रमुख आचार्य (डॉ.) माधव कुमार पण्डा ने धर्मशास्त्र के उन क्षेत्रों पर प्रकाश डाला जो मौजूदा हिंदू कानून में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की। इस राष्ट्रीय कार्यशाला के समन्वयक सहायक आचार्य (धर्मशास्त्र) डॉ. सौम्यज्योति साहा हैं।

सीएसयू के एकलव्य परिसर के संकाय विकास केंद्र द्वारा आयोजित हिंदू कानून पर 7 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 30-03-2024 को आचार्य जयकृष्ण मिश्रा, पूर्व आचार्य और धर्मशास्त्र के पीजी विभाग के प्रमुख, श्री जगन्नाथ की शुभ उपस्थिति में औपचारिक रूप से समाप्त हो गई। सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में उन्होंने हिंदू कानून को एन्कोडिंग और डिकोड करने में धर्मशास्त्र के योगदान पर प्रकाश डाला। इसके अलावा उन्होंने राय दी कि धर्मशास्त्र पर अधिक व्यापक शोध कार्य वर्तमान न्यायपालिका प्रणाली में इसे और अधिक मानव-केंद्रित बनाने के लिए हमारे शास्त्रों में निहित अधिक समृद्ध और ज्ञानवर्धक विचारों को शामिल करने में योगदान देगा। श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी के पूर्व आचार्य आचार्य ब्रजकिशोर स्वैन ने भी सत्र की शोभा बढ़ाई। इस समापन सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की और इस कार्यशाला की कार्यवाही के सफल समापन की सराहना की। इस कार्यशाला के समन्वयक श्री सौम्यज्योति साहा, सहायक आचार्य (धर्मशास्त्र) थे, जबकि समापन सत्र का मंच संचालन श्री विकास सरकार, सहायक आचार्य (धर्मशास्त्र) द्वारा किया गया था।

5. आरटीआई अधिनियम-2005 के अंतर्गत प्राप्त प्रश्नों/दिए गए उत्तरों की संख्या

- प्राप्त – 01
- उत्तर दिया – 01

4.2.12 श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग. उत्तराखण्ड

1. परिचय

यह विश्वविद्यालय का 12वां परिसर देवप्रयाग में श्री रघुनाथ कीर्ति नाम से 2016 में स्थापित किया गया। 23 एकड़ के विशाल भू-भाग पर निर्मित इस परिसर में 16 राज्यों के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इस परिसर की स्थापना से पहले यहां सन् 1908 में स्थापित श्री रघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत महाविद्यालय संचालित था। उक्त महाविद्यालय के संस्थापकों ने इस भूमि पर कालांतर में प्रसिद्ध विश्वविद्यालय की स्थापना की संकल्पना व्यक्त की थी। श्री रघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत महाविद्यालय को अधिग्रहण कर ही यहां पर तत्कालीन राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर की स्थापना की गयी थी।

ऋषिकेश-श्रीनगर-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर देवप्रयाग में स्थित इस परिसर का उद्घाटन 20 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। 22 जून, 2023 को परिसर में धर्मसम्राट करपात्री जी महाराज वेदशास्त्र अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्करसिंह धामी जी ने किया था। भागीरथी-अलकनंदा के संगम और प्रसिद्ध श्री रघुनाथ भगवान के मंदिर के निकट स्थित श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर संस्कृत शिक्षा के संरक्षण, प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। परिसर का उद्देश्य शास्त्र शिक्षा देने के साथ ही छात्रों और समाज को स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण और संस्कृति संरक्षण के प्रति जागरूक करना भी है। समय-समय पर विभिन्न गांवों और संस्थानों में परिसर के छात्र नाटक और गीत इत्यादि रचनाओं के माध्यम से इस प्रकार के संदेश प्रसारित करते रहते हैं। परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना (इकाई) छात्रों को राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देने के साथ ही समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण का पाठ पढ़ाती है।

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में ज्योतिष, वेद, वेदांत, साहित्य, व्याकरण, न्याय के अध्ययन तथा इन विषयों में पीएचडी की सुविधा है। खेल, संगीत, योग, अध्यापन आदि क्षेत्रों में जाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए यहां विशेष सुविधाएं हैं। लगभग आठ वर्षों के यात्राकाल में इस परिसर ने उत्तराखण्ड के संस्कृत शिक्षा केंद्रों में श्रेष्ठ स्थान बना लिया है। विशेष बात यह है कि पलायन पीड़ित उत्तराखंड में इस परिसर ने छात्रों के संस्कृत की उच्च शिक्षा के लिए किए जाने वाले पलायन पर बड़ी सीमा तक रोक लगा दी है। अब सुदूर पहाड़ के छात्रों को संस्कृत शिक्षा ग्रहण करने के लिए हरिद्वार, वाराणसी इत्यादि स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं रह गयी है।

परिसर में योग विज्ञान में बीएससी और एमएससी तथा पौरोहित्य कर्मकाण्ड में डिप्लोमा की भी सुविधा है। लगभग 600 विद्यार्थियों की आवासीय सुविधा बहुत कम शुल्क पर उपलब्ध है। बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग छात्रावास हैं। बारह घंटे खुले रहने वाला विशाल केंद्रीय पुस्तकालय में घर के लिए भी पुस्तकों की व्यवस्था तथा ई-लाइब्रेरी की सुविधा है। अधिकांश प्राध्यापकों के आवास परिसर में ही हैं। नेट तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी परिसर में ही करवाई जाती है। प्रत्येक शुक्रवार को परिसर के छात्र गंगा घाट पर सफाई अभियान चलाकर आरती करते हैं। पर्यावरण दिवस, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, संस्कृत सप्ताह, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, हिंदी दिवस, मातृभाषा दिवस इत्यादि दिवसों में विशेष ज्ञानपरक कार्यक्रम आयोजित कर उनमें छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है।

2. परिसर का स्थान

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर
देवप्रयाग, पौडी गढ़वाल, उत्तराखंड 249301

फोन नंबर - 7217080118, 01378-266028 फैक्स नंबर - 01378-266028
ईमेल-director-devprayag@csu.co.in
अन्तर्जाल: www.csu-devprayag.edu.in

3. परिसर की अवसंरचना

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर 9.228 हेक्टेयर (23 एकड़) क्षेत्र में फैला है। सीपीडब्ल्यूडी, श्री नगर शाखा को लेआउट योजना सौंपी गई है और उसने शैक्षणिक, प्रशासनिक और आवासीय (लड़कों और लड़कियों के छात्रावास, गेस्ट हाउस और स्टाफ क्वार्टर) ब्लॉक के विभिन्न परिसर भवनों के निर्माण कार्य का 70% पहले ही पूरा कर लिया है।

4. मुख्य गतिविधियाँ

- परिसर को पूर्ण रूप से हरा-भरा बनाना। इसके अंतर्गत बांज, देवदार जैसी पहाड़ी वनस्पति आंवला, नीम जैसे औषधीय पौधों और आम, अमरूद जैसे फलदार पौधों का रोपण करना
- परिसर को प्लास्टिकमुक्त रखना
- परिसर के पारिस्थिकीय संतुलन के दृष्टिगत परिसर में कुत्ते, गाय आदि जानवरों के रहने और भोजन की व्यवस्था
- परिसर में उच्च कोटि की शिक्षण व्यवस्था के साथ ही छात्रों के बीच सामाजिक सौहार्द्र और भाईचारा स्थापित करने की प्रेरणा के कार्य करना
- परिसर में पूरी तरह से संस्कृत व्यवहार का वातावरण उत्पन्न करना
- छात्रों में बेहतर प्रबंधक, जिम्मेदार नागरिक के गुण विकसित करना, भारतीय संस्कृति, सभ्यता और संस्कारों का संपूर्ण ज्ञान कराना तथा नैतिक मूल्यों का विकास करना
- परिसर के माध्यम से अधिक से अधिक स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना
- सामाजिक दायित्व के अंतर्गत पौधरोपण, गंगा सफाई अभियान समेत विभिन्न जागरूकता अभियानों का हिस्सा बनना

5. प्रकाशन

परिसर लाइब्रेरी में भौतिक और डिजिटल दोनों रूपों में 4000 से अधिक पुस्तकें और पांडुलिपियाँ हैं। छात्रों के दिमाग को समृद्ध और संलग्न करने के लिए, एक वार्षिक कैंपस जर्नल (*रघुनाथकीर्तिपताका*), एक त्रैमासिक समाचार पत्र (*रघुनाथवार्तावली*) विभाग-वार पत्रिकाओं में विभिन्न शोध पत्रों और पत्रिकाओं के साथ प्रकाशित किया जा रहा है। निकट भविष्य में एक वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल (*देवभूमिसौरभम*) प्रकाशित करने का प्रस्ताव है।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम

परिसर में अधोलिखित विभागों में प्राक्शास्त्री से विद्यावारिधि (12^{th} – Ph.d) तक अध्ययन-अध्यापन होता है-

वेद, वेदांग एवं वैदिक विज्ञान संस्थान

1. वेद-कर्मकाण्ड-पौरोहित्य
2. नव्यव्याकरण
3. ज्योतिष

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति संस्थान

1. साहित्य

दर्शन

1. सर्वदर्शन
2. नव्य न्याय

यौगिक विज्ञान एवं समग्र स्वास्थ्य पद्धतियों का संस्थान

आधुनिक विषय संस्थान

1. हिन्दी
2. अंग्रेजी
3. राजनीति विज्ञान
4. कम्प्यूटर विज्ञान
5. पुस्तकालय विज्ञान

7. परिसर के द्वारा आयोजित संगोष्ठी, कार्यशाला तथा व्याख्यानशाला

- **गङ्गा समर्चनाप्रतिवेदन** केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर द्वारा प्रति सप्ताह शुक्रवार को गङ्गा समर्चना की जाती है। यह गङ्गा समर्चना कुलपति महोदय के निर्देशानुसार सत्र-2022 से निरन्तर चली आ रही है, अब तक गङ्गा समर्चना के 108 कुसुम पूर्ण हो चुके हैं। इस कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि यह है कि गङ्गा समर्चना के द्वारा सामान्य जन मानस में भक्ति भाव उत्पन्न करना, धार्मिक चेतना का विकास करना आदि।परिसर में समय-समय पर चल रहे 10 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर एवं विविध कार्यशालाओं के दौरान यह गङ्गा समर्चना अन्य स्थानों से आए हुए शोध छात्रों एवं अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में परिसरीय समस्त आचार्य और छात्र छात्राएं विविध स्तोत्र पाठ पूर्वक गङ्गा आरती सविधि सम्पन्न किया करते हैं। यह कार्य परिसर के माननीय निदेशक प्रो.पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम जी के सान्निध्य एवं सत्प्रेरणा तथा वेद विभाग के आचार्य डा.अमन्द मिश्र जी के संयोजकत्व में सम्पन्न होता है।
- **हिंदी पखवाड़ा दिनांक-**

  14-29 सितंबर 2023 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखंड) में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस बार यह कार्यक्रम उत्तराखंड की हिन्दी की तीन दिवंगत विभूतियों डॉ. गोविन्द चातक, डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल और छायावादी कवि सुमित्रानंदन पंत को समर्पित रहा। परिसर की ओर से हिन्दी में श्रेष्ठ कार्य करने वालों को हर वर्ष दिये जाने वाला 'श्री रघुनाथ कीर्ति हिन्दी सेवा सम्मान' इस वर्ष प्रसिद्ध हिन्दी लेखिका प्रो. राखी उपाध्याय को दिया गया।

  14 सितंबर, 2023 को हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार और लेखक डॉ. प्रभाकर जोशी थे। उन्होंने हिन्दी के विकास में उत्तराखंड के रचनाकारों और विद्वानों के योगदान को रेखांकित करते हुए यहां की अनेक हिन्दी विभूतियों के जीवन पर प्रकाश डाला। विशिष्ट वक्ता न्याय विभाग के अध्यापक श्री जनार्द्धन सुवेदी ने हिन्दी के महत्त्व तथा संस्कृत और हिन्दी के अंतर्सम्बन्धों पर विचार रखे। अध्यक्षता निदेशक प्रो.पी.वी.बी सुब्रह्मण्यम ने की।

हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत हिन्दी के सहायक आचार्य (सं.) डॉ. वीरेन्द्र सिंह बर्त्वाल के संयोजकत्व में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों में हिन्दी संबंधी स्पर्धाएं आयोजित की गयीं। कुल आठ प्रतियोगिताओं में 159 स्पर्धालुओं ने भाग लिया। शोध छात्रों के लिए आयोजित हिन्दी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में 10 प्रतिभागी शामिल हुए। शास्त्री प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के

लिए आयोजित श्रुतलेख स्पर्धा में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। 24 सितंबर को 'छायावाद के मजबूत स्तंभ: सुमित्रानंदन पंत' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के हिन्दी के सहायक आचार्य डॉ. सुभाष चंद्र मुख्य वक्ता तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलतराम कॉलेज की सहायक प्रवक्ता हिन्दी डॉ. कुसुम लता विशिष्ट वक्ता रहीं। अध्यक्षता निदेशक प्रो. पी.वी.बी सुब्रह्मण्यम ने की। अतिथियों का स्वागत एवं परिचय डॉ. वीरेंद्र सिंह बर्त्वाल ने किया।

29 सितंबर को हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड की पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. सविता मोहन थीं। विशिष्ट अतिथि दृष्टिबाधित छात्रा ऋतु जियाल थीं। इस अवसर पर 'श्री रघुनाथ हिन्दी सेवा सम्मान-2023' प्रो.राखी उपाध्याय को दिया गया। उन्होंने अपने मूल्यांकन और सम्मान प्रदान करने के लिए श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर का आभार प्रकट किया। डॉ. वीरेंद्र सिंह बर्त्वाल ने हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम की आख्या प्रस्तुत की। विजेता स्पर्धालुओं को मुख्य अतिथि तथा निदेशक प्रो.पी.वी.बी सुब्रह्मण्यम ने पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र वितरित किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक प्रो. पी.वी.बी सुब्रह्मण्यम ने की। इस अवसर पर विभिन्न स्पर्धाओं में सहयोग करने वाले अध्यापकों तथा छात्रों को भी प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये।

❖ जन्माष्टमी पर्व

दिनांक- 7 सितंबर 2023

दिनांक-7 सितंबर 2023 को डॉ. वीरेंद्र सिंह बर्त्वाल (सहायक आचार्य हिंदी विभाग, जनसंपर्क अधिकारी) एवं श्री अजय नेगी जी (क्रीडा विभाग) के मार्गदर्शन में परिसरीय छात्रों की एक 17 सदस्यीय टीम चोनी, बडियारगढ़, कड़ाकोट स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी के पावन पर्व पर आयोजित मेले में भजनों की प्रस्तुति देने गयी। जिसके तहत देवप्रयाग से सुबह 7 बजे प्रस्थान किया और 10 बजे वहाँ पहुंचे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संयोजन छात्रों के रूप में धनंजय देवराड़ी ने किया तथा टीम प्रबंधन दिगंबर रतूड़ी का रहा।

विद्यार्थियों ने विभिन्न भजनों की तथा नृत्यों की प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ (गणेश वंदना) 'दैणा होयां खोळी का गणेशा' से हुआ तथा छात्रों द्वारा विभिन्न भजनों की तथा गीतों की प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में सम्मिलित छात्र धनंजय देवराड़ी ने जय हो गणेश तथा दे दे मेरी बांसुरी, राधिका गोरी से गीत गए, शुभम भट्ट ने नृत्य किया दिगंबर रतूड़ी द्वारा ढोलक पर संगत दी गई, ओम थपलियाल ने तबले पर संगत दी। कुशाग्र अत्री द्वारा नृत्य तथा कोरस, शशांक चंदोला द्वारा कोरस, प्रशांत धस्माना द्वारा कृष्ण भजन प्यारी बजी बांसुरी तथा मन लगी गे मेरू गीत की प्रस्तुति दी गई। हिमांशु उनियाल द्वारा नागराजा भजन, भगवती दैणी ह्वे जैई, ओम् थपलियाल द्वारा तबले पर संगत दी गई, योगेश सेमवाल द्वारा फूलों में सज रहे हैं श्री वृंदावन बिहारी भजन की प्रस्तुति की गई, शिवानी ठाकुर द्वारा अवधी भजन आज यू मिथिला नगरिया भजन प्रस्तुत किया गया, मधु द्वारा नृत्य तथा मीठे रस से भरियोरी भजन प्रस्तुत किया गया, उर्मिला तथा, शिवानी सती सती द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया, अर्चना नौडियाल द्वारा गढ़वाली गीत प्रस्तुत किया गया, प्रभात तथा तनस्वी द्वारा हिमाचली गीत प्रस्तुत किया गया पूजा द्वारा गढ़वाली भजन वसुदेवा को बालो प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का बेहतरीन संचालन डॉ. बर्त्वाल सर ने किया। छात्रों द्वारा किए गए कार्यक्रमों की सराहना करते हुए क्षेत्र वासियों तथा ग्राम वासियों ने हर वर्ष जन्माष्टमी के पावन पर्व पर आने का निमंत्रण श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर को दिया। मंदिर के संस्थापक श्री केवलसिंह नेगी ने विश्वविद्यालय परिसर तथा विद्यार्थियों का धन्यवाद दिया तथा हमें अपने घर पर भोजन कराया। शाम 6 बजे हम सभी सकुशल देवप्रयाग पहुंच गये थे।

❖ स्वच्छता ही सेवा दिनांक-02.10.2023

माननीय कुलपति महोदय के शुभाशीष एवं आदरणीय निदेशक महोदय के मार्गदर्शन में "स्वच्छता ही सेवा" कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक-02 अक्तूबर 2023 को श्री केदारनाथ धाम में एक दिवसीय स्वच्छता सर्वेक्षण शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में परिसर के 72 स्वयंसेवकों ने भाग ग्रहण किया।

❖ **उत्तराखंड राज्य योगासन प्रतियोगिता**, देहरादून में 8 अक्टूबर 2023 को आयोजित हुई, जिसमें योग विज्ञान विभाग के लिए गर्व का क्षण था। डॉ. रश्मिता, योग की सहायक आचार्य के मार्गदर्शन में सात छात्रों की टीम ने भाग लिया और शानदार सफलता हासिल की।

उपलब्धियां:

1. स्वर्ण पदक:
   - **आरती**, एम.एससी. प्रथम वर्ष, व्यक्तिगत महिला श्रेणी में।
   - **चिराग शर्मा**, एम.एससी. प्रथम वर्ष, व्यक्तिगत पुरुष श्रेणी में।
2. रजत पदक:
   - **प्रतीक सिंह चौहान**, एम.एससी. प्रथम वर्ष।
3. कांस्य पदक:
   - **गौरव शर्मा**, एम.एससी. प्रथम वर्ष।
   - **रजत शर्मा**, एम.एससी. प्रथम वर्ष।

परिणाम:

- टीम ने प्रतियोगिता में कुल **पाँच पदक** जीते।
- सभी पाँच पदक विजेताओं का चयन **राष्ट्रीय योगासन चैंपियनशिप** के लिए हुआ, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और कड़ी मेहनत को दर्शाता है।
  टीम को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई!
- **शिशा पद्मासन में इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स धारक विषाल भारद्वाज, बी.एससी. छात्र, एसआरकेसी का सम्मान समारोह**
- योग विज्ञान और अध्यात्म विभाग ने **शिशा पद्मासन** में **इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स** धारक विषाल भारद्वाज, बी.एससी प्रथम वर्ष के छात्र, के लिए सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया। विषाल ने **33 मिनट और 26 सेकंड** तक इस विशेष आसन को **इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स कार्यालय, दिल्ली** में करके यह उपलब्धि हासिल की।
- विषाल, जो उत्तर प्रदेश के बागपत से हैं, 7वीं कक्षा से योग का अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने योगासन के कई प्रतियोगिताओं और चैंपियनशिप में भाग लिया है और **61 पदक और 35 ट्रॉफियाँ** जीत चुके हैं।
- **कैम्पस निदेशक प्रो. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम** ने विषाल भारद्वाज को शॉल, स्मृति चिह्न और फल भेंट कर सम्मानित किया और छात्रों को जीवन में मजबूत लक्ष्य निर्धारित करने और कड़ी मेहनत से ऊंचाई हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

- विषाल की उपलब्धि और सम्मान सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। विभाग के सभी संकाय सदस्यों और छात्रों ने उन्हें उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ दीं।

❖ अखण्डरामचरितमानसपरायण

परिसर में वैशाख-शुद्ध-एकादशी दिनांक 01 मई 2024 से वैशाख-शुद्ध-द्वादशी दिनांक 02 मई 2024 तक 'अखण्ड रामचरित मानस पारायण' नामक दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें परिसर के छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों तथा कार्यालयीय कर्मचारियों द्वारा विशिष्ट भाग लिया गया। परिसर के निदेशक प्रो. हंसधर झा महोदय के कुशल मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इसमें छात्र-कल्याण परिषद के सदस्यों की भूमिका सराहनीय थी।

- उत्तराखंड राज्य योगासन प्रतियोगिता, देहरादून (08/10/2023)
  योग विज्ञान विभाग ने 8 अक्टूबर, 2023 को देहरादून में आयोजित होने वाली 15वीं उत्तराखंड राज्य योगासन प्रतियोगिता के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की। प्रतियोगिताओं के लिए 7 छात्रों का चयन किया गया और टीम सुबह-सुबह परिसर से देहरादून के लिए रवाना हुई। 08/10/2023 को डॉ. रश्मिता, योग में सहायक आचार्य, टीम की मार्गदर्शिका के साथ।

- शीश पद्मासन में इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स होल्डर का अभिनंदन, एसआरकेसी के बीएससी छात्र विशाल भारद्वाजयोग विज्ञान और अध्यात्म विभाग ने शीश पद्मासन में इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड धारक विशाल भारद्वाज, बीएससी प्रथम वर्ष के लिए एक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ऑफिस, दिल्ली में इस विशेष आसनम को 33 मिनट और 26 सेकंड तक धारण किया। श्री विशाल उत्तर प्रदेश के बागपत से हैं, 7वीं कक्षा से योग का अभ्यास कर रहे हैं और उन्होंने योगासन की कई प्रतियोगिताओं और चैंपियनशिप में भाग लिया है, और उनके पास 61 पदक और 35 ट्राफियां हैं।

• अमृतवाटिका दिनांक-30.10.2023

राष्ट्रीय सेवा योजना, श्रीरघुनाथ कीर्ति इकाईद्वारा परिसर में अमृत कलश यात्रा एवं अमृतवाटिका की स्थापना 30.10.2023 को की गयी इस कार्यक्रम में परिसर निदेशक सहित सभी छात्रों व प्राध्यापकों ने भाग ग्रहण किया।

- ठोस कूड़ा प्रबन्धन दिनांक-10.11.2023

राष्ट्रीय सेवा योजना, श्रीरघुनाथ कीर्ति इकाई द्वारा आज दिनांक-10.11.2023 को Uttarakhand State Council For Science And Technology द्वारा देवप्रयाग के संगम घाट पर "ठोस कूडा प्रबन्धन" (SOLID WASTE MENAGEMENT) विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 50 से अधिक स्वयंसेवियों ने प्रतिभाग किया।

- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय (एआईयू) योगासन चैम्पियनशिप में भागीदारी,के आईआईटी, भुवनेश्वर श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, सी.एस.यू. योग टीम, जिसमें 6 लड़के और 5 लड़कियाँ शामिल हैं, ने कलिंगा विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय योगासन चैम्पियनशिप में प्रतिनिधित्व किया। दो अनुभवी प्रशिक्षकों, डॉ. सुधांशु वर्मा और डॉ. रश्मिता के नेतृत्व में टीम ने अपने कौशल का प्रदर्शन करने और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए इस यात्रा की शुरुआत की। टीम ने 19 दिसंबर 2023 को श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर से अपनी यात्रा शुरू की और 21 दिसंबर की शाम को अपने गंतव्य पर पहुंची। इस यात्रा अवधि में टीम के साथ जुड़ाव, मानसिक तैयारी और रणनीतिक चर्चाओं की अनुअखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय (एआईयू) योगासन चैम्पियनशिप में भागीदारी,के आईआईटी, भुवनेश्वर श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, सी.एस.यू. योग टीम, जिसमें 6 लड़के और 5 लड़कियाँ शामिल हैं, ने कलिंगा विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय योगासन चैम्पियनशिप में प्रतिनिधित्व किया। दो अनुभवी प्रशिक्षकों, डॉ. सुधांशु वर्मा और डॉ. रश्मिता के नेतृत्व में टीम ने अपने कौशल का प्रदर्शन करने और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए इस यात्रा की शुरुआत की। टीम ने 19 दिसंबर 2023 को श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर से अपनी यात्रा शुरू की और 21 दिसंबर की शाम को अपने गंतव्य पर पहुंची। इस यात्रा अवधि में टीम के साथ जुड़ाव, मानसिक तैयारी और रणनीतिक चर्चाओं की अनुमति मिली।
- मध्यमाधिकार प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक-01.01.2024 से 10.01.2024 पर्यन्त श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग के धर्मसम्राट स्वामी श्री करपात्री जी महाराज वेदशास्त्र अनुसन्धान केन्द्र व ज्योतिष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सूर्यसिद्धान्त के मध्यमाधिकार विषय पर दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक-01.01.2024 से 10.01.2024 पर्यन्त परिसर में किया गया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों से 25 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कर प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- **कैरियर काउंसलिंग सेमिनार** (04/01/2024)

  4 जनवरी 2024 को योग विज्ञान और आध्यात्म विभाग द्वारा एक कैरियर परामर्श सेमिनार का आयोजन किया गया जिसका विषय था -: योग के क्षेत्र में कैरियर के अवसर: - सत्र का मार्गदर्शन योगा के युवा और ऊर्जावान योग शिक्षक श्री कुलदीप जंघेला जी ने हांगकांग में किया।
- **फिट इंडिया सप्ताह कार्यक्रम**, एसआरकेसी, देवप्रयाग (24/01/24 - 31/01/24)भारत सरकार द्वारा "फिट इंडिया मूवमेंट" का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में "विश्वविद्यालय अनुदान आयोग" ने एक पत्र क्रमांक 1-1/2024 (खेल)/एफआईडब्ल्यू प्रसारित किया है। अपने संबंधित संस्थानों में फिट इंडिया सप्ताह मनाने के लिए भारत के उच्च शिक्षा केंद्रों को।
- **काव्यशास्त्र निबन्ध कार्यशाला** दिनांक- 29.01.2024 से 02.02. 2024 के श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर के साहित्य विभाग ने 29 जनवरी से 02 फरवरी तक पांच दिवसीय शास्त्र-काव्य निबंध लेखन कार्यशाला का आयोजन किया।

- कीर्तिनगर विकासखण्ड के अंतर्गत धार पयांकोटी, ढुंडसिर कड़ाकोट में आयोजित श्री **घंटाकर्ण** देवता के मेले में एक दिन प्रस्तुति देने के मेला समिति ने हमारे परिसर से टीम भेजने का अनुरोध किया था। आपकी अनुमति एवं मार्गदर्शन पर मैं 15 जनवरी,2024 को दो वाहनों में वहां 18 सदस्यीय छात्र दल लेकर गया। 9 दिवसीय इस अनुष्ठान के चौथे दिन हमारे छात्रों ने वहां पहुंचकर प्रातः सर्वप्रथम घंडियाल देवता के मंदिर में स्वस्तिवाचन मंत्र पाठ किया।
- **21 दिवसीय कुण्डली** निर्माण कार्यशाला दिनांक- 05.02.2024 से 25.02.2024 पर्यन्त केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर के ज्योतिषशास्त्र विद्याशाखा द्वारा ज्योतिष शास्त्र में अभिरुचि रखने वाले परिसरीय छात्रों के लिए माननीय परिसर निदेशक प्रो. पी.वी.बी सुब्रह्मण्यम् जी की अनुमतिनुसार दिनांक-05.02.2024 से 25.02.2024 तक 21 दिवसीय कुण्डली निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन दिनांक-05.02.2024 को सायं 4:00 बजे परिसर के सभागार में हुआ।

• मेरा पहला वोट देश के लिए दिनांक- 05.03.2024

दिनांक-05.03.2024 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग में दिनांक-05.03.2024 को मेरा पहला वोट देश के लिए कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता अभियान एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें परिसर के सभी छात्रों व प्राध्यापकों ने भाग ग्रहण किया।

- 48वीं सीनियर राष्ट्रीय योग खेल चैम्पियनशिप, कोलकाता, पश्चिम बंगाल (19/03/2024 से 23/03/2024) 48वीं सीनियर नेशनल योगा स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप,हुगली, पश्चिम बंगाल का आयोजन योगा फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा किया गया है। उत्तराखंड राज्य योगासन प्रतियोगिता, देहरादून (08/10/2023) में विजेता छात्रों ने इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया। 48वीं सीनियर राष्ट्रीय योग खेल चैम्पियनशिप, कोलकाता, पश्चिम बंगाल (19/03/2024 से 23/03/2024) 48वीं सीनियर नेशनल योगा स्पोर्ट्स चैंपियनशिप, हुगली, पश्चिम बंगाल का आयोजन योगा फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा किया गया है। उत्तराखंड राज्य योगासन प्रतियोगिता, देहरादून (08/10/2023) में विजेता छात्रों ने इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया।
- **आर्यभटीय गणितपाद प्रशिक्षण कार्यशाला** - दिनाङ्क- 21-30 मार्च 2024 पर्यन्त केन्द्रीय संस्कृतविश्वविद्यालय, श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर के ज्योतिषविद्याशाखा द्वारा दिनाङ्क 21-03-2024 से 30-03-2024 तक दशदिवसीय आर्यभटीय गणितपाद प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- **संस्कृतसम्भाषणशिविर** दिनांक- 21/03/2024 से 30/03/2024 कार्यालयीय आदेश संख्या-160 के अनुपालन में दिनांक-21/03/2024 से 30/03/2024 तक श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर के व्याकरण विद्याशाखा एवं संस्कृत भारती के संयुक्त तत्त्वावधान में दशदिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन समग्र परिसर को संस्कृतमय स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया। जिसमें 221 प्रतिभागियों ने पंजीयन किया एवं कुछ प्रतिभागी अध्ययन निमित्त अतिरिक्त रूप से भी उपस्थित रहे। शिविर का संयोजन डॉ. सूर्यमणि भण्डारी (संयोजक- व्याकरणविद्याशाखा) किया एवं प्रशिक्षण कार्य डॉ. वैजयन्ती माला द्वारा सम्पादित किया गया। शिविर के अन्तर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

शोभायात्रा - परिसर क्रीड़ा क्षेत्र से रामकुण्ड घाट पर्यन्त।

शैक्षणिकसत्रम् – प्रतिदिन प्रात: 8:30 से 9: 30 तक विविध भाषाविन्दुओं के लेकर प्रशिक्षण कार्य सम्पन्न हुआ।

शारीरिकसत्रम् - प्रतिदिन सायं 5:00 से 6:00 तक विविध भाषा क्रीड़ाएं एवं अन्य क्रीड़ाओं का आयोजन एवं उनके नियमों का परिज्ञान कराया गया।

प्रतिभाप्रदर्शनम् - जिसमें प्रतिदिन रात्री को विविध संस्कृतिक एवं राज्यस्तरीयरूप में नाट्यमञ्चन, गायन, नृत्य इत्यादि का छात्रों द्वारा प्रस्तुति की गई।

होलिकोत्सव का आयोजन- शास्त्रीय विधि के अनुसार होलिका दहन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। 185 प्रतिभागियों को मेल द्वारा डिजिटल प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

- **आरटीआईअधिनियम - 2005 के तहत प्राप्त प्रश्नों /उत्तरों की संख्या-**

प्राप्त पत्रों की संख्या	-	00
उत्तरदिये गए पत्रों की संख्या	-	00

5. वर्ष 2023-24 की प्रमुख गतिविधियाँ

5. वर्ष 2023-24 की प्रमुख गतिविधियाँ

5.1 संस्कृत दिवस उत्सव-

विश्वविद्यालय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, के सहयोग से 31अगस्त, 2023 को संस्कृत संस्कृतदिवस मनाया। इसमें मुख्यातिथि प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र थे, तथाविश्वविद्यालय के कुलपति ने 'संस्कृतं संस्कृतेर्मूलं विद्यामूलं च संस्कृतम्' विषय का संदेश दिया।

5.2 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह-

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू) ने 7 मार्च, 2024 को अपना पहला दीक्षांत समारोह मनाया। इस अवसर पर भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि थीं और शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान सम्मानित अतिथि थे। राष्ट्रपति ने संस्कृत की महिमा के बारे में बताया और माननीय मंत्री ने 21वीं सदी में संस्कृत की प्रासंगिकता के बारे में बताया। इस अवसर पर महामहीम राष्ट्रपति ने 6 प्रख्यात विद्वानों को डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी.लिट.) (विद्यावाचस्पति) की उपाधि से सम्मानित किया है।

5.3 61वीं अखिल भारतीय शास्त्रीयस्पर्धा-

यह प्रतियोगिता 18.3.2024 से 21.3.2024 तक अयोध्या, उत्तरप्रदेश में सम्पन्न हुई। कर्नाटक इस प्रतियोगिता का विजेता रहा।

5.4 अखिल भारतीय रूपक महोत्सव-

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा अखिल भारतीय रूपक महोत्सव जयपुर परिसर में दिनांक 6-9 मार्च 2024 को आयोजित किया गया था।

5.5 अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस-

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा नौवाँ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का समाचरण किया। इस सन्दर्भ में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय, श्री रघुनाथकीर्तिपरिसर देवप्रयाग में विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों को योग का महत्त्व प्रस्तुत किया।

5.6 स्थापना दिवस

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस 15 अक्तूबर 2023 को हर्षोल्लास से मनाया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्टातिथि त्रिपुरा राज्य के उपसभापति श्रीरामप्रसाद पाल थे तथा सारस्वतातिथि पूर्व भारतीय प्रशासनिक अधिकारी श्री भाग्येश झा एवं सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुकान्त कुमारसेनापति थे।

6. संलग्नक

कार्य परिषद् के सदस्यों की सूची

(01.04.2023 से 31.03.2024 तक)

1.	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी कुलपति केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली-110058	अध्यक्ष
2.	संयुक्त सचिव (भाषा) शिक्षा मंत्रालय उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001	सदस्य (पदेन)
3.	प्रो. हरे राम त्रिपाठी कुलपति संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी- उत्तरप्रदेश 221002	सदस्य (यूजीसी नामित)
4.	प्रो. सर्व नारायण झा, ज्योतिष में आचार्य केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर, विशाल खंड-4, गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226010	
5.	प्रो. रामकुमार शर्मा, साहित्य में आचार्य केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर, गोपालपुरा बाईपास, त्रिवेणी नगर, जयपुर, राजस्थान-302018 (28.10.2023 तक)	सदस्य
6.	प्रो. लोकमान्य मिश्र, शिक्षा शास्त्र में वरिष्ठ आचार्य केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर, विशाल खंड-4,	

	गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश – 226010 (12.12.2023 से)	
7.	प्रो. अतुल कुमार नंदा आचार्य (धर्म शास्त्र) केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री सदाशिव परिसर, चंदन हुजोरी रोड, पुरी-752001 (ओडिशा) (30.08.2023 तक)	सदस्य
8.	प्रो. फतेह सिंह शिक्षा शास्त्र में वरिष्ठ आचार्य केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर, गोपालपुरा बाईपास, त्रिवेणी नगर, जयपुर, राजस्थान-302018 (05.10.2023 से 31.01.2024 तक)	
9.	प्रो. शिव कांत झा व्याकरण विभाग में वरिष्ठ आचार्य केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर, गोपालपुरा बाईपास, त्रिवेणी नगर, जयपुर, राजस्थान-302018 (21.02.2024 से)	
10.	डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट सह-आचार्य (अद्वैत वेदांत) केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय राजीव गांधी परिसर, मेनसे, भारती नगर पोस्ट, श्रीनगर, जिला। चक्कमंगलुरु, कर्नाटक-577139 (30.08.2023 तक)	सदस्य
11.	डॉ. विष्णु कुमार निर्मल सह-आचार्य (ज्योतिष) केंद्रीय संस्कृत वश्वविद्यालय जयपुर परिसर, गोपालपुरा बाईपास, त्रिवेणी नगर, जयपुर, राजस्थान-302018 (05.10.2023 से)	

12.	**प्रो. रंजीत कुमार बर्मन** कुलसचिव प्रभारी, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 (31.10.2023 तक)	सचिव (पदेन)
13.	**प्रो. आर.जी. मुरली कृष्ण** कुलसचिव प्रभारी, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 (01.11.2023 से)	

संलग्नक- ख

विद्वत् परिषद् के सदस्यों की सूची

(1 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक)

1. प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी कुलपति केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जनकपुरी, नई दिल्ली- 110058	अध्यक्ष
अधिष्ठाता	
2. प्रो. सर्व नारायण झा (लखनऊ परिसर) अधिष्ठाता, वेद-वेदांग एवं वैदिक विज्ञान।	सदस्य
3. प्रो. खगेश्वर मिश्र (पुरी परिसर) अधिष्ठाता, शास्त्रीक नॉलेज सिस्टम्स	सदस्य
4. प्रो. अतुल कुमार नंदा (पुरी परिसर) अधिष्ठाता, योग विज्ञान एवं समग्र स्वास्थ्य पद्धति, 18.04.203 तक	सदस्य
5. प्रो. सुदेश कुमार शर्मा (जयपुर परिसर) अधिष्ठाता, समकालीन ज्ञानप्रणाली और मानविकी	सदस्य
6. प्रो. लोकमान्य मिश्र (लखनऊ परिसर) शिक्षाशास्त्र (शिक्षा) और कौशल प्रशिक्षण (कौशल)	सदस्य
7. प्रो. बनमाली बिस्वाल (दिल्ली मुख्यालय) अधिष्ठाता, शैक्षणिक मामले और अधिष्ठाता, योग विज्ञान और समग्र स्वास्थ्य चर्या 19.04.2023 से	सदस्य
8. प्रो. वाई.एस. रमेश (जयपुर परिसर) अधिष्ठाता, मल्टीडिसिप्लिनरी साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी	सदस्य
9. प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी (प्रयागराज परिसर) अधिष्ठाता, अनुसंधान	सदस्य
10. प्रो. रामकुमार शर्मा (जयपुर परिसर) अधिष्ठाता, भाषा, साहित्य और संस्कृति। 01.04.2022 से 07.11.2023 तक	सदस्य

	प्रो. रमाकांत पांडे (भोपाल परिसर) अधिष्ठाता, भाषा, साहित्य और संस्कृति 08.11.2023 से	सदस्य
11.	प्रो. सुकांत कुमार सेनापति (एकलव्य परिसर) अधिष्ठाता, दर्शन 01.04.2022 से 02.10.2023 तक	सदस्य
	प्रो. सत्यम कुमारी (जयपुर परिसर) अधिष्ठाता, दर्शन 03.10.2023 से	
विद्याशाखा प्रमुख		
12.	प्रो. श्रेयांश कुमार सिंघई (जयपुर परिसर) जैनदर्शन और प्राकृत	सदस्य
13.	प्रो. फ़तेह सिंह (जयपुर परिसर) शिक्षाशास्त्र (शिक्षा)	सदस्य
14.	प्रो. शिवकांत झा (जयपुर परिसर) व्याकरणशास्त्र	सदस्य
15.	प्रो. विजयपाल शास्त्री (देवप्रयाग परिसर) संस्कृतसाहित्य 28.09.2022 से 15.11.2022 तक	सदस्य
	प्रो ई.एम.राजन (गुरुवयूर परिसर) संस्कृत साहित्य 16.11.2022 से 31.03.2024 तक	
16.	प्रो सुब्राय वेंकटरमन भट्ट (श्रृंगेरी परिसर) मीमांसा	सदस्य
17.	प्रो ललित कुमार साहू (गुरुवयूर परिसर) धर्मशास्त्र	सदस्य
18.	प्रो ईश्वर भट्ट (जयपुर परिसर) ज्योतिष शास्त्र	सदस्य
19.	प्रो (श्रीमती) गौरि प्रिया दास (पुरी परिसर) दर्शन	सदस्य

20. प्रो के मधुसूदनन (गुरुवयूर कैंपस) न्याय	सदस्य
21. प्रो मनोज कुमार मिश्र (प्रयागराज परिसर) वेद, पौरोहित्य एवं कर्मकाण्ड	सदस्य
22. प्रो. प्रतिभा आर. (गुरुवायूर परिसर) वेदांत	सदस्य
23. प्रो अर्चना दुबे (भोपाल परिसर) भारतीय भाषाएँ	सदस्य
24. प्रो राम नंदन सिंह (लखनऊ परिसर) बौद्ध दर्शन एवं पाली	सदस्य
25. प्रो सूर्यनारायण भट्ट (श्रृंगेरी परिसर) वेदांग एवं वेद भाष्य	सदस्य
26. प्रो मकलेश कुमार (पुरी परिसर) पुराणेतिहास	सदस्य
27. डॉ अपराजिता मिश्रा (प्रयागराज परिसर) पाण्डुलिपि एवं पुरालेख	सदस्य
28. डॉ अशोक कुमार मीना (पुरी परिसर) सांख्य योग दर्शन	सदस्य
29. डॉ जगन्नाथ झा (संयोजक) (लखनऊ परिसर) सामाजिक विज्ञान	सदस्य
30. डॉ. एम.के. शीबा (संयोजक) (गुरुवायूर परिसर) अंग्रेजी	सदस्य
विभागाध्यक्षों के अलावा दो प्रोफेसर; वरिष्ठता के अनुसार कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे	
31. प्रो. एलएन पांडे (मुंबई परिसर) शिक्षाशास्त्र	सदस्य
32. प्रो. शिशिर कुमार पांडे (लखनऊ परिसर) हिन्दी	सदस्य

विश्वविद्यालय के दो शिक्षक, जिनमें से कम से कम एक एसोसिएट प्रोफेसर होगा, वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से कुलपति द्वारा नामित किया जाएग	
33. डॉ. बुलुसु पद्म मित्रश्रीनिवास (एकलव्य परिसर) शिक्षा शास्त्र	सदस्य
34. डॉ. गणेश ति. पंडित (श्रृंगेरी परिसर) शिक्षा शास्त्र	सदस्य
प्रत्येक अध्ययन विद्यालय और केंद्र से मद (ख), (ग) और (ङ) में उल्लिखित सदस्यों के अलावा एक सदस्य	
35. डॉ. विश्वरंजन पति (पुरी परिसर) ज्योतिष	सदस्य
36. डॉ. गणपति शुक्ला (पुरी परिसर) न्याय	सदस्य
37. डॉ. एसपी सिंह (लखनऊ परिसर) अर्थशास्त्र	सदस्य
तीन व्यक्ति, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, विद्वत परिषद की सिफारिशों पर उनके विशेष ज्ञान के आधार पर कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे।	
38. प्रो. ओमनाथ बिमली (दिल्ली विश्वविद्यालय)	सदस्य
39. प्रो. सुदेशना भट्टाचार्य (असम विश्वविद्यालय)	सदस्य
40. प्रो. अरविंद मल्हार कुलकर्णी (आईआईटी मुंबई)	सदस्य
विश्वविद्यालय का रजिस्ट्रार विद्वत परिषद का सचिव होगा	
41. प्रो. रंजीत कुमार बर्मन कुलसचिव, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली 01.04.2022 से 31.10.2023 तक प्रो. रा.गा. मुरलीकृष्ण कुलसचिव, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली 01.11.2023 से	सचिव

वित्त समिति के सदस्यों की सूची
(01.04.2023 से 31.03.2024 तक)

1.	प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी कुलपति केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	डॉ. रामचंद्र जोशी (23.11.2023 से प्रभावी) [सेवानिवृत्त कुलसचिव एवं वित्त अधिकारी कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक] हिरण्यमयी, प्लॉट नंबर 55, छोरिया कॉलोनी, आनंदनगर, रामटेक, नागपुर, महाराष्ट्र – 441 106.	सदस्य
	श्री सुनील कुमार लोहानी, (08.11.2023 तक) पूर्व संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, मयूर विहार, दिल्ली	सदस्य
3.	श्री किरण डी.एम. मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ओएनजीसी फाउंडेशन, नई दिल्ली। (शासी परिषद द्वारा मनोनीत)	सदस्य
4.	प्रो. सर्व नारायण झा ज्योतिष में आचार्य एवं निदेशक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, विशाल खंड-4, गोमती नगर, लखनऊ -226 010 (यूपी) (शासी परिषद के सदस्य)	सदस्य

5.	**संयुक्त सचिव, शिक्षा मंत्रालय,** वित्तीय सलाहकार का प्रतिनिधि शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग शास्त्री भवन, नई दिल्ली।	सदस्य
6.	**प्रो. पवन कुमार,** **वित्त अधिकारी प्रभारी** केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।	सदस्य सचिव

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों का परिसर वार विवरण
(31 मार्च 2024 के अनुसार)

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पद का नाम	विभाग
	(शैक्षणिक कर्मचारी)		
1.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी	निदेशक	व्याकरण
2.	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय	आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. राम कृष्ण पाण्डेय	आचार्य	धर्मशास्त्र
4.	प्रो. मनोज कुमार मिश्रा	आचार्य	वेद
5.	प्रो. देवदत्त सरोदे	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. अपराजिता मिश्रा	आचार्य	साहित्य
7.	डॉ. मनीष जुगरान	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. मोनाली दास	सहायकाचार्य	साहित्य
	(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)		
9.	श्री जितेन्द्र कुमार	सहायक निदेशक	
10.	डॉ. रामरूप	पुस्तकालय सहायक	
11।	सुश्री अश्विनी राजेश लंके	संग्रहाध्यक्ष	
12.	डॉ. श्याम सुंदर पांडे	व्यावसायिक सहायक	
13.	श्रीमती अंजू मिश्रा	व्यावसायिक सहायक	
14.	श्री शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय	हस्तलिपि पंडित	
15.	श्री रमेश चंद्र	सहायक	
16.	श्री विजय कुमार मिश्रा	सहायक	
17.	डॉ. विपिन द्विवेदी	प्रतिलिपिकार	
18.	कुमारी शालू कुमारी	वरिष्ठ लिपिक	
19.	सुश्री मंजू देवी	पुस्तकालय सहायक	
20.	श्री आनंद कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
21.	श्री अर्जुन कुमार मंडल	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
22.	श्री नंद कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	

23.	श्री द्वारिका प्रसाद कुशवाहा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
24.	श्री अखिलेश मिश्रा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	

2. श्रीसदाशिव परिसर पुरी (ओडिशा)

क्रमांक	नाम	पद का नाम	विभाग
(शैक्षणिक कर्मचारी)			
1.	प्रो. अतुल कुमार नंद	वरिष्ठ आचार्य एवं निदेशक	धर्मशास्त्र
2.	प्रो. ललित कुमार साहू	वरिष्ठ आचार्य	धर्मशास्त्र
3.	प्रो. (श्रीमती) मिनती रथ	आचार्य	पुराणेतिहास
4.	प्रो. (श्रीमती) अनुपमा पृष्टि	आचार्य	नव्यव्याकरण
5.	प्रो. (श्रीमती) गौरप्रिया दाश	आचार्य	सर्वदर्शन
6.	प्रो. विजय पाल कछवाह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	प्रो. उदयनाथ झा	आचार्य	साहित्य
8.	प्रो. रमाकांत मिश्र	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	प्रो. (श्रीमती) निर्मला पाणिग्राही	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	प्रो. किशोर कुमार दलाई	आचार्य	साहित्य
11।	प्रो. भगवान सामन्तराय	आचार्य	अद्वैतवेदांत
12.	प्रो. धर्मेंद्र कुमार सिंहदेव	आचार्य	साहित्य
13.	डॉ. सुशांत कुमार राज	आचार्य	साहित्य
14.	डॉ. महेश झा	आचार्य	नव्या-नया
15.	प्रो. शंभुनाथ महालिक	आचार्य	अद्वैतवेदांत
16.	प्रो. मखलेश कुमार	आचार्य	पुराणेतिहास
17.	प्रो. वी. एस. वी. भास्कर रेड्डी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ.अशोक कुमार मीना	सहाचार्य	सांख्ययोग
19.	डॉ. गणपति शुक्ला	सहाचार्य	नव्यव्याकरण
20.	श्री अजय कुमार गंधा	सहायकाचार्य	अद्वैतवेदांत
21.	डॉ. सुशांत कुमार राय	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. ओम नारायण मिश्र	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. सागरिका नंद	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. भाग्य सिंह गुर्जर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
25.	श्री रमाकांत सा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
26.	डॉ. नंदीघोष महापात्र	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन

27.	डॉ. (श्रीमती) बिजय लक्ष्मी महापात्र	सहायकाचार्य	ज्योतिष
	(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)		
28.	श्री सुरेन्द्र कुमार महापात्र	अनुभाग अधिकारी	
29.	श्री चौ. एम.एम. पटनायक	सहायक	
30.	श्री देबी प्रसाद दास मोहपात्र	सहायक	
31.	सुश्री नित्या राही	व्यावसायिक सहायक	
32.	श्री राहुल यादव	अवर श्रेणी लिपिक	
33.	श्री सुशांत कुमार झा	अवर श्रेणी लिपिक	
34.	श्री कण्ठ नारायण दास	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
35.	श्रीमती बासन्ती नायक	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
36.	श्री संतोष कुमार मोहन्ति	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
37.	श्री प्रताप चंद्र बेहरा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
38.	श्री दिनेश कुमार कठुआ	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
39.	श्री रजत यादव	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
40.	श्री परवीन	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
41.	डॉ. गौतम कुमार चौधरी	सहायक निदेशक (शारीरिक शिक्षा एवं खेल)	

3. श्री रणबीर परिसर, जम्मू (जम्मू और कश्मीर)

क्रमांक	नाम	पद का नाम	विभाग
	(शैक्षणिक कर्मचारी)		
1.	प्रो. सतीश कुमार कपूर	आचार्य	साहित्य
2.	डॉ. ऋषि राज	सह आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. राम दास शर्मा	सहायक आचार्य	ज्योतिष
4.	डॉ. प्रमोद कुमार शुक्ल	सहायक आचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. घनश्याम मिश्र	सहायक आचार्य	सर्वदर्शन
6.	डॉ. डी. दयानाथ	सहायक आचार्य	वेद
7.	डॉ. गोपाल वर्मा	सहायक आचार्य	अंग्रेजी
8.	डॉ. मदन कुमार झा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. देवेन्द्र कुमार मिश्र	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. राज कुमार मिश्र	सहायक आचार्य	साहित्य
11.	डॉ. रतन कुमार पाण्डेय	सहायक आचार्य	ज्योतिष

12.	डॉ. पुनीता गुप्ता	सहायक आचार्य	ज्योतिष
(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)			
13.	श्री बिशन दास	अनुभाग अधिकारी	
14.	श्री कुमार रोहित	सहायक पुस्तकालय	
15.	श्री हरशिव कुमार मीणा	सहायक	
16.	श्री कौशल कुमार	व्यावसायिक सहायक	
17.	श्री सव्यसाची शर्मा	प्रवर श्रेणी लिपिक	
18.	श्री हितेश	अवर श्रेणी लिपिक	
19.	श्री शेखर साहू	अवर श्रेणी लिपिक	
20.	श्री चन्द्रमणि शर्मा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
21.	श्री बोधराज	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
22.	श्री राज मोहम्मद	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
23.	श्रीमती प्रीति देवी	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	

4. गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)

क्रमांक	नाम	पद का नाम	विभाग
(शैक्षणिक कर्मचारी)			
1.	प्रो. श्री. गोविन्द पाण्डेय	निदेशक एवं आचार्य	शिक्षाशास्त्र
2.	प्रो. ई. एम. राजन	आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. के.ई. मधुसूदनन	आचार्य	न्याय
4.	प्रो. आर. प्रतिभा	आचार्य	अद्वैत वेदांत
5.	प्रो. के. के. हर्षकुमार	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. आर. बालामुरुगन	आचार्य	न्याय
7.	प्रो. ई.आर. नारायणन	आचार्य	साहित्य
8.	प्रो. एन.आर. श्रीधरन	आचार्य	न्याय
9.	प्रो. के. विश्वनाथन	आचार्य	साहित्य
10.	डॉ. ओ.आर. विजयराघवन	सह -आचार्य	न्याय
11.	डॉ. उमेश चंद्र मिश्रा	सहायकाचार्य	व्याकरण
12.	डॉ. के. गिरिधर राव	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	श्रीमती के. ए. जेसी	सहायकाचार्य	मलयालम
14.	डॉ. राधिका पी आर	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदांत
15.	डॉ. डी. वेणुगोपाल राव	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

16.	डॉ. विद्याधर प्रभला	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. श्यामराज सी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. बी. नरेश कुमार नैक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. एम. के शीबा	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
20.	डॉ. श्रीनिवासन पी. के	सहायकाचार्य	ज्योतिष
21.	डॉ. शिवाजी वि. न	सहायकाचार्य	साहित्य
22.	डॉ. राउतमाले आनंद शिवराम	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालय
(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)			
23.	श्री. के. एम .रवींद्रन	अनुभाग अधिकारी	
24.	श्रीमती विजय कुमारी	अनुभाग अधिकारी	
25.	श्रीमती रेशमा सी. आर	अवर श्रेणी लिपिक	
26.	श्रीमती शरण्या के. वी	अवर श्रेणी लिपिक	
27.	श्री. नंदू पंकज	पुस्तकालय परिचारक	
28.	श्री. पी. वी. विनेश	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
29.	श्री. हर्ष	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
30.	श्री. विपिन	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
31.	श्री. निशान्त	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
32.	श्री. पी.पी. मैरि दास	कर्मचारी वर्ग वाहन चालक	

5. जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

क्र.सं.	नाम	पद का नाम	विभाग
शैक्षणिक कर्मचारी			
1.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	निदेशक	शिक्षाशास्त्र
2.	प्रो. वाई. एस. रमेश	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. शिवकान्त झा	आचार्य	व्याकरण
4.	प्रो. राम कुमार शर्मा	आचार्य	साहित्य
5.	प्रो. ईश्वर भट्ट	आचार्य	ज्योतिष
6.	प्रो. कमलेश कुमार जैन	आचार्य	जैनदर्शन
7.	प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय	आचार्य	व्याकरण
8.	प्रो. शुभस्मिता मिश्रा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	प्रो. कुलदीप शर्मा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	प्रो. लीना सक्करवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र

11.	प्रो. गौरांग बाघ	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
12.	प्रो. कृष्णा शर्मा	आचार्य	धर्मशास्त्र
13.	डॉ. विष्णु कुमार निर्मल	सह-आचार्य	ज्योतिष
14.	डॉ. रेखा कुमारी	सह-आचार्य	हिन्दी
15.	डॉ. सीमा अग्रवाल	सह-आचार्य	सामाजिक विज्ञान
16.	डॉ. बत्तीलाल मीना	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. ओमप्रकाश	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. सुभाष चन्द्र मीणा	सहायकाचार्य	व्याकरण
19.	डॉ. डम्बरुधरपति	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. मनीष कुमार चाण्डक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. कैलाश चन्द्र सैनी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. अंजू चौधरी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. बलबीर सिंह मीना	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. आरती मीना	सहायकाचार्य	साहित्य
25.	डॉ. रानी दाधीच	सहायकाचार्य	दर्शन
26.	डॉ. किरण खींची	सहायकाचार्य	व्याकरण
27.	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	सहायक निदेशक	शारीरिक शिक्षा

क्र.सं.	नाम	पद का नाम	विभाग
गैर शैक्षणिक कर्मचारी			
28.	डॉ. लोकेश कुमार गुप्ता	अनुभाग अधिकारी	
29.	श्री गिरधर गोपाल पोपली	अनुभाग अधिकारी	
30.	श्री जयसिंह	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	
31.	श्रीमती मीना कुमारी	व्यावसायिक सहायक	
32.	श्री योगेश छोलक	व्यावसायिक सहायक	
33.	श्री सुरेश कुमार सैनी	अवर श्रेणी लिपिक	
34.	श्री गिर्राज सिंह	अवर श्रेणी लिपिक	
35.	श्री लक्ष्मी नारायण मीना	अवर श्रेणी लिपिक	
36.	श्री देवेश मीना	अवर श्रेणी लिपिक	
37.	श्री परमेश्वर दयाल शर्मा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
38.	श्री राजेश कुमार शर्मा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
39.	श्री जसवंत कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	

40.	श्री अनिल कुमार मीना	पुस्तकालय परिचायक	
41.	श्रीमती ललिता देवी	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
42.	श्री अजय सिंह मीना	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
43.	श्री केशराम मीना	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
44.	श्री दीपक वर्मा	आशुलिपिक (प्रथम)	

6. लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पद का नाम	विभाग
(शैक्षणिक कर्मचारी)			
1.	प्रो. सर्व नारायण झा	वरिष्ठ आचार्य एवं निदेशक	ज्योतिष शास्त्र
2.	प्रो. लोकमान्य मिश्र	वरिष्ठ आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. मदन मोहन पाठक	वरिष्ठ आचार्य	ज्योतिष शास्त्र
4.	प्रो. अवनीश अग्रवाल	वरिष्ठ आचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	प्रो. देवी प्रसाद द्विवेदी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. भारत भूषण त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
7.	प्रो. धनीन्द्र कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
8.	प्रो. श्याम देव मिश्रा	आचार्य	ज्योतिष
9.	प्रो. ग़ज़ाला अंसारी	आचार्या	साहित्य
10.	प्रो. राम नंदन सिंह	आचार्य	बौद्ध दर्शन एवं पालि
11.	प्रो. पवन कुमार	आचार्य	साहित्य
12.	प्रो. गणेश शंकर विद्यार्थी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	प्रो. गुरुचरण सिंह नेगी	आचार्य	बौद्ध दर्शन एवं पालि
14.	डॉ. हरिनारायणधर द्विवेदी	सहाचार्य	ज्योतिष
15.	डॉ. सुरेश प्रकाश सिंह	सहायकाचार्य	सामाजिकविज्ञान - अर्थशास्त्र
16.	डॉ. राम बहादुर दुबे	सहायकाचार्य	साहित्य
17.	डॉ. प्रफुल्ल गडपाल	सहायकाचार्य	साहित्य
18.	डॉ. नीरज तिवारी	सहायकाचार्य	साहित्य
19.	डॉ. कविता बिसारिया	सहायकाचार्य	अंग्रेज़ी
20.	डॉ. हरि ओम शर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. कृष्णा कुमारी	सहायकाचार्या	बौद्ध दर्शन एवं पालि

(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)			
22.	डॉ. घनानंद त्रिपाठी	व्यावसायिक सहायक	
23.	श्री गुरुप्रसाद	सहायक	
24.	श्री वेद प्रकाश	अवर श्रेणी लिपिक	
25.	श्री आकाश चौधरी	अवर श्रेणी लिपिक	
26.	श्री नितीश कुमार सिंह	अवर श्रेणी लिपिक	
27.	श्री रजनी कांत चतुर्वेदी	पुस्तकालय सहायक	
28.	श्री कन्हैया लाल	मल्टी टास्किंग स्टाफ	
29.	श्री रामबदन राम	मल्टी टास्किंग स्टाफ	
30.	श्री सहजराम	मल्टी टास्किंग स्टाफ	
31.	श्री मुकेश कुमार	मल्टी टास्किंग स्टाफ	
32.	श्री गोपाल किशोर मेहरोत्रा	मल्टी टास्किंग स्टाफ	
33.	श्री संतोष कुमार	मल्टी टास्किंग स्टाफ	
34.	श्री हर्षित निगम	मल्टी टास्किंग स्टाफ	

7. श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी (कर्नाटक)

क्रमांक	नाम	पद का नाम	विभाग
(शैक्षणिक कर्मचारी)			
1.	प्रो. हंसधर झा	आचार्य /निदेशक	ज्योतिष
2.	प्रो. सुब्राय वी. भट्ट	आचार्य	मीमांसा
3.	प्रो. चंद्रकांत	आचार्य /विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. रामचंद्रुल बालाजी	आचार्य /विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
5.	प्रो. हरि प्रसाद के.	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. नवीन होल्ला	आचार्य /विभागाध्यक्ष	नव्य न्याय
7.	प्रो. सूर्य नारायण भट्ट	आचार्य /विभागाध्यक्ष	मीमांसा
8.	प्रो गणेश ईश्वर भट्ट	आचार्य /विभागाध्यक्ष	अद्वैत वेदांत
9.	प्रो. चन्द्रशेखर भट्ट	आचार्य /विभागाध्यक्ष	नव्यव्याकरण
10.	प्रो. राघवेंद्र भट्ट	आचार्य /विभागाध्यक्ष	साहित्य
11.	डॉ. वेंकटरमण.एस.भट्ट	सहाचार्य	शिक्षा शास्त्र
12.	डॉ. के.ए. पद्मनाभम	सहाचार्य	व्याकरण
13.	डॉ. वेंकटेशताताचार्य	सहाचार्य	मीमांसा
14.	श्री. के. वेंकटेशमूर्ति	सहायकाचार्य	संयुक्त निदेशक – मु.स्वा.पीठ

15.	डॉ. दयानिधि शर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
16.	डॉ. नारायण वैद्य	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
17.	डॉ.पी.अरविन्द कुमार	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
18.	डॉ. विजयानंद अडिग बी.	सहायकाचार्य /विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
19.	डॉ. विश्वनाथ हेगड़े	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
20.	डॉ. प्रमोद भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकर्ण
21.	डॉ. कोम्पेली विनय कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य
22.	डॉ. रामचन्द्र.हेच.डी.	सहायक निदेशक	निदेशक शारीरिक शिक्षा
23.	डॉ. दुर्गा शरण रथ	सहायकाचार्य	वेद-भाष्य
24.	डॉ. नारायण बी. रायकर	सहायकाचार्य	नव्य न्याय
25.	डॉ. आकाश बाबू जैन	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालयाध्यक्ष
26.	डॉ. अनिल कुमार	सहायकाचार्य	एन.एल.पी.
(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)			
27.	श्री गुरुराज भट	अनुभाग अधिकारी	
28.	श्रीमति एस. मञ्जुला	प्रवर श्रेणी लिपिक	
29.	श्री गुंजन राठी	अवर श्रेणी लिपिक	
30.	श्री सुनील	अवर श्रेणी लिपिक	
31.	श्री एच. कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
32.	श्री एस. दिनेश	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
33.	श्री एस. शिवन्ना	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
34.	श्रीमति सिद्धम्मा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
35.	श्री एम. मोहम्मद रफीक	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
36.	श्रीमति जयम्मा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
37.	श्री हिमांशु	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
38.	श्री नवीन कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	

8. वेदव्यास परिसर, बलाहर (हिमाचल प्रदेश)

क्रमांक	नाम	पदकानाम	विभाग
(शैक्षणिक कर्मचारी)			
1.	प्रो. शीश राम	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
2.	प्रो. मंजुनाथ एस.जि.	आचार्य	वेदान्त
3.	डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा	सहाचार्य	ज्योतिष

4.	डॉ. श्याम बाबू	सहायकाचार्य	साहित्य
5.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. संजय कुमार	सहायक निदेशक	शारीरिक शिक्षा
7.	डॉ. सत्यदेव	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. प्रतिज्ञा आर्या	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. कृष्णानन्द दन्नाना	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. बी. नरेश कुमार नायक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	श्री पंकज	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी	सहायकाचार्य	व्याकरण
13.	डॉ. मनोज श्रीमाल	सहायकाचार्य	ज्योतिष
14.	डॉ. महीपाल सिंह	सहायकाचार्य	साहित्य
15.	डॉ. ओम प्रकाश साहनी	सहायकाचार्य	हिन्दी
16.	डॉ. पुरुषोत्तम	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. विजय सिंह मीणा	सहायकाचार्य	साहित्य
(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)			
18.	श्रीमती अनुराधा	अनुभागाधिकारी	
19.	श्री विक्रमजीत	व्यावसायिक सहायक, पुस्तकालय	
20.	श्री प्रमोद कुमार	तकनीकी सहायक (प्रयो.) शिक्षाशास्त्र	
21.	श्री अंजू गोस्वामी	प्रवर श्रेणी लिपिक	
22.	श्री जगदीश कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	
23.	श्री हरेन्द्र	अवर श्रेणी लिपिक	
24.	श्री नमन	अवर श्रेणी लिपिक	
25.	श्री जतिन	अवर श्रेणी लिपिक	
26.	श्री अनिल कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
27.	श्री रतन चन्द	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
28.	श्रीमती स्वागना देवी	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
29.	श्रीमती मनीषा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
30.	श्री अभिषेक	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
31.	श्री राजेश कुमार	कर्मचारी वाहन चालक (तदर्थ)	

32.	श्री संदीप कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ (तदर्थ)	
33.	श्री कमल कौशल	मल्टी टास्किंग स्टॉफ (तदर्थ)	

09. भोपाल परिसर, भोपाल (मध्यप्रदेश)

क्रमांक	नाम	पद का नाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो.रमाकान्त पाण्डेय	निदेशक	साहित्य
2.	प्रो. सुबोध शर्मा	वरिष्ठ आचार्य	व्याकरण
3.	प्रो. सनन्दन त्रिपाठी	आचार्य	साहित्य
4.	प्रो. अर्चना दुबे	आचार्य	हिंदी
5.	प्रो. नीलाभ तिवारी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. प्रदीप कुमार पाण्डेय	आचार्य	व्याकरण
7.	प्रो. सोमनाथ साहु	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	प्रो. अशोक कुमार कछवाहा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	प्रो. कैलाश चंद्र दास	आचार्य	व्याकरण
10.	डॉ. मोहिनी अरोडा	सहाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. योगेश कुमार जैन	सहाचार्य	जैन दर्शन
12.	डॉ. प्रसाद भिड़े	सहाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. संगीता गुन्देचा	सहायकाचार्य	साहित्य
14.	श्री प्रताप	सहायकाचार्य	जैन दर्शन
15.	डॉ. नन्द किशोर तिवारी	सहायकाचार्य	व्याकरण
16.	डॉ. दाता राम पाठक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. रजनी वी जी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. कृष्णकांत तिवारी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. रमण मिश्र	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. राकेश कुमार वर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. कालिका प्रसाद शुक्ल	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. गोविंद सरकार	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. रजनी	सहायकाचार्य	ज्योतिष
24.	डा. नरेश कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
25.	डा. कृपाशंकर शर्मा	सहायकाचार्य	साहित्य

26.	डॉ. रागिनी शर्मा	सहायकाचार्य	व्याकरण
27.	डॉ. सुभाष चंद्र	सहायकाचार्य	हिंदी
28.	डॉ. जी.नरसिम्हुलु	सहायकाचार्य	दर्शन
29.	डा. एस. कृष्णा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
30.	डॉ. दरयाव सिंह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
31.	डॉ. कृष्णानंदन्नाना	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)			
32.	कु.मोनिका वर्मा	सहायक पुस्तकालय	
33.	श्री संजय कुमार मिश्र	अनुभाग अधिकारी	
34.	श्रीमती मणि शर्मा	व्यावसायिक सहायक	
35.	श्री वामदेव मिश्र	सहायक	
36.	श्रीमती नम्रता माथुर	प्रवर श्रेणी लिपिक	
37.	श्री प्रेमशंकर राम	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
38.	श्री रमेश अधिकारी	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
39.	श्री अजित सिंह	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
40.	श्री बसंत नायक	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
41.	श्री आशु	कनिष्ठ लिपिक	
42.	श्री अमित सैनी	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
43.	श्री संजय	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
44.	श्री करुणेश कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	
45.	श्री सुधांशु कन्नोजिया	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	

10. के जे सोमैया परिसर, मुंबई (महाराष्ट्र)

क्रमांक	नाम	पदकानाम	विभाग
(शैक्षणिक कर्मचारी)			
1.	प्रो.लक्ष्मी निवास पाण्डेय (कार्यमुक्त दिनांक 09.10.2023)	आचार्य और निदेशक	शिक्षाशास्त्र
2.	प्रो. के. के.शैन (कार्यभार ग्रहण दिनांक 09.10.2023)	आचार्य और निदेशक	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. बोध कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
4.	प्रो. भारत भूषण मिश्रा	आचार्य	ज्योतिष
5.	डॉ.व्ही.एस.व्ही. भास्कर रेड्डी	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र

6.	डॉ. रामचंद्र जोईस एच	आचार्य	साहित्य
7.	डॉ. कुमार	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. दशरथ भारसागर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	श्री. इन्द्र कुमार मीना	सहायकाचार्य	व्याकरण
10.	डॉ. श्रुति के. बी.	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. गणपति वी.हेगडे	सहायकाचार्य	अद्वैतवेदांत
(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)			
12.	श्री. सी. आर. जोशी	अनुभाग अधिकारी	
13.	श्री. शुभम चौरसिया	अवर श्रेणी लिपिक	
14.	श्री. इसम सिंह	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
15.	श्री. जितेश कुमार मीना	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	

11. मुख्यालय, नई दिल्ली

(शैक्षणिक कर्मचारी)			
क्रमांक	नाम	पदकानाम	विभाग
1.	प्रो.काशीनाथ न्यौपाने	अध्यक्ष आचार्य	भारतीय ज्ञानप्रणाली
2.	प्रो. रंजीत कुमार बर्मन	वरिष्ठ आचार्य	कुलसचिव प्रभारी (31.10.2023 तक)
3.	प्रो. रावुरी गायत्री मुरली कृष्ण	आचार्य	कुलसचिव प्रभारी (01.11.2023 से)
4.	प्रो. बनमाली बिस्वाल	वरिष्ठ आचार्य	शैक्षणिक मामला अधिष्ठाता
5.	प्रो. मदन मोहन झा	आचार्य	छात्र कल्याण डीन
6.	प्रो. सुज्ञान कुमार माहंति	आचार्य	संयुक्त निदेशक (विश्वविद्यालय प्रकाशन)
7.	प्रो. रत्नमोहन झा	आचार्य	निदेशक (मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान)
8.	प्रो. आर.एल.नारायण सिम्हा	आचार्य	विशेष अधिकारी (शैक्षणिक)
9.	प्रो. मधुकेश्वर भट्ट	आचार्य	निदेशक (केन्द्रीय योजना/परियोजना) एवं कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी

10.	डॉ. अजय कुमार मिश्रा	सहाचार्य	जनसंपर्क अधिकारी
11.	डॉ. गणेश ति.पंडित	सहाचार्य	संयुक्तनिदेशक (प्रकाशन एवं बिक्री)
12.	डॉ. पवन व्यास	सहाचार्य	संयुक्तनिदेशक (अनुवाद एवं शोध प्रकाशन)
13.	डॉ. जगन्नाथ झा	सहायकाचार्य	प्रभारी (छात्रवृत्ति)
14.	डॉ. छोटी बाई मीना	सहायकाचार्या	प्रभारी (प्रकाशन एवं बिक्री)
15.	डॉ. सुनीता	सहायकाचार्या	प्रभारी अधिकारी (योजना-II)
16.	डॉ. जी. सूर्यप्रसाद	सहायकाचार्य	प्रभारी (छात्र कल्याण)
17.	डॉ. नितिन कुमार जैन	सहायकाचार्य	प्रभारी (अंतर्राष्ट्रीय मामले एवं सहयोग सचिव का कार्यालय)
18.	डॉ. जितेन्द्र कुमार रायगुरु	सहायकाचार्य	प्रभारी अधिकारी (परियोजना)
19.	डॉ. चक्रधर मेहर	सहायकाचार्य	प्रभारी अधिकारी (योजना-III)
20.	डॉ. अमृता कौर	सहायकाचार्या	प्रभारी (मूक्स और एलएमएस)
21.	डॉ. नक्का शैलजा	सहायकाचार्या	मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान
22.	डॉ. प्रसाद भट्ट	सहायकाचार्य	मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान
23.	डॉ. ऋतेशा	सहायकाचार्या	मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान
24.	डॉ. यशवंत कुमार त्रिवेदी	सहायकाचार्य	मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान
25.	डॉ. विजय कुमार दाधीच	सहायकाचार्य	प्रभारी [शैक्षणिक (छात्र प्रवेश)]
(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)			
26.	प्रो.पवन कुमार	परीक्षा नियंत्रक एवं वित्त अधिकारी प्रभारी	परीक्षा एवं वित्त
27.	डॉ. पूरणमल गुप्ता	पुस्तकालयध्यक्ष	पुस्तकालय

28.	डॉ. मन्था श्रीनिवासु	परियोजना अधिकारी	परियोजना
29.	डॉ. देवानंद शुक्ला	उप निदेशक (शैक्षणिक)	शैक्षणिक
30.	श्री कृष्णकुमार के.टी.	उप निदेशक (प्रशासन)	प्रशासन
31.	श्री शशिकांत	उप निदेशक (वित्त)	वित्त
32.	श्री रोहताश सिंह	उप नियंत्रक (परीक्षा)	परीक्षा
33.	श्रीमती स्नेहलता उपाध्याय	सहायक पुस्तकालयध्यक्ष	पुस्तकालय
34.	श्री जितेन्द्र कुमार	सहायक निदेशक (शोध एवं प्रकाशन)	प्रकाशन एवं कार्यक्रम
35.	श्री रामजी लाल मीना	सहायक निदेशक (परीक्षा)	प्रशासन
36.	श्री अनिल कुमार नौडयाल	सहायक निदेशक (पत्राचार पाठ्यक्रम)	वित्त/प्रशासन
37.	श्री ज्योतिष कुमार	लेखा अधिकारी (आन्तरिक लेखा परीक्षा)	वित्त
38.	श्री राजेश कुमार मिश्रा	अनुभाग अधिकारी	योजना
39.	श्री शंकर जयकिशन	अनुभाग अधिकारी	वित्त
40.	श्री सुरेशानंद	अनुभाग अधिकारी	शैक्षणिक
41.	श्री नवनीत चतुर्वेदी	अनुभाग अधिकारी	परीक्षा/प्रशासन
42.	श्री आशीष कुमार	अनुभाग अधिकारी	एएसएम/एएसएस
43.	श्री सोनराज पाटीदार	अनुभाग अधिकारी	कुलपति कार्यालय
44.	श्रीमती पापिया दास	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन
45.	श्री मनीष लोहनी	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन
46.	श्री भुवनेश कुमार मौर्य	अनुभाग अधिकारी	परीक्षा
47.	श्रीमती आभा रानी	अनुभाग अधिकारी	छात्रवृत्ति
48.	श्रीमती गंगा शर्मा	अनुभाग अधिकारी	प्रकाशन
49.	डॉ राजीव धंड	अनुभाग अधिकारी	बिक्री विभाग
50.	अनीता रानी	सहायक	मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान
51.	श्री प्रमोद कुमार पंवार	सहायक	वित्त
52.	डॉ.काशी नाथ द्विवेदी	सहायक	प्रशासन
53.	श्रीमती संगीता	सहायक	वित्त
54.	श्री राम निवास	सहायक	छात्रवृत्ति
55.	श्री देवेन्द्र सिंह	सहायक	वित्त
56.	श्री कृष्ण कांत पचौली	सहायक	प्रशासन

57.	श्री राजीव कुमार सिंह	सहायक	मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान
58.	श्री आदित्य कुमार	सहायक	प्रशासन
59.	श्री अनूप सिंह भंडारी	सहायक	प्रशासन/वित्त
60.	डॉ. प्रवीण कुमार राय	सहायक	योजना
61.	श्रीमती उषा तलवार	सहायक	परीक्षा
62.	कंचन सैनी	स्टेनोग्राफर (ग्रेड-I)	प्रशासन
63.	दीपक वर्मा	स्टेनोग्राफर (ग्रेड-I)	प्रकाशन
64.	डॉ. अनीता शर्मा	अनुदेशक	मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान
65.	श्री संजय कुमार शर्मा	पुस्तकालय पंडित	कुलपति कार्यालय
66.	श्री प्रकाश कुमार कुशवाहा	तकनीकी सहायक	शैक्षणिक
67.	श्री विकास	तकनीकी सहायक	मुक्तएवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान
68.	श्री अनुज शर्मा	तकनीकी सहायक	परीक्षा
69.	श्री आशाराम नौटियाल	तकनीकी सहायक	प्रशासन
70.	श्री मनोज मिश्रा	तकनीकी सहायक	केंद्रीय योजना
71.	श्रीमती विनिता	प्रवर श्रेणी लिपिक	कुलाधिपति कार्यालय
72.	श्री अशोक कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	परीक्षा
73.	श्रीमती हेमा ठाकुर	प्रवर श्रेणी लिपिक	परीक्षा
74.	श्री लक्ष्मण झा	प्रवर श्रेणी लिपिक	परीक्षा
75.	श्री उमेश कुमार ठाकुर	प्रवर श्रेणी लिपिक	योजना
76.	श्रीमती अनीता नेगी	प्रवर श्रेणी लिपिक	योजना
77.	श्रीमती मोनिका मल्होत्रा	प्रवर श्रेणी लिपिक	शैक्षणिक
78.	श्री सत्येन्द्र सिंह उनियाल	प्रवर श्रेणी लिपिक	कुलाधिपति कार्यालय
79.	श्री विनोद कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	शैक्षणिक
80.	श्री प्यारे लाल	प्रवर श्रेणी लिपिक	छात्रवृत्ति
81.	श्री सुखलाल	प्रवर श्रेणी लिपिक	परीक्षा
82.	डॉ. श्वेता सिंह	प्रवर श्रेणी लिपिक	परीक्षा
83.	श्री अनिल कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	शैक्षणिक
84.	श्री मनीष गुप्ता	प्रवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन
85.	श्री उदय भान आर्य	प्रवर श्रेणी लिपिक	केंद्रीययोजना
86.	श्री आलोक रंजन सिंह	प्रवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन
87.	श्री तरुण कुमार सिंह	प्रवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन

88.	श्री पवन कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	वित्त
89.	श्री सुमित नागर	प्रवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन
90.	श्री हरि बहादुर थापा	प्रवर श्रेणी लिपिक	परीक्षा
91.	श्री गोपाल सिंह विष्ट	प्रवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन
92.	सुश्री दिव्या	स्टेनोग्राफर (ग्रेड-II)	परियोजना
93.	श्री ऋषभ सैनी	स्टेनोग्राफर (ग्रेड-II)	कुलसचिव कार्यालय
94.	श्री अनिल	स्टेनोग्राफर (ग्रेड-II)	शैक्षणिक
95.	श्री प्रभात कुमार	स्टेनोग्राफर (ग्रेड-II)	परीक्षा
96.	श्री टिंकू कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	छात्रवृत्ति
97.	श्री आशीष	अवर श्रेणी लिपिक	योजना
98.	श्रीमती आरती	अवर श्रेणी लिपिक	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
99.	श्री राणा गढ़ सिंह	अवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन
100.	श्री अरुण कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन
101.	श्री रोहित दहिया	अवर श्रेणी लिपिक	वित्त
102.	श्री अशोक कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन
103	श्री कृष्ण कुमार	स्टाफ कार चालक	कुलपति कार्यालय
104.	श्री पवन सोनी	स्टाफ कार चालक	कुलपति कार्यालय
105	श्री संदीप चंद्र पोखरियाल	पुस्तकालय सहायक	पुस्तकालय
106.	श्री ब्रह्म प्रकाश	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	शिक्षा मंत्रालय
107.	श्री दिनेश कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	विक्रय विभाग
108.	श्रीमती अलका वर्मा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	प्रशासन
109.	श्रीमती नीरज	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	प्रशासन
110.	श्री नवीन कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	प्रशासन
111.	श्री भीम सिंह	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	कुलाधिपति कार्यालय
112.	श्री सुजात सामी	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	वित्त
113.	श्री अशोक कुमार महतो	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	प्रशासन
114.	श्री बीनिल सिंह भंडारी	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	प्रशासन
115.	श्री कृष्ण कुमार पाण्डेय	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	शिक्षा मंत्रालय
116.	श्रीमती सुमन देवी	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	शैक्षणिक
117.	श्री वृंदावन	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	कुलसचिव कार्यालय
118.	श्री मनोज पहाड़ी	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	कुलपति कार्यालय
119.	श्रीमती रामवती	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	पुस्तकालय

12. एकलव्यपरिसर, अगरतला, (पश्चिम त्रिपुरा)

क्रमांक	नाम	पदकानाम	विभाग
(शैक्षणिक कर्मचारी)			
1.	प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति	निदेशक	सर्वदर्शन
2.	प्रो. प्रभात कुमार महापात्र	आचार्य एवं निदेशक	फलित ज्योतिष
3.	प्रो. अवधेश कुमार चौबे	आचार्य	बौद्ध दर्शन
4.	डॉ. बुलुसुपद्म मित्र श्रीनिवास	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	डॉ. पवन कुमार	सहाचार्य	साहित्य
6.	डॉ. विश्वरंजन पति	सहाचार्य	फलित ज्योतिष
7.	डॉ. परितोष दास	सहाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. बि.वेंकट लक्ष्मीनारयण	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. आर्. शिवरामकृष्ण सिंह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. नन्दुलाल मण्डल	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा	सहायकाचार्य	फलित ज्योतिष
12.	डॉ. अनुप विश्वास	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. विजय कुमार जेना	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. गणेश्वरनाथ झा	सहायकाचार्य	व्याकरण
15.	डॉ. श्रीकरजि.एन्.	सहायकाचार्य	अद्वैत-वेदांत
16.	डॉ. मनोज कुमार साहु	सहायकाचार्य	धर्मशास्त्र
17.	डॉ. नेपाल दास	सहायकाचार्य	अद्वैत-वेदांत
18.	डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्र	सहायकाचार्य	साहित्य
19.	डॉ. सुमन आचार्य	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
20.	डॉ. श्रीमंत भद्र	सहायकाचार्य	व्याकरण
(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)			
21.	श्री. शुधांशु सोनी	पेशेवर सहायक	
22.	श्री पूर्णचंद्र मिश्रा	प्रवर श्रेणी लिपिक	
23.	श्री अमर सिंह	अवर श्रेणी लिपिक (तदर्थ)	
24.	श्री. प्रशांत कुमार श्रीवास्तव	अवर श्रेणी लिपिक (तदर्थ)	
25.	श्री.सिद्धनाथ कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	
26.	श्री. सतीश कुमार मीना	अवर श्रेणी लिपिक	
27.	श्री. कमल कौशल	मल्टी टास्किंग स्टाफ (तदर्थ)	

28.	श्री. मृणाल स्वाल	मल्टी टास्किंग स्टाफ	
29.	श्री. रमेश	मल्टी टास्किंग स्टाफ	
30.	श्री. कर्मबीर	मल्टी टास्किंग स्टाफ	
31.	श्री. बिट्टू कुमार	मल्टी टास्किंग स्टाफ	

13. श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग, पौडी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

क्रमांक	नाम	पदकानाम	विभाग
(शैक्षणिक कर्मचारी)			
1.	प्रो. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम	आचार्य/ निदेशक	ज्योतिष
2.	प्रो. चंद्रकला आर. कोंडी	आचार्या	साहित्य
3.	प्रो. विजयपाल शास्त्री	आचार्य	साहित्य
4.	डॉ. सच्चिदानंद स्नेही	सहाचार्य	न्याय
5.	डॉ. अनिल कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य
6.	डॉ. ब्रह्मानंद मिश्रा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
7.	डॉ. धनेश पी.वी.	सहायकाचार्य	योग विज्ञान एवं अध्यात्म
8.	डॉ. रश्मिता	सहायकाचार्य	योग विज्ञान एवं अध्यात्म
9.	डॉ. शैलेन्द्र नारायण कोटियाल	सहायकाचार्य	साहित्य
10.	डॉ. शैलेन्द्र प्रसाद उनियाल	सहायकाचार्य	वेदांग एवं वेद भाष्य
11.	डॉ. सुशील प्रसाद	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	श्री नवीन डोबरियाल	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालय विज्ञान
(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)			
13.	श्री वरुण कौशिक	अनुभाग अधिकारी	
14.	श्री सम्पूर्णा नन्द नौरियाल	स्टेनोग्राफर (ग्रेड-I)	
15.	श्री विजय नेत्रवाल	प्रवर श्रेणी लिपिक	
16.	श्री चंदन सिंह रावत	प्रवर श्रेणी लिपिक	
17.	श्री राहुल	अवर श्रेणी लिपिक	
18.	श्री हितेश	अवर श्रेणी लिपिक	
19.	श्री दीपक	मल्टी टास्किंग स्टाफ	
20.	श्री जयदीप वत्स	मल्टी टास्किंग स्टाफ	
21.	श्री सुखबीर	मल्टी टास्किंग स्टाफ	
22.	श्री पंकज कुमार	मल्टी टास्किंग स्टाफ	

विद्यावारिधि (पीएचडी) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

(01 04 2023 से 31.03.2024 तक)

क्र.	शोध छात्र	रोल नं.	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
1.	सतीश चंद्र	16-2073	लखनऊ	शंकरदेव अवतरे विरचितस्य अभिनवकाव्यशास्त्रस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
2.	ओम प्रकाश वर्मा	16-2153	जयपुर	भरतपुरसम्भागे राजकीयविद्यालयेषु उच्चमाध्यमिककलावर्गे अध्ययनरतच्छात्राणां संस्कृतविषये अभिरुचेः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
3.	विनोद कुमार शर्मा	16-2091	जयपुर	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्याः भ्वादिप्रकरणस्य तत्त्वबोधिनीटीकाबृहच्छब्देन्दुशेखरयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
4.	आशीष कुमार पारीक	16-2084	जयपुर	राजस्थानराज्यस्य माध्यमिकस्तरीयच्छात्राणां चिंता-मानसिकस्वास्थ्ययोः सन्दर्भे संस्कृतविषयोपलब्धेः व्यक्तित्वस्य च तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
5.	विजय यादव	16-2117	प्रयागराज	'विजयिविजयम्'नाटकस्य नाट्यशास्त्रदिशा सामीक्षिकं परिशीलनम्	साहित्य
6.	देबाशीष गुप्ता	16-2103	एकलव्य	प्रज्ञाचाक्षुषमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रदिशा समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
7.	आशीष कुमार	16-2187	जम्मू	ज्योतिषशास्त्रदिशा उदररोगविमर्शः	ज्यौतिष
8.	प्रतिभा	16-2194	भोपाल	प्राथमिक-माध्यमिकविद्यालयेषु कार्यरतानाम् अध्यापिकानां सामाजिकजागरूकताया अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
9.	स्वयंभ दास	16-2146	पुरी	श्रीपुरुषोत्तमदेवस्य ज्ञापकसमुच्चयग्रन्थस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	नव्यव्याकरण
10.	पुरातन शर्मा	16-2185	जम्मू	कौण्डभट्टीयसिद्धान्तानां शब्दशक्तिप्रकाशिकाभट्टतन्त्ररहस्याभ्यां सह तुलनात्मकमध्ययन्	व्याकरण
11.	अंजलि गौतम	16-2192	जयपुर	श्रीपद्मनाभदीक्षितप्रणीतमातृकाग्रन्थस्य "सर्वसंस्कारपद्धतेः" समीक्षात्मकं सम्पादनम्	धर्मशास्त्र
12.	सुनील कुमार	16-2110	वेदव्यास	ज्योतिषायुर्वेदयोः धातुकारकत्वविमर्शः	ज्यौतिष
13.	रागिनी शर्मा	16-2197	भोपाल	व्युत्पत्तिवादस्य तृतीयाविभक्तेरारभ्य समाप्तिपर्यन्तभागस्य व्याकरणदिशा समीक्षात्मकमध्ययनम्	नव्यव्याकरण
14.	कृपालक्ष्मी के.पी.	16-2165	गुरुवायूर	श्रीरामपाणिवादविरचितसीताराघवनाटकस्य नाट्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य

15.	सुषमा कुमारी	16-2178	वेदव्यास	जन्माङ्गप्रश्नाङ्गयोः फलकथनसमीक्षणम्	ज्यौतिष
16.	सुशांत कुमार	16-2175	वेदव्यास	जलचक्रभूगर्भजलपर्यावरणानां परिरक्षणे हिमाचलीयसरोवराणां योगदानं ज्योतिषशास्त्रीयमध्ययनञ्च	ज्यौतिष
17.	तनु बाला	16-2159	वेदव्यास	हिमाचलस्थ-ऊनाजनपदे संस्कृत-संस्कृतेतर-माध्यमिकस्तरीच्छात्राणां पर्यावरणनैतिकमूल्यानां तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
18.	स्नेहलता उपाध्याय	16-2182	मुख्यालय	ऋग्वेदद्वितीयमण्डलस्य भाषावैज्ञानिकमध्ययनम्	वेद
19.	रश्मि त्रिपाठी	16-2161	प्रयागराज	संस्कृतसाहित्ये सहस्रनामस्तोत्रपरम्पराया उद्भवो विकासश्च	साहित्य
20.	संदीप कुमार	16-2127	मुख्यालय	सांस्कृतकुराणस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
21.	दीप्ति मुरलीधरन के	16-2138	गुरुवायूर	आरूर् माधवन् अटितिरिविरचितस्य उत्तरनैषधीयचरितकाव्यस्य विमर्शात्मकम् अध्ययनम्	साहित्य
22.	रवि कुमार	16-2131	मुख्यालय	आजादचरितमहाकाव्यस्य समीक्षापरकमध्ययनम्	साहित्य
23.	अनूप रुइदास	16-2189	एकलव्य	विंशशतके पश्चिमवङ्गस्याधुनिकसंस्कृतगीतिकाव्यपरम्परायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
24.	अरुणा देवी	16-2164	वेदव्यास	वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये विवाहस्य कालनिर्धारणविमर्शः मनोवैज्ञानिकं विश्लेषणञ्च	ज्योतिष
25.	अर्पिता शर्मा	16-2133	जयपुर	मध्यकालीनसिद्धान्तग्रन्थोक्तभुवनकोशस्याधुनिकसन्दर्भे विमर्शः	ज्यौतिष
26.	संगम लाल तिवारी	16-2080	प्रयागराज	मेघदूतकाव्यस्य जनार्दनकृतं 'मेघसन्देशदीपकं' टीकायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
27.	रमेश चंद्र बरमोला	16-2195	श्रृंगेरी	सुकुमारकविविरचितस्य श्रीकृष्णविलासमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयसमीक्षणम्	साहित्य
28.	खेम लाल शर्मा	16-2199	लखनऊ	पाणिनीयव्याकरणकारकसिद्धान्तानां नेपालीव्याकरणकारकसिद्धान्तैः सह समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
29.	गंगा शरण	16-2210	देवप्रयाग	गीतगणेशकाव्यगीतगोविन्दयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
30.	भूपेन्द्र मिश्रा	16-2176	भोपाल	कौटिल्यार्थशास्त्रे शिक्षामनोवैज्ञानिकतत्त्वानां विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
31.	अनुपम पांडे	16-2205	लखनऊ	सङ्गीतशास्त्रपरम्परायां नृपतिकुम्भप्रणीते संगीतराजग्रन्थे पाठ्यरत्नकोशस्य पर्यालोचनम्	साहित्य
32.	त्रिवेदी कुशाग्र भास्करभाई	16-2237	वेदव्यास	योगसूत्रस्य तत्त्ववैशारदीटीकायाम् अद्वैतविचाराणामनुशीलनम्	अद्वैतवेदान्त

33.	नंदिनी चौबे	16-2198	भोपाल	वृद्धयवनजातकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
34.	मुनेश कुमार	16-2130	मुख्यालय	डा. नन्दकिशोरगौतमप्रणीतानां संस्कृतरचनानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
35.	कुलदीप पारीक	16-2191	जयपुर	माध्यमिकस्तरीयच्छात्राणां संस्कृतभाषाधिगमे भाषाक्रीडानां प्रभावस्याध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
36.	मौसुमी पाल	16-2172	पुरी	आधुनिकबङ्गीयसंस्कृतविदुषीणांकृतिनां परिशीलनमेकं समीक्षणम्	साहित्य
37.	हेम राज	16-2088	वेदव्यास	काशमीरोदयम् इति ऐतिहासिकखण्डकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
38.	बापी साहू	16-1805	पुरी	महाभारतीयशान्तिपर्वन्तर्गतमोक्षधर्मोपपर्वणः समीक्षात्मकमध्ययनम्	पुराणेतिहास
39.	नीरज जुगरान	16-2136	भोपाल	श्वेताश्वतरोपनिषदः शब्दशास्त्रदृशा समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
40.	महेश्वर वाग	16-2173	पुरी	हैमपाणिनीयशब्दानुशासनयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
41.	सुप्रिया घोष	16-2224	पुरी	पश्चिममेदिनीपुरमण्डलस्य संयुक्तैकलपरिवाराणां माध्यमिकच्छात्रेषु नैतिकमूल्यानां समायोजनस्य च तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
42.	सुधाकर सिंह	16-2201	लखनऊ	सर्वपल्लीराधाकृष्णन्-जाकिरहुसैनयोः शिक्षादर्शनस्य वर्तमानवैश्विकशैक्षिकसन्दर्भे समालोचनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
43.	विवेकशील पाठक	16-2183	जयपुर	वास्तुरत्नावलीवास्तुरत्नाकरयोः तौलनिकमध्ययनम्	ज्यौतिष
44.	रेणु	16-1998	जम्मू	मञ्जीरिटीका-मातृकाग्रन्थस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	ज्यौतिष
45.	राकेश कुमार वर्मा	16-2222	भोपाल	राष्ट्रियसेवायोजनाच्छात्राणां तदितरच्छात्राणाञ्च व्यक्तित्व-संज्ञानात्मकक्षमता-सामाजिकपरिपक्वतानां तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
46.	अमित कुमार त्रिपाठी	16-2168	लखनऊ	बौद्धसाहित्येतर-संस्कृतकाव्येषु बौद्धसन्दर्भविमर्शः	साहित्य
47.	रवि	16-2123	दिल्ली	आचार्यनिगमबोधतीर्थ (दण्डिस्वामी) विरचित श्रीशङ्कराचार्यचरितस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
48.	प्रदीप शर्मा डोबरियाल	16-2202	लखनऊ	भविष्यपुराणे निहितानां शैक्षिकतत्त्वानां विवेचनम्	शिक्षाशास्त्र
49.	धीरज शर्मा	16-2179	वेदव्यास	वर्तमानकालानुगुणं ज्यौतिषशास्त्रस्य शिक्षणविधिनामनुशीलनम्	ज्यौतिष

50.	अनीता वर्मा	16-2212	प्रयागराज	रामविलासकाव्यस्य समीक्षात्मकम् अनुशीलनम्	साहित्य
51.	नितेश उपाध्याय	16-2208	लखनऊ	दामोदरदासगुप्तविरचितकुट्टनीमतविशिष्टस्थलानां व्याकरणशास्त्रीयमध्ययनम्	व्याकरण
52.	अंशु गुप्ता	16-2190	जयपुर	श्रीरामचन्द्रभट्टप्रणित-कृत्यरत्नावलीमातृकाग्रन्थस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	धर्मशास्त्र
53.	सृष्टि	16-2220	जयपुर	वैयाकरणसिद्धान्तलघुमन्जूषास्थकला-कुञ्जिकाटीकयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
54.	राहुल लोधा	16-2203	जम्मू	अमरचन्द्रसूरिविचितकाव्यकल्पलतायाः सम्पादनं समीक्षणञ्च	साहित्य
55.	सतीश कुमार शर्मा	16-2216	जयपुर	राजस्थानप्रदेशे पारम्परिक-आधुनिकच्छात्राध्यापकानां अध्यापनवृत्तेरध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
56.	पंकज कुमार शर्मा	16-2213	प्रयागराज	वाजसनेयप्रातिशाख्यस्य दीपिकाटीकायाः सम्पादनं पाणिनीयव्याकरणदृष्ट्याऽनुशीलनञ्च	नव्यव्याकरण
57.	आदेश कुमार मिश्रा	16-2181	दिल्ली	वैद्यश्रीकृष्णरामभट्टप्रणीतस्य कच्छवंशमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
58.	अनिल कुमार तिवारी	16-2230	भोपाल	छात्राणां विश्लेषणात्मकतर्कक्षमता-आध्यात्मिकबुद्धि-अध्ययनप्रवृत्तीनां सम्बन्धे परासंज्ञानस्य अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
59.	संजीव कुमार	16-2177	वेदव्यास	नक्षत्रमण्डलाकृतीनां प्राच्यपाश्चात्यदृशा समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
60.	पवन कुमार पाराशर	16-2188	भोपाल	वेदान्तदर्शनदृशा बुद्धितत्त्वस्य सम्बद्धपाश्चत्यसिद्धान्तानां समीक्षणम्	शिक्षा
61.	आयुष दीक्षित	16-2225	भोपाल	अलङ्कारशास्त्रपरम्परायामाचार्यराधावल्लभत्रिपाठिनोऽवदानसमीक्षणम्	साहित्य
62.	अशोक मंडल	16-2186	पुरी	शिवराजविजयस्य पाणिनीयव्याकरणदिशा पर्यालोचनम्	साहित्य
63.	जान्हवी शुक्ला	16-2163	प्रयागराज	शास्त्रीयसंगीतपरस्य शिवगीतस्य सम्पादनमनुशीलनं च	साहित्य
64.	पूजा यादव	16-2214	भोपाल	पं . प्रेमनारायण द्विवेदिकृतस्तुतिकुसुममालायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
65.	अरुण शर्मा	16-2134	भोपाल	संस्कृतस्य विकासे आचार्याच्युतानन्ददाशस्य योगदानम्	साहित्य
66.	ऋषि कुमार	16-2204	जम्मू	शुक्लयजुर्वेदसंहितायाः आलङ्कारिकम् अध्ययनम्	साहित्य
67.	संदीप उनियाल	16-2200	लखनऊ	कविराजकृत-रसमकरन्दस्य विद्यारामकृत-रसदीर्घिकायाश्च तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य

68.	विजयकृष्णन् टी.वी.	16-2167	गुरुवायूर	शुककोकिलसन्देशयोः ऐतिहासिकमध्ययनम्	साहित्य
69.	सचिन शर्मा	16-2151	वेदव्यास	वाजसनेय-प्रातिशाख्यस्य भाषाशास्त्रीयदृष्ट्या वर्णध्वनिविचारयोः समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
70.	प्रतिज्ञा देवी	16-2160	प्रयागराज	श्रीमद्विश्वनाथसिंहजूदेवप्रणीतस्य आनन्दरघुनन्दननाटकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
71.	अनुज कुमार	16-2129	नई दिल्ली	सीतारामीयम् इति काव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
72.	श्रीकांत हाजरा	16-2262	नई दिल्ली	पश्चिमबङ्गप्रदेशस्य उच्चमाध्यमिकस्तरे साम्प्रतिककिशोराणां मूल्यसम्बद्धसमस्यायाः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
73.	अभिजीत राय	16-2170	पुरी	कालीपदतर्काचार्यकृतरूपकेषु पौराणिकप्रभावपर्यालोचनम्	साहित्य
74.	संगीता दे	16-2169	पुरी	जीवनजीमहाराजविरचित-नृसिंहविजयनाटकस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
75.	मदन लाल	16-2234	नई दिल्ली	पद्मश्रीरमाकान्तशुक्लविरचितानां ध्वनिरूपकाणां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
76.	सोनू	16-2227	वेदव्यास	संस्कृतसाहित्ये भासनाटकेषु प्रतिनायकानां चरित्रचित्रणस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	साहित्य
77.	ज्ञान प्रकाश मिश्रा	16-2235	लखनऊ	पाणिनिसूत्रेषु प्रश्लिष्टपदानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
78.	रमा नारायण शर्मा	16-2121	नई दिल्ली	मत्स्यप्रदेशस्य ऐतिहासिकं सांस्कृतिकं च दिग्दर्शनम्	साहित्य
79.	बालेश्वर कुमार तिवारी	16-2219	नई दिल्ली	यूरोपीयभाषाभ्यः संस्कृतेऽनुदितसाहित्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
80.	श्याम लाल	16-2233	रणबीर	श्रीराधाचरितमहाकाव्ये प्रेमतत्त्वसमीक्षणम्	साहित्य
81.	प्रतिति जैन	16-2223	जयपुर	ब्रह्मनेमिदत्तविरचितनेमिनाथपुराणस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्	जैनदर्शन
82.	समुन्दर सिंह	16-2242	जयपुर	महामहोपाध्यायगोकुलनाथप्रणीतमुदितमदालसानाटकस्य काव्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
83.	सचिन शंखधर	16-2218	नई दिल्ली	आधुनिकसंस्कृतसाहित्ये सप्तशतीकाव्यपरम्परायाः विकासः	साहित्य
84.	गोपेश पांडे	16-2232	देवप्रयाग	श्रीमच्छङ्कराचार्याणां प्रमुखप्रकरणग्रन्थानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्त
85.	सीताकान्ता कर	16-2226	भोपाल	मुहूर्तचिन्तामणेः वास्तु-गृहप्रवेशप्रकरणयोः पीयूषधाराटीकायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष

86.	खुकु मण्डल	16-2236	गुरुवायूर	पश्चिमबंगराज्ये उच्चमाध्यमिकस्तरे भाषाशिक्षकेषु मानवाधिकारजागरूकतायाः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
87.	अनुप्रिया	16-2211	प्रयागराज	स्वातन्त्र्योत्तरकालिकसंस्कृतप्रहसनानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
88.	अनुराधा दुबे	16-2239	लखनऊ	स्वामिहरिहरानन्दप्रणीतस्य 'रामहनुमदीय' महाकाव्यस्य भक्तिपरकं विश्लेषणम्	साहित्य
89.	चिन्मयी प्रियदर्शिनी	16-2215	पुरी	उत्कलराज्ये केन्द्रीयविद्यालयेषु सेवारतानां शिक्षकाणां मानवाधिकाराभिज्ञानस्याध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
90.	नयना जैन	16-2231	जयपुर	सकलकीर्तिप्रणीतस्य सिद्धान्तसारदीपकस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	जैनदर्शन
91.	परिसीमा रथ	16-2257	पुरी	आधुनिकसन्दर्भे योगकणिकायाः प्रायोगिकमध्ययनम्	सांख्ययोग
92.	पूजा	16-2180	नई दिल्ली	गोस्वामिबलभद्रप्रसादशास्त्रिविरचितस्य सिन्धुराजवधमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
93.	गणेश प्रसाद के.एस.	16-2244	श्रृंगेरी	अमरकोषस्थपदानां व्याख्यासुधामाश्रित्य प्रक्रियाप्रदर्शनाय आन्तर्जालिकदत्तांशनिधिनिर्माणम्	नव्यव्याकरण
94.	नरेन्द्र सिंह	16-2228	नई दिल्ली	कविवरमेधाव्रताचार्यविरचितदयानन्ददिग्विजयमाधवाचार्यविरचितशंकरदिग्विजयमहाकाव्ययोः काव्यसौन्दर्यदृष्ट्या तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
95.	मधुसूदन सती	16-2240	देवप्रयाग	उत्तराखण्डीय-समकालिक-सर्जनात्मक-संस्कृत-रचना-प्रवृत्तयः- एकं समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
96.	भावना	16-2155	वेदव्यास	वासुदेवविजयकाव्ये कृदन्ततद्धितान्तकारकप्रयोगवैशिष्ट्यपरिशीलनम्	नव्य व्याकरण
97.	नरेश शर्मा	16-2241	वेदव्यास	साञ्चाग्रन्थस्य रमलविद्यायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
98.	देवस्मित दे	16-2254	देवप्रयाग	श्रीछज्जुरामशास्त्रिप्रणीतस्य शिवकथामृतमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
99.	अवनीश कुमार पाण्डेय	16-2259	पुरी	श्रीमद्भागवते विशिष्टाद्वैतसिद्धान्तानां दार्शनिकं समीक्षणम्	अद्वैतवेदान्त

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय सबद्ध संस्थाएं

अरुणाचल प्रदेश

1. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन कल्चर स्टडीज, दाहुंग, पीओ - टेंगा मार्केट, कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश - 790116

बिहार

2. जगदीश नारायण ब्रह्मचारी आश्रम संस्कृत विद्यालय, एटी/पीओ- लगमा (राम भद्र)। पुर, वाया- लोहना रोड, जिला। दरभंगा - 847407 (बिहार)
3. देवराहा बाबा भक्तशिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय, (संस्कृत नगर), रामचन्द्रपुर, अंधैल, पो.- पटैली, वाया- उजियारपुर, जिला, समस्तीपुर - 848132
4. डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मालीघाट, मुजफ्फरपुर - 842001
5. राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पीओ कोल्हांटा पटोरी, जिला-दरभंगा - 846003 (बिहार)
6. सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला. बेगुसराय - 851101 (बिहार)
7. श्री राम सुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान, लक्ष्मीनाथ नगर, रामौली बेलोन वाया- बहेड़ा, जिला - दरभंगा -847201
8. डॉ. मंडन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय, संजात, जिला बेगुसराय, (बिहार)-851120
9. लक्ष्मी हरिकांत संस्कृत प्राथमिक साह - मध्यमिक विद्यालय, झंझारपुर, जिला-मधुबनी-847404 (बिहार)
10. दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, ग्राम- कालीधाम, पोस्ट। कथारा, जिला-दरभंगा-847423 (बिहार)
11. अजीत कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकांत नगर, पीओ लधौरा, जिला-समस्तीपुर – 848302 (बिहार)
12. जगदीश नारायण ब्रह्मचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, एटी/पीओ- लगमा, वाया लोहना रोड, जिला। दरभंगा - 847407 (बिहार)

दिल्ली

13. श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली-110015
14. वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय, वसंत विहार, नई दिल्ली-110057
15. शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, गली नंबर 1021-1024, शक्ति मंदिर, दरिया गंज, नई दिल्ली-110002
16. श्री महावीर विश्व विद्यापीठ, ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110063
17. श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय, एफ-487/3, रघुबीर नगर, नई दिल्ली-110027
18. आर्य कन्या गुरुकुल, न्यू राजेंद्र नगर, नई दिल्ली-110060
19. राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय, कराला, दिल्ली-110081

20. आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, हरेवली, दिल्ली-110039
21. बाल विद्या मंदिर, (रोहिणी के पास, सेक्टर-20), पूठ कला, दिल्ली-110041
22. कार्यकारी अधिकारी, संस्कृत प्रमोशन फाउंडेशन वेद भवनम, 11204/5, दूसरी मंजिल गौशाला मार्ग, डोरीवालान दिल्ली - 110006
23. महर्षि वेद व्यास विद्यापीठ, आनंद धाम आश्रम, बक्करवाला, मार्ग नांगलोई, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली
24. वेदव्यास-गुरुकुलम, श्री कृष्ण धाम, प्लॉट - 3, चरण -II, इंस्टीट्यूशन एरिया वसंतकुज, नई दिल्ली
25. श्री स्वामी सर्वानंद संस्कृत महाविद्यालय, श्री गुरु राम राय उदासीन अशर्मा, आरामबाग, नई दिल्ली - 110055
26. लक्ष्मी नारायण संस्कृत विद्यालय, गली नं.-5, भगवान परशुराम चौक, शिव मंदिर के पास, स्वरूप विहार, दिल्ली - 110036
27. विश्व जागृति मिशन इंटरनेशनल योग स्कूल, आनंद धाम आश्रम, बक्करवाला, मार्ग नांगलोई, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-110041

गुजरात

28. श्री रघुवर रामानन्द वेदांत महाविद्यालय, श्री कौशलेंद्र मठ, सुरखेज रोड, पीओ प्लाडी, अहमदाबाद-380007 (गुजरात)
29. हेमचंद्राचार्य संस्कृत पाठशाला, साबरमती अहमदाबाद, नीरा जैन सोसायटी के पास, रामनगर, अहमदाबाद, गुजरात - 380005

हरियाणा

30. आलोक संस्कृत महाविद्यालय, महेंद्रगढ़, (मौहल्ला) पडावा, हरियाणा–123039
31. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, डाकघर - बघोला, पलवल, जिला-फरीदाबाद- 121102 हरियाणा
32. श्री राम नंद ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय, विराट नगर, पिंजौर-134102 (हरियाणा)
33. श्री लज्जाराम संस्कृत विद्यालय, तीर्थ, पांडु पिंडारा, जिंद (हरियाणा)-126102
34. श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय, तीर्थ, पांडु पिंडारा, जिंद (हरियाणा)-126102
35. डी.के.के.एस.डी आदर्श संस्कृत कॉलेज, अंबाला कैंट (लाहौर), जगाधरी रोड अंबाला कैंट। (लाहौर), हरियाणा - 133001
36. श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय, गौशाला मार्बिट के पास, शिक्षा मार्ग, भिवानी हरियाणा
37. श्री जयराम विद्यापीठ, कुरूक्षेत्र, भर्मसरोवर, थानेसर, कुरूक्षेत्र, हरियाणा - 136118

हिमाचल प्रदेश

38. श्री अरविन्द संस्कृत महाविद्यालय, शांत शिक्षा एवं सामाजिक वेलफेयर सोसायटी, सनारली, पीओ भंथा, तहसील, करसोग, जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश

जम्मू और कश्मीर

39. श्री गुरु गंगादेवजी संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुंदरवाणी, जिला। राजौरी, (जम्मू)-185153
40. श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, चरणपादुका, पुराण दारूर, तहसील- कटरा, जिला। रियासी, जम्मू-कश्मीर - 182301

झारखंड

41. लक्ष्मी देवी श्रॉफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिशरणम कुटीर, काली रेखा, जिला-देवघर -814112 (झारखंड)।

केरल

42. भारतीय संस्कृत महाविद्यालय, पिल्थारा रोड, वाया- मंडूर, जिला। कन्नूर-670501 (केरल)
43. श्री राम कृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, रामकृष्ण मठ, पोअरुणापुरम, पल्ले, जिला कोट्टायम-686574 (केरल)
44. श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ, पीओ इड्डकोडुम, वाया- इजुकोन, जिला। किवलॉन-691505 (केरल)
45. कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पीओ बालुसेरी, जिला। कालीकट-673612 (केरल)
46. कोडुन्गल्लुर विद्यापीठ्म, पैलेस रोड, पीओ कोंडगलूर, जिला। त्रिशूर-680664 (केरल)।
47. माहेश्वरी संस्कृत कॉलेज, ग्राम एवं डाकघर कन्नूर, जिला-कोझिकोड-673619 (केरल)
48. चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन आदि शंकर निलयम, वेलियानाड एर्नाकुलम, केरल - 682313
49. विघ्नेश्वर संस्कृत महाविद्यालय, पोंगिनी, कनियमबेट्टा, पीओ वेयनाड, केरल - 670124
50. थंथरा विद्यापीठ्म, यूसी कॉलेज, पीओ अलुवा, केरल - 683102
51. शारदा गुरुकुलम, नागार्जुन चैरिटीज़, चेम्मांडा, केरलम, त्रिशूर- जिला, केरल-680711
52. वेद गुरुकुलम, करालमन्ना (पीओ), पलक्कड़ (जिला), केरल - 679506

मध्य प्रदेश

53. स्वामी संत शरण संस्कृत विद्यापीठ, श्री हनुमंत कुंज शिवपुरी छपडौर, मानपुर, जिला। उमरिया - 484665 (मध्य प्रदेश)

महाराष्ट्र

54. मुंबा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, सी/ओ भारतीय विद्या भवन, के.एम. मुंशी मार्ग, मुंबई 400 007 (महाराष्ट्र)

मणिपुर

55. मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय, संगाइपेट, रेशम उत्पादन परियोजना, इंफाल पूर्व -795 001 (मणिपुर)
56. राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पीओ नम्बोल, मणिपुर-795134

ओडिशा

57. गुरुकुल नवप्रभात वैदिक विद्यापीठ, ग्राम- नुवापाली, जिला- बरगड़ (ओडिशा)। 768036

पंजाब

58. श्री बाबा हरदित गिरि संस्कृत महाविद्यालय, श्री दसनामी अखाड़ा, सरहिंद शहर, जिला। फतेहगढ़ साहिब-140406 (पंजाब)
59. श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज, पीओ खन्ना, जिला। लुधियाना-141 401 (पंजाब)

राजस्थान

60. श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जैन नसिया रोड, सांगानेर जयपुर, राजस्थान - 302019
61. नरसी लाल पंचौली महाविद्यालय, बोलखेड़ा, कामां, जिला। - डीग (भरतपुर), राजस्थान - 321022
62. श्री अग्रदेवाचार्य शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, रेवासा, ग्राम। रैवासा थेसिल दांतारामगढ़, जिला। सीकर, राजस्थान - 332403
63. वागीश संस्कृत विद्यापीठ, वागीश कॉलोनी, सेक्टर 9 एल, गांधी नगर, हनुमानगढ़ जंक्शन, राजस्थान-335512
64. बजरंग महाविद्यालय, ग्राम + पोस्ट- लवाण, तहसील-लवाण, जिला- दौसा, राजस्थान-303004
65. श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बरूंदनी, तह - मांडलगढ़ जिला - भीलवाड़ा, राजस्थान - 311604

तेलंगाना

66. बालाजी गुरुकुलम, क्रमांक . 184 डी.नं. 8-79बी, पपीरेड्डीगुडा, केशमपेट, रंगारेड्डी, तेलंगाना-509216

उत्तर प्रदेश

67. रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इंदरपुर (शिवपुर) जिला -वाराणसी (यूपी)-221003
68. श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय, बी-22/195, द्वारकाधीश मंदिर, शंकुधारा, वाराणसी - 221010 (यूपी)
69. गिन्नी देवी मोदी संस्कृत विद्यापीठ, मोदी नगर, जिला। गाज़ियाबाद - 201204 (यूपी)
70. श्री तिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली - 248005 (यूपी)
71. रानी पद्मावती तारायोग तंत्र उच्च माध्यमिक विद्यालय, इंदरपुर (शिवपुर) वाराणसी - (यूपी)
72. श्रीमद् दयानंद कन्या गुरुकुल, चोटीपुरा, डाकघर रजबपुर, जनपद अमोरा, उत्तर प्रदेश - 244366
73. भारतीय प्राच्य विज्ञान संस्थान, ग्राम - बिरुरा, पोस्ट - कल्ली पश्चिम, जिला-लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226301
74. सावित्री दयाराम पांडे, संस्कृत मध्यमा विद्यालय, बाल शिक्षा निकेतन, हनुमान नगर, नारंगपुर, पोस्ट बेलारामपुर, तहसील, पट्टी, जिला। प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश-230135
75. संस्कृति विद्या संस्थान, गांव- कोठा, डाकघर सोहनपुर, जिला। देवरिया - 274704 उत्तर प्रदेश
76. डॉ. राम महाविद्यालय, बड़ागांव, वाराणसी, यूपी-221201
77. माता सहाय देवी स्वामी परमहंस बालकानंद योगेश्वर जी महाराज संस्कृत विद्यालय, बन्नापुर, मैथा, कानपुर, देहात यूपी - 209204
78. देवमाया द्वारिका प्रसाद ब्रह्मचारी संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम- बझा खुर्रमपुर, पोस्ट- रक्सवारा, कौशांबी, यूपी-212206
79. श्री माँ दुर्गा जगरानी देवी संस्कृत महाविद्यालय, धर्मपुर, (भीरा) खीरी, उत्तर प्रदेश-262901
80. महर्षि पाणिनि वेद वेदांग विद्यापीठ, एम/एस महर्षि पाणिनि धर्मार्थ ट्रस्ट (पंजीकृत), बी-14, सेक्टर एटा-1, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश-201310 द्वारा संचालित गुरुकुल
81. बापू महाविद्यालय, छितौनी रसड़ा, बलिया, यूपी – 221712

82. ज्ञानदा इंटर कॉलेज, ग्राम - थुलमा, पोस्ट - आसेपुर, ब्लॉक - साईबाबाद, जिला - प्रयागराज, यूपी - 221508

83. पाणिनि कन्या महाविद्यालय, बी38/77ए, तुलसीपुर, महमूरगंज, वाराणसी (यूपी) - 221010

84. मुकुलारण्यम संस्कृत महाविद्यालय, डी 57/32 सिद्धगिरि बाग, वाराणसी - 221010

85. त्रिलोकी नाथ गुरुकुल संस्कृत विद्यालय, जिला- प्रयागराज, (यूपी)। 221505

86. श्री एकरसानंद आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पंजाबी कॉलोनी, मैनपुरी, यूपी - 205001

87. वाराणसी आश्रम संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामनगर, बड़ागांव, वाराणसी, यूपी- 221204

उत्तराखंड

88. आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, सल्ट महादेव, तहसील- धुमाकोट, जिला, पौडी गढ़वाल-246279 (उत्तराखंड)

89. ज्वालपा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, शा. ज्वालपाधाम, पीओ - पाटी सेन जिला पौड़ी गढ़वाल - 246167

90. आचार्य अमलानन्द जुयाल आदर्श संस्कृत विद्यालय, किष्किंधा - बलौदी, श्रीनगर गढ़वाल (उत्तराखंड) - 246174

91. श्री भगवान दास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गुरुकुल, कांगड़ी, हरिद्वार (उत्तराखंड)

92. श्री ऋषि संस्कृत महाविद्यालय, निर्धन नीक्तन, खरखरी हरिद्वार (उत्तराखंड) 249401

93. वैदिक संस्कृत महाविद्यालय, खुब्बनपुर, भगवानपुर हरिद्वार - 247661

पश्चिम बंगाल

94. पगलानंद संस्कृत महाविद्यालय, ब्राह्मणशानसन, एट/पो- दारुआ कोंटाई, पूर्ब मेदिनीपुर, डब्ल्यूबी-721401

95. श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2, पीडब्ल्यूडी रोड, कोलकाता - 700 035 (पश्चिम बंगाल)

96. हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय, लिंगसे, दार्जिलिंग हरलोक, लिंगसे - 737133 (पश्चिम बंगाल)

97. कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम - कालियाचक, पीओ हेरिया, जिला- पुरबा मेदिनीपुर - 721430 (पश्चिम बंगाल)

98. माँ उषा मेमोरियल ओरिएंटल सेंट्रल (संस्कृत) संस्थागत एवं आगम (तंत्र) अनुसंधान केंद्र, ग्राम+पोस्ट – तेनोहारी, जिला- उत्तर दिनाजपुर – 733123 (पश्चिम बंगाल)

99. भारती चतुस्पति संस्कृत महाविद्यालय, श्री श्री गुरुकरुणा निकेतन, अमुलियापारा, नबद्वीप, नादिया - 741 302 (पश्चिम बंगाल)।

100. ठाकुर गदाधर संस्कृत महाविद्यालय, पीओ आरामबाग (कालीपुर), जिला - हुगली - 712601 (पश्चिम बंगाल)

101. कैकला संस्कृत विद्यापीठ, ग्राम एवं पी.ओ. कैकला, पीएस हरिपाल, जिला। हुगली - 712405

102. कृष्णागंज देबाबानी मंदिर, पोस्ट ऑफिस फुलुई, जिला हुगली, पश्चिम बंगाल - 712122

103. श्री भक्त बाला संस्कृत कॉलेज, वि. एवं पीओ तेलकपुर, पीएस छपरा, जिला। नादिया, पश्चिम बंगाल - 741164

104. नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कमरबारी, कलबेरिया। राजारहाट, कोलकाता - 700135

105. विवेकानन्द संस्कृत अकादमी, ग्राम -पीओ - कामारपुकुर, जिला - हुगली, पीएस- गोघाट, पश्चिम बंगाल - 712612

106. कोलफील्ड कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पांडवेश्वर, पो.ओ. पांडवेश्वर, जिला-पश्चिम वर्धमान, पश्चिम बंगाल - 713346

परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें

क्रमांक	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार कैबिनेट सचिवालय कार्मिकविभाग नईदिल्ली संख्या 6/12/71/ईट. (ई)	1. प्रथमा-मिडिलस्कूल 2. मध्यमा- हायरसेकेंडरी 3. शास्त्री- बीए, आचार्य- एमए 5. शिक्षाशास्त्री- बी.एड. 6. विद्यावारिधि पीएच.डी. 7. वाचस्पति- डी.लिट
2.	मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग संख्या 796/786/1(3)772 दिनांक 5.12.72	-वही-
3.	पंजाब सरकार सं. 472-468-11/72/2686 दिनांक जनवरी 1971	- वही -
4.	गोवा, दमन और दीव एसपीएल. ईएसटी 2065 टीटी, डी. 230, 1972	- वही -
5.	भारत सरकार, मानवसंसाधनविकास/शिक्षामंत्रालय नई दिल्ली, संख्या 17-2/85-एसयू-2 दि. 31-12-1992	शिक्षाआचार्य- एम.एड.
6.	तमिलनाडु सरकार मेनोनं 94120/11- 172-2-आरडन.लेट. नं.एलडीआईएस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी 1973	1 शिक्षाशास्त्री- बी.एड 2. प्रथमा-मिडिलस्कूल 3. मध्यमा-उच्चतरमाध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार 82/दिनांक 24.9.92 परिशिष्ट संख्या एसएसएन 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्टूबर 1972	1. उत्तरमध्यमा/ प्राकशास्त्री सेंटस्कूलप्रमाणपत्र
8.	उत्तरप्रदेश सरकार सं. 10/3/1972 नियुकी/(4) लखनऊ दिनांक 27 अगस्त 1973	1. प्रथमा- मिडलस्कूल (८वी) 2. पूर्वमध्यमा- हाईस्कूल 3. उत्तरमध्यमा- इंटर 4. शास्त्री- बी.ए. 5. आचार्यएम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड.

		7. विद्यावारिधि- पीएचडी. 8. वाचस्पति - डी.लिट.
9.	हरियाणा सरकार संख्या 278-जीशिलोहा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़ दिनांक 13.5.74 ज्ञापनसंख्या/डी4/50- 73-00(2) चांद दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिलस्कूल 2. मध्यान-उच्चतरमाध्यमिक या इंटरमीडिएट 3. शास्त्री-बीए 4. आचार्य-एमए 5. विद्यावारिधिपीएच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट. 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)
10.	गुजरात सरकार. प्रस्ताव संख्या एसएसएन 3266/72127(73)ई 78583-6 सचिवालय, गांधीनगर 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड.
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार संख्या 23-62/70/Secre/Edn-A VoL3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमामिडिल 2. मध्यमा-हायरसेकेंडरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एमए 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड 6. विद्यावारिधि-पीएचडी. 7. वाचस्पतिडी.लिट.
12.	त्रिपुरा सरकार क्रमांक एफएक्स3 (4-(2)डीई/73, अगरतला दिनांक 15.7.1972	- वही -
13.	राजस्थान सरकार पी.9(75) एसई/71/ शिक्षा 5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) संख्याएफ. 10 एवं 74 शिक्षा (समूह 4)/72 दिनांक 22 मई 1978	1. प्रथमा- मिडिल 2. मध्यमा-हायरसेकेंडरी 3. शास्त्री-बीए 4. आचार्य-एमए 5. शिक्षाशात्रीबी.फा. 6. विद्यावारिधि-पीएचडी. 7. वाचस्पति-डी.लिट.
14.	जम्मू और कश्मीर सरकार सं. एडुन-9/ई/74 रिकॉग. दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकण्डरी या पी. एस.यू. 2. शास्त्री-बी.ए 3. आचार्य-एमए 3. शिक्षाशास्त्री-बी.एड 5. विद्यावारिधि - पीएच.डी.

		6. वाचस्पति-डी.लिट.
15.	उड़ीसा सरकार 176/10/ईवदिनांक 19.8.1975 संख्या 20/32/75/828	1. शात्री-बी.ए. 2. आचार्य-बीए
16.	पश्चिम बंगाल सरकार शिक्षाविभाग अनुभाग शाखा, संख्या 441-एड्न. (5) 6 11/89 6 मई 1990 कोप्रकाशित	शिक्षाशास्त्री-बी.एड
17.	बिहार सरकार संकल्प संख्याआर/आर-2003/86 केए 4139/पटना दिनांक 25-6-1987	1. प्रथमा-मध्य 2. मध्यमा-अंडरमैनिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रेजीसहित) 3. शास्त्री (अंग्रेजी के साथ)-बी.ए. 4. आचार्यएम.ए. (अंग्रेजी के साथ आर.ए. उत्तीर्ण)

परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, बड़ौदा, पत्रसंख्या AC/11/221 दिनांक 4.9.73 द्वारा	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्रक्रमांकजनरल/रिकॉग/974 दिनांक 16.6.73 एवंदिनांक 9 अप्रैल, 1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	मध्यवर्ती बी०ए एमए
3.	विक्रमविश्वविद्यालय, उज्जैम (मप्र) पत्रक्रमांकप्रथासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त 1973।	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वासस्पति	बी०ए एमए बिस्तर। पीएच.डी. डी. लिट.
4.	आंध्र विश्वविद्यालय, पत्रसंख्या 1(6)/3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बिस्तर।
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर. सं.एफ.4-1/72(अधिनियम संख्या/आई46/एदिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी०ए
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भसंख्या GA. (04)899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वासस्पति	बी.ए. (संस्कृतमुख्य) एम.ए. (संस्कृतमुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पीएच.डी. डी. लिट.
7.	श्रीवेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, संख्यासीआई-33 017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी०ए (एमए (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजनार्थ)
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोधगया क्रमांक 4767 48 23 011/ बोधगया, दिनांक 4.12.73	मध्यमा शास्त्री आचार्य	मानव संसाधन माध्यमिक बी०ए

		शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि	एमए बिस्तर। पीएच.डी.
9.	जम्मूविश्वविद्यालय, जम्मू, संख्या FAcd/V/153/74/4195-99 दिनांक14.2.1974	मध्यमा शास्त्रीभाग 1 शास्त्रीभाग III आचार्य	प्रीयूनिवर्सिटी बी.ए. (भाग I) बी.ए. (अंतिम) संस्कृतयासाहित्या चार्यमेंएम.ए.
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय आई.डी.आई.एस. पी-बी21/83/73 दिनांक 22.2.1974	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बुंदवान. आर.सी.आई./इक्वि/141/376/74 दिनांक 24.6.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	विश्वविद्यालयप्रवेश परीक्षापाठ्यक्रम. 3 सालकीडिग्री परीक्षा, कलामें। एमए डी.फिल डी.लिट.
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुरपीएसकेवी/बोर्ड/4318/74-75 दिनांक 22.11.74	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
13.	उत्कल विश्वविद्यालय क्रमांक AC-I/RM/171/51046/25 दिनांक 17-1975	शास्त्री	बी.ए. (देखेंक्रमसंख्या 32 भी)
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूनाएल्ग/इक्वि-109/3949/दिनांक 26.4.1975	प्रकाशशास्त्री शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री	पूर्वकेडिग्री बीए (संस्कृत) एमए (संस्कृत) बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय. क्रमांकई/3013 दिनांक 15-5-1975	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र संख्याएसीएम-11/6115/ दिनांक 6.6.1975 और एसीएम/11/137/76/18904 दिनांक 7.8.76, एसीएम- II/137/81/4139 दिनांक 19-3-81 एसीएम-1/08/एफ/37/3695 दिनांक 1-408 एसीएम-1/08/एफ/37/4788 दिनांक 25-4-08	शास्त्री आचार्य प्रकाशशास्त्री शिक्षाशास्त्री	बीए, शास्त्री एमए + 2 स्तरकीपरीक्षा बिस्तर।

17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद परीक्षा/रिसोग, संख्या 32482 दिनांक 17.9.1975	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
18.	केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली, दिनांक 27-5-1988 केडी.ओ. संख्या 80628 केअनुसार सीबीएसई/COORD/SOCD/2009/6147 दिनांक 3-3-09	प्रथमा पूर्वमध्यमाद्वितीयवर्ष।उत्तरम ध्यमा/प्राकशास्त्री-द्वितीय	8 10 वीं 12 वीं
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम।संख्यासी-3/720/76-जिलात्रिवेन्द्रमदिनांक 22.3.76।लेखासी/16ऑन/77 दिनांक 3-1-81	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी०ए एमए पीएच.डी. डी.लिट.
20.	विश्वधरणक्रमांक 6-4-43 दिनांक 23.4.76	शास्त्री आचार्यहर्य विद्यावारिधि वाचर्पति	बी०ए एमए पीएच.डी. डी. लिट
21.	भारतीय विश्व विद्यालय संघEv/11(227)/76/32765 दिनांक 7.2.76 उत्तरदिल्ली	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, पत्रसंख्या 3-8/74-एचपीयू(अकादमिक) दिनांक 2.7.77, 3-27/79 दिनांक 4-7-80	शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य बिस्तर विद्यावारिधि वाचस्पति	बी०ए एमए बी०ए एमए पीएच.डी. लिट
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, पत्रसंख्या 1/रिकॉग/डी/84 दिनांक 14.11.84	शास्त्री आचार्य	एम ए संस्कृत में प्रवेश के लिए बीए पास होना आवश्यक है। एमए
24.	संबलपुर विश्वविद्यालय. पत्रसंख्या H727/एसिडदिनांक 4.5.79. 682-47Aed दिनांक 27-9-85 संबलपुर	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (एम.ए. संस्कृतमेंप्रवेशकेलिए) एमए
25.	श्रीकामेश्वरसिंहदरभंगाविश्वविद्यालय।क्रमांक 9356/74 दि. 4.10.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य	मध्यमा शास्त्री आचार्य

		शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि विद्यावाचस्पति
26.	कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़. क्रमांक Recog/K-le8/Acd/1504 दिनांक12.7.79	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
27.	गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर पत्रसंख्या Gen/Recog/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
28.	मद्रास विश्वविद्यालय, पत्रसंख्या CR-III/Recog/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए (बशर्ते पाठ्यक्रम में अंग्रेजी भी एक विषय हो)
29.	पंजाबविश्वविद्यालय, चंडीगढ़. संख्याएस-16981 दिनांक 28.11.80	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य	प्रज्ञा विशारद शास्त्री आचार्य
30.	श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्रक्रमांक 5163/84/एसजेएसवीदिनांक 10.8.84	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	प्रथमा मध्यमा उपशास्त्री शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/इलहंजाबिहार, बरहामपुर/जिला।गंजमउड़ीसापत्रक्रमांक 5131/एसीडी-ए/बीयू/84 दिनांक 16.4.84 क्रमांक 5/01/एसीडी-1 दिनांक 3-6-2005	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री	बी.ए. (पास) एमए (संस्कृत) बिस्तर।
32.	उत्कलविश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्रसंख्या AC/RM/171A/16292 दिनांक 31.3.84, AC/Recog/Gen/A 16178/86 दिनांक 29-3-84	आचार्य शिक्षाशास्त्री	एमए (संस्कृत) बिस्तर।
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मचलीतेकु, काठमांडू, नेपाल, पत्रसंख्या 372/04 दिनांक 19.9,84	प्रकाशशास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री

34.	संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के पत्रक्रमांक 6-458/4019/74-85 दिनांक 28-5-85	प्रथमा पूर्वमध्यमा प्रकाशशास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री शिक्षाआचार्य	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री शिक्षाआचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल, पत्रक्रमांक 1112/बीयू/एसीडी/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी०ए एमए बिस्तर। पीएच.डी. डी. लिट.
36.	संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, पत्रक्रमांक शाइ 1722/92 दिनांक 17.22.92	आचार्य विद्यावारिधि (पीएचडी) वाचस्पति (डी. लिट.)	आचार्य विद्यावारिधि (पीएचडी) वाचस्पति (डी. लिट.)
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्रसंख्या ACM/11/137/92/32489 दिनांक 28.12.1992	शास्त्री (अंग्रेजीविषयसहित) शास्त्री आचार्य	बीए (पास) टीडीसी (10+1+3+ योजना) बशर्तेउम्मीदवारउ त्तीर्णहो अंग्रेजीमेंपरीक्षा एकविषयकेरूपमें) शास्त्री एमए (बशर्ते अभ्यर्थीनेअंग्रेजीमेंप रीक्षाउत्तीर्णकी। (बीएमानक)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम-686002 संख्या AC.A1/3/305/86 (3) दिनांक 24-10-1986	प्राक्शास्त्रीएवंउर. मध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य	प्री-डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बिस्तर। एमए

		विद्यावारिधिऔरवाचस्पति	पीएच.डी.
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल नोटिस दिनांक 3 जनवरी 1992	शास्त्री (अंग्रेजीसहित)	बी०ए
40.	ऐमेर विश्वविद्यालय, ऐमर, नं.एफ14(193) एकेड-11/यूओए/92/34080/3506 दिनांकितअक्टूबर 1992	शिक्षाशास्त्री	बिस्तर
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर क्रमांकपरीक्षा/रूंग/ए/3667 दिनांक 1-4-78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I मेंप्रवेशकेलिए)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर संख्याई/3013 दिनांक 19-5-75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदिबी.ए. स्तरकीअंग्रेजीपरी क्षाउत्तीर्णकीहो) एम.ए. (यदिबी.ए. स्तरकीअंग्रेजीपरी क्षाउत्तीर्णकीहो)
43.	उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, संख्या 1866/1-942/11/Acad दिनांक 20-4-73 संख्या 265/1/2001/Acud दिनांक 27-1-2001	शास्त्री आचार्य विद्वासारिधि शिक्षाशास्त्री	बी०ए एमए पीएच.डी. बिस्तर।
44.	महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक, संख्या AC-III/R/81/2472 दिनांक 2-3-81	शास्त्रीऔरआचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए
45.	हरियाणा विद्यालय शिक्षाबैंड,भिवानी।क्रमांकएपीबी/10000/472/ पब/25-9-03 दिनांक 19-5-05	पूर्वमध्यमाउत्तरमध्यमा/ प्राकशास्त्री	मीट्रिक उच्चमाध्यमिक
	शिक्षानिदेशक, दिल्लीएफ-32/1/25/एड्न/22 दिनांक 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिलस्कूल उच्चतरमाध्यमिक बी०ए एमए बिस्तर। पीएच.डी. डी.लिट.
46.	शिक्षा निदेशक मणिपुर, II/3/71-SE दिनांक 30 अगस्त 1972	-करना-	-करना-

संस्कृत शिक्षण की वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदानग्राही संस्थाओं का राज्यवार विवरण

क्र.स.	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	6
2.	असम	1
3.	बिहार	8
4.	छत्तीसगढ़	30
5.	दिल्ली	5
6.	गुजरात	2
7.	हिमाचल प्रदेश	4
8.	हरियाणा	23
9.	जम्मू और कश्मीर	2
10.	कर्नाटक	6
11.	केरल	10
12.	मध्य प्रदेश	25
13.	महाराष्ट्र	7
14.	मणिपुर	2
15.	ओड़ीशा	14
16.	पंजाब	3
17.	राजस्थान	27
18.	सिक्किम	29
19.	तमिलनाडु	3
20.	तेलंगाना	1
21.	त्रिपुरा	1
22.	उत्तर प्रदेश	82
23.	उत्तराखंड	45
24.	पश्चिम बंगाल	120

प्रकाशन अनुदान हेतु स्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

वर्ष 2023-24 के लिये संस्कृत पुस्तकों के प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता के अंतर्गत लेखक/प्रकाशन की सूची

क्रमांक	आवेदक का नाम और पता	शीर्षक	जारी अनुदान राशि (रुपये में)
1.	सृष्टिलक्ष्मीकुमार शर्मा सेवानिवृत्त संस्कृत पाठक रत्नागिरी नगर २-लाइन आंध्रप्रदेश 52206 slksarma@gmail.com, 6300471113	श्रीमद्भगवद्गीता शंकर भाष्यम् शंकरानन्द दीपिका भाग-2	65200
2.	सृष्टिलक्ष्मीकुमार शर्मा सेवानिवृत्त संस्कृत पाठक रत्नागिरी नगर २-लाइन आंध्रप्रदेश 522006 slksarma@gmail.com, 6300471113	श्रीमद्भगवद्गीता शंकर भाष्यम् शंकरानन्द दीपिका विभूषितम्भाग-III	55200
3.	डॉ अवधेश प्रसाद तिवारी -सूबेदार मेजर एपी तिवारी सेवानिवृत्त, कोलाहैबतपुर, मेजरगंज उत्तरप्रदेश 229128 aptiwari1964@gmail.com, 9792493720	वैदिक परम्परा में अवतारवाद	75000
4.	सी. उपेन्द्र राव आचार्य संस्कृत एवं भारतीय अध्ययन विद्यालय नईदिल्ली दिल्ली 110067 skt.scholar@gmail.com, 9818969756	काव्यासुधा	180000
5.	हरिदत्त शर्मा. रामकिशोर झा पूर्व आचार्य एवं प्रमुख, संस्कृतविभाग। विश्वविद्यालय इलाहबाद. पूर्व-क्यूरेटर सीएसयू जी एन झा परिसर प्रयागराज CamD23 एकताविहार ऑकलैंड रोड	काव्यचन्द्रिका	160000

	प्रयागराज 211001 टू उत्तरप्रदेश 211001 krishnacomputersansthan@gmail.com, 9839167212		
6.	स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी उपाध्यक्ष विश्वगुरु दीप आश्रम, कीर्ति नगर राजस्थान 302019 jaipur@yogaindailylife.org, 9414370717	प्रकृति वैभवम्	140000
7	प्रो. विजयकुमार जैन डायरेक्टर विजय वल्लाह स्मारक जीटी करनाल रोड, दिल्ली 110036 info@blinstitute.org, 9140066105	जैन उद्धारण कोष भाग-3	200000
8.	विश्वम्भर दत्त जोशी हाउस नंबर 3 तहसील द्वाराहाट पोस्टिराह उत्तराखंड 263653 dutt.bisan600@gmail.com, 9456721178	कुमाऊंनी संस्कृत रामायणम्	175000
9.	रुतम बिस्वाल रिसर्चस्कॉलर, सेंटर ऑफ मैटेरियल साइंसेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय57, वसंतविहार, प्रयागराज - 211019, उत्तरप्रदेश, उत्तरप्रदेश 211019 biswalrutam5@gmail.com, 8317079647	Rasāyana-Śāstra(Chemestry) in Ancient Indian Scriptures	150000
10.	ऋचा बिस्वाल सहायक आचार्य57, वसंत विहार उत्तरप्रदेश उत्तरप्रदेश 211019 :richabiswal194@gmail.com, 6393724277	An Appraisal of John Donne's Poetry in the light of Indian Poeties	35000
11.	प्रो. बनमाली बिस्वाल वरिष्ठ आचार्य57, वसंतविहार उत्तरप्रदेश उत्तरप्रदेश 211019, 9450781742	देवभूमि-सौरभम्र	200000

12.	डॉ. देशबंधु सहायकाचार्य वास्तुशास्त्र विभाग कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली, दिल्ली 110016 deshastro.vastu@gmail.com, 8171196011	मंदिर निर्माण के प्रमुख वास्तुशास्त्रीय सिद्धान्त	62500
13.	डॉ. अराधिका सहायक आचार्य 126 4सी 1 उत्तरप्रदेश 211002 ara201290dhika@gmail.com, 9889677323	Uttararamaharitam Evam Shrivalmikiramiyam Mahakavya ki Tulnatmak Samikha	51000
14.	आचार्य रहस बिहारी द्विवेदी आचार्य17-615 ग्रीनसिटी जबलपुर मध्यप्रदेश 482002 madhuvratmishra@gmail.com, 9696989068	भवभावयाअभिलाष	192000
15.	सिवेश द्विवेदी संस्कृत अध्यापक17-615 ग्रीनसिटी जबलपुर सत्यमध्यप्रदेश 482002 svmishra1954@gmail.com, 7985575476	मध्यप्रदेश में प्रदीतस्वतंत्रोत्तर संस्कृत-महाकाव्य	87500

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श शोध संस्थानों का नाम एवं पूर्ण पता (राज्यवार)

राज्य का नाम	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का नाम	
तेलंगाना	1.	संस्कृत अकादमी (आदर्श शोध संस्थान) ओस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद, तेलंगाना - 500047
बिहार	2.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ, कोलहन्टा पटोरी, जिला-दरभंगा, बिहार, पिन कोड-846003.
	3.	जगदीश नारायण बह्मचर्याश्रम आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, लगमा रामभद्रपुर, वाया- लोहनारोड़, जिला-दरभंगा, बिहार – 847407.
	4.	डॉ॰ रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मालीघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार - 842001.
	5.	श्री स्वामी परांकुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हुलासगंज, जिला-गया, बिहार -804407.
	6.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्या प्रतिष्ठान (आदर्श संस्कृत महाविद्यालय), लक्ष्मीनाथनगर, रमौली-बेलौन, भाया - बहेड़ा, जिला-दरभंगा, बिहार पिन कोड – 847201.
हरियाणा	7.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बघौला, जिला-पलवल, हरियाणा पिन कोड - 121102.
	8.	श्री दीवान कृष्ण किशोर, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज, अम्बाला छावनी, हरियाणा 133001.
हिमाचल प्रदेश	9.	हिमाचल आदर्श संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जांगला, तह0-चढ़गांव, जिला-शिमला, हिमाचल प्रदेश-171214.
	10.	सनातन-धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-उना, हिमाचल प्रदेश - 174307.
झारखण्ड	11.	लक्ष्मी देवी शराफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरि:शरणम् कुटीर, कालीराखा, जिला- बी-देवघर, झारखण्ड़-814112.
कर्नाटक	12.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिरम् (आदर्श शोध संस्थान), डॉ. श्री विश्वेशतीर्थ स्वामी जी मार्ग, कट्रिगुप्पा मेन रोड, बैंगलुरू, कर्नाटक - 560070.
केरल	13.	कालिकट् आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट- बलुसेरी, जिला-कोझिकोड, केरल-673612.
	14.	चिन्मय इन्टरनेंशनल फाउण्डेशन शोध संस्थान, आदिशंकर निलयम्, आदिशंकर मार्ग, पोस्ट-वेलियनाड्, जिला-एर्नाकुलम्, केरल-682313.
महाराष्ट्र	15.	वैदिक संशोधन मण्डल, (आदर्श संस्कृत शोध संस्था), टी. एम. वी. कॉलोनी, मुकुंदनगर, गुलटेकडी, पुणे, महाराष्ट्र - 411037.
	16.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कुलापति मुंशी मार्ग, मुम्बई महाराष्ट-400007.
मणिपुर	17.	श्री राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, नम्बोल, मणिपुर, पिन कोड- 795134.
	18.	मद्रास संस्कृत कॉलेज एण्ड एस. एस. वी. पाठशाला 84, रॉयपीठ हाई रोड़, मायलापुर, चेन्नई, तमिलनाडु -600004.

तमिलनाडु	19.	श्री अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 53, सन्निधी स्ट्रीट, मदुरान्तकम्, चेन्नई, तमिलनाडु, पिन कोड-603306.
उत्तराखण्ड	20.	श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट-गुरूकुल कॉगडी, जिला-हरिद्वार, उत्तराखण्ड-249404.
उत्तर प्रदेश	21.	रानी पद्मावती तारा योगतन्त्र, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, इन्द्रपुर-शिवपुर, वाराणसी, राज्य-उत्तर प्रदेश, पिन कोड-221003.
	22.	श्री एकरसानन्द आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मैनपुरी, उत्तर प्रदेश-205001.
	23.	श्री रंगलक्ष्मी आदर्श-संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, मथुरा, उत्तर प्रदेश, पिन कोड-281121.
पश्चिम बंगाल	24.	कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम - कालियाचक, पोस्ट-हेरिया, जिला- पूर्वी मेदनीपुर, पश्चिम बंगाल – 721430.
	25.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2ए, पी.डब्लु.डी.रोड, कोलकाता, पश्चिम बगांल-700035.
राजस्थान	26.	श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बरून्दनी, तहसील - माण्डलगढ जिला - भीलवाडा, राजस्थान – 311604.

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

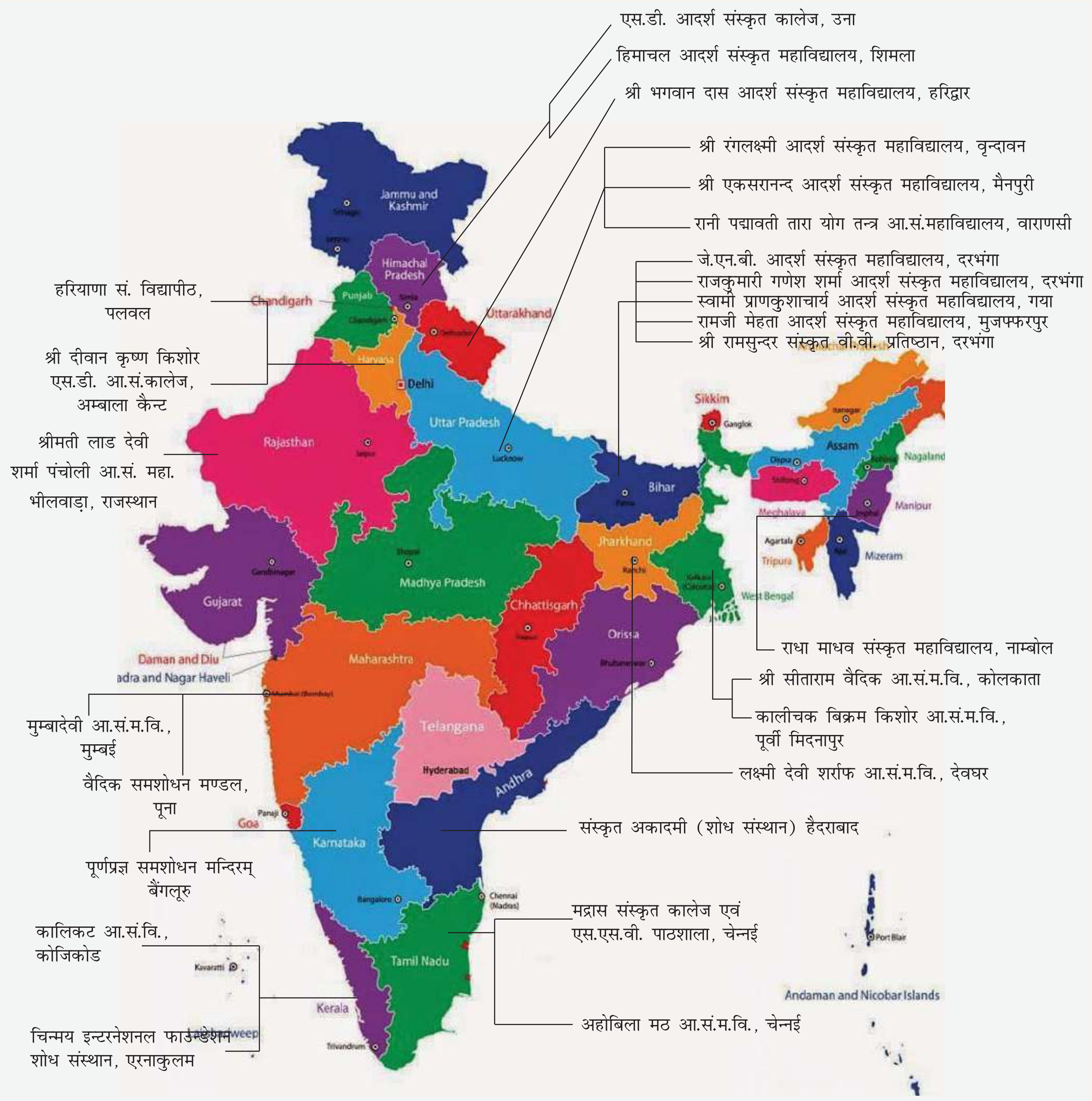

7. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
का
2023-24 का वार्षिक लेखा

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31 मार्च 2024 का वित्तीय विवरण

(राशि ₹ में)

समग्र/पूंजीगत निधि एवं देयताएँ	अनुसूची	चालू वर्ष 2023-24	पूर्व वर्ष 2022-23
समग्र/पूंजी निधि	1	-726,497,344.00	-468,226,538.00
चिन्हित/अक्षय निधि	2	86,913,923.00	78,101,601.00
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3	6,409,417,917.00	5,579,750,667.00
योग		**5,769,834,496.00**	**5,189,625,730.00**
स्थायी परिसम्पत्तियाँ	4		
मूर्त परिसम्पत्तियाँ		2,526,141,524.00	2,077,861,755.00
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य		1,195,432.00	2,390,937.00
अमूर्त परिसम्पत्तियाँ		2,472,149,891.00	2,464,633,406.00
निवेश - निर्धारित/दान निधि			
दीर्घ अवधि		-	-
लघु अवधि	5	3,039,191.00	1,808,012.00
निवेश - अन्य	6	422,025,199.00	391,817,020.00
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	7	322,606,419.00	245,120,576.00
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशि (जहाँ समाप्त या समायोजित नहीं किया गया है)	8	22,676,840.00	5,994,024.00
योग		**5,769,834,496.00**	**5,189,625,730.00**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देनदारियां एवं खाता टिप्पणियाँ	24		

स्थान - नई दिल्ली

दिनांक - 18 जून, 2024

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	वित्त अधिकारी

AA page No. 02

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31 मार्च 2024 का आय एवं व्यय लेखा

(राशि ₹ में)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
शैक्षिक प्राप्तियाँ	9	74,716,036.00	46,084,157.00
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	3,101,046,908.00	2,576,577,999.00
निवेश से आय	11	20,722,677.00	167,926.00
अर्जित ब्याज	12	7,074,025.00	3,848,363.00
अन्य आय	13	35,368,098.00	18,391,752.00
पूर्व अवधि आय	14	21,139,970.00	1,106,184.00
योग (ए)		**3,260,067,714.00**	**2,646,176,381.00**
व्यय			
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)	15	987,659,374.00	1,096,692,198.00
शैक्षिक व्यय	16	1,510,692,154.00	1,115,807,928.00
प्रशासनिक व्यय	17	257,444,706.00	193,128,356.00
यात्रा व्यय	18	4,491,125.00	4,528,832.00
मरम्मत एवं रख रखाव	19	22,947,737.00	49,974,911.00
वित्तीय लाग	20	38,689.00	203,290.00
ह्रास (अनुसूची 4 में वर्ष के अंत में शुद्ध कुल)	4	88,700,420.00	69,667,364.00
अन्य व्यय	21	69,840,577.00	24,725,967.00
पूर्व अवधि व्यय	22	-	-
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (व्यवस्था)	15A	1,120,085,352.00	509,526,019.00
योग (बी)		**4,061,900,134.00**	**3,064,254,865.00**
शेष - आय का व्यय पर आधिक्य (ए-बी)		-801,832,420.00	-418,078,484.00
निर्दिष्ट निधि में धन स्थानांतरण		-	-
भवन निधि में स्थानान्तरण		-	-
अन्य-पेंशन निधि में स्थानान्तरण		-	-
शेष बकाया अधिशेष (घाटा) को समग्र कोष पूँजी निधि में ले जाया गया		**-801,832,420.00**	**-418,078,484.00**
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	23		
खातों पर आकस्मिक दायित्व और टिप्पणियां	24		

स्थान - नई दिल्ली

दिनांक - 18 जून, 2024

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 1 – समग्र कोष/पूंजी निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
वर्ष के प्रारंभ में शेष	-468,226,538.00	-688,705,417.00
आय और व्यय खाते से हस्तांतरित शुद्ध आय का संतुलन	-801,832,420.00	-418,078,484.00
भारत सरकार के अनुदान का पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग किया गया (कैपिटल कार्य प्रगति पर)	539,932,374.00	671,100,125.00
जमा : आंतरिक निधि से खरीदी गई संपत्ति	3,020,255.00	-
घटा : संपत्ति में कमी (बिक्री)	-	-1,732,848.00
जमा : दान में पुस्तकें	348,314.00	2,306,409.00
घटा : पिछले वर्ष दिखाया गया अतिरिक्त पैंशन फंड अब वापिस किया गया	-	-33,116,323.00
घटा : पूर्व अवधि : समायोजन अब आय के रूप में लिया जाता है	260,671.00	-
वर्ष के अन्त में शेष राशि	**-726,497,344.00**	**-468,226,538.00**

AA page No. 04

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 2 – निर्दिष्ट/चिह्नित/अक्षय निधि		निधि-वार ब्रेक-अप				योग	
विवरण	स्वामी विवेकानन्द युवा निधि कोष	पूर्व छात्रों का दान	छात्र निधि (छात्रकोष)	अक्षय निधि (मुख्यालय)	अक्षय निधि (परिसर)	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
निर्दिष्ट/चिह्नित/अक्षय निधि	-	814,153	74,939,275	1,237,702	1,110,471	78,101,601	71,947,040
जमा/घटा : पिछले वर्ष गलत तरीके से ली गई राशि अब वापिस की गई	-	-	-	-	-	-	-
जमा : वर्तमान वर्ष में प्राप्त राशि	39,448	-	12,194,985	51,000	-	12,245,985	14,007,879
सावधि जमा में निवेश से आय	-		2,722,276	69,170	85,523	2,876,969	1,397,529
बचत बैंक खाते पर ब्याज	77	-	709,994	-	-	709,994	1,283,858
अन्य निवेश पर ब्याज	-	-	-	-	-	-	-
चालू वित्तीय वर्ष के दौरान सामान्य प्राप्तियाँ	-	-	30,600,319	404,226	559,949	31,564,494	25,117,459
योग (ए)	**39,525.00**	**814,153**	**121,166,849**	**1,762,098**	**1,755,943**	**125,499,043**	**113,753,765**
बी. निधियों के उद्देश्य की दिशा में उपयोग/व्यय							
निधि से किया गया सामान्य व्यय	-	814,153	2,838,686	404,226	144,949	4,202,014	5,080,974
राजस्व व्यय/वर्ष के दौरान वापसी की गई धनराशि	-	-	4,996,837	-	-	4,996,837	4,738,837
राजस्व व्यय (पूर्व वर्ष/वर्तमान वर्ष का समायोजन)	-	-	3,020,477	-	76,665	3,097,142	270,500
अन्य विविध प्राप्तियाँ/वर्तमान वर्ष के दौरान किया गया लेन-देन	-		26,270,610	-	18,517	26,289,127	25,561,853
योग (बी)		**814,153**	**37,126,610**	**404,226**	**240,131**	**38,585,120**	**35,652,164**
वर्ष के अन्त में शेष राशि (ए+बी)	**39,525.00**	**-**	**84,040,239**	**1,357,872**	**1,515,812**	**86,913,923**	**78,101,601**
उपस्थापित कर्ता :							
1. नकद	-	-	203,775	-	-	203,775	207,788
2. बैंक में शेष	39,525.00	-	40,187,299	648,646	-	40,835,945	42,076,908
3. निवेश	-	-	43,649,165	709,226	1,515,812	45,874,203	35,816,905
4. अर्जित ब्याज किन्तु देय नहीं	-	-	-	-	-	-	
योग	**39,525.00**	**-**	**84,040,239**	**1,357,872**	**1,515,812**	**86,913,923**	**78,101,601**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

निर्धारित/दान निधि का संलग्नक	निधि-वार ब्रेक-अप														योग	
विवरण	स्वामी विवेकानन्द युवा निधि कोष	पूर्व छात्र दानकोष	छात्र निधि (छात्रकोष)	जमानत राशि पुस्तकालय	जमानत राशि छात्रावास	जिंदल ट्रस्ट	दूबे अवार्ड	सोमैया ट्रस्ट	शुक्ला ट्रस्ट	आर.के. शर्मा	आर. देवनाथन	गरली	गुरुवायूर	शृंगेरी	चालू वर्ष 2023-24	पूर्व वर्ष 2022-23
निर्दिष्ट चिह्नित/अक्षय निधि		814,153.00	64,980,291.00	3,337,783.00	6,621,201.00	199,866.00	8,823.00	420,996.00	5,000.00	539,131.00	63,886.00	30,837.00	144,949.00	934,685.00	78,101,601.00	71,947,040.00
जमा/घटा : पूर्व वर्ष में ली गई रकम की वापसी						-		-	-	-	-				-	-
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त रकम	39,448.00	-	8,943,454.00	759,950.00	2,491,581.00						51,000.00			-	12,245,985.00	14,007,879.00
निधि में निवेश से आय	-	-	2,588,982.00	-	133,294.00	25,364.00	1,027.00	42,779.00	-			2,026.00	8,416.00	75,081.00	2,876,969.00	1,397,529.00
बचत खाते पर अर्जित ब्याज	77.00	-	677,993.00	32,001.00	-				-	-	-			-	709,994.00	1,283,858.00
अग्रिम/निवेश से अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-		-	-	-	-
अन्य निवेश पर अर्जित ब्याज	-	-	29,746,219.00	4,000.00	850,100.00	148,226.00	6,000.00	250,000.00					144,949.00	415,000.00	31,564,494.00	25,117,459.00
वर्ष के दौरान सामान्य प्राप्तियाँ	39,525.00	814,153.00	106,936,939.00	4,133,734.00	10,096,176.00	373,456.00	15,850.00	713,775.00	5,000.00	539,131.00	114,886.00	32,863.00	298,314.00	1,424,766.00	125,499,043.00	113,753,765.00
योग (ए)																
निधियों के उद्देश्य की दिशा में उपयोग व्यय																
निधि द्वारा बनाया सामान्य व्यय	-	814,153.00	2,295,605.00		543,081.00	148,226.00	6,000.00	250,000.00	-	-	-	-	144,949.00	-	4,202,014.00	5,080,974.00
राजस्व व्यय/वर्ष के दौरान वापसी	-	-	4,719,257.00	277,580.00	-	-		-	-	-	-		-	-	4,996,837.00	4,738,837.00
राजस्व व्यय (पूर्व/वर्तमान अवधि का समायोजन)	-	-	1,639,171.00	366,150.00	1,015,156.00	-		-		-	-		8,416.00	68,249.00	3,097,142.00	270,500.00
अन्य विविध भुगतान/वर्ष के दौरान लेन-देन			25,771,360.00	48,650.00	450,600.00				-					18,517.00	26,289,127.00	25,561,853.00
योग (बी)	-	814,153.00	34,425,393.00	692,380.00	2,008,837.00	148,226.00	6,000.00	250,000.00	-	-	-	-	153,365.00	86,766.00	38,585,120.00	35,652,164.00
वर्ष में अन्तिम शेष (ए - बी)	39,525.00	-	72,511,546.00	3,441,354.00	8,087,339.00	225,230.00	9,850.00	463,775.00	5,000.00	539,131.00	114,886.00	32,863.00	144,949.00	1,338,000.00	86,913,923.00	78,101,601.00
(सी) प्रतिनिधित्व :																
1. नकद	-	-	203,775.00		-	-	-	-		-	-				203,775.00	207,788.00
2. बैंक में शेष	39,525.00	-	40,091,825.00	95,474.00	-	77,004.00	3,850.00	213,775.00	-	289,131.00	64,886.00	-		-	40,835,945.00	42,076,908.00
3. निवेश			43,649,165.00			148,226.00	6,000.00	250,000.00	5,000.00	250,000.00	50,000.00	32,863.00	144,949.00	1,338,000.00	45,874,203.00	35,816,905.00
4. अर्जित ब्याज पर देय नहीं	-	-				-		-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग	39,525.00	-	83,944,765.00	95,474.00	-	225,230.00	9,850.00	463,775.00	5,000.00	539,131.00	114,886.00	32,863.00	144,949.00	1,338,000.00	86,913,923.00	78,101,601.00

AA page No. 06

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 3 – वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
वर्तमान देनदारियां		
भवन निधि से जमा	-	-
छात्रों द्वारा जमा	-	-
विविध लेनदार (छुट्टी वेतन एवं पी.सी.)	3,340,808.00	3,340,808.00
विविध लेनदार जी.ओ.एल. (जी.ओ.एल. को देय ब्याज)	-	-
अन्य जमा शामिल ई.एम.डी./सुरक्षा	400,091,997.00	380,716,973.00
प्रायोजित फैलोशिप/छात्रवृत्ति देनदारियां	-	-
प्रायोजित परियोजना देनदारियां	19,458,448.00	21,283,633.00
अन्य वर्तमान देनदारियां		
देय वेतन, पेंशन, देय एन.पी.एस.	99,115,376.00	80,093,392.00
प्रायोजित परियोजना के विरुद्ध प्राप्तियाँ	-	-
शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति के विरुद्ध प्राप्तियाँ	-	-
अप्रयुक्त अनुदान	67,626.00	8,611,814.00
अग्रिम अनुदान	-	-
उपार्जित देयता	-	-
योग (ए)	**522,074,255.00**	**494,046,620.00**

AA page No. 07

प्रावधान		
कराधान के लिए प्रावधान		
ग्रेच्युटी के लिए प्रावधान	279,951,370.00	286,659,788.00
सेवानिवृत्ति/पेंशन के लिए प्रावधान	5,253,916,183.00	4,467,853,419.00
संचित छुट्टियों का नकदीकरण	350,342,193.00	327,384,310.00
योग (बी)	**5,884,209,746.00**	**5,081,897,517.00**
वैधानिक दायित्व **योग (सी)**	**3,133,916.00**	**3,806,530.00**
योग (ए+बी+सी)	**6,409,417,917.00**	**5,579,750,667.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अन्य वर्तमान देनदारियां संलग्नक 31.03.2024

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
वैधानिक देयताएं				
आय कर	-	149,646,005.00	149,646,005.00	-
जी.पी.एफ.	-	46,492,293.00	46,492,293.00	-
एन.पी.एस.	87,799.00	42,235,763.00	42,235,763.00	87,799.00
जी.आई. प्रीमियम	131,882.00	426,159.00	396,948.00	161,093.00
जी.आई.एस. देनदारियाँ	234,469.00	370,488.00	370,488.00	234,469.00
परिसरों की अन्य देनदारियाँ	553,263.00	-	-	553,263.00
एल.आई.सी.	2,571.00	413,642.00	413,642.00	2,571.00
अन्य खातों को प्रेषण देय अन्य राशि	361,167.00	641,401.00	641,401.00	361,167.00
टी.डी.एस.	-	8,036,446.00	7,988,271.00	48,175.00
जी.एस.टी.	-	2,629,043.00	2,629,043.00	-
पेशेवर कर	-	1,360,440.00	1,360,440.00	-
अन्य परिसरों का स्थानांतरण/अन्य खाते/निधियाँ	1,685,379.00	26,459,966.00	26,459,966.00	1,685,379.00
मध्यप्रदेश सरकार से प्राप्त राशि	750,000.00	-	750,000.00	-
योग	**3,806,530.00**	**278,711,646.00**	**279,384,260.00**	**3,133,916.00**

ई.एम.डी. का संलग्नक/जमानती राशि 31.03.2024

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
ई.एम.डी. सहित अन्य जमा/प्रतिभूति				
बयाना जमा राशि	1,183,244.00	1,698,750.00	1,029,750.00	1,852,244.00
पेंशन फंड	30,000,000.00	-	-	30,000,000.00
विविध देनदारियां हेतु समग्र निधि	333,089,657.00	20,567,907.00	-	353,657,564.00
आकस्मिक देयताएँ (न्यायालय मुकदमा) सेवानिवृत्ति लाभ	5,416,147.00	4,871,220.00	-	10,287,367.00
प्रकाशन हेतु मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्राप्त अग्रिम राशि	11,027,925.00	4,294,822.00	11,027,925.00	4,294,822.00
अक्षय निधि	-	-	-	-
योग	**380716973.00**	**31432699.00**	**12057675.00**	**400091997.00**

संलग्नक प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति 31.03.2024

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
प्रायोजित अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति देनदारियाँ				
अनुसंधान छात्रवृत्रि जे.एन.यू.	-	-	-	-
योग	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

संलग्नक प्रायोजित परियोजना 31.03.2024

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
प्रायोजित परियोजना देनदारियां				
अष्टादशी परियोजना	14,366,033.00	3,228,200.00	6,108,915.00	11,485,318.00
मूक्स परियोजना	1,450,000.00	2,123,085.00	200,000.00	3,373,085.00
भारतीय जानकारी योजना (आई.के.एस.) एल.बी.एस.	3,700,000.00	320,000.00	665,798.00	3,354,202.00
ज्योतिष परियोजनाएँ	171,219.00	-	-	171,219.00
अन्य परिजनाएँ	1,596,381.00	118,400.00	640,157.00	1,074,624.00
योग	**21283633.00**	**5789685.00**	**7614870.00**	**19458448.00**

वर्तमान सम्पत्तिया संलग्नक - ऋण एवं अग्रिम 31.03.2024

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
कर्मचारियों को अल्पकालिक अग्रिम भुगतान				
आकस्मिक अग्रिम	1,888,400.00	27,942,493.00	27,902,493.00	**1,928,400.00**
एल.टी.सी. अग्रिम	1,183,260.00	41,337.00	-	**1,224,597.00**
टी.ए. अग्रिम	139,815.00	1,466,900.00	1,575,900.00	**30,815.00**
यात्रा वाहन अग्रिम	140,663.00	-	4,000.00	**136,663.00**
चिकित्सकीय अग्रिम	139,134.00	437,522.00	-	**576,656.00**
डाक अग्रिम	-	133,000.00	133,000.00	**-**
कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम				
कार ऋण	20,000.00	-	20,000.00	**-**
मोटरसाइकिल ऋण	-	-	-	**-**
एच.बी.ए. लोन	390,703.00	-	106,236.00	**284,467.00**
अन्य (निर्दिष्ट)	440,000.00	-	-	**440,000.00**
संगणक ऋण	154,163.00	28,637.00	167,000.00	**15,800.00**
योग	**4,496,138.00**	**30,049,889.00**	**29,908,629.00**	**4,637,398.00**

AA page No. 10

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची – 4 – स्थायी सम्पत्तियाँ (राशि ₹ में)

	ग्रास ब्लाक				वर्ष में ह्रास					नेट ब्लॉक	
परिसम्पत्तियाँ मद	प्रारंभिक शेष 01.04.2022	समायोजन	कटौती	अन्तिम शेष	प्रारंभिक शेष ह्रास	ह्रास की दर	वर्ष में ह्रास	ह्रास/ समायोजन	कुल ह्रास	वर्तमान वर्ष 2023-24	पूर्व वर्ष 2022-23
i. जमीन - पूर्ण स्वामित्व	3595156.00	226.00	-	3,595,382.00	3,080.00	0.00%		-3,080.00	-	3,595,382.00	3,592,076.00
ii. भूमि - पट्टे पर	5170175.00	-	-	5,170,175.00	2,463,677.00	0.00%	311,963.00	3,080.00	2,778,720.00	2,391,455.00	2,706,498.00
साइट का विकास	0.00	-	-	-	-	0.00%	-	-	-	-	-
भवन	2145024634.00	461,550,743.00	-	2,606,575,377.00	197,850,581.00	2.00%	52,131,508.00	-	249,982,089.00	2,356,593,288.00	1,947,174,053.00
सडक एवं पूल	4069496.00	-	-	4,069,496.00	162,780.00	2.00%	81,390.00	-	244,170.00	3,825,326.00	3,906,716.00
ट्यूबवेल एवं पानी सप्लाई	987389.00	29,571.00	-	1,016,960.00	55,792.00	2.00%	20,339.00	-	76,131.00	940,829.00	931,597.00
सीवरेज एवं ड्रेनेज	0.00	-	-	-	-	2.00%	-	-	-	-	-
बिजली संस्थापन एवं उपकरण	10515563.00	6,652,468	-	17,168,031.00	2,221,673.00	5.00%	858,402.00	-	3,080,075.00	14,087,956.00	8,293,890.00
यंत्र एवं मशीनरी	20326905.00	5,205,449	-	25,532,354.00	4,616,891.00	5.00%	1,276,618.00	-	5,893,509.00	19,638,845.00	15,710,014.00
जेनरेटर	37534461.00		-	37,534,461.00	23,751,918.00	5.00%	1,876,723.00	-	25,628,641.00	11,905,820.00	13,782,543.00
फर्नीचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स	119996704.00	15,675,060	-	135,671,764.00	71,349,637.00	7.50%	10,175,382.00	-	81,525,019.00	54,146,745.00	48,647,067.00
लकड़ी के विभाजन	0.00	-	-	-	-	7.50%	-	-	-	-	-
कार्यालय उपकरण	6250106.00	4,313,659	-	10,563,765.00	1,735,418.00	7.50%	792,282.00	-	2,527,700.00	8,036,065.00	4,514,688.00
दृश्य श्रव्य उपकरण	9123743.00	2,268,360	-	11,392,103.00	1,438,854.00	7.50%	854,408.00	-	2,293,262.00	9,098,841.00	7,684,889.00
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	35622502.00	29,030,188	-	64,652,690.00	27,709,188.00	20.00%	12,930,538.00	-	40,639,726.00	24,012,964.00	7,913,314.00
पाण्डुलिपियां	747000.00		-	747,000.00	-	0.00%	-	-	-	747,000.00	747,000.00
प्रयोगशाला उपकरण	7,917,112	5,200,000.00		13,117,112.00	1,937,452.00	8.00%	1,049,369.00	-	2,986,821.00	10,130,291.00	5,979,660.00
पुस्तकालय एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	27,636,207	3,370,888.00	-	31,007,095.00	22,089,901.00	10.00%	3,100,710.00		25,190,611.00	5,816,484.00	5,546,306.00
वाहन	5,383,472	1,090,151	-	6,473,623.00	4,652,028.00	10.00%	647,362.00	-	5,299,390.00	1,174,233.00	731,444.00
कम मूल्य सम्पत्तियां	264,999		-	264,999.00	264,999.00	100.00%	-	-	264,999.00	-	-
कुल स्थायी सम्पत्तियाँ (ए)	**2,440,165,624.00**	**72,835,794.00**	**-**	**2,974,552,387.00**	**362,303,869.00**		**86,106,994.00**	**-**	**448,410,863.00**	**2,526,141,524.00**	**2,077,861,755.00**
पूँजीगत कार्य प्रगति पर (बी)	**2,464,633,406.00**	**469,067,228.00**	**461,550,743.00**	**2,472,149,891.00**	-	0.00%	-	-	-	**2,472,149,891.00**	**2,464,633,406.00**
अमूर्त संपत्तियाँ	**प्रारंभिक शेष**	**समायोजन**	**कटौती**	**अन्तिम शेष**	**प्रारंभिक शेष ह्रास**	**ह्रास की दर**	**वर्ष में ह्रास**	**ह्रास/ समायोजन**	**कुल ह्रास/ समायोजन**	**31.03.2024**	**31.03.2023**
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	4,372,413.00	30,000.00	-	4,402,413.00	2,396,389.00	40%	1,760,965	-	4,157,354	245,058.80	1,976,024.00
ई-जरनल/पुस्तकें	713,231.00	1,367,921.00		2,081,152.00	298,318.00	40%	832,461		1,130,779	950,373.20	414,913.00
पेटेंट	717,354.00	-	-	717,354.00	717,354.00	9 years	-		717,354	-	-
अमूर्त परिसम्पत्तियाँ योग (सी)	**5,802,998.00**	**1,397,921.00**		**7,200,919.00**	**3,412,061.00**		**2,593,426.00**	**-**	**6,005,487.00**	**1,195,432.00**	**2,390,937.00**
कुल योग (ए+बी+सी)	**4,910,602,028.00**	**543,300,943.00**	**461,550,743.00**	**5,453,903,197.00**	**365,715,930.00**	**-**	**88,700,420.00**	**-**	**454,416,350.00**	**2,527,336,956.00**	**2,080,252,692.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 5 - निर्धारित निवेश/दान राशि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
अक्षय निधि पर निवेश		
जिंदल ट्रस्ट	148,226.00	148,226.00
दूबे ट्रस्ट	6,000.00	6,000.00
सोमैया ट्रस्ट	250,000.00	250,000.00
शुक्ला ट्रस्ट	5,000.00	5,000.00
आर.के. शर्मा	250,000.00	250,000.00
आर. देवनाथन	50,000.00	50,000.00
अक्षय निधि फंड	-	-
पूर्व छात्र निधि	814,153.00	-
अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	1,515,812.00	1,098,786.00
योग	**3,039,191.00**	**1,808,012.00**

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
सावधि जमा में निवेश		
अनुसूचित बैंक (सावधि जमा) छात्र फंड	43,649,165.00	34,008,893.00
अनुसूचित बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (सावधि जमा)	264,625,109.00	247,948,490.00
अनुसूचित बैंक पैंशन निधि (सावधि जमा)	30,000,000.00	30,000,000.00
अन्य बैंक एच.डी.एफ.सी. (सावधि जमा)	83,750,925.00	79,859,637.00
योग	**422,025,199.00**	**391,817,020.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 7 – वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
स्टॉक	-	-
प्रकाशन	15,528,263.00	13,334,613.00
कुल वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	**15,528,263.00**	**13,334,613.00**
विविध देनदार		
हाथ में रोकड़	-	-
हाथ में रोकड़ मु.स्वा.पी.	-	-
हाथ में रोकड़ (छात्र निधि)	-	-
कुल विविध देनदार	**-**	**-**
हाथ में रोकड़ अंतिम शेष		
हाथ में रोकड़	106,021.00	181,690.00
हाथ में रोकड़ एम.एस.पी.	-	-
हाथ में रोकड़ (छात्र निधि)	203,775.00	207,788.00
मुख्य खाते में अंतिम शेष		
अनुसूचित बैंक में बचत (मुख्य)	134,947,075.00	134,152,713.00
बचत खाता (आई.सी.आई.सी.ई.-2737)	40,229,694.00	-
बचत खाता (एस.बी.आई.-9392)	4,284,189.00	-
बचत खाता स्वामी विवेकानन्द युवा निधि कोष	39,525.00	-
बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	14,319,780.00	13,997,360.00
चालू खाता (मु.स्वा.पी.)	18,814,772.00	-
आर.बी.आई. खाता	-	-
बचत खाता एच.डी.एफ.सी. बैंक	13,614,198.00	5,281,530.00
बचत खाता (परियोजना निधि)	22,223,565.00	23,205,293.00
बचत खाता पैंशन	18,203,737.00	14,132,468.00
बचत खाता (छात्र निधि)	40,091,825.00	40,627,121.00
बैंक में कुल राशि	**307,078,156.00**	**231,785,963.00**
	322,606,419.00	**245,120,576.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ (राशि ₹ में)

अनुसूची 8 - कर्ज, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ

विवरण	चालू वर्ष 2023-24	पूर्व वर्ष 2022-23
कर्मचारियों को अल्प अवधि अग्रिम		
आकस्मिक अग्रिम	1,928,400.00	1,888,400.00
एल.टी.सी. अग्रिम	1,224,597.00	1,183,260.00
टी.ए. अग्रिम	30,815.00	139,815.00
वाहन अग्रिम	136,663.00	140,663.00
चिकित्सा हेतु अग्रिम	576,656.00	139,134.00
डाक हेतु अग्रिम	-	-
कुल अल्प अवधि अग्रिम कर्मचारियों हेतु	**3,897,131.00**	**3,491,272.00**
कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम		
कार ऋण	-	20,000.00
मोटरसाईकिल ऋण	-	-
एच.बी.ए. ऋण	284,467.00	390,703.00
अन्य (निर्दिष्ट)	440,000.00	440,000.00
संगणक ऋण	15,800.00	154,163.00
कुल ऋण एवं अग्रिम	**740,267.00**	**1,004,866.00**
मुख्यालय/परिसरों द्वारा जमा		
पूंजीगत व्यय में अग्रिम भुगतान	-	-
एन.आई.सी.एस.आई. को अग्रिम भुगतान	15,870,856.00	-
बयाना राशि	451,500.00	451,500.00
दूरभाष विभाग	189,065.00	189,065.00
पट्टा किराया/डी.ए.वी.पी.	50,000.00	50,000.00
बिजली विभाग	11,650.00	11,650.00
सुरक्षा जमा राशि (मु.स्वा.पी., एवं दीक्षांत समारोह)	670,700.00	
अन्य	13,549.00	13,549.00
कुल जमा दिया	**17,257,320.00**	**715,764.00**
योग (ए)	**21,894,718.00**	**5,211,902.00**
अर्जित आय/अन्य प्राप्तियाँ/उचंत खाते		
निवेश पर चिह्नित/अक्षय निधि	-	-
उचंत खाता (मुम्बई परिसर)	723,000.00	723,000.00
उचंत खाता नकद (मुम्बई परिसर)	59,122.00	59,122.00
अर्जित ब्याज एवं देय नहीं	-	-
(बी) कुल अर्जित ब्याज/अन्य प्राप्तियाँ/उचंत खाता	**782,122.00**	**782,122.00**
योग (ए) + (बी)	**22,676,840.00**	**5,994,024.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ (राशि ₹ में)

अनुसूची 9 – प्रशासनिक प्राप्तियाँ

विवरण	वर्तमान वर्ष (2023–24)	पूर्व वर्ष (2022–23)
छात्रों से प्राप्त शुल्क		
शैक्षणिक शुल्क		
शिक्षा शुल्क	-	-
प्रवेश शुल्क	38,018,804.00	32,696,826.00
नामांकन शुल्क	-	-
पुस्तकालय शुल्क	4,688.00	-
एन.एफ.एस.ई.	7,299,250.00	2,716,096.00
योग	**45,322,742.00**	**35,412,922.00**
परीक्षाएँ		
प्रवेश शुल्क (पी.एच.डी.)	179,000.00	1,152,554.00
वार्षिक परीक्षा शुल्क	619,150.00	4,921,862.00
अंक तालिका, प्रमाणपत्र शुल्क	100.00	-
प्रवेश परीक्षा शुल्क	15,517,578.00	1,860,503.00
योग	**16,315,828.00**	**7,934,919.00**
अन्य शुल्क		
पहचान पत्र शुल्क		
दण्ड/विविध शुल्क	33,295.00	9,856.00
ओलंपियाड	50,204.00	
योग	**83,499.00**	**9,856.00**
अन्य प्रशासनिक प्राप्तियाँ		
प्रवेश फार्म शुल्क	42,400.00	-
पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्र शुल्क	-	27,800.00
पत्रिका शुल्क	-	-
कार्यशाला एवं कार्यक्रम शुल्क	1,252,542.00	55,450.00
अयोध्या में नाट्य प्रस्तुति	98,000.00	-
छात्र कोश द्वारा पूंजी का प्रेषण	-	2,366,173.00
पत्राचार प्राप्तियाँ/लाईब्रेरी अतिदेय प्रभार	21,295.00	70,823.00
योग	**1,414,237.00**	**2,520,246.00**
मु.स्वा.पीठ प्राप्तियाँ		
मु.स्वा.पीठ शुल्क	11,579,730.00	**206,214.00**
कुल योग	**74,716,036.00**	**46,084,157.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 10 – अनुदान/सब्सिडी (स्थिर अनुदान प्राप्त)

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुदान				
	भारत सरकार	गैर एन.ई.आर. खाता वर्तमान वर्ष (2023-24)	एन.ई.आर. खाता वर्तमान वर्ष (2023-24)	गैर एन.ई.आर. खाता पूर्व वर्ष (2022-23)	एन.ई.आर. खाता पूर्व वर्ष (2022-23)
शेष लाया गया	8,611,814.00	8,611,814.00	-	621,808.00	5,418,595.00
जोड़ : वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	3,657,912,052.00	3,502,912,052.00	155,000,000.00	3,019,900,000.00	224,400,000.00
योग	**3,666,523,866.00**	**3,511,523,866.00**	**155,000,000.00**	**3,020,521,808.00**	**229,818,595.00**
घटा : यू.जी.सी. को वापसी	-25,476,958.00	-367,575.00	-25,109,383.00	1,294.00	982,548.00
शेष	**3,641,046,908.00**	**3,511,156,291.00**	**129,890,617.00**	**3,020,520,514.00**	**228,836,047.00**
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (ए)	539,932,374.00	499,932,374.00	40,000,000.00	525,352,332.00	138,814,416.00
शेष	**3,101,114,534.00**	**3,011,223,917.00**	**89,890,617.00**	**2,495,168,182.00**	**90,021,631.00**
घटा : राजस्व व्यय के उपयोग (बी)	3,101,046,908.00	3,011,156,291.00	89,890,617.00	2,486,556,368.00	90,021,631.00
शेष ले जाया गया (सी)	**67,626.00**	**67,626.00**	**-**	**8,611,814.00**	**-**

(ए) पूँजीगत व्यय व स्थायी संपत्तियों में वर्तमान वर्ष की वृद्धि के रूप में परिलक्षित।

(बी) आय व्यय खाते में आय के रूप में परिलक्षित।

(सी) (i) तुलन पत्र में चालू देयता के रूप में परिलक्षित जिसे अगले वर्ष प्रारंभिक शेष के रूप में दिखाया जाएगा।

(ii) बैंक के शेष, निवेश और परिसंपत्तियों के पक्ष में अग्रिम द्वारा प्रतिनिधित्व किया।

AA page No. 16

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 11 – निवेश से आय

(राशि ₹ में)

विवरण	निवेश निर्धारित फंड		निवेश – अन्य	
	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
निवेश पर अर्जित ब्याज				
सावधि जमा पर ब्याज				
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया अनुसूचित बैंक (सावधि जमा)			16,676,619.00	-
अनुसूचित बैंक मु.स्वा.पी. (सावधि जमा)			-	167,926.00
अन्य संस्थान एच.डी.एफ.सी. (सावधि जमा)			3,891,288.00	-
योग (ए)	**-**	**-**	**20,567,907.00**	**167,926.00**
निर्धारित/अनुदान निधि को स्थानांतरण				
सौमेया ट्रस्ट पर ब्याज	42,779.00	-		
दूबे पुरस्कार पर ब्याज	1,027.00	-		
जिदल ट्रस्ट पर ब्याज	25,364.00	-		
शुक्ला ट्रस्ट पर ब्याज	-	-		
आर.के.शर्मा पर ब्याज	-	-		
आर. देवनाथ पर ब्याज	-	-		
स्वामी विवेकानन्द युवा निधि कोष पर ब्याज	77.00			
अन्य प्रतिभूतियाँ पर अर्जित ब्याज (निर्दिष्ट)	85,523.00	-		
योग (बी)	**154,770.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
बकाया	**154,770.00**	**0.00**	**20,567,907.00**	**167,926.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 12 – अर्जित ब्याज

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
बचत खाता पर अर्जित ब्याज		
अनुसूचित बैंक पर ब्याज – बचत खाते पर	5,402,727.00	3,527,697.00
बैंक पर ब्याज – एच.डी.एफ.सी. बचत खाता	348,564.00	-
मु.स्वा.पी. बचत खाते पर अर्जित ब्याज	377,862.00	
पेंशन बचत खाते पर अर्जित ब्याज	154,914.00	
भवन खाते पर ब्याज व परियोजना खाता	564,289.00	51,033.00
ऋण एवं अग्रिम पर अर्जित ब्याज		
ऋण एवं अग्रिम पर ब्याज	-	-
घरेलू बिल्डिंग पर ब्याज	36,000.00	30,000.00
संगणक अग्रिम पर ब्याज	106,669.00	75,180.00
कार अग्रिम पर ब्याज	80,000.00	158,405.00
मोटर साइकिल पर ब्याज	3,000.00	6,048.00
योग	**7,074,025.00**	**3,848,363.00**
नोट – स्रोत पर की जाने वाली कर की कटौती		

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 13 – अन्य आय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2023–24)	पूर्व वर्ष (2022–23)
विविध आय		
जमीन एवं भवन से आय		
छात्रावास कक्ष किराया/एच.आर.ए.	1,909,350.00	1,912,140.00
लाइसेंस शुल्क	611,375.00	489,201.00
प्रेक्षागृहम् किराया/खेल मैदान/सम्मेलन कक्ष आदि	1,976,592.00	650,855.00
बिजली शुल्क वापिस	162,753.00	49,269.00
पानी शुल्क वापिस	22,989.00	7,048.00
विविध प्राप्तियाँ	1,085,211.00	2,311,013.00
अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा	-	449,949.00
राष्ट्रपति सम्मान	-	1,326,622.00
परिवहन संग्रह	193,600.00	165,400.00
अन्य आय		
परामर्श से आय	-	27,925.00
आर.टी.आई. शुल्क	150.00	1,020.00
संस्थान प्रकाशन से आय	5,171,034.00	-
आवेदन पत्र बिक्री (भर्ती)	-	-
विविध प्राप्तियाँ (निविदा पत्र बिक्री, रद्दी पेपर आदि)	582,581.00	2,611,279.00
बिक्री से लाभ/सम्पत्ति निपटान/एल.डी.सी. फार्म	157,221.00	4,122,680.00
सम्पत्ति की बिक्री	-	184,464.00
अन्य संस्थानों को छात्रवृत्ति (जे.एन.यू., एन.डी.)	-	-
अनुदान/संस्थानों से अनुदान, कल्याणकारी निकाय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन	39,448.00	-
अक्षय निधि प्राप्तियाँ	51,000.00	
अन्तर्राष्ट्रिय संगठनों से प्राप्त अनुदान	-	-
अन्य (निर्दिष्ट)	-	4,000,000.00
अवकाश वेतन एवं पी.सी. (मुख्यालय)	-	82,887.00
मुख्य खाते से पेंशन खाते में स्थानांतरित राशि	17,926,820.00	-
अन्य संस्थानों से प्राप्त राशि	5,477,974.00	-
योग	**35,368,098.00**	**18,391,752.00**

अनुसूची 14 – पूर्व अवधि आय

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
पूर्व अवधि आय		
एन.पी.एस. राशि पूर्व वित्तीय वर्ष में नहीं ले जाया गया	-	-
पूर्व वर्ष खाता में आय नहीं ले जाया गया	-	1,106,184.00
पिछले वर्षों की आय पर अर्जित ब्याज को अब वापिस किया गया	666.00	-
राशि को गलत तरीके से खर्च किया गया अब पूर्व आय को वापिस किया गया	26,000.00	-
गलत तरीके से व्यय खाते में ली गई राशि को अब उलट दिया गया है और पूर्व अवधि की आय के रूप में लिया गया है	21,113,304.00	-
योग	**21,139,970.00**	**1,106,184.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 15 – कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
राजस्व व्यय		
वेतन के लिए राजस्व व्यय		
संकाय का वेतन	717,056,138.00	709,348,638.00
गैर संकाय का वेतन	184,658,542.00	144,411,825.00
मानदेय	867,500.00	523,500.00
कर्मचारी कल्याण खर्च	-	-
सेवानिवृत्ति एवं राजस्व व्यय		
संचय पेंशन	1,035,586,146.00	448,948,998.00
ग्रेच्युटी	24,827,326.00	17,207,494.00
छुट्टी का वेतन (सेवानिवृत्ति)	59,671,880.00	43,369,527.00
छुट्टी का वेतन एवं पेंशन	-	-
पेंशन एवं पेंशन की सुविधाएं	-	164,523,304.00
नई पेंशन योजना (विश्वविद्यालय साझा करना)	69,874,026.00	59,046,976.00
राजस्व व्यय अन्य अवयवों हेतु		
बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता	4,709,959.00	6,682,913.00
चिकित्सा अदायगी	6,397,557.00	7,991,882.00
छुट्टी का नकदीकरण (10 दिन)	-	-
छुट्टी यात्रा रियायत (एल.टी.सी.)	4,095,652.00	4,163,160.00
योग	**2,107,744,726.00**	**1,606,218,217.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 15 (ए) - कर्मचारी सेवानिवृत्ति - बर्खास्तगी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय) (राशि ₹ में)

विवरण	पेंशन	ग्रेच्युटी	अर्जित छुट्टियां	योग
वर्ष में शेष 1.4.2023	**4,467,853,419.00**	**286,659,788.00**	**327,384,310.00**	**5,081,897,517.00**
जमा : जी.ओ.एल. से प्राप्त योगदान का पूंजीकृत मूल्य	-	-	-	-
योग (ए)	4,467,853,419.00	286,659,788.00	327,384,310.00	5,081,897,517.00
घटा : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान	249,523,382.00	31,535,744.00	36,713,997.00	317,773,123.00
उपलब्ध शेष राशि दिनांक 31.03.2024 सी (ए-बी)	4,218,330,037.00	255,124,044.00	290,670,313.00	4,764,124,394.00
आवश्यक प्रावधान दिनांक 31.03.2024 वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार (डी.)	5,253,916,183.00	279,951,370.00	350,342,193.00	5,884,209,746.00
ए. चालू वर्ष में किए जाने वाला प्रावधान (डी-सी)	1,035,586,146.00	24,827,326.00	59,671,880.00	1,120,085,352.00
बी. नई पेंशन योजना को योगदान	-	-	-	-
सी. सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-	-	-	-
डी. सेवानिवृत्त होने पर गृहनगर की यात्रा	-	-	-	-
ई. जमा लिंक बीमा भुगतान	-	-	-	-
योग - (ए+बी+सी+डी+ई)	1,035,586,146.00	24,827,326.00	59,671,880.00	1,120,085,352.00

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 16 – योजनाशैक्षिक व्यय (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
कनिष्ठ शोध अध्येता/अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति व्यय		
भुगतान – शोध छात्रवृत्ति	19,895,670.00	15,666,827.00
भुगतान – कनिष्ठ शोध अध्येता/वरिष्ठ शोध अध्येता	1,044,477.00	-
भुगतान – छात्रों को छात्रवृत्ति	143,214,210.00	111,072,875.00
योग	**164,154,357.00**	**126,739,702.00**
अकादमिक व्यय		
प्रयोगशाला व्यय	391,158.00	50,000.00
बौद्धिक विरासत कार्यक्रम	225,822.00	-
सेमिनार खर्च/कार्यशाला	41,448,103.00	18,686,497.00
अभ्यागत संकाय भुगतान	184,082,170.00	137,653,886.00
परीक्षा	13,658,552.00	16,892,729.00
छात्र कल्याण खर्च	275,573.00	141,215.00
प्रशिक्षण/प्रवेश खर्च	1,101,902.00	273,675.00
दीक्षांत समारोह खर्च	25,150,598.00	-
पत्रिका (प्रकाशन व्यय)	344,075.00	1,234,567.00
कुरियाकोस स्मृति कार्यक्रम	100,000.00	139,408.00
अनुसंधान खर्च	5,192,878.00	511,911.00
अन्य (निर्दिष्ट) बैठक भत्ता	206,967.00	207,115.00
अखिल भारतीय युवा महोत्सव	13,947,153.00	11,688,673.00
वार्षिक उत्सव	936,556.00	788,118.00
सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम (मेरी मिट्टी मेरा देश)	2,146,106.00	-
कम्प्यूटर शिक्षा/ई-टेक्स्ट/विभिन्न पाठ्यक्रम	1,944,623.00	15,339.00
दूरस्थ शिक्षा (मुक्त स्वाध्याय पीठ)	2,092,937.00	8,096,855.00
सी.सी. आकस्मिकता	346,264.00	231,411.00
स्थापना दिवस	167,305.00	-
ई-ग्रन्थालय/उपोद्घातग्रन्थमाला	528,590.00	328,716.00
रूपक महोत्सव	14,831,754.00	8,947,146.00
एकता दिवस/मातृ भाषा दिवस	212,162.00	-
अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	500,000.00	-
कानून पाठ्यक्रम (भारतीय विधिज्ञ परिषद)	1,124,461.00	-
संस्कृत दिवस समारोह	1,244,477.00	775,828.00

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
एन.सी.टी.ई. पंजीकरण व्यय	-	50,000.00
स्वतंत्रता दिवस समारोह	80,205.00	75,828.00
हिन्दी दिवस समारोह	269,074.00	193,864.00
संकाय विकास केन्द्र	2,166,894.00	-
ग्लोरी फेस्टिवल	400,000.00	300,000.00
पाठ्यक्रम की तैयारी व्यय	-	183,311.00
शिक्षक दिवस	26,466.00	56,962.00
अध्ययन बोर्ड व्यय	2,608,345.00	1,667,699.00
विश्व संस्कृत सम्मेलन	80,195.00	194,380.00
योग दिवस	2,477,545.00	495,940.00
आइ.क्यू.ए.सी./नैक	6,334,967.00	11,115,879.00
विस्तृत व्याख्यान	134,339.00	191,918.00
केंद्रीय मूल्यांकन कार्य	9,907,013.00	5,775,251.00
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	299,928.00	216,966.00
भारतीय विश्वविद्यालय संगठन	-	-
स्वच्छता सप्ताह व्यय	25,561.00	14,169.00
नाट्य शास्त्र व्यय	504,225.00	2,167,559.00
रजत जयंती कार्यक्रम	-	866,298.00
संस्कृत प्रशिक्षण कार्यक्रम/संकाय विकास व्यय	420,276.00	1,194,153.00
विशेष दिवस/कला कार्य व्यय	498,115.00	137,955.00
वेद यज्ञशाला/व्याख्यानमाला	428,615.00	71,000.00
उत्कर्ष महोत्सव	180,923.00	2,886,580.00
संकाय आगमन	-	100,000.00
कुलपति पुरस्कार योजना	253,000.00	450,000.00
मूक डिजटलीकरण	2,650,000.00	1,417,700.00
नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला	664,249.00	-
अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रम (छमाही)	73,381.00	939,662.00
एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आई.टी.ई.पी.)	154,405.00	-
याज्ञसेनी कार्यक्रम व्यय	835,035.00	-
प्रशिक्षण एवं पेशेवर विकास	960,000.00	-
संस्कृत ओलम्पियाड	119,605.00	-
विश्व पर्यावरण दिवस	110,440.00	-
योग	**344,862,987.00**	**237,426,163.00**

AA page No. 24

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
योजना व्यय		
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	29,450,987.00	25,802,184.00
शास्त्र चूड़ामणि	3,995,000.00	1,898,000.00
विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम	-	-
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	2,498,090.00	7,774,933.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)	-	-
संस्कृत साहित्य का प्रकाशन	539,515.00	3,166,556.00
व्यावसायिक प्रशिक्षण	1,321,500.00	294,000.00
राष्ट्रपति सम्मान	4,550,000.00	-
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (वेतन)	546,202,524.00	347,329,901.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (सामान्य)	91,710,938.00	77,968,286.00
डेक्कन कॉलेज पुणे	5,000,000.00	6,500,000.00
परम्परागत पाठशाला	215,063,967.00	180,540,966.00
उत्तर पूर्वी राज्य	-	14,900,191.00
ऐच्छिक संस्कृत संगठन/ऐच्छिक संस्कृत संगठन विश्वविद्यालय	143,750.00	156,500.00
आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	21,963,000.00	2,028,000.00
वरिष्ठ माध्यमिक (सीनीयर सेकेन्डरी) विद्यालयों को अनुदान/हाई स्कूल	2,904,000.00	504,000.00
सम्मान राशि	9,288,000.00	6,252,000.00
विशिष्ठ सेवाव्रती सम्मान	-	-
पंचांग परियोजना	-	83,226.00
पालि एवं प्राकृत	7,766,703.00	6,660,578.00
अन्य योजनाएं मुख्यालय	-	7,800,000.00
सांख्य योग/पंचाग परियोजना	451,798.00	50,000.00
ज्योतिष परियोजनाएँ	789,260.00	-
भारतीय ज्ञान प्रणाली (आई.के.एस.)	37,000,000.00	3,200,000.00
अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन	-	-
अष्टादशी परियोजना	5,523,661.00	44,266,160.00
अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता	15,512,117.00	14,466,582.00
योग	**1,001,674,810.00**	**751,642,063.00**
कुल योग	**1,510,692,154.00**	**1,115,807,928.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 17 – प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
प्रशासनिक व्यय		
आधारभूत संरचना		
बिजली एवं पावर	24,473,019.00	19,747,398.00
पानी शुल्क	2,256,092.00	1,025,750.00
सम्पत्ति कर	216,113.00	213,739.00
किराया, दर एवं टैक्स	11,356,596.00	9,025,159.00
संचार		
डाक खर्च	2,804,977.00	1,879,745.00
दूरभाष, फैक्स एवं इन्टरनेट प्रभार	2,903,609.00	3,129,104.00
अन्य		
मुद्रण एवं लेखन सामग्री	6,570,257.00	4,927,300.00
यात्रा एवं वाहन खर्च	22,094,227.00	20,498,468.00
वर्दियां	295,000.00	220,000.00
लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक	438,975.00	822,274.00
पेशेवर प्रभार	-	-
विज्ञापन एवं प्रचार	2,201,404.00	1,708,091.00
सफाई सामग्री एवं सेवाएँ	-	40,652.00
अन्य (निर्दिष्ट) आउटसोर्सिंग	81,728,131.00	54,119,744.00

AA page No. 26

भर्ती व्यय	134,000.00	-
कर्मचारी कल्याण खर्च	326,123.00	419,302.00
कानूनी खर्च	2,419,404.00	1,083,511.00
विविध व्यय	11,100,622.00	-
हाउस कीपींग	45,471,865.00	21,904,609.00
सुरक्षा सेवाएं खर्च	6,946,870.00	19,150,767.00
अतिथि गृह व्यय	262,068.00	-
संविदा कर्मचारियों का वेतन	26,333,710.00	11,925,527.00
बागवानी व्यय	3,182,161.00	173,912.00
ई-कार्यालय (एन.आई.सी.)	235,596.00	21,113,304.00
परिसर भवन का उद्घाटन	2,199,614.00	
अग्नि शमन प्रणाली (एन.ओ.सी.)	1,231,503.00	
बैठने का भत्ता	258,140.00	
आर.टी.आई.	4,630.00	
योग	**257,444,706.00**	**193,128,356.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 18 – परिवहन व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
यातायात व्यय		
ए. वाहन (संस्था के स्वामित्व में)		
रनिंग व्यय	1,321,660.00	1,086,947.00
मरम्मत एवं रखरखाव	100,251.00	220,390.00
बीमा व्यय	63,632.00	84,831.00
स्टाफ कार व्यय पैट्रोल/डीजल	-	36,500.00
बी. वाहन किराये/लीज पर लिये गये		
वाहन (टैक्सी) किराया व्यय	-	584,697.00
भारी वाहन किराया व्यय	1,893,610.00	1,557,819.00
सी. वाहन किराया व्यय (बाहरी)	1,111,972.00	957,648.00
योग	**4,491,125.00**	**4,528,832.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 19 – मरम्मत एवं रखरखाव (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
मरम्मत एवं रखरखाव व्यय		
भूमि एवं भवन	11,165,460.00	29,986,085.00
सड़क, पुल, ट्यूबवैल एवं जल आपूर्ति	74,621.00	4,588,153.00
विद्युत एवं विद्युत उपकरण	912,195.00	980,508.00
प्लांट एवं मशीनरी	1,146,683.00	868,540.00
फर्नीचर एवं फिक्सर	1,000,998.00	2,718,541.00
कार्यालय उपकरण	3,160,735.00	7,023,750.00
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	1,612,976.00	2,117,356.00
प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण	-	291,419.00
पाण्डुलिपि	-	-
दृश्य श्रव्य उपकरण	231,849.00	227,403.00
पुस्तकालय पुस्तक एवं पत्रिकाएँ	-	-
वाहन	178,957.00	-
सफाई सामग्री एवं सेवाएँ	658,486.00	437,028.00
पुस्तक जिल्द शुल्क	-	550.00
बागवानी	431,223.00	735,578.00
व्यायामशाला मरम्मत/कम मूल्य सम्पत्तियां	15,900.00	-
वार्षिक रखरखाव व्यय	1,664,750.00	-
जायदाद रखरखाव	692,904.00	-
योग	**22,947,737.00**	**49,974,911.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 20 – वित्तीय लागत

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
वित्तीय लागत		
बैंक प्रभार	38,689.00	203,290.00
अन्य (निर्दिष्ट)	-	-
योग	**38689.00**	**203290.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 21 - अन्य व्यय		
विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
अन्य विविध व्यय		
मुख्यालय को विश्वविद्यालय प्रकाशन हेतु स्थानांतरित रकम	18,886,782.00	687,672.00
अन्य (निर्दिष्ट) ब्याज मुख्यालय को दिया गया	-	592,727.00
मुख्यालय को स्थानांतरित रकम (प्रवेश शुल्क)	-	607,296.00
मुख्यालय को स्थानांतरित रकम (नई पैंशन योजना)	195,162.00	-
अन्य (विविध) मुख्यालय को स्थानांतरित रकम	-	901,861.00
अन्य परिसरों को स्थानांतरित रकम	-	4,311,726.00
परीक्षा शुल्क	1,212,750.00	1,016,416.00
भारतीय भाषा समिति	-	87,026.00
छात्र कोष में स्थानांतरित राशि	-	2,687,544.00
कौमुदी महोत्सव सहभागिता के लिए स्थानांतरित राशि	-	429,650.00
व्यय का आंशिक भुगतान आंतरिक संसाधनों से/बचत	-	750,000.00
भरती व्यय	-	3,851,500.00
विविध व्यय	-	8,081,632.00
भारतीय ज्ञान प्रणाली	236,346.00	-
पुस्तकालय पुस्तकें एवं पत्रिकाऐं	-	304,422.00
व्यायामशाला की मरम्मत/कम मूल्य सम्पत्तियां	-	416,495.00
छात्रावास किराया आंतरिक संसाधन भुगतान	476,700.00	-
मुख्य खाते से पैंशन निधि में स्थानांतरित रकम	17,926,820.00	
दूरस्थ शिक्षा (मु.स्वा.पी. व्यय)	20,805,282.00	

अन्य संस्थान से प्राप्त धनराशि पर व्यय	4,858,287.00	
एन.आई.सी.एस.आई. अग्रिम व्यय	5,242,448.00	
योग	**69,840,577.00**	**24,725,967.00**
अर्जित ब्याज आय उत्क्रमण		
निर्धारित/दान निधि	-	-
निवेश – अन्य	-	-
ऋण एवं अग्रिम	-	-
उपार्जित ब्याज देय नहीं	-	-
योग	**-**	**-**
योग	**69,840,577.00**	**24,725,967.00**

AA page No. 32

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 22 - पूर्व अवधि व्यय (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2023-24)	पूर्व वर्ष (2022-23)
पूर्व अवधि व्यय अब चुकाए गए		
स्थापना व्यय (एन.पी.एस. पूर्व वर्ष देय का भुगतान)	-	-
शैक्षिक व्यय	-	-
प्रशासनिक व्यय	-	-
परिवहन व्यय	-	-
मरम्मत एवं रखरखाव	-	-
अचल संपत्ति निर्माण व्यय	-	-
पूर्व वर्ष में अचल संपत्ति ह्रास	-	
अन्य (पट्टे की जमीन पर ह्रास)	-	-
अन्य (अमूर्त ई-बुक पर ऋणमुक्ति)	-	-
अन्य (प्रकाशन आय में सम्मिलित)	-	
योग	-	-

वित्तीय विवरणों का प्रारूप (गैर-लाभकारी संगठन)

आय और व्यय खाते का भाग बनने वाली अनुसूचियां वित्तीय वर्ष समाप्ति दिनांक: 31-03-2024

	वर्तमान वित्तीय वर्ष (2023-24)	विगत वित्तीय वर्ष (2022-23)

अनुसूची 23 - महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

1. लेखा पद्धति

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर तैयार किए जाते हैं, जब तक कि अन्यथा निर्दिष्ट न हो, और सामान्यत: लेखांकन की उपार्जन पद्धति पर आधारित होते हैं।

2. राजस्व की मान्यता

2.1. छात्रों से प्राप्त शुल्क (ट्यूशन फीस को छोड़कर), प्रवेश प्रपत्र की बिक्री, रॉयल्टी, और बचत बैंक खाते पर ब्याज नकद आधार पर दर्ज किए जाते हैं।

2.2. निवेश से आय उपार्जन आधार पर दर्ज की जाती है।

3. स्थायी संपत्तियां और मूल्यह्रास

3.1. स्थायी संपत्तियों को अधिग्रहण लागत पर दर्ज किया जाता है, जिसमें आंतरिक परिवहन, शुल्क और कर, तथा अधिग्रहण, स्थापना और कमीशनिंग से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष व्यय शामिल होते हैं।

3.2. उपहार/दान स्वरूप में प्राप्त संपत्तियां:

यदि घोषित मूल्य उपलब्ध है, तो उन्हें उसी मूल्य पर दर्ज किया जाता है। यदि घोषित मूल्य उपलब्ध नहीं है, तो संपत्ति की वर्तमान बाजार मूल्य का आकलन उसके भौतिक स्थिति के अनुसार समायोजित करके किया जाता है। इन संपत्तियों को पूंजी निधि में जमा कर संस्थान की स्थायी संपत्तियों के साथ जोड़ा जाता है। इन पर संबंधित संपत्तियों के लिए लागू दरों पर मूल्यह्रास चार्ज किया जाता है।

3.3. उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकें: इन पुस्तकों का मूल्य उनकी बिक्री मूल्य के अनुसार होता है (यदि यह पुस्तक पर मुद्रित हो)। जहां यह मुद्रित नहीं होता, मूल्य का निर्धारण आकलन के आधार पर किया जाता है।

3.4. स्थायी संपत्तियां लागत मूल्य पर, घटित मूल्यह्रास को घटाकर मूल्यांकित की जाती हैं। स्थायी संपत्तियों पर मूल्यह्रास समान रेखा पद्धति पर निम्नलिखित दरों पर प्रदान किया जाता है:

मूर्त संपत्तियां

भूमि	0%
स्थल विकास	0%

भवन	2%
सड़कें और पुल	2%
ट्यूब वेल और जल आपूर्ति	2%
सीवरेज और जल निकासी	2%
विद्युत स्थापना और उपकरण	5%
संयंत्र और मशीनरी	5%
वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8%
कार्यालय उपकरण	7.50%
ऑडियो विज़ुअल उपकरण	7.50%
कंप्यूटर और परिधीय	20%
फर्नीचर, फिटिंग्स और उपकरण	7.50%
वाहन	10%
पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएं	10%

अमूर्त संपत्तियां (ऋण परिशोधन):

ई-पत्रिकाएं	40%
कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
पेटेंट और कॉपीराइट	9 वर्ष

3.5. वित्तीय वर्ष के दौरान जोड़ी गई संपत्तियों पर पूरे वर्ष का मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

3.6. जब कोई संपत्ति पूरी तरह से मूल्यह्रासित हो जाती है, तो उसे बैलेंस शीट में ₹ 1 के अवशिष्ट मूल्य पर दर्ज किया जाता है, और उस पर आगे मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता। इसके बाद, प्रत्येक वर्ष में जोड़ी गई संपत्तियों पर संबंधित श्रेणी के लिए लागू दरों पर अलग-अलग मूल्यह्रास की गणना की जाती है।

3.7. विशिष्ट निधियों और प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से निर्मित संपत्तियां: यदि ऐसी संपत्तियों का स्वामित्व विश्वविद्यालय के पास है, तो उन्हें पूंजी निधि में क्रेडिट कर विश्वविद्यालय की स्थायी संपत्तियों के साथ जोड़ा जाता है। संबंधित संपत्तियों पर लागू दरों के अनुसार मूल्यह्रास लागू किया जाता है। प्रायोजित परियोजना निधियों से निर्मित संपत्तियां, जिनका स्वामित्व प्रायोजकों के पास रहता है लेकिन उपयोग के लिए विश्वविद्यालय के पास रहती हैं, उन्हें लेखा विवरण में अलग से प्रदर्शित किया जाता है।

3.8. पट्टे की भूमि की अवधि के अनुसार क्रमिक रूप से ऋण-परिशोधन किया जाता है।

4. **अमूर्त संपत्तियां** पेटेंट और कॉपीराइट, ई-पत्रिकाएं, और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त संपत्तियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

5. स्टॉक :

कार्यालय और कंप्यूटर स्टेशनरी स्टॉक की खरीद पर होने वाला व्यय राजस्व व्यय के रूप में दर्ज किया जाता है। हालांकि, संस्कृत के प्रचार और विकास के लिए एक अग्रणी/नोडल संस्था होने के कारण विश्वविद्यालय के प्रकाशनों/पुस्तकों के स्टॉक को स्थायी संपत्तियों के रूप में माना जाता है। (अनुसूची-4 देखें)।

6. सेवानिवृत्ति लाभ :

6.1. सेवानिवृत्ति लाभ, जैसे पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण, और भविष्य निधि, भारत सरकार के नियमों के अनुसार प्रबंधित किए जाते हैं। ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण, और पेंशन के लिए प्रावधान, एक अंकीय मूल्यांकनकर्ता द्वारा गणना किए जाते हैं।

6.2. भारत सरकार के आदेश दिनांक 19.07.2017 के अनुसार, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को ₹ 1000 प्रति माह का निश्चित चिकित्सा भत्ता दिया जाता है।

6.3. विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के भविष्य निधि के लिए अलग खाते बनाए जाते हैं, जिनमें रसीद और भुगतान, आय और व्यय, और बैलेंस शीट तैयार की जाती है और इन्हें इन खातों के साथ संलग्न किया जाता है।

6.4. पेंशन के लिए भी एक विशिष्ट निधि बनाई गई है। इसमें सरकार से प्राप्त अनुदान और व्यय को अनुसूची-2 में दर्ज किया गया है।

6.5. 344 कर्मचारी नए पेंशन योजना के अंतर्गत कवर किए गए हैं।

7. निवेश :

निवेश बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में है। इसमें कोई मूल्य हानि नहीं है।

8. विशिष्ट/दान निधियां :

8.1. विश्वविद्यालय के पास एक विशिष्ट निधि पेंशन के लिए और पाँच दान निधियां हैं जिंदल ट्रस्ट, दुबे पुरस्कार, सोमैया ट्रस्ट, शुक्ला ट्रस्ट, आर.के. शर्मा ट्रस्ट इन सभी समर्पित निधियों को अनुसूची-2 में दर्शाया गया है।

8.2. इन विशिष्ट निधियों पर होने वाला व्यय केवल इन्हीं निधियों से घटाया जाता है और इसे आय और व्यय खाते में शामिल नहीं किया जाता।

9. सरकारी/यूजीसी अनुदान :

9.1. विश्वविद्यालय यूजीसी से प्राप्त अनुदान पर आधारित है, जिसे प्राप्ति के आधार पर दर्ज किया जाता है। हालांकि, यदि वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान की स्वीकृति 31 मार्च से पहले प्राप्त हो जाती है, तब अनुदान वास्तविक रूप से अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होता है, तो इसे उपार्जन आधार पर दर्ज किया जाता है, और समान राशि को अनुदान दाता से प्राप्त करने योग्य दिखाया जाता है।

9.2. स्थायी संपत्तियों पर उपयोग किया गया अनुदान पूंजीगत व्यय के रूप में दिखाया जाता है, और शेष राशि को राजस्व व्यय के रूप में दर्ज किया जाता है। (अनुसूची-10 देखें)।

9.3. अप्रयुक्त अनुदान को अव्ययित राशि के रूप में आगे बढ़ाया जाता है और इसे बैलेंस शीट में एक दायित्व के रूप में दिखाया जाता है। (अनुसूची-3 देखें)।

10. विशिष्ट निधियों का निवेश और अर्जित ब्याज :

10.1. इन विशिष्ट निधियों का निवेश बैंकों में फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में किया जाता है।

10.2. इन निवेशों पर प्राप्त ब्याज, अर्जित और देय ब्याज और अर्जित लेकिन अदेय ब्याज को संबंधित निधियों में जोड़ा जाता है। इसे विश्वविद्यालय की आय के रूप में नहीं माना जाता। (अनुसूची-2 देखें)।

11. प्रायोजित परियोजनाएं :

विश्वविद्यालय के पास यूजीसी द्वारा वित्तपोषित यूजीसी-एसआरएफ/जेआरएफ परियोजना है, जो वरिष्ठ/कनिष्ठ अनुसंधान अध्येताओं के लिए है।

12. आयकर :

12.1. विश्वविद्यालय एक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय है और सरकार से पूर्ण रूप से वित्त पोषित है। आयकर अधिनियम की धारा 10(23ब) के तहत विश्वविद्यालय की आय आयकर से मुक्त है। इसलिए, खातों में आयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है। बैंक द्वारा सावधि जमा पर कोई टीडीएस नहीं काटा गया है।

13. पेंशन निधि :

इस वर्ष, विश्वविद्यालय ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में एक पेंशन निधि बनाई है। यह पेंशनधारकों को पेंशन के वितरण के लिए केंद्रीकृत पेंशन प्रसंस्करण केंद्र के माध्यम से संचालित की जाती है।

वित्तीय विवरणों का प्रारूप (गैर-लाभकारी संगठन)
आय और व्यय खाते का भाग बनने वाली अनुसूचियां
वित्तीय वर्ष समाप्ति दिनांक: 31-03-2024

अनुसूची 24: आकस्मिक देनदारियां और लेखा विवरण

1. **आकस्मिक देनदारियां**

   न्यायालय मुकदमा: वर्तमान वर्ष: ₹ 35,00,000/- पिछले वर्ष: ₹ 35,00,000/-

2. **पूंजी प्रतिबद्धताएं :**

   पूंजी खाते पर लंबित अनुबंधों का मूल्य, जिन्हें निष्पादित किया जाना बाकी है, 31.03.2024 तक ₹ 115.30 करोड़ है।

3. **स्थायी संपत्तियां :**

   3.1. वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान स्थायी संपत्तियों में अनुसूची-4 के अनुसार ₹ 53,99,32,374/- की वृद्धि की गई है, जिसमें अमूर्त संपत्तियां भी शामिल हैं।

   3.2. ₹ 3,48,314/- का दान स्वरूप प्राप्त राशि को लेखा में शामिल किया गया है।

4. **विदेशी मुद्रा में व्यय :**

   क. राष्ट्रपति पुरस्कार : शून्य

   ख. विश्व संस्कृत सम्मेलन इसमें विदेशी यात्रा भी शामिल है : शून्य

5. वार्षिक खातों की स्वीकृति विश्वविद्यालय के 2023-24 के वार्षिक खातों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा 19.06.2024 को स्वीकृत किया गया।
6. पिछले वर्ष के आंकड़े आवश्यकतानुसार पुनर्गठित किये गये हैं।
7. आंकड़ों को पूर्णांक में दिखाना अंतिम खातों में आंकड़ों को निकटतम रुपये तक पूर्णांकित किया गया है।
8. अनुसूची 1 से 24 : ये अनुसूचियां 31 मार्च 2024 तक की बैलेंस शीट और उस तिथि को समाप्त वर्ष के आय और व्यय खाते का अभिन्न अंग हैं।
9. भविष्य निधि और नई पेंशन योजना के खाते भविष्य निधि और नई पेंशन योजना खाते उनके सदस्यों के स्वामित्व में हैं, न कि विश्वविद्यालय के, इसलिए इन खातों को विश्वविद्यालय के खातों से अलग रखा गया है। इन निधियों के लिए एक रसीद और भुगतान खाता, आय और व्यय खाता, और बैलेंस शीट विश्वविद्यालय के खातों के साथ संलग्न की गई है।

AA page No. 38

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2023-24 का समेकित प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

वर्ष 2023-24 का प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

(राशि ₹ में)

क्र.सं.	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
					व्यय		
1	**पूर्व बकाया**			1	**स्थापना व्यय**		
a)	**नकदी शेष**			a)	i. वेतन के लिए राजस्व व्यय		
i	हाथ में रोकड़	181,690.00	101,391.00		ii. सेवानिवृत्त लाभ के लिए राजस्व व्यय	826,886,180.00	792,291,034.00
ii	हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	-	44,177.00		iii. अन्य अवयवों के लिए राजस्व व्यय	380,232,726.00	319,146,127.00
iii	नकदी शेष (छात्र निधि)	207,788.00	198,714.00			17,125,035.00	21,404,129.00
b)	**बैंक में शेष**		-		शैक्षिक व्यय		-
	i. बचत खाता	134,152,713.00	132,385,069.00	b)	प्रशासनिक व्यय	383,598,114.00	252,095,756.00
	ii. बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	13,997,360.00	13,372,056.00	c)	यातायात व्यय	257,444,706.00	205,061,488.00
	iii. कनिष्ठ अध्येतावृत्ति (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग)	-	-	d)	मरम्मत एवं देखभाल	4,491,125.00	4,528,832.00
	iv. चालू खाता	-	-	e)	यू.जी.सी. योजना फंड व्यय	22,947,737.00	50,695,828.00
	v. बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	5,281,530.00	21,253,457.00	f)	अन्य विविध व्यय	7,614,870.00	1,131,264.00
	vi. बचत खाता (परियोजना निधि)	23,205,293.00	500,000.00	g)		3,077,895.00	60,682,235.00
	vii. बचत खाता (पेंशन)	14,132,468.00					
	viii. बचत खाता (भवन निधि)	-	-	h)	वित्तीय लागत (बैंक प्रभार)	38,689.00	203,290.00
	ix. बचत खाता (छात्र निधि)	40,627,121.00	40,381,059.00				-
2	**अनुदान प्राप्त**		-	2	**निर्धारित भुगतान/दान निधि**	76,665.00	52,412.00
a)	i. भारत सरकार से प्राप्त - राजस्व	2,451,425,693.00	2,494,500,000.00				-
	ii. भारत सरकार से प्राप्त - उत्तर पूर्वी राज्य	63,105,490.00	85,600,000.00	3	**परिसरों को अनुदान**	-	1,843,878,153.00
	iii. भारत सरकार से प्राप्त - पूंजी	37,934,291.00	664,200,000.00				-
	iv. पूंजीगत मद के लिए अनुदान आर.बी.आई. को लौटाया (गैर उत्तर पूर्वी राज्य)	(367,575.00)	(1,294.00)				-
	v. राजस्व मद के लिए अनुदान आर.बी.आई. को लौटाया गया (उत्तर पूर्वी राज्य)	(25,109,383.00)	(982,548.00)				-
b)	(C) परियोजना खाता	-	22,414,897.00	4	**प्रायोजित परियोजना भुगतान/योजना**	1,001,674,810.00	751,642,063.00
c)	परिसर अनुदान	1,104,034,526.00	1,843,878,153.00				-
d)	भारत के अन्य स्रोत से प्राप्त	1,412,052.00	-	5	**कनिष्ठ अध्यता शोधछात्रवृत्ति**	164,154,357.00	126,739,702.00
							-
3	**शैक्षणिक प्राप्तियाँ**		-	6	**निर्धारित बैंक में अवधि जमा**	340,358,199.00	224,279,024.00
a)	शैक्षिक प्राप्तियाँ	61,671,865.00	43,357,697.00		मु.स्वा.पी./छात्र निधि/ चिह्नित अक्षय निधि सावधि जमा निधि	44,595,366.00	43,649,556.00
b)	अन्य विविध प्राप्तियाँ	1,414,237.00	154,073.00	7	**एच.डी.एफ.सी. सावधि जमा निधि**	87,578,358.00	107,637,529.00
c)	विविध प्राप्तियाँ	6,012,074.00	7,051,847.00		अनुसूचित बैंक पेंशन निधि (सावधि जमा)	-	30,000,000.00
d)	एच.डी.एफ.सी. प्राप्तियाँ	-	-		पूर्व छात्र निधि (सावधि जमा)	814,153.00	-
e)	मुक्त स्वाध्याय पीठ प्राप्तियाँ	11,579,730.00	206,214.00				-
4	**निर्धारित प्राप्तियाँ चिह्नित/अक्षय निधि**		-				-
a)	अक्षय निधि पुरस्कार	-	705,000.00	8	**पूर्व में किए गए व्यय**	-	-
5	**प्रायोजित परियोजनाओं की प्रतिभूति प्राप्तियाँ/योजनाएँ**		-				-
a)	प्रायोजित परियोजना/मुख्यालय की परियोजना	3,228,200.00	-	9	**अन्य संस्थाओं को प्राप्त निधि के विरूद्ध व्यय**	4,858,287.00	0.00
b)	प्रायोजित परियोजना/यू.जी.सी./अन्य की परियोजना	2,123,085.00	4,000,000.00				-
c)	ज.एन.यू. छात्रवृत्ति योजना से प्राप्तियाँ	320,000.00	130,000.00				-
d)	अन्य परियोजना (वैदिक, विस्तृत व्याख्यान)	118,400.00	-				
e)	अन्य परिसरों का प्रेषण/मुख्यालय		18,610,317.00				

(राशि ₹ में)

	वर्ष 2023-24 का प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता						
क्र.सं.	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
6	**प्रायोजित प्रतिभूति फेलोशिप/छात्रवृत्ति**			**10**	**अचल संपत्तियों और प्रगति पर पूंजीगत कार्य पर व्यय**		-
a)	कनिष्ठ शोध अध्येता/वरिष्ठ शोध अध्येता छात्रवृत्ति	-	30,000,000.00	a)	स्थायी संपत्तियाँ	80,588,136.00	54,296,947.00
b)	(इ.) अन्य संस्थाओं से निधि की प्राप्ति	5,477,974.00		b)	पूंजीगत कार्य प्रगति पर	462,364,493.00	613,908,859.00
7	**निवेश से प्राप्तियाँ**						-
a)	चिह्नित/अक्षय निधि	964,175.00	174,197.00	**11**	**वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान**	348,931,691.00	368,069,786.00
b)	अन्य निवेश	323,681,580.00	194,212,449.00				-
c)	समग्र फंड सावधि जमा रसीद	83,687,070.00	102,012,346.00	**12**	**छात्र फंड भुगतान व्यय**	37,126,610.00	35,613,497.00
d)	छात्र फंड सावधि जमा	33,988,893.00	38,453,035.00				-
e)	मु.स्वा.पी. सावधि जमा	-	-				
8	**ब्याज प्राप्त**			**13**	**अग्रिम एवं जमा**	31,707,347.00	24,281,025.00
a)	बैंक में जमा	20,567,907.00	14,213,800.00				-
b)	ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी)	225,669.00	269,633.00	**14**	**अन्तिम शेष एवं बैंक में शेष**		-
c)	बैंक बचत खाता	6,848,356.00	4,360,343.00		हाथ में रोकड़	106,021.00	181,690.00
d)	अक्षय निधि पर ब्याज	154,770.00	21,476.00		हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	-	-
9	**असाधारण आय भुनाया गया**				हाथ में शेष (छात्र फंड)	203,775.00	207,788.00
a)	असाधारण आय (मुम्बई परिसर में गबन)	-			**बैंक में शेष**	-	-
b)	कैपिटल कार्य प्रक्रिया में राशि वापसी			a)	बचत अनुसूचित बैंक (मुख्य)	134,947,075.00	134152713.00
				b)	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	33,134,552.00	13,997,360.00
10	**अन्य आय**	10296256.00	32850220.00	c)	बचत खाता (आई.सी.आई.सी.आई. 2737)	40,229,694.00	-
11	पूर्व अवधि आय सहित	26,666.00	1,106,184.00	d)	बचत खाता (एस.बी.आई. 9392)	4,284,189.00	-
12	छात्र निधि प्राप्तियाँ	46,227,574.00	40,279,842.00	d)	बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	13,614,198.00	5,281,530.00
13	जमा एवं अग्रिम	19,625,570.00	5,326,131.00	d)	बचत खाता (परियोजना फंड)	22,223,565.00	23,205,293.00
14	अग्रिम धन की वापसी/वसूली	29,896,129.00	23,850,406.00	g)	बचत खाता (पैंशन)	18,203,737.00	14,132,468.00
15	वैधानिक प्राप्तियों सहित वापसी योग्य प्राप्तियाँ (प्रेषित रकम)	283,006,468.00	283,884,158.00	h)	बचत खाता (छात्र फंड प्रतिभूति)	40,091,825.00	40,627,121.00
			-	i)	बचत खाता स्वामी विवेकानंद युवा निधि कोष	39,525.00	
	योग	**4,815,363,705.00**	**6,163,074,499.00**		**योग**	**4,815,363,705.00**	**6,163,074,499.00**

स्थान – नई दिल्ली

दिनांक – 18 जून, 2024

-

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	**उप निदेशक (वित्त)**	**वित्त अधिकारी**

AA page No. 40

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2023-24 के लिए प्राप्तियाँ और भुगतान की समेकित अनुसूची

(राशि ₹ में)

प्राप्तियाँ

विवरण	समेकित राशि चालू वर्ष 2023-24	मुख्यालय चालू वर्ष 2023-24	प्रयागराज चालू वर्ष 2023-24	पुरी चालू वर्ष 2023-24	जम्मू चालू वर्ष 2023-24	गुरुवायूर चालू वर्ष 2023-24	जयपुर चालू वर्ष 2023-24	लखनऊ चालू वर्ष 2023-24	शृंगेरी चालू वर्ष 2023-24	वेद व्यास चालू वर्ष 2023-24	भोपाल चालू वर्ष 2023-24	मुम्बई चालू वर्ष 2023-24	एकलव्य चालू वर्ष 2023-24	देवप्रयाग चालू वर्ष 2023-24
(ए) नकद एवं बैंक में शेष														
हाथ में रोकड	181,690		86,124		-		58,869	15,107	9,064	-		12,526		
हाथ में रोकड (मु.स्वा.पी.)	-	-	-		-	-	-		-	-			-	-
हाथ में रोकड (छात्र निधि)	207,788			2,206		-	15,467	34,990	671		146,089	4,021	4,344	
बैंक में शेष	-													
बचत खाता (मुख्य खाता)	134,152,713	112,011,969	1,041,635	1,141,472	2,221,399	3,317,458	3,482,312	3,469,294	3,011,830	936,398	1,361,818	734,514	341,520	1,081,094
बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	13,997,360	13,997,360	-		-	-	-	-	-	-		-	-	-
जे.आर. शोधछात्रवृत्ति (यू.जी.सी.)	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चालू खाता	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	5,281,530	5,281,530	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बचत खाता (परियोजना निधि)	23,205,293	8,927,388	600,000	500,829	1,389,719	625,000	1,300,000	1,282,747	1,602,000	1,275,000	3,171,190		950,288	1,581,132
बचत खाता (पैंशन)	14,132,468	14,132,468												
बचत खाता (भवन निधि)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-
बचत खाता (छात्र निधि)	40,627,121	-	-	470,631	4,258,083	322,039	7,114,745	5,642,394	647,005	4,861,551	12,993,741	1,368,523	1,604,786	1,343,623
बचत खाता (छात्र एवं सुरक्षा)	-		-											
योग (ए)	**231,785,963**	**154,350,715**	**1,727,759**	**2,115,138**	**7,869,201**	**4,264,497**	**11,971,393**	**10,444,532**	**5,270,570**	**7,072,949**	**17,672,838**	**2,119,584**	**2,900,938**	**4,005,849**
(बी) रिजर्व बैंक द्वारा वि.अ.आयोग मुख्यालय खाता														
सरकारी अनुदान राजस्व व्यय पर	2,451,425,693	2,451,425,693	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सरकारी अनुदान राजस्व व्यय पर (पूर्वोत्तर राज्य)	63,105,490	63,105,490	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सरकारी अनुदान पूंजीगत व्यय पर	37,934,291	37,934,291	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सरकारी अनुदान पूंजीगत व्यय पर (पूर्वोत्तर राज्य)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सरकारी अनुदान व्यय कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध अध्येता	1,412,052	1,412,052												
पूंजीगत मद के लिए अनुदान आरबीआई को लौटाया गया (गैर पूर्वोत्तर राज्य)	(367,575)	(367,575)												
राजस्व मद के लिए अनुदान आरबीआई को लौटाया गया (पूर्वोत्तर राज्य)	(25,109,383)	(25,109,383)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (बी)	**2,528,400,568**	**2,528,400,568**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(सी) परियोजना खाता														
अष्टादशी परियोजना	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मूक डिजिटलाईजेशन	-		-		-		-		-		-		-	
भारतीय ज्ञान परियोजना (आईकेएस)	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
परियोजना योजना (एन.जी.ओ.)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ज्योतिष परियोजनाएं	-		-		-			-						
अन्य	-	-	-		-			-	-	-	-			
योग (सी)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(डी) परिसरों को प्राप्त अनुदान														
राजस्व व्यय के लिए अनुदान	601,968,817	-	25,197,201	78,947,701	55,462,036	39,728,374	81,215,599	61,182,026	60,039,375	41,830,393	59,848,579	15,384,816	51,894,510	31,238,207
राजस्व व्यय के लिए अनुदान	-	-												-
पूंजीगत व्यय के लिए अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पूंजीगत व्यय के लिए अनुदान	502,065,709	-	3,680,509	289,836,998	2,380,942	21,442,236	9,117,681	3,706,035	18,059,020	101,258,999	8,493,392	290,999	40,000,000	3,798,898
कार्यक्रम आयोजन के लिए अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं राज्य सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय के लिए अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (डी)	**1,104,034,526**	**-**	**28,877,710**	**368,784,699**	**57,842,978**	**61,170,610**	**90,333,280**	**64,888,061**	**78,098,395**	**143,089,392**	**68,341,971**	**15,675,815**	**91,894,510**	**35,037,105**
(ई) अन्य संस्थानों से प्राप्त निधि														
सरल मानक संस्कृत कार्यशाला (एल.बी.एस.)	2,027,740				400,000	445,000	600,000			240,000			342,740	
भारतीय भाषा समिति (एल.बी.एस.)	450,426	360,000							90,426					
आई.सी.पी.आर.	230,000		70,000				60,000				100,000			
जे.एन.यू.	-										-			
इग्नू/आई.के.एस.	2,601,808	-	-	-	594,043	-	-	-	-	-	2,007,765	-	-	-
प्रायोजित परिजना/पी.एम.के.वी.वाइ.	168,000	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	168,000
योग (ई)	**5,477,974**	**360,000**	**70,000**	**-**	**994,043**	**445,000**	**660,000**	**-**	**90,426**	**240,000**	**2,107,765**	**-**	**342,740**	**168,000**
(एफ) अक्षय निधि प्राप्तियाँ														
अक्षय निधि प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-	-
निर्धारित पुरस्कार हेतु प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एफ)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(जी) मुख्यालय/जे.एन.यू./यू.जी.सी. से प्राप्त अन्य अनुदान निधि														
प्रायोजित परियोजनाएँ/मुख्यालय से अष्टादशीयोजना	3,228,200	150,000	600,000	-	-	-	703,200	-	575,000	-	-	-	300,000	900,000
मूक परियोजना	2,123,085	-	-	-	373,085	-	-	300,000	1,150,000	-	300,000	-	-	-

AA page No. 41

प्राप्तियाँ

(राशि ₹ में)

विवरण	समेकित राशि चालू वर्ष 2023-24	मुख्यालय चालू वर्ष 2023-24	प्रयागराज चालू वर्ष 2023-24	पुरी चालू वर्ष 2023-24	जम्मू चालू वर्ष 2023-24	गुरुवायूर चालू वर्ष 2023-24	जयपुर चालू वर्ष 2023-24	लखनऊ चालू वर्ष 2023-24	शृंगेरी चालू वर्ष 2023-24	वेद व्यास चालू वर्ष 2023-24	भोपाल चालू वर्ष 2023-24	मुम्बई चालू वर्ष 2023-24	एकलव्य चालू वर्ष 2023-24	देवप्रयाग चालू वर्ष 2023-24
एन.ई.पी./शास्त्र परंपरा	50,000							50,000						
एल.बी.एस. से भारतीय भाषा समिति द्वारा प्राप्तियाँ	320,000	-	-	-		-	-	320,000	-	-	-	-	-	-
अन्य परियोजनाएँ (वैदिक, विस्तृत व्याख्यान)	68,400					-				-	-			68,400
योग (जी)	**5,789,685**	**150,000**	**600,000**	**-**	**373,085**	**-**	**703,200**	**670,000**	**1,725,000**	**-**	**300,000**	**-**	**300,000**	**968,400**
(एच) छात्रों से शुल्क - शैक्षिक एवं अन्य														
शिक्षा शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रवेश शुल्क	38,018,804	37,812,704	-	-	-	-	206,100	-	-	-	-	-	-	-
नामांकन शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	4,688	-	-	-	4,598	-	90	-	-	-	-	-	-	-
प्रयोगशाला शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
हस्तकला व शिल्पकला शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
एन.एफ.एस.सी.	7,299,250	7,203,600	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	95,650	-
प्रवेश शुल्क (विद्यावारिधी)	179,000	179,000		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वार्षिक परीक्षा शुल्क	619,150		-	-	-	186,450	-	-	-	432,700	-	-	-	-
अंक तालिका एवं प्रमाणपत्र शुल्क	100	-	-	-	-	-	-	-	-	100	-	-	-	-
प्रवेश परीक्षा शुल्क (वी.वी.ई.टी.)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
फार्म शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
डिग्री शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
परीक्षा फार्म शुल्क	15,517,578	14,737,528	-	561,175	-		-	138,650	-	-	-	-	80,225	-
बी.एड. प्रेक्टिकल शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पहचान पत्र शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
दण्ड/विविध शुल्क	33,295		-	-	-	21,183	-	-	12,112	-	-	-	-	-
बिजली शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
परिवहन शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
छात्रावास रखरखाव शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
खेलकूद शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विविध गतिविधियां शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अष्टादशी परियोजना अतिरिक्त	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पालि/प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एच)	**61,671,865**	**59,932,832**	**-**	**561,175**	**4,598**	**207,633**	**206,190**	**138,650**	**12,112**	**432,800**	**-**	**-**	**175,875**	**-**
(आई) अन्य प्रशासनिक प्राप्तियाँ														
प्रवेश प्रपत्र की बिक्री	42,400	-	-	-	-	-	-	-		-	42,400	-	-	-
पाठ्यक्रम और विवरणिका की बिक्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अयोध्या में नाट्य प्रस्तुति	98,000	-	-	-	-	-	-	-	-	-	98,000	-	-	-
कार्यशाला, कार्यक्रम का पंजीकरण शुल्क	417,542	-	223,500	-	-	-	25,050	-	137,101	31,891	-	-	-	-
दीक्षांत समारोह में पंजीकरण शुल्क	835,000	835,000	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पी.एस.एस.टी./अन्य लोगों को रकम वापसी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सी.सी. प्राप्तियाँ/पुस्तकालय अतिदेय शुल्क	21,295	13,000	-	-	-	-	-	-	-	8,295	-	-	-	-
योग (आई)	**1,414,237**	**848,000**	**223,500**	**-**	**-**	**-**	**25,050**	**-**	**137,101**	**40,186**	**140,400**	**-**	**-**	**-**
(जे) मुक्त स्वाध्याय पाठ्यक्रम प्राप्तियाँ														
मुक्त स्वाध्याय पाठ्यक्रम शुल्क	11,579,730	11,579,730	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (जे)	**11,579,730**	**11,579,730**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(के) विविध आय														
छात्रावास कमरा किराया/घर किराया भत्ता	1,909,350	312,210	610,600	-	375,904	-	134,963	145,011		100,000	110,000	-	-	120,662
लाईसेंस शुल्क	611,375	185,256		-	14,420	281,150	13,850	4,710	-	28,545	8,880	-		74,564
सभागार किराया/खेल मैदान/सम्मेलन केंद्र	1,976,592		-	-	-	55,105	199,790	706,797	-	37,800	977,100	-	-	-
अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता	-	-												
राष्ट्रपति सम्मान	-	-												
बिजली प्रभार प्राप्तियाँ	162,753	48,274			29,253	-	36,464	-		26,228	22,534	-	-	-
परिवहन का संग्रह	193,600									193,600				
पानी प्रभार प्राप्तियाँ	22,989	3,589			14,600	-	-	-	-		4,800	-	-	-
ओलम्पियाड प्राप्तियाँ	50,204	50,204												
विविध प्राप्तियाँ	984,532	781,532								203,000				
अन्य टी.डी.एस. वापसी	100,679			4,177					69,460				27,042	
अन्य (अलग तरीके से निर्दिष्ट एवं प्रकट किया जाए) सी.पी.डब्ल्यू.डी द्वारा वापसी	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-	-		-
योग (के)	**6,012,074**	**1,381,065**	**610,600**	**4,177**	**434,177**	**336,255**	**385,067**	**856,518**	**69,460**	**589,173**	**1,123,314**	**-**	**27,042**	**195,226**
(एल) अन्य आय														
परामर्श से आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
आर.टी.आई. शुल्क	150	-	-		-	50	-	-	-	90	-	-	-	10
परिसर प्रकाशन से आय	165,457	-	20,437	1,841	56,717	360	53,521	32,581	-		-	-		-
विश्वविद्यालय प्रकाशन से आय	4,537,830	3,342,736	69,163	63,196	-	233,890	333,105	64,820	134,420	133,680	49,623	40,737		72,460
विश्वविद्यालय पुनर्मुद्रण प्रकाशन से आय	467,747	467,747	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विविध प्राप्तियाँ (निविदा पत्रों की बिक्री, बेकार अखबार इत्यादि)	582,581	-	125,634	-	21,000	28,452	83,255	75,674	6,140	45,512	20,600	-	26,489	149,825
बिक्री पर आय/सम्पत्तियों का निबटान/लिपिक फार्म	157,221	-	-	-	-	29,273	-	-	127,948	-	-	-	-	-
सम्पत्तियों की बिक्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य संस्थानों/परिसरों से प्राप्त निधियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

AA page No. 42

प्राप्तियाँ

(राशि ₹ में)

विवरण	समेकित राशि चालू वर्ष 2023-24	मुख्यालय चालू वर्ष 2023-24	प्रयागराज चालू वर्ष 2023-24	पुरी चालू वर्ष 2023-24	जम्मू चालू वर्ष 2023-24	गुरुवायूर चालू वर्ष 2023-24	जयपुर चालू वर्ष 2023-24	लखनऊ चालू वर्ष 2023-24	शृंगेरी चालू वर्ष 2023-24	वेद व्यास चालू वर्ष 2023-24	भोपाल चालू वर्ष 2023-24	मुम्बई चालू वर्ष 2023-24	एकलव्य चालू वर्ष 2023-24	देवप्रयाग चालू वर्ष 2023-24
अन्य संस्थानों से छात्रवृत्ति (ज.एन.यू., नई दिल्ली) अनुदान/संस्थानों से दान, कल्याणकारी निकाय एवं	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मध्यप्रदेश सरकार से प्राप्त राशि	4,294,822	-	-	-	-	-	-	-	-	-	4,294,822	-	-	-
अन्य (निर्दिष्ट) पी.एम.के.वी.वाई.	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-
संस्थानों से दान की प्राप्ति								-						
विजिटिंग चेयर्स	-	-												
सुविधाएं	-	-												
हॉस्टल	-	-												
आधारभूत संरचना	-	-												
लाइब्रेरी	-	-												
शोध	-	-					-							
छात्रवृत्ति	-	-												
प्रशिक्षण एवं पेशेवर विकास	-	-												
पूर्व छात्र	-	-												
स्वामी विवेकानन्द युवा निधि कोष	39,448	39,448												
अन्य	-	-												
संस्थानों से परामर्श	-	-												
छुट्टी वेतन एवं पी.सी.	-	-										-		
आर.देवनाथन (अक्षय निधि) प्राप्तियाँ	51,000	51,000												
योग (एल)	**10,296,256**	**3,900,931**	**215,234**	**65,037**	**77,717**	**292,025**	**469,881**	**173,075**	**268,508**	**179,282**	**4,365,045**	**40,737**	**26,489**	**222,295**
(एम) पूर्व अवधि आय														
एन.पी.एस. रकम पूर्व वित्तीय वर्ष में नहीं ले जाई गई	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
निवेश से आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अर्जित ब्याज	666	-	-	-	-	666	-	-	-	-	-	-	-	-
परियोजना आय पूर्व वित्तीय वर्ष में नहीं ले जाई गई	-	-												
अन्य आय पूर्व वित्तीय वर्ष में नहीं ले जाई गई	26,000	-	-	-	26,000	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एम)	**26,666**	**-**	**-**	**-**	**26,000**	**666**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(एन) असाधारण आय														
गबन की गई राशि की वापसी	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एन)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(ओ) छात्र निधि प्राप्तियाँ														
छात्र निधि प्राप्तियाँ छात्र निधि में स्थानांतरित की जानी चाहिए	46,227,574			7,658,537	4,724,683	3,587,582	5,581,571	3,563,335	4,003,227	3,975,771	5,852,093	1,414,181	4,137,947	1,728,647
योग (ओ)	**46,227,574**	**-**	**-**	**7,658,537**	**4,724,683**	**3,587,582**	**5,581,571**	**3,563,335**	**4,003,227**	**3,975,771**	**5,852,093**	**1,414,181**	**4,137,947**	**1,728,647**
(पी) निवेश से अर्जित ब्याज														
अनुसूची बैंक (सावधि जमा) छात्र निधि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अनुसूची बैंक एस.बी.आई. (सावधि जमा)	16,676,619	16,676,619	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अनुसूची बैंक मु.स्वा.पी. (सावधि जमा)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य संस्थान एच.डी.एफ.सी. (सावधि जमा)	3,891,288	3,891,288	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य प्रतिभूतियों पर आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (पी)	**20,567,907**	**20,567,907**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(क्यू) अक्षय निधि से अर्जित ब्याज														
सोमैया ट्रस्ट पर अर्जित ब्याज	42,779	42,779	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-	-
दूबे पुरस्कार पर अर्जित ब्याज	1,027	1,027	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जिंदल ट्रस्ट पर अर्जित ब्याज	25,364	25,364	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि-4 पर अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि-5 पर अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
स्वामी विवेकानन्द युवा निधि कोष पर ब्याज	77	77												
अन्य अक्षयनिधि (निर्दिष्ट) पर अर्जित ब्याज	85,523	-	-	-	-	8,416	-	-	75,081	2,026	-	-	-	-
योग (क्यू)	**154,770**	**69,247**	**-**	**-**	**-**	**8,416**	**-**	**-**	**75,081**	**2,026**	**-**	**-**	**-**	**-**
(आर) बचत खाते से अर्जित ब्याज														
अनुसूची बैंक से अर्जित ब्याज - बचत खाता	5,402,727	2,612,892	96,385	293,581	196,731	212,537	242,859	252,308	222,189	677,338	333,022	99,164	81,425	82,296
बैंक से अर्जित ब्याज - एच.डी.एफ.सी.	348,564	348,564	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मु.स्वा.पी. बचत खाते पर अर्जित ब्याज	377,862	377,862												
पेंशन खाते पर अर्जित ब्याज	154,914	154,914												
बैंक खाते एवं परियोजना पर अर्जित ब्याज	564,289	244,560	13,410	10,317	29,777	12,385	-	33,284	36,336	20,804	80,461	-	29,770	53,185
योग (आर)	**6,848,356**	**3,738,792**	**109,795**	**303,898**	**226,508**	**224,922**	**242,859**	**285,592**	**258,525**	**698,142**	**413,483**	**99,164**	**111,195**	**135,481**
(एस) ऋण एवं अग्रिम पर अर्जित ब्याज														
ऋण एवं अग्रिम पर अर्जित ब्याज	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
गृह निर्माण अग्रिम पर अर्जित ब्याज	36,000	36,000		-	-	-	-		-		-	-	-	-
संगणक अग्रिम पर अर्जित ब्याज	106,669	86,000		-	-	8,769	-	-	6,900	5,000	-	-		-
कार अग्रिम पर अर्जित ब्याज	80,000	40,000	-	20,000	-	-	-	-	-	-	-	-	20,000	-
मोटर साईकिल पर अर्जित ब्याज	3,000	3,000	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
साईकिल पर अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य कार्यालय अग्रिम पर अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य देनदार से अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एस)	**225,669**	**165,000**	**-**	**20,000**	**-**	**8,769**	**-**	**-**	**6,900**	**5,000**	**-**	**-**	**20,000**	**-**

प्राप्तियाँ

(राशि ₹ में)

विवरण	समेकित राशि चालू वर्ष 2023-24	मुख्यालय चालू वर्ष 2023-24	प्रयागराज चालू वर्ष 2023-24	पुरी चालू वर्ष 2023-24	जम्मू चालू वर्ष 2023-24	गुरुवायूर चालू वर्ष 2023-24	जयपुर चालू वर्ष 2023-24	लखनऊ चालू वर्ष 2023-24	श्रृंगेरी चालू वर्ष 2023-24	वेद व्यास चालू वर्ष 2023-24	भोपाल चालू वर्ष 2023-24	मुम्बई चालू वर्ष 2023-24	एकलव्य चालू वर्ष 2023-24	देवप्रयाग चालू वर्ष 2023-24
(टी) सामान्य जमा प्राप्तियाँ														
मुख्य खाते से पेंशन निधि को हस्तांतरित रकम	17,926,820	17,926,820	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
छात्रों से प्राप्तियाँ/प्रेषण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सामान के विविध लेनदार	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मुख्यालय के अन्य विविध लेनदार (प्राप्तियाँ)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जमानती रकम (पुस्तकालय + छात्रावास)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रकाशन पर प्राप्तियां एवं अन्य देनदारियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रायोजित अध्येतावृत्ति एव छात्रवृत्ति प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मुख्यालय से प्रवेश शुल्क का हस्तांतरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बयाना राशि जमा (एस.डी.)	1,698,750	-	-	-	-	1,750	-	637,000	-	60,000	1,000,000	-	-	-
योग (टी)	**19,625,570**	**17,926,820**	-	-	-	**1,750**	-	**637,000**	-	**60,000**	**1,000,000**	-	-	-
(यू) सावधि जमा/निवेश की परिपक्वता				-										
अनुसूची बैंक (सावधि जमा) छात्र निधि	33,988,893	-	-	16,647,108	-	7,071,328	-		5,652,981	-	-	1,417,476	3,200,000	
अनुसूची बैंक एस.बी.आई. (सावधि जमा)	323,681,580	323,681,580	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
समग्र निधि (सावधि जमा)	83,687,070	83,687,070	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य संस्थानों के ऋणपत्र/प्रतिभूतियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (यू)	**441,357,543**	**407,368,650**	-	**16,647,108**	-	**7,071,328**	-	-	**5,652,981**	-	-	**1,417,476**	**3,200,000**	-
(वी) अक्षय निधि की परिपक्वता														
सौमया ट्रस्ट की परिपक्वता	250,000	250,000	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
दुबे ट्रस्ट की परिपक्वता	6,000	6,000	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जिंदल ट्रस्ट की परिपक्वता	148,226	148,226	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 5	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 6	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 7	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य निधियों की परिपक्वता (निर्दिष्ट)	559,949	-	-	-	-	144,949	-	-	415,000	-	-	-	-	-
योग (वी)	**964,175**	**404,226**	-	-	-	**144,949**	-	-	**415,000**	-	-	-	-	-
(डब्ल्यू) भुगतान के लिए प्राप्त वैधानिक देनदारियां														
आयकर के भुगतान की प्राप्तियाँ	149,646,005	145,464,797	928,839	855,720	463,389	34,891	-	176,923	593,300	388,522	-	-	512,124	227,500
सामान्य भविष्य निधि के भुगतान की प्राप्तियाँ	46,492,293	46,492,293	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
एन.पी.एस. के भुगतान की प्राप्तियाँ	42,235,763	42,235,763	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जी.आई.एस. बचत के भुगतान की प्राप्तियाँ	370,488	370,488	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जी.आई.पी. बीमा के भुगतान की प्राप्तियाँ	426,159	426,159	-		-		-	-	-	-	-	-	-	-
मुख्यालय से प्रवेश शुल्क की प्राप्ति	-	-		-	-	-	-	-	-					-
जीवन बीमा निगम के भुगतान की प्राप्तियाँ	413,642	413,642	-	-	-	-	-	-	-	-		-		-
मार्च की रकम अप्रैल में भुगतान की प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
टी.डी.एस. के भुगतान की प्राप्तियाँ	8,036,446	4,410,606	-	-	160,387	301,100	1,143,981	152,132	293,850	114,438	1,036,267		298,326	125,359
जी.एस.टी. के भुगतान की प्राप्तियाँ	2,629,043	1,388,773	-	122,746	-	123,485	501,254	100,966	71,862	62,759	257,198	-	-	-
पेशेवर कर के भुगतान की प्राप्तियाँ	1,360,440	454,966	-	240,700	-	128,930	-	-	184,800	-	204,572	-	146,472	
अन्य परिसरों/अन्य खातों/निधियों में स्थानांतरण	26,459,966	-	-	3,247,959	3,027,422	2,695,706	2,840,293	5,109,216	1,716,459	1,962,841	2,440,948	-	1,182,803	2,236,319
प्रेषण	641,401			-	641,401				-	-	-		-	
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय के भुगतान की प्राप्तियाँ	-													
परिवहन राशि प्राप्त (मध्यप्रदेश सरकार)	4,294,822	4,294,822									-			
योग (डब्ल्यू)	**283,006,468**	**245,952,309**	**928,839**	**4,467,125**	**4,292,599**	**3,284,112**	**4,485,528**	**5,539,237**	**2,860,271**	**2,528,560**	**3,938,985**	-	**2,139,725**	**2,589,178**
(एक्स) मूल ऋण/अग्रिम की वसूली														
यात्रा अग्रिम	-		-	-	-	-		-	-	-	-	-	-	-
मूल रकम गृह निर्माण अग्रिम	6,660				-	-		6,660		-	-	-	-	-
मूल रकम संगणक अग्रिम	7,500		-		-	1,500			-	-	-	6,000		
मूल रकम कार अग्रिम	-		-	-	-	-	-					-	-	-
मूल रकम मोटर साईकिल अग्रिम	4,000	-	-		-	4,000			-	-		-	-	-
मूल रकम साईकिल अग्रिम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मूल रकम अन्य कार्यालयीय अग्रिम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एक्स)	**18,160**	-	-	-	-	**5,500**	-	**6,660**	-	-	-	**6,000**	-	-
(वाई) निपटान/वापसी पर अग्रिम की वसूली														
एल.टी.सी.	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-
यात्रा भत्ता	1,575,900	9,000	252,400	60,000	1,004,500	-	200,000	50,000	-	-	-		-	-
डाक खर्च	133,000	-	24,000	12,000		-		20,000	-	70,000			5,000	2,000
आकस्मिक	27,902,493	10,000	1,647,500	2,254,000	2,880,756	4,194,690	-	6,604,133	916,000	4,446,496	2,938,088	-	1,467,430	543,400
एच.बी.ए.	99,576	99,576.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चिकित्सा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
संगणक	167,000	167,000	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
त्यौहार	-													
अन्य को दी गई रकम इग्नू/भाषा समिति/आईकेएस	-		-		-				-					-
योग (वाई)	**29,877,969**	**285,576**	**1,923,900**	**2,326,000**	**3,885,256**	**4,194,690**	**200,000**	**6,674,133**	**916,000**	**4,516,496**	**2,938,088**	-	**1,472,430**	**545,400**

(राशि ₹ में)

	समेकित राशि	मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
विवरण	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24
	4,815,363,705	**3,457,382,368**	**35,287,337**	**402,952,894**	**80,750,845**	**85,248,704**	**115,264,019**	**93,876,793**	**99,859,557**	**163,429,777**	**108,193,982**	**20,772,957**	**106,748,891**	**45,595,581**
भुगतान	समेकित राशि	मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
विवरण	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24
(ए) सरकार/यू.जी.सी. अनुदान														
मुख्यालय द्वारा राजस्व खर्च हेतु निधि स्थानांतरण	550,074,307	550,074,307	-							-				
मुख्यालय द्वारा सामान्य व्यय हेतु निधि स्थानांतरण	462,065,709	462,065,709	-							-				
पूर्वोत्तर के लिए राजस्व व्यय हेतु निधि स्थानांतरण	51,894,510	51,894,510	-							-				
पूर्वोत्तर के लिए सामान्य व्यय हेतु निधि स्थानांतरण	40,000,000	40,000,000	-							-				
मुख्यालय द्वारा छात्रवृत्ति हेतु निधि स्थानांतरण	-		-							-				
मुख्यालय द्वारा जे.आर.एफ./एस.आर.एफ. हेतु निधि	-		-							-				
मुख्यालय द्वारा विविध व्यय हेतु निधि	-		-							-				
योग (ए)	**1,104,034,526**	**1,104,034,526**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(बी) वेतन हेतु राजस्व व्यय														
संकाय हेतु वेतन	658,434,294	658,392,958.00	-	-	-	-	-	-	41,336	-	-	-	-	-
कर्मचारियों हेतु वेतन	167,584,386	167,584,296.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	90
भत्ता एवं बोनस/वेतन एवं भत्ता			-		-			-	-	-				
अन्य फंड में योगदान (निर्दिष्ट)	-		-		-			-	-	-				
सी.पी.एफ. को योगदान	-		-		-			-	-	-				
मानदेय	867,500	867,500.00	-					-						
कर्मचारी कल्याण व्यय	-		-					-		-				
	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (बी)	**826,886,180**	**826,844,754**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**41,336**	**-**	**-**	**-**	**-**	**90**
(सी) सेवानिवृत्ति लाभ हेतु राजस्व व्यय														
पेंशन का संचयी मूल्य	43,668,094	43,668,094.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग्रेच्युटी	31,535,744	31,535,744.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-			
छुट्टी का भुगतान (सेवानिवृत्ति)	34,792,130	34,632,940.00	-	-	159,190	-	-	-	-	-	-	-	-	-
छुट्टी वेतन एवं पेंशन	-						-	-	-	-	-		-	
पेंशन एवं पेंशनरी लाभ	205,855,288	205,780,502.00	74,786	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
नई पेंशन योजना (विश्वविद्यालय अंश)	64,381,470	64,260,526.00	-	-	-	-	-	-	-	-	120,944	-	-	-
योग (सी)	**380,232,726**	**379,877,806**	**74,786**	**-**	**159,190**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**120,944**	**-**	**-**	**-**
(डी) अन्य अवयवों हेतु राजस्व व्यय														
शिशु शिक्षा भत्ता	4,709,959	4,070,250.00	22,459	-	266,250	351,000	-	-	-	-	-	-	-	-
एन.पी.एस. पर ब्याज अंशदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चिकित्सा प्रतिपूर्ति	6,397,557	2,626,731.00	311,035	467,840	390,859	280,472	413,404	768,549	376,082	206,698	322,465	18,000	143,333	72,089
छुट्टियां नकदीकरण (10 दिन)	1,921,867	1,921,867.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
छुट्टी यात्रा रियायत (एल.टी.सी.)	4,095,652	4,026,829.00	-	-	68,823	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (डी)	**17,125,035**	**12,645,677**	**333,494**	**467,840**	**725,932**	**631,472**	**413,404**	**768,549**	**376,082**	**206,698**	**322,465**	**18,000**	**143,333**	**72,089**
(ई) जे.आर.एफ./अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति व्यय														
भुगतान - शोध छात्रवृत्ति	19,895,670	2,033,385	1,110,992	5,048,000	891,668	369,463	2,574,328	2,327,757	789,245	1,305,860	2,038,970	94,452	844,711	466,839
भुगतान - जे.आर.एफ./एस.आर.एफ. अध्येतावृत्ति	1,044,477	1,044,477	-						-	-	-			
भुगतान - छात्रों हेतु शोधवृत्ति	143,214,210	104,263,918	-	8,273,004	2,265,100	2,067,388	5,286,635	4,167,618	2,890,251	5,388,167	4,781,810	780,777	2,006,451	1,043,091
योग (ई)	**164,154,357**	**107,341,780**	**1,110,992**	**13,321,004**	**3,156,768**	**2,436,851**	**7,860,963**	**6,495,375**	**3,679,496**	**6,694,027**	**6,820,780**	**875,229**	**2,851,162**	**1,509,930**
(एफ) चिह्नित/अक्षय निधि व्यय														
अक्षय निधि पुरस्कार 1	76,665		-			8,416			68,249	-				
अक्षय निधि पुरस्कार 2	-		-						-	-				
योग (एफ)	**76,665**	**-**	**-**	**-**	**-**	**8,416**	**-**	**-**	**68,249**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(जी) पूंजीगत संपत्ति की खरीद														
भूमि एवं भवन	-	-	-	-		-		-	-	-			-	
सड़क, पुल, ट्यूबवैल एवं पानी आपूर्ति	29,571		29,571							-				
बिजली एवं उपकरण	6,652,468	485,000	62,450		1,380	-	-	-	-	-	6,098,636	-	-	5,002
यंत्र एवं मशीनरी	5,205,449	2,614,043	-		535,939	96,900	-	-	1,934,067	-				24,500
फर्नीचर एवं फिक्सर	22,377,795	12,971,002	406,520	-	339,743	-	3,570,452	704,286	2,614,781	-	1,439,011	32,000	-	300,000
कार्यालयीय उपकरण	4,313,659	264,266	1,008,252	749,000			2,056,240	217,998			17,903			
संगणक एवं बाह्य उपकरण	29,030,188	17,556,836	208,122	217,998	108,999	628,527	5,209,693	-	4,344,958	108,999	319,059	108,999	-	217,998
प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण	5,200,000		-	-	-	-	-	-	5,200,000	-	-	-	-	-
पाण्डुलिपिया	-		-							-				
श्रव्य दृश्य उपकरण	2,268,360	1,835,710	112,650	320,000	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
पुस्तकालय पुस्तके एवं पत्रिकाए	3,022,574	-	74,801	150,000	159,658	149,105	604,554	452,286	304,980	150,000	649,350	150,000	-	177,840
वाहन	1,090,151	1,090,151	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कम मूल्य सम्पत्तियां	-		-							-				
संगणक सॉफ्टवेयर	30,000	-	-						30,000	-				
ई-जरनल/पुस्तकें	1,367,921	1,367,921	-							-				
पेटेंटस	-		-							-				
योग (जी)	**80,588,136**	**38,184,929**	**1,902,366**	**1,436,998**	**1,145,719**	**874,532**	**11,440,939**	**1,374,570**	**14,428,786**	**258,999**	**8,523,959**	**290,999**	**-**	**725,340**

भुगतान

(राशि ₹ में)

विवरण	समेकित राशि	मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24
(एच) पूंजीगत कार्य प्रगति पर														
पूंजीगत कार्य की प्रगति पर दी गई राशि	462,364,493	249,362	1,780,260	288,400,000	1,295,313	20,574,238	-	2,341,037	3,593,383	101,000,000	-	-	40,000,000	3,130,900
योग (एच)	**462,364,493**	**249,362**	**1,780,260**	**288,400,000**	**1,295,313**	**20,574,238**	**-**	**2,341,037**	**3,593,383**	**101,000,000**	**-**	**-**	**40,000,000**	**3,130,900**
(आई) परियोजना खर्च	-													
अष्टादशी परियोजना	2,027,740				400,000	445,000	600,000			240,000			342,740	
मूक्स डिजिटलाईजेशन	-													
भारतीय ज्ञान प्रणाली (आई.के.एस.)	228,739		70,000				60,000				98,739			
परियोजना योजना (एन.जी.ओ.)	-													
ज्योतिष परियोजना अन्य	2,601,808	-	-	-	594,043	-	-	-	-	-	2,007,765	-	-	-
भारतीय भाषा शिक्षा	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (आई)	**4,858,287**	**-**	**70,000**	**-**	**994,043**	**445,000**	**660,000**	**-**	**-**	**240,000**	**2,106,504**	**-**	**342,740**	**-**
	6,108,915	126,300	600,000	500,000	491,697	875,000	622,878	-	555,244	975,087	736,434		264,090	362,185
	200,000		-		-		-			-	200,000			
(जे) पूर्व अवधि व्यय	665,798		-		-				477,000				95,128	93,670
स्थापना व्यय	177,542		-		-			177,542						
(एन.पी.एस. पिछले वर्ष का देय - भुगतान)	-		-		-									
शैक्षिक व्यय	25,539				-								-	25,539
प्रशासनिक व्यय (एन.पी.एस.)	437,076		28,503		-			408,573	-	-				
यातायात व्यय	**7,614,870**	**126,300**	**628,503**	**500,000**	**491,697**	**875,000**	**622,878**	**586,115**	**1,032,244**	**975,087**	**936,434**	**-**	**359,218**	**481,394**
मरम्मत एवं रखरखाव														
अचल संपत्ति निर्माण व्यय	-		-							-				
अन्य स्थायी संपत्ति का ह्रास	-		-							-				
(प्रकाशन आय में शामिल)	-		-							-				
योग (जे)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(के) शैक्षिक व्यय														
प्रयोगशाला व्यय	391,158		-				371,806	-		-				19,352
पाठ्क्रम बनाने पर व्यय	-		-				-			-				
संगोष्ठी में खर्च/कार्यशाला	41,448,103	19,147,544	151,432	7,063,108	1,192,901	1,185,400	2,237,900	1,517,768	2,238,781	627,435	3,493,076	283,888	2,308,870	-
अन्तर्राष्ट्री संगोष्ठी	500,000	500,000												
संविदा अतिथि संकाय का भुगतान	184,082,170		2,768,938	32,822,410	23,317,709	11,189,692	12,433,230.00	12,621,933	15,718,918	16,638,883	19,221,844	9,155,805	18,212,915	9,979,893
परीक्षा व्यय	13,658,552	10,399,830	-	541,643	220,228	358,917	385,925	167,575	147,969	529,003	293,214	163,063	254,514	196,671
छात्र कल्याण कोष	275,573		17,706		20,775	76,943	55,666	50,000	48,483	-	-			6,000
प्रवेश व्यय	-		-	-			-			-	-		-	
दीक्षांत समारोह व्यय	25,150,598	22,901,266	-		368,000	255,602	-	534,703	83,259	516,279	231,761	87,090		172,638
प्रकाशन/पत्रिका	344,075		47,000	57,139	-	50,000	-	1,200	60,841	-	80,957	16,923	30,015	-
प्रचार गतिविधियाँ	281,523		-	77,600			-				-		203,923	
शोध गतिविधियां	5,192,878		2,872,559	94,672		100,000	296,935	773,285	69,500	100,294	832,133	30,000	-	23,500
अन्य (निर्दिष्ट) मानदेय	206,967		-		-	206,967	-	-	-	-	-	-	-	
अखिल भारतीय युव महोत्सव	13,947,153	2,088,590	-	439,566	400,340	100,000	173,357	2,145,143	2,266,546	1,807,251	205,433	250,488	3,857,220	213,219
संकाय विकास केन्द्र	2,166,894						2,166,894							
वार्षिक समारोह/स्थापना दिवस	1,103,861	167,305	-	-	54,500	99,965	-	100,178	207,313	221,347	253,253	-	-	-
संगणक शिक्षा/विभिन्न पाठ्यक्रम	1,944,623		-			1,894,623	-	-		-	-			50,000
दूरस्थ शिक्षा (एम.एस.पी. व्यय)	22,898,219	5,929,326	-	80,000	-	20,095	-	-	16,802,773	-	16,025	-	50,000	
सी.सी. आकस्मिक	346,264	7,000	-			9,192	-		169,680	-	-	10,824	-	149,568
केन्द्रीय मूल्यांकन	9,907,013		-	-			880,094		-		6,520,021		2,506,898	-
ई-ग्रन्थालय/उपोद्घातग्रन्थमाला	528,590	-	528,590				-	-			-	-		-
रूपक महोत्सव	14,831,754	2,210,937	-	220,000	296,108	630,795	8,149,857	673,039	200,000	705,437	172,356	61,495	1,351,176	160,554
एकता दिवस/मैत्री भाषा दिवस	20,520		-				20,520			-	-			
संयुक्त प्रवेश परीक्षा (एस.एस.ई.टी./एस.ई.ए.टी.)	-		-											
कुरियाकोस स्मृति अभिनंदन कार्यक्रम	100,000		-			100,000	-			-	-		-	
संस्कृत दिवस समारोह	1,244,477	-	82,835	100,000	209,943	93,254	93,137	96,815	90,180	102,195	95,490	99,228	100,000	81,400
मैत्री भाषा दिवस	191,642		19,011			19,610	-	19,895	117,936	15,190	-			
स्वतंत्रता दिवस समारोह	80,205	45,000	6,771	-	-	-	-	-	10,160	18,274	-	-	-	
हिन्दी दिवस समारोह	269,074	28,000	3,892	30,000	15,000	10,000	39,785	-	25,197	18,813	21,921	39,907	18,000	18,559
अध्ययन मंडल पर व्यय	2,608,345		49,332	1,005,882		96,561	770,517	129,538	224,542	424	281,549		50,000	
महिमा उत्सव/अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक त्यौहार	480,195		-	400,000		80,195	-			-	-			
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	299,928	-	-	-			-	-	-	299,928	-	-	-	-
विश्व संस्कृत सम्मेलन	-		-				-			-	-			
योग दिवस	2,477,545	6,700	41,886	7,800	61,672	-	92,819	20,228	23,680	58,330	57,260	-		2,107,170
विश्वविद्यालय प्रकाशन	17,929,845	17,929,845	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विश्वविद्यालय प्रकाशन (पुनर्मुद्रण)	-		-				-			-	-			
आई.क्यू.ए.सी./नैक	6,334,967	1,315,531	592,299	670,297	1,044,507	-	1,900,842	-	313,227	158,674	179,367	145,238	-	14,985
विस्तृत व्याख्यान	134,339	-	-	-		-	-	47,374	-		-		4,500	82,465
अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रम (छह माह)	73,381		-				73,381			-	-			
अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला	-	-	-			-	-			-				
भारतीयविश्वविद्यालय संगठन/ एन.सी.टी.ई. पंजीकरण शुल्क	-		-	-			-			-			-	
शिक्षक दिवस	26,466		5,631	-		17,835			3,000	-				-
स्वच्छता सप्ताह व्यय	25,561					18,130			7,431					
नाट्यशास्त्र व्यय	504,225										504,225			

AA page No. 46

भुगतान (राशि ₹ में)

विवरण	समेकित राशि	मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24
रजत जयन्ती उत्सव	-									-				
संस्कृत प्रशिक्षण कार्यक्रम/ संकाय विकास व्यय	420,276	420,276											-	
भारतीय भाषा समिति	-													
वेद यज्ञशाला/व्याख्यानमाला	428,615	-			-	-	-			-				428,615
उत्कर्ष महोत्सव	180,923	180,923					-							
विजिटिंग फैकल्टी	-	-												
नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला	664,249		-							-				664,249
कालिदास दिवस	33,537										33,537			
कुलपति पुरस्कार योजना	253,000	-				61,000			160,000	11,000				21,000
मूक्स डिजिटलाईजेशन	2,650,000	-		-	300,000		300,000	300,000	1,150,000		300,000		300,000	
विश्व पर्यावरण दिवस	110,440		10,381		10,000	10,378	9,180	2,667	9,880	39,885	3,479		10,000	4,590
प्रशिक्षण व्यय	1,101,902				290,842			243,322	39,600	528,138				
विशेष दिवस	183,055						5,976			134,638	42,441			
संस्कृत ओलंपियाड	119,605						91,333			2,000				26,272
सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम (मेरी मिट्टी मेरा	2,146,106			2,132,380			13,726	-						
भारतीय विधिक परिषद	1,124,461						1,124,461							
बौद्धिक विरासत कार्यक्रम	225,822	225,822												
प्रशिक्षण एवं पेशेवर विकास	960,000	960,000												
एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आई.टी.ई.पी.)	154,405						154,405							
याज्ञसेनी कार्यक्रम व्यय	835,035	-	18,469	153,960	182,500	68,352	96,344	74,040		115,403	125,967		-	
योग (के)	**383,598,114**	**84,463,895**	**7,216,732**	**45,896,457**	**27,985,025**	**16,753,506**	**31,938,090**	**19,518,703**	**40,188,896**	**22,648,821**	**32,965,309**	**10,343,949**	**29,258,031**	**14,420,700**
(एल) योजना व्यय														
अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा	15,512,117	2,829,761	46,853	287,209	379,638	348,407	304,339	10,210,470	-	349,491	430,949	-	325,000	-
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	29,450,987	29,450,987	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
शास्त्र चूडामणि	3,995,000	3,995,000	-	-	-					-				
विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम	-		-							-				
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	2,498,090	2,498,090	-							-				
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)	-		-							-				
संस्कृत साहित्य का निर्माण	539,515	539,515	-							-				
व्यावसायिक प्रशिक्षण	1,321,500	1,046,500	-		100,000				75,000	-				100,000
राष्ट्रपति सम्मान	4,550,000	4,550,000	-							-				
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (वेतन)	546,202,524	546,202,524	-							-				
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (सामान्य)	91,710,938	91,710,938	-							-				
डेक्कन कॉलेज पूणे	5,000,000	5,000,000	-		-					-				
परंपरागत पाठशाला (स्वैच्छिक संस्कृत संगठन)	215,063,967	200,100,786	-	1,620,000	1,512,000	1,620,000	1,620,000	1,620,000	1,619,981	1,080,000	1,620,000	371,200	1,200,000	1,080,000
पूर्वोत्तर राज्य	-	-	-							-				
गैर सरकारी संगठन/गैर सरकारी विश्वविद्यालय	143,750	143,750	-					-		-				
आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	21,963,000	21,963,000	-							-				
सीनियर शिक्षा/उच्च शिक्षा को अनुदान	2,904,000	2,904,000	-							-				
सम्मान राशि	9,288,000	9,288,000	-							-				
वशिष्ठ सेवा संस्कृत सम्मान	-	-	-							-				
पंचाग परियोजना	451,798	-	-							-	451,798			
समायोजन प्रविष्टि (मैस)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पालि एवं प्राकृत	7,766,703	110,630	-				4,119,677	3,536,396		-				
राष्ट्रिय संस्कृत सम्मेलन	-		-		-					-				
आई.के.एस. परियोजना	37,000,000	37,000,000	-		-		-			-	-		-	-
अन्य परियोजना मुख्यालय	-	-	-							-			-	-
ज्योतिष परियोजना	789,260				75,000		198,762	490,480		25,018				
सांख्य योग/पंचांग	-		-							-	-			
अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन	-		-							-				
अष्टादशी परियोजना	5,523,661	5,523,661		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एल)	**1,001,674,810**	**964,857,142**	**46,853**	**1,907,209**	**2,066,638**	**1,968,407**	**6,242,778**	**15,857,346**	**1,694,981**	**1,454,509**	**2,502,747**	**371,200**	**1,525,000**	**1,180,000**
(एम) प्रशासनिक व्यय														
ए) बुनियादी ढांचा														
बिजली एवं पॉवर	24,473,019	3,447,077.00	817,364	2,641,327	790,218	1,334,848	3,944,714	2,320,845	1,207,227	973,629	3,848,740	-	1,738,486	1,408,544
जल प्रभार	2,256,092	181,016.00	182,147		1,628,274	5,487	14,707	107,522	-	-	90,014	-	-	46,925
सफाई सामग्री एवं सेवाएं	-	-	-			-			-		-			-
किराया, दर एवं कर	11,356,596	4,565,096	5,716,693	76,826	-	19,943	-	101,864	-	336,000	457,174	83,000	-	
बी) संचार		-												
डाक व्यय	2,804,977	2,224,498	19,324	77,989	61,727	51,000	87,692	36,581	64,588	61,615	39,000	13,173	39,466	28,324
दूरभाष, फैक्स एवं इन्टरनेट प्रभार	2,903,609	394,049	352,700	192,085	142,743	294,787	129,445	199,030	414,603	146,136	293,388	25,694	52,605	266,344
सी) अन्य व्यय		-												
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी	6,570,257	3,788,507	118,963	392,616	473,824	106,030	272,922	186,395	101,520	187,304	291,877	148,844	294,260	207,195
यात्रा एवं वाहन व्यय	22,094,227	10,110,468	636,781	1,394,126	1,261,636	919,696	1,381,347	614,243	963,433	615,385	839,934	757,690	1,699,079	900,409
वर्दिया	295,000	90,000	35,000	35,000	25,000	-	35,000	40,000	-	35,000			-	
सेवा शुल्क लेखा परीक्षक	438,975	328,710			-	-	-	-	110,265	-	-			
संपत्ति कर	216,113	216,113	-		-		-	-	-		-			
विज्ञापन एवं प्रचार	2,201,404	1,840,559	19,211	38,022	20,000	4,365	82,061	18,003	13,320	48,956	48,094	-	23,845	44,968
संविदा कर्मचारियों का वेतन	26,333,710	9,977,783	769,156	1,189,188	1,669,701	841,867	7,413,580	1,135,096	533,276	840,239	575,598	-	953,226	435,000
आउट सोर्स	81,728,131	16,423,381	7,486,273	4,578,997	12,996,645	-	6,824,538	1,560,264	8,431,172	6,684,358	-	3,011,648	5,553,689	8,177,166

AA page No. 47

भुगतान

(राशि ₹ में)

विवरण	समेकित राशि	मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24	चालू वर्ष 2023-24
बागवानी व्यय	3,182,161	-	150,115				-		3,032,046					
कर्मचारी कल्याण व्यय	326,123	294,573		-	-	-	-	-	8,800	-	-	22,750		
कानूनी व्यय	2,419,404	1,433,778	-	55,900	49,000	141,000	11,475	628,925	-	90,126	-	-	9,200	
विविध भुगतान	11,100,622	5,081,999.00	572,484	273,862	835,442	356,426	1,170,760	347,029	197,616	148,701	894,576	12,876	518,439	690,412
हाउस कीपिंग	45,471,865	2,276,561			-	9,342,246	8,484,935	9,590,886	-	-	9,720,058	6,080	6,051,099	
सुरक्षा सेवाएं	6,946,870	1,810,516	-	5,136,354	-	-	-	-	-				-	
सी.वी.वी.टी. व्यय	262,068	-	-		-		262,068			-	-		-	
ई-कार्यालय (एन.आई.सी.)	235,596	235,596		-										
परिसर भवन का उद्घाटन	2,199,614													2,199,614
अग्निशमन प्रणाली (एन.ओ.सी.)	1,231,503						1,231,503							
पेशेवर सेवाएं/बैठने का भत्ता	258,140	62,765	62,800	48,575					35,000		49,000			
आर.टी.आई. व्यय	4,630	4,630												
भर्ती व्यय	134,000	134,000	-		-					-				
योग (एम)	**257,444,706**	**64,921,675**	**16,939,011**	**16,130,867**	**19,954,210**	**13,417,695**	**31,346,747**	**16,886,683**	**15,112,866**	**10,167,449**	**17,147,453**	**4,081,755**	**16,933,394**	**14,404,901**
(एन) यातायात व्यय														
1. संस्थान के स्वामित्व वाले वाहन	-	-	-		-					-				
ए) रनिंग व्यय	1,321,660	349,303	-	-	-	-	-	-	-	972,357				
बी) मरम्मत एवं रखरखाव	100,251	100,251	-	-	-	-	-	-	-	-				
सी) बीमा व्यय	63,632	21,187	-	-	-	-	-	-	-	42,445				
डी) स्टॉफ कार पैट्रोल/डीजल व्यय	-		-			-				-				
2. किराया वाहन/किराया/ पट्टा व्यय	-	-	-		-	-				-				
ए) टैक्सी किराया व्यय	-		-		-				-	-				-
बी) वाहन किराया व्यय	1,893,610	978,889	-	114,220	67,000	-	-	124,491	25,400	9,780	38,780	25,979	414,101	94,970
3. वाहन किराया व्यय (बाहरी)	1,111,972	21,816	-		340,156	-				-	750,000			
योग (एन)	**4,491,125**	**1,471,446**	**-**	**114,220**	**407,156**	**-**	**-**	**124,491**	**25,400**	**1,024,582**	**788,780**	**25,979**	**414,101**	**94,970**
(ओ) मरम्मत एवं रखरखाव व्यय														
भूमि एवं भवन	11,165,460	3,687,464	-	7,870	-	4,024,892	1,741,738	1,030,773	323,798	52,344	288,381	-	8,200	
सड़क, पुल, ट्यूबवैल एवं पानी आपूर्ति	74,621		-	74,621			-	-	-	-	-			
बिजली एवं उपकरण	912,195		195,689	240,260	-	-	-	267,038	-	50,816	84,611	-	73,781	-
यंत्र एवं मशीनरी	1,146,683	207,647	17,770	226,101	92,204	58,143	-	-	41,070	372,209	63,600	-	67,939	
फर्नीचर एवं फिक्सर	1,000,998	367,174	7,091	62,502	55,110	92,479	-	4,045	139,293	96,006	164,448	-	12,850	-
कार्यालयीय उपकरण	3,160,735	2,393,025	265,466	93,068	61,163	4,897	-	-	174,559	-	22,826	-	45,931	99,800
संगणक एवं बाह्य उपकरण	1,612,976		83,047	136,080	-	170,648	358,791	198,913	243,845	40,130	144,245	143,943	93,334	
प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण	-		-		-		-	-	-	-	-		-	
पाण्डुलिपिया	-		-				-	-	-	-	-		-	
श्रव्य दृश्य उपकरण	231,849		-	184,164		-	-	-	-	40,570	7,115		-	
पुस्तकालय पुस्तके एवं पत्रिकाए	-		-		-		-	-	-	-	-	-	-	
वाहन	178,957		-				-	-	-	178,957	-		-	
सफाई सामग्री एवं सेवाएं	658,486		2,475	69,938	218,990	-	130,218	106,164	34,655	67,367	-	-	8,679	20,000
पुस्तक जिल्दसाजी प्रभार	-		-	-			-			-				-
बागवानी उपकरण	431,223		-	15,500	58,308	266,315	37,219	-	-	33,881				20,000
वार्षिक रखरखाव व्यय	1,664,750				227,150		984,400						453,200	
जायदाद रखरखाव	692,904	-	-			672,829	-		20,075					
जिम मरम्मत/कम मूल्य सम्पत्तिया	15,900				11,500				-					4,400
योग (ओ)	**22,947,737**	**6,655,310**	**571,538**	**1,110,104**	**724,425**	**5,290,203**	**3,252,366**	**1,606,933**	**977,295**	**932,280**	**775,226**	**143,943**	**763,914**	**144,200**
(पी) वित्तीय लागत														
बैंक प्रभार	38,689	21,864	26	-	2,035	-	826	3,328	1,504	637	886	1,743	5,575	265
अन्य (निर्दिष्ट)	-		-											
योग (पी)	**38,689**	**21,864**	**26**	**-**	**2,035**	**-**	**826**	**3,328**	**1,504**	**637**	**886**	**1,743**	**5,575**	**265**
(क्यू) अन्य विविध व्यय														
विश्वविद्यालय प्रकाशन रकम मुख्यालय को स्थानांतरित की गई	956,937		69,163	63,196	-	233,890	-	64,820	134,420	132,978	49,623	40,737	95,650	72,460
अन्य (निर्दिष्ट) ब्याज मुख्यालय को स्थानांतरित	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
मुख्यालय को स्थानांतरित रकम (प्रवेश शुल्क)	-		-			-	-	-	-	-	-	-	-	-
मुख्यालय को स्थानांतरित रकम (परीक्षा शुल्क)	1,212,750			561,175	-	-	-	138,650	-	432,700	-	-	80,225	
मुख्यालय को स्थानांतरित रकम (भारतीय भाषा समिति)	-		-	-		-		-	-	-		-		
अन्य (विविध) मुख्यालय को स्थानांतरित रकम	195,162		-		195,162									-
छात्र निधि में स्थानांतरित रकम	-			-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
अन्य (निर्दिष्ट) आई.के.एस.	236,346	-		-		-		-	-	-	236,346	-		-
आंतरिक स्रोत द्वारा छात्रावास किराया	476,700		476,700		-						-			
मुख्यालय द्वारा अक्षय निधि से स्थानांतरित रकम	-	-	-		-				-					
योग (क्यू)	**3,077,895**	**-**	**545,863**	**624,371**	**195,162**	**233,890**	**-**	**203,470**	**134,420**	**565,678**	**285,969**	**40,737**	**175,875**	**72,460**
(आर) निवेश - वर्तमान एफ.वाई.														
अनुसूची बैंक (सावधि जमा) छात्र निधि	43,629,165	-	-	18,047,108	-	7,680,784	-	-	4,906,418	-	7,500,000	1,494,855	4,000,000	
अनुसूची बैंक एस.बी.आई. (सावधि जमा)	340,358,199	340,358,199	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अनुसूची बैंक पैंशन निधि (सावधि जमा)	-	-												
अन्य बैंक - एच.डी.एफ.सी (सावधि जमा)	87,578,358	87,578,358	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पूर्व छात्र निधि (सावधि जमा)	814,153	814,153												
अक्षय निधि सावधि जमा खरीद	966,201	404,226	-	-	-	144,949	-	-	415,000	2,026	-	-	-	-
योग (आर)	**473,346,076**	**429,154,936**	**-**	**18,047,108**	**-**	**7,825,733**	**-**	**-**	**5,321,418**	**2,026**	**7,500,000**	**1,494,855**	**4,000,000**	**-**

AA page No. 48

भुगतान

(राशि ₹ में)

विवरण	समेकित राशि चालू वर्ष 2023-24	मुख्यालय चालू वर्ष 2023-24	प्रयागराज चालू वर्ष 2023-24	पुरी चालू वर्ष 2023-24	जम्मू चालू वर्ष 2023-24	गुरुवायूर चालू वर्ष 2023-24	जयपुर चालू वर्ष 2023-24	लखनऊ चालू वर्ष 2023-24	शृंगेरी चालू वर्ष 2023-24	वेद व्यास चालू वर्ष 2023-24	भोपाल चालू वर्ष 2023-24	मुम्बई चालू वर्ष 2023-24	एकलव्य चालू वर्ष 2023-24	देवप्रयाग चालू वर्ष 2023-24
(एस) बकाया जमा का भुगतान														
पूंजीगत खाता	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बी.एच.पी./इण्डेन गैस	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बयाना राशि	1,029,750	-	-	-	-	2,750	-	677,000	-	60,000	290,000	-		-
दूरभाष विभाग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पट्टा किराया	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विद्युत विभाग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य (निर्दिष्ट) देनदारियां	-		-	-	-		-	-	-		-	-	-	-
योग (एस)	**1,029,750**	**-**	**-**	**-**	**-**	**2,750**	**-**	**677,000**	**-**	**60,000**	**290,000**	**-**	**-**	**-**
(टी) कर्मचारी अग्रिम														
आकस्मिक अग्रिम	27,942,493	-	1,647,500	2,254,000	2,880,756	4,194,690	50,000	6,604,133	916,000	4,446,496	2,938,088	-	1,467,430	543,400
एल.टी.सी. अग्रिम	41,337	-	-	-	-	-	-	4,000	-	-	-	-	37,337	-
टी.ए. अग्रिम	1,466,900		252,400	60,000	1,004,500	-	100,000	50,000	-	-	-	-	-	-
वाहन अग्रिम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चिकित्सा अग्रिम	403,167	403,167	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
डाक खर्च अग्रिम	133,000	-	24,000	12,000		-		20,000	-	70,000		-	5,000	2,000
कार ऋण	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मोटर साईकिल ऋण	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
एच.बी.ए. ऋण	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
त्यौहार एवं अन्य अग्रिम	-													
अन्य परिसरों को प्रेषण/मुख्यालय	20,000	-	-		-	-	-		-	-	-	-	20,000	-
जमानत राशि	670,700	670,700	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
संगणक ऋण	-	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (टी)	**30,677,597**	**1,073,867**	**1,923,900**	**2,326,000**	**3,885,256**	**4,194,690**	**150,000**	**6,678,133**	**916,000**	**4,516,496**	**2,938,088**	**-**	**1,529,767**	**545,400**
(यू) छात्र निधि भुगतान														
छात्र निधि में स्थानांतरित राशि	37,126,610			5,433,012	1,232,360	2,587,028	6,141,117	2,659,979	4,179,487	4,028,663	4,476,564	981,418	4,057,600	1,349,382
योग (यू)	**37,126,610**	**-**	**-**	**5,433,012**	**1,232,360**	**2,587,028**	**6,141,117**	**2,659,979**	**4,179,487**	**4,028,663**	**4,476,564**	**981,418**	**4,057,600**	**1,349,382**
(वी) वैधानिक देनदारियों का भुगतान														
आयकर का भुगतान	149,646,005	145,464,797.00	928,839	855,720	463,389	34,891	-	176,923	593,300	388,522	-	-	512,124	227,500
जी.पी.एफ. का भुगतान	46,492,293	46,492,293.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
एन.पी.एस. का भुगतान	42,235,763	42,235,763	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जी.आई.एस. बचत का भुगतान	370,488	370,488	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जी.आई.पी. बीमा का भुगतान	396,948	396,948	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
जीवन बीमा निगम का भुगतान	413,642	413,642			-	-				-	-	-		
मुख्यालय द्वारा प्राप्त प्रवेश शुल्क छात्र निधि में स्थानांतरित	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-				-
पूर्व वर्षों के वेतन के लिए अन्य भुगतान	66,002,609	66,002,609	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-
टी.डी.एस. का भुगतान	7,988,271	4,410,606	-	-	160,387	301,100	1,143,981	152,132	245,675	114,438	1,036,267	-	298,326	125,359
जी.एस.टी. का भुगतान	2,629,043	1,388,773	-	122,746	-	123,485	501,254	100,966	71,862	62,759	257,198	-		
पेशेवर करों का भुगतान	1,360,440	454,966	-	240,700	-	128,930	-	-	184,800	-	204,572	-	146,472	
प्रेषण राशि	641,401	-	-	-	641,401	-	-	-	-	-	-		-	-
अन्य परिसरों को स्थानांतरण/ अन्य खाते/निधियां	26,459,966	-	-	3,247,959	3,027,422	2,695,706	2,840,293	5,109,216	1,716,459	1,962,841	2,440,948	-	1,182,803	2,236,319
यातायात व्यय/पुस्तकों का अग्रिम क्रय (मध्यप्रदेश सरकार)	4,294,822		-	-	-		-	-	-	-	4,294,822		-	-
मंत्रालय को भुगतान - जमा राशि पर अर्जित ब्याज	-									-		-		
योग (वी)	**348,931,691**	**307,630,885**	**928,839**	**4,467,125**	**4,292,599**	**3,284,112**	**4,485,528**	**5,539,237**	**2,812,096**	**2,528,560**	**8,233,807**	**-**	**2,139,725**	**2,589,178**
(डब्ल्यू) बैंक में अन्तरिम शेष एवं बैंक खाते खाते														
हाथ में रोकड	106,021	-	-	-	-	-	98,611	67	6,894	-		449		
हाथ में रोकड (मुक्त स्वाध्याय पीठ)	-		-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
हाथ में रोकड (छात्र निधि)	203,775			10,454	-	-	14,891	2,373	1,196	-	166,951	7,910	-	
बैंक में शेष	-													
अनूसूची बैंक बचत (मुख्य)	134,947,075	113,159,197	600,764	1,461,071	2,986,027	3,118,993	2,658,784	4,575,121	1,719,653	995,890	1,827,491	374,774	439,139	1,030,171
बचत खाता (आई.सी.आई.सी.आई. 2737)	40,229,694	40,229,694												
बचत खाता (एस.बी.आई. 9392)	4,284,189	4,284,189												
बचत खाता स्वामी विवेकानन्द युवा निधि कोश	39,525	39,525												
बचत खाता (मुक्त स्वाध्याय पीठ)	14,319,780	14,319,780	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चालू खात (मुक्त स्वाध्याय पीठ)	18,814,772	18,814,772												
आर.बी.आई. खाता	-		-	-	-	-	-		-	-	-	-	-	-
चालू खाता	-	-	-	-	-	-								
बचत खाता (एच.डी.एफ.सी. बैंक)	13,614,198	13,614,198	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बचत खाता (परियोजना निधि)	22,223,565	9,195,648	613,410	11,146	1,300,884	13,051	1,380,322	1,399,916	2,331,092	320,716	2,615,217	-	920,840	2,121,323
बचत खाता (पेंशन)	18,203,737	18,203,737	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बचत खाता (छात्र निधि)	40,091,825	-		1,287,908	7,750,406	713,137	6,555,775	6,578,367	1,216,783	4,808,659	6,848,408	1,720,017	889,477	1,722,888
बचत खाता (छात्र निधि सुरक्षा)	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (डब्ल्यू)	**307,078,156**	**231,860,740**	**1,214,174**	**2,770,579**	**12,037,317**	**3,845,181**	**10,708,383**	**12,555,844**	**5,275,618**	**6,125,265**	**11,458,067**	**2,103,150**	**2,249,456**	**4,874,382**
बैंक में अन्तरिम शेष एवं कुल भुगतान	**4,815,363,705**	**3,457,382,368**	**35,287,337**	**402,952,894**	**80,750,845**	**85,248,704**	**115,264,019**	**93,876,793**	**99,859,557**	**163,429,777**	**108,193,982**	**20,772,957**	**106,748,891**	**45,595,581**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31 मार्च 2024 को निर्धारित सामान्य भविष्य निधि का समेकित तुलन-पत्र

(राशि ₹ में)

देनदारियाँ	चालू वर्ष 31.03.2024		पूर्व वर्ष 31.03.2023	
पिछले वर्ष तक आरक्षित और अधिशेष	(1,457,021)		6,827,841	
वर्ष के दौरान अधिशेष/कमी	(1,058,089)		(8,284,862)	
पिछले वर्ष गलत तरीके से ली गई आय को लौटाया गया	-		-	
सामान्य भविष्य निधि		(2,515,110)		(1,457,021)
प्राविडेंट फंड सदस्य योगदान				
अंतिम तुलनपत्र के अनुसार शेष राशि	451,444,635		474,792,111	
सा.भ.नि. अंशदान की लेखा परीक्षा के अनुसार पिछले वर्ष के खाते	-		45,000	
पिछले वर्ष की के तुलन पत्र से आरंभिक राशि का बकाया अब ठीक हो गया है			(1,427,952)	
जोड़ें : वर्ष के दौरान किए गए स्वैच्छिक पी.एफ. योगदान	42,657,077		54,238,448	
जोड़ें : अन्य परिसरों से स्थानांतरण पर प्राप्त योगदान और ब्याज	-		94,184,276	
जोड़ें : वर्ष के दौरान बकाया सा.भ.नि. शेष राशि पर ब्याज	29,272,892		31,435,723	
घटा : अन्य परिसरों के लिए स्थानांतरण	-		(96,561,348)	
घटा : गैर वापसी योग्य निकासी	(30,450,000)		(22,846,000)	
घटा : अंतिम भुगतान	(86,671,998)		(79,925,364)	
जोड़ें-घटा : अन्य परिसरों में कर्मचारियों का बाहर से तबादला/ स्थानान्तरण में ऋण/अग्रिमों का अंतर			(2,490,259)	
अग्रिम का समायोजन : कर्मचारियों का अन्य परिसरों में स्थानान्तरण	-	406,252,606	-	451,444,635
सी.पी.एफ.				
अंतिम तुलनपत्र के अनुसार शेष राशि	-			
जोड़ें : वर्ष के दौरान किया गया अंशदान	-			
जोड़ें : वर्ष के दौरान ब्याज	-			
घटा : अंतिम भुगतान	-			
घटा : रा.सं.सं. को निर्गत राशि	-			-
		-		-
			-	
		-		-
पिछले वर्ष गलत तरीके से ली गई रकम की वापसी	-		-	
		-		-
		-		-
				-
		403,737,496		449,987,614

सम्पत्तियाँ	चालू वर्ष 31.03.2024		पूर्व वर्ष 31.03.2023	
निवेश				
केन्द्र सरकार प्रतिभूतियाँ	-			
राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ	-			
सार्वजनिक क्षेत्र अंडरटेकिंग बांड	-			
भारत सरकार की विशेष जमा	-			
सावधि जमा	369,648,491	369,648,491	191,124,254	191,124,254
31.3.2020 को अर्जित ब्याज पर देय नहीं	23,365,830	23,365,830	7,636,504	7,636,504
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम				
पिछले वर्ष तक बकाया अग्रिम	12,410,510		13,773,403	
जोड़ें-घटा : पिछले वर्ष के ऋण का अग्रिम शेष/ अग्रिम किए गए कर्मचारियों का अन्य परिसरों में स्थानांतरण	-		(2,244,475)	
लखनऊ परिसर को गलती से दी गई राशि की वापसी			(23,912)	
जमा : वर्ष के दौरान सदस्यों को अग्रिम देय राशि	6,381,130		11,953,794	
जमा : सदस्यों को दी गई अग्रिम राशि	(9,045,271)		(11,048,300)	
वर्ष के अन्त में बकाया अग्रिम		9,746,369		12,410,510
तुलन पत्र में सामान्य भविष्य निधि शेष	-		-	
जमा : वर्ष के दौरान योगदान	(1,302,952)		(1,302,952)	
घटा : वर्ष के समायोजन के दौरान प्राप्त राशि		(1,302,952)		(1,302,952)
सस्पेंस खाता - अतिरिक्त सा.भ.नि. राशि अन्य परिसर/कर्मचारी हस्तांतरित की गई, वापिस मुंबई परिसर में	635,435	635,435	635,435	635,435
हाथ में रोकड़ एवं बैंक में जमा	1,644,323		-	
अनुसूची और राष्ट्रीयकृत बैंकों में सा.भ.नि. के साथ	-		239,483,863	
बैंक में रोकड़ - सी.पी.एफ. खाता		1,644,323		239,483,863
		-		
		403,737,496		449,987,614

अनुसूची के अनुसार खातों पर नोट्स तुलनपत्र का एक अभिन्न अंग है

स्थान - नई दिल्ली

दिनांक - 18 जून, 2024

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	वित्त अधिकारी

AA page No. 50

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि की समेकित आय और व्यय स्थिति

(राशि ₹ में)

व्यय का विवरण	चालू वर्ष 31.03.2024	पूर्व वर्ष 31.03.2023	आय का विवरण	चालू वर्ष 31.03.2024	पूर्व वर्ष 31.03.2023
सदस्यों को ब्याज देने के लिए			बैंक बचत खाते पर ब्याज	1,097,832.00	1,835,684.00
			निवेश पर ब्याज		
कर्मचारी योगदान पर	29,272,892.00	31,435,723.00	केन्द्रीय सरकार प्रतिभूति	-	-
		-	राज्य सरकार प्रतिभूति	-	-
बैंक प्रभार	701.00	71.00	भारत सरकार विशेष जमा	-	-
			सार्वजनिक क्षेत्र अंडरटेकिंग बांड	-	-
प्रतिभूति के मूल्यांकन पर हानि	-		सावधि जमा	3,751,842.00	13,538,728.00
			अर्जित ब्याज	23,365,830.00	7,636,504.00
अधिक ब्याज के उलट के दौरान व्यापक वर्ष के लिए जिम्मेदार हैं	-		निवेश पर आय	-	-
			अन्य आय	-	140,016.00
व्यय से अधिक आय रिजर्व फंड में हस्तांतरित	-	-	रिजर्व फंड में स्थानांतरित आय से अधिक व्यय	1,058,089.00	8,284,862.00
	29,273,593.00	**31,435,794.00**		**29,273,593.00**	**31,435,794.00**

अनुसूची के अनुसार खातों पर नोट्स तुलनपत्र का एक अभिन्न अंग है

स्थान - नई दिल्ली

दिनांक - 18 जून, 2024

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2022-23 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ | भुगतान | (राशि ₹ में)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	बैंक में जमा आदि शेष	239,483,863.00	64,192,160.00	1	सेवानिवृत्ति पर अन्तिम भुगतान	86,671,998.00	79,925,364.00
2	सा.भ.नि. से अंशदान	42,657,077.00	54,238,448.00	2	अन्तिम भुगतान (बिना वापसी योग्य)	30,450,000.00	22,846,000.00
3	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	9,045,271.00	11,048,300.00	3	सा.भ.नि. अग्रिम	6,381,130.00	11,953,794.00
4	सावधि जमा परिपक्वता	217,512,401.00	391,941,361.00	5	सावधि जमा की खरीद	396,036,638.00	190,115,846.00
5	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	11,388,346.00	23,330,403.00	6	अन्य परिसरों को स्थान्तारित राशि	304,940,818.00	96,561,348.00
6	बचत खाता पर ब्याज	1,097,832.00	1,835,684.00	7	बैंक संग्रह प्रभार	701.00	71.00
7	परिसरों से प्राप्त राशि	308,754,137.00	94,184,276.00	8	सावधि जमा ब्याज का परिसरों द्वारा स्थानान्तरण	3,456,693.00	
8	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	-	-	9	बचत खाते पर ब्याज का परिसरों द्वारा स्थानान्तरण	356,626.00	-
9	अन्य खातों में ब्याज का स्थानान्तरण	-	-	10	**नगद शेष**	-	-
10	पूर्व वर्ष त्रुटियां	-	115,654.00		बैंक में रोकड़	-	-
					बैंक में शेष	1,644,323.00	239,483,863.00
	कुल योग	**829,938,927.00**	**640,886,286.00**		कुल योग	**829,938,927.00**	**640,886,286.00**

स्थान - नई दिल्ली

दिनांक - 18 जून, 2024

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
वित्त अधिकारी

AA page No. 52

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2023-24 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का विस्तृत लेखा विवरण

प्राप्तियाँ (राशि ₹ में)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	कुल योग	मुख्यालय	इलाहाबाद	भोपाल	देवप्रयाग	एकलव्य	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	पुरी	श्रृंगेरी
1	आदि शेष	**239,483,863.00**	15,622,377.00	236,233.00	22,159,899.00	926,136.00	114,097.00	12,115,379.00	26,672,195.00	52,616,672.00	26,315,042.00	63,649,825.00	5,792,281.00	4,924,423.00	8,339,304.00
2	सा.भ.नि. सदस्यता	**42,657,077.00**	42,657,077.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3	सा.भ.नि. की अग्रिम वसूली	**9,045,271.00**	9,045,271.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	सा.भ.नि. परिपक्वता	**217,512,401.00**	131,508,646.00	14,740,610.00	-	-	5,700,000.00	-	-	-	-	-	9,425,433.00	56,137,712	-
6	सा.भ.नि. परिपक्वता ब्याज	**11,388,346.00**	7,900,335.00	320,262.00	-	-	71,492.00	-	-	-	-	-	203,122.00	2,893,135	-
7	बचत खाता ब्याज	**1,097,832.00**	741,189.00	25,241.00	28,577.00	342.00	580.00	17,472.00	19,880.00	69,759	21,212.00	48,713.00	61,873.00	58,656	4,338.00
8	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	**308,754,137.00**	308,754,137.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	विश्वविद्यालय का योगदान में हिस्सा	**-**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	सा.भ.नि. ब्याज मुख्यालय में स्थानान्तरण	**-**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	पूर्व वर्ष की त्रुटियाँ	**-**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	सा.भ.नि. पर पूर्व वर्ष ब्याज स्थानांतरण	**-**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग	**829,938,927.00**	**516,229,032.00**	**15,322,346.00**	**22,188,476.00**	**926,478.00**	**5,886,169.00**	**12,132,851.00**	**26,692,075.00**	**52,686,431.00**	**26,336,254.00**	**63,698,538.00**	**15,482,709.00**	**64,013,926.00**	**8,343,642.00**
देनदारियाँ															
1	सेवानिवृत्ति पर अन्तिम भुगतान	**86,671,998.00**	81,716,257.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	4,955,741.00	-
2	अन्तिम भुगतान (वापसी योग्य नहीं)	**30,450,000.00**	30,450,000.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3	सा.भ.नि. अग्रिम	**6,381,130.00**	6,381,130.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	सा.भ.नि. की खरीद	**396,036,638.00**	396,036,638.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	अन्य परिसरों को राशि का हस्तांतरण	**304,909,483.00**	-	14,976,843.00	22,159,899.00	926,136.00	5,814,097.00	12,115,379.00	26,672,195.00	52,616,672.00	26,315,042.00	63,649,825.00	15,217,697.00	56,106,394.00	8,339,304.00
6	सा.भ.नि. ब्याज का मुख्य खाते में हस्तांतरण	**3,488,011.00**	-	320,262.00	-	-	71,492.00	-	-	-	-	-	203,122.00	2,893,135.00	-
7	अतिरिक्त राशि की वापसी	**356,643.00**	-	25,241.00	28,577.00	342.00	580.00	17,472.00	19,880.00	69,759.00	21,212.00	48,713.00	61,873.00	58,656.00	4,338.00
8	बैंक संग्रह प्रभार	**701.00**	684.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	17.00	-	-
9	**शेष राशि**	**-**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	हाथ में रोकड़	**-**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	बैंक में राशि	**1,644,323.00**	1,644,323.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग	**829,938,927.00**	**516,229,032.00**	**15,322,346.00**	**22,188,476.00**	**926,478.00**	**5,886,169.00**	**12,132,851.00**	**26,692,075.00**	**52,686,431.00**	**26,336,254.00**	**63,698,538.00**	**15,482,709.00**	**64,013,926.00**	**8,343,642.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2023-24 की सामान्य भविष्य निधि का विस्तृत लेखा विवरण

क्र.सं.	नाम	प्रारंभिक शेष	सा.भ.नि. पर 6 प्रतिशत अतिरिक्त योगदान	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	ऋण/निकासी की वापसी	वर्ष के दौरान लिया गया ऋण/अग्रिम	गैर वापसी अंतिम निकासी	स्थानांतरण पर प्राप्त ब्याज	वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	अन्य परिसरों को स्थानांतरण	अंतिम निपटान भुगतान	31.3.2024 को अंतिम शेष
1	श्रीमती नीना आहूजा	17,818	0	-	-	-	-	-	1,265	-	-	**19,083**
2	श्री घनश्याम सिंह	11,086	0	-	-	-	-	-	787	-	-	**11,873**
3	श्री हुकुम सिंह	555	0	-	-	-	-	-	39	-	-	**594**
4	सुश्री रोज़ी लाल	3,956	0	-	-	-	-	-	281	-	-	**4,237**
5	श्री उदेश्वर शर्मा	1,262	0	-	-	-	-	-	90	-	-	**1,352**
6	डॉ. बिनोद कुमार सिंह	205,794	-	-	-	-	-	-	14,611	-	-	**220,405**
7	श्री रामवीर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**-**
8	श्रीमती गंगा शर्मा	901,467	198,000	-	-	-	-	-	49,113	-	1,148,580	**-**
9	श्री अनिल कुमार नौरियाल	2,549,325	499,200	-	-	-	-	-	200,200	-	-	**3,248,725**
10	श्री गोपाल सिंह बिष्ट	4,515,415	120,000	-	-	-	-	-	136,421	-	4,771,836	**-**
11	श्री के.टी. कृष्णाकुमार	359,873	49,704	-	-	-	150,000	-	24,789	-	-	**284,366**
12	श्री बी.के. मौर्या	263,754	401,000	-	62,500	295,000	80,000	-	26,208	-	-	**378,462**
13	श्री राजेश कुमार मिश्रा	2,490,055	360,000	-	-	-	-	-	190,639	-	-	**3,040,694**
14	श्री राजीव धंड	4,456,010	80,000	-	-	-	-	-	160,318	-	4,696,328	**-**
15	श्रीमती उषा तलवार	3,629,362	160,000	-	250,000	-	-	-	229,026	-	4,268,388	**-**
16	श्री सुरेशानंद	2,667,056	420,000	-	-	-	-	-	205,513	-	-	**3,292,569**
17	श्रीमती रामवती	301,618	270,000	-	-	-	150,000	-	23,634	-	-	**445,252**
18	श्री जितेन्द्र कुमार	356,414	240,000	-	71,000	146,000	110,000	-	21,661	-	-	**433,075**
19	श्री रोहताश सिंह	3,253,098	480,000	-	-	-	-	-	249,430	-	-	**3,982,528**
20	डॉ. (श्रीमती) छोटी बाई मीना	5,633,112	499,200	-	-	-	-	-	419,149	-	-	**6,551,461**
21	प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति	7,704,578	480,000	-	400,000	500,000	-	-	546,552	-	-	**8,631,130**
22	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**-**
23	श्रीमती अनीता रानी	3,326,306	420,000	-	-	-	-	-	252,320	-	-	**3,998,626**
24	श्री प्रमोद कुमार पंवार	5,795,770	360,000	-	-	-	2,500,000	-	336,595	-	-	**3,992,365**
25	श्री भगवान दास	1,207,827		-	-	-		-	7,146	-	1,214,973	**-**
26	श्री अनिल कुमार	2,519,766	284,000	-	-	-	-	-	189,636	-	-	**2,993,402**
27	श्री उमेश ठाकुर	530,134	216,000	-	33,600	-	130,000	-	38,778	-	-	**688,512**
28	श्री प्रवीण कुमार राय	5,141,839	140,000	-	-	-	-	-	278,773	-	5,560,612	**-**
29	श्री देवेन्द्र सिंह	521,590	250,000	-	-	-	-	-	46,352	-	-	**817,942**
30	श्री सुखलाल	1,577,878	360,000	-	-	-	750,000	-	99,249	-	-	**1,287,127**
31	श्री लक्ष्मण झा	191,449	180,000	-	-	-	250,000	-	12,232	-	-	**133,681**
32	श्री ब्रह्म प्रकाश	420,449	180,000	-	-	-	500,000	-	27,899	-	-	**128,348**
33	श्रीमती विनीता	2,820,497	420,000	-	-	-	-	-	216,408	-	-	**3,456,905**
34	श्री कृष्ण कुमार	272,796	144,000	-	91,000	256,000	-	-	19,197	-	-	**270,993**
35	डॉ. अनीता शर्मा	7,448,339	500,000	-	-	-	-	-	546,878	-	-	**8,495,217**
36	श्रीमती पापिया दास	2,479,288	480,000	-	-	-	200,000	-	181,473	-	-	**2,940,761**

AA page No. 54

क्र.सं.	नाम	प्रारंभिक शेष	सा.भ.नि. पर 6 प्रतिशत अतिरिक्त योगदान	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	ऋण/निकासी की वापसी	वर्ष के दौरान लिया गया ऋण/अग्रिम	गैर वापसी अंतिम निकासी	स्थानांतरण पर प्राप्त ब्याज	वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	अन्य परिसरों को स्थानांतरण	अंतिम निपटान भुगतान	31.3.2024 को अंतिम शेष
37	श्री रामनिवास	1,009,256	264,000	-	66,660	-	860,000	-	43,667	-	-	**523,583**
38	श्रीमती संगीता	4,052,220	385,000	-	-	-	500,000	-	284,661	-	-	**4,221,881**
39	श्री दिनेश कुमार	975,903	223,000	-	-	-	700,000	-	45,285	-	-	**544,188**
40	डॉ. रतन मोहन झा	6,893,225	499,200	-	-	-	2,500,000	-	479,034	-	-	**5,371,459**
41	श्री लोकेश कुमार गुप्ता	2,030,402	408,000	-	-	-	-	-	161,980	-	-	**2,600,382**
42	श्री सुमन लाल शर्मा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**-**
43	डॉ. अजय कुमार मिश्रा	3,967,319	499,200	-	-	-	-	-	300,878	-	-	**4,767,397**
44	प्रो. रंजीत कुमार बर्मन	14,359,414	500,000	-	-	-	-	-	609,511	-	15,468,925	**-**
45	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**-**
46	प्रो. बनमाली बिश्वाल	7,830,833	300,000						567,527			**8,698,360**
47	डॉ. जगन्नाथ झा	876,029	120,000						66,813			**1,062,842**
48	प्रो. मदन मोहन झा	7,294,298	508,024						537,184			**8,339,506**
49	श्री रामजीलाल मीना	2,402,546	174,000		150,000				185,704			**2,912,250**
50	श्री नवनीत चतुर्वेदी	1,409,853	60,000						102,407			**1,572,260**
51	श्री प्यारेलाल	1,784,730	180,000		24,000				134,561			**2,123,291**
52	श्री शंकर जय किशन	366,593	60,000						28,336			**454,929**
53	श्री काशीनाथ द्विवेदी	66,351	60,000		60,000				9,296			**195,647**
54	श्री दीबी प्रसाद महापात्रा	4,327,279	418,000						323,247			**5,068,526**
55	श्री अनुपमा पुरुस्थी	1,717,050	240,000						131,141			**2,088,191**
56	श्री बरुन्दाबन पात्रा	5,197,508	240,000				2,000,000		182,825		3,620,333	**-**
57	श्री रमाकान्त मिश्र	815,686	180,000						64,836			**1,060,522**
58	श्री धर्मेन्द्र कुमार	2,797,674	500,000						217,391			**3,515,065**
59	श्री चौधरी मदन मोहन पटनायक	299,790	120,000		168,000		100,000		29,994			**517,784**
60	श्री कान्ता नारायण दास	245,088	36,000		144,000		150,000		14,561			**289,649**
61	बसन्ती नायक	722,573	72,000		162,000		300,000		41,629			**698,202**
62	राधामणि देई	1,376,267	12,000		21,000				25,014		1,434,281	**-**
63	सन्तोष कुमार मोहन्ती	447,964	132,000		88,800		250,000		24,026			**442,790**
64	निर्मला पाणिग्रही	6,484,354	360,000						474,234			**7,318,588**
65	प्रो. अतुल कुमार नन्दा	867,661	340,000		160,000		1,000,000		32,967			**400,628**
66	विजय पाल कच्छवाह	1,251,604	404,000		96,000	384,000			89,444			**1,457,048**
67	उदय नाथ झा	3,380,988	420,000		50,000				261,528			**4,112,516**
68	किशोरी कुमार दलाई	1,905,355	180,000		240,000				151,433			**2,476,788**
69	गुरुप्रिय दाश	8,280,968	300,000		80,000				604,456			**9,265,424**
70	के.वी. सोमयाजुलु	4,174,955	360,000		30,000				288,582		4,853,537	**-**
71	सुरेन्द्र महापात्रा	2,553,424	295,000						192,476			**3,040,900**
72	मीनति रथ	11,223,826	500,000						815,647			**12,539,473**
73	खगेश्वर मिश्रा	4,958,722							-	-	4,955,741	**2,981**
74	राधामणि प्रतिहारी	2,680,985							15,862		2,696,847	**-**

क्र.सं.	नाम	प्रारंभिक शेष	सा.भ.नि. पर 6 प्रतिशत अतिरिक्त योगदान	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	ऋण/निकासी की वापसी	वर्ष के दौरान लिया गया ऋण/अग्रिम	गैर वापसी अंतिम निकासी	स्थानांतरण पर प्राप्त ब्याज	वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	अन्य परिसरों को स्थानांतरण	अंतिम निपटान भुगतान	31.3.2024 को अंतिम शेष
75	दुर्गा प्रसाद	6,410,728							75,860		6,486,588	**-**
76	आर.सी. होता	1,750							124			**1,874**
77	एस.सी. दाश	6,446							458			**6,904**
78	आर.एल. यादव	1,373							97			**1,470**
79	डी.बी. पूजापाण्डा	3,491							248			**3,739**
80	आर.आर. मिश्रा	13,076							928			**14,004**
81	ललित कुमार साहू	11,257,514	500,000						818,039			**12,575,553**
82	रामदास शर्मा	1,380,615	480,000						116,484			**1,977,099**
83	चन्द्रमणि शर्मा	1,467,382	200,000		75,000				116,387			**1,858,769**
84	हर्षिव कुमार मीणा	1,898,897	135,000				1,600,000		36,013			**469,910**
85	बिशन दास	2,996,320	420,000		216,000				237,198			**3,869,518**
86	बोधराज	421,911	120,000						34,571			**576,482**
87	राज मोहन	589,871	120,000		91,500				50,015			**851,386**
88	सुनन्दा शर्मा	2,000,763							142,054			**2,142,817**
89	ईश्वर दाश	249,707							17,729			**267,436**
90	श्रीधर मिश्रा	661,839	500,000		848,000				102,240			**2,112,079**
91	रामरूप	8,603,443	480,000						629,304			**9,712,747**
92	ललित कुमार त्रिपाठी	415,572	240,000		180,000		300,000		29,683			**565,255**
93	आनन्द कुमार	224,204	120,000				170,000		12,368			**186,572**
94	विजय कुमार मिश्रा	154,944	142,000				100,000		10,480			**207,424**
95	राम भवन	884,227	105,000		10,000				51,316		1,050,543	**-**
96	रमेश चन्द्र	956,503	420,000		46,800				85,630			**1,508,933**
97	सुरेश पाण्डेय	727,606	240,000						60,890			**1,028,496**
98	मैय्या दीन भारतीय	-25,920										**-25,920**
99	जनार्दन प्रसाद पाण्डेय	-	537,049	-					22,243			**559,292**
100	ई.एम. राजन	3,270,654	300,000						243,754			**3,814,408**
101	आर. प्रतिभा	1,322,751	168,000						100,376			**1,591,127**
102	के.ए. जेस्सी	1,685,459	300,000		5,000				131,560			**2,122,019**
103	के.ई. मधुसूदन	3,325,343	240,000						245,329			**3,810,672**
104	के.के. हर्षकुमार	2,335,249	420,000		226,416		2,500,000		136,774			**618,439**
105	शान्ता वी.एस.	391,343	16,000		43,000				12,474		462,817	**-**
106	के.एम. रवीन्द्रन	341,968	60,000		78,120				30,747			**510,835**
107	पी.पी. मैरीदाश	1,297,874	240,000		75,000	150,000			94,057			**1,556,931**
108	टी.एन. सजीवन	14,818							1,052			**15,870**
109	गोविन्दा पाण्डेय	2,063,093	240,000						155,710			**2,458,803**
110	सुदेश कुमार शर्मा	9,098,567	498,000		900,000	2,000,000	5,500,000		369,317			**3,365,884**
111	फतेह सिंह	5,092,489	332,000						314,074		5,738,563	**-**
112	श्रेयांश कुमार सिंघई	3,318,298	124,500						101,113		3,543,911	**-**

AA page No. 56

क्र.सं.	नाम	प्रारंभिक शेष	सा.भ.नि. पर 6 प्रतिशत अतिरिक्त योगदान	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	ऋण/निकासी की वापसी	वर्ष के दौरान लिया गया ऋण/अग्रिम	गैर वापसी अंतिम निकासी	स्थानांतरण पर प्राप्त ब्याज	वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	अन्य परिसरों को स्थानांतरण	अंतिम निपटान भुगतान	31.3.2024 को अंतिम शेष
113	शिवकान्त झा	1,588,023	220,000		525,000				149,818			**2,482,841**
114	रामकुमार शर्मा	4,262,693	360,000		360,000		2,000,000		247,508			**3,230,201**
115	ईश्वर भट्ट	8,995,232	492,000						657,583			**10,144,815**
116	कमल चन्द्र योगी	1,650,178	28,000						49,563		1,727,741	**-**
117	वाई.एस. रमेश	4,725,428	480,000		605,000				379,022			**6,189,450**
118	सुभाष्मिया मिश्रा	2,472,872	240,000						184,804			**2,897,676**
119	बत्ती लाल मीणा	1,767,320	260,000						134,532			**2,161,852**
120	दरियाव सिंह	6,030,439	240,000						437,391			**6,707,830**
121	गिरधर गोपाल पोपली	600,096	130,000		200,000				55,623			**985,719**
122	रमेश्वर दयाल शर्मा	625,047	128,000						41,905		794,952	**-**
123	राजेश कमार शर्मा	58,973	36,000		44,000	79,000			5,205			**65,178**
124	जसवन्त कुमार	995,977	138,000		251,420	200,000			80,772			**1,266,169**
125	सुरेश प्रकाश सिंह	4,776,928	480,000						357,622			**5,614,550**
126	सर्व नारायण झा	5,216,457	480,000						388,828			**6,085,285**
127	देवी प्रसाद द्विवेदी	7,115,769	480,000						523,680			**8,119,449**
128	भारत भूषण त्रिपाठी	1,780,508	400,000		40,000		700,000		138,486			**1,658,994**
129	कविता बिसारिया	6,980,061	240,000						504,814			**7,724,875**
130	लोकमान्य मिश्र	4,691,062	480,000						351,525			**5,522,587**
131	गुरु प्रसाद	662,104	410,000		70,000				65,469			**1,207,573**
132	सहज राम	2,213,549	300,000						168,699			**2,682,248**
133	रामबदन राम	1,273,218	265,000		150,000	150,000			96,433			**1,634,651**
134	मुकेश कुमार	2,943,133	360,000				2,000,000		116,307			**1,419,440**
135	गोपाल किशोर महरोत्रा	1,222,265	360,000						100,626			**1,682,891**
136	कन्हैया लाल सैनी	174,912	45,000		55,000		200,000		14,815			**89,727**
137	रजनीकान्त चतुर्वेदी	717,386	88,500						54,138			**860,024**
138	एस.के. पाण्डेय	5,866,570	80,000						421,970			**6,368,540**
139	बच्चा भारती	9,984,620	320,000						603,063		10,907,683	**-**
140	अवनीश अग्रवाल	4,934,616	480,000						368,818			**5,783,434**
141	डी.के. झा	7,484,334	480,000		25,000	500,000			541,121			**8,030,455**
142	राम बहादुर दूबे	891,373	240,000		25,000		900,000		36,722			**293,095**
143	मदन मोहन पाठक	1,605,044	240,000						123,188			**1,968,232**
144	सी.एस.एस.एन. मूर्ति	2,995,748	420,000						228,851			**3,644,599**
145	सुब्रय वी. भट्ट	3,599,481	360,000						269,408			**4,228,889**
146	चन्द्रकान्त	1,892,464	480,000		15,000				153,801			**2,541,265**
147	रामचन्द्रुलु बालाजी	1,448,335	480,000						121,292			**2,049,627**
148	के. वेंकटेश मूर्ति	308,254	69,000		24,000				25,452			**426,706**
149	गुरुराजा भट्ट	213,644	33,500		24,000				17,328			**288,472**
150	दिनेश एस.	134,540	117,000		55,320	176,780			10,476			**140,556**

क्र.सं.	नाम	प्रारंभिक शेष	सा.भ.नि. पर 6 प्रतिशत अतिरिक्त योगदान	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	ऋण/निकासी की वापसी	वर्ष के दौरान लिया गया ऋण/अग्रिम	गैर वापसी अंतिम निकासी	स्थानांतरण पर प्राप्त ब्याज	वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	अन्य परिसरों को स्थानांतरण	अंतिम निपटान भुगतान	31.3.2024 को अंतिम शेष
151	एच. कुमार	357,251	105,000		42,500	171,000			28,589			**362,340**
152	एस. शिवन्ना सौम्या	251,681	240,000		36,000				28,484			**556,165**
153	सिद्धम्मा	156,016	105,000						14,805			**275,821**
154	हंसधर झा	3,597,865	240,000						264,678			**4,102,543**
155	अनुराधा	4,090,521	60,000						292,734			**4,443,255**
156	अन्जू गोस्वामी	1,832,531	180,000		10,000				137,742			**2,160,273**
157	अनिल कुमार	3,148,833	300,000						235,105			**3,683,938**
158	रतन चन्द्र	773,195	150,000				300,000		57,116			**680,311**
159	सत्यम कुमारी	4,433,090	480,000						333,209			**5,246,299**
160	सनन्दन कुमार त्रिपाठी	1,268,227	180,000		12,500		1,000,000		80,104			**540,831**
161	रमाकान्त पाण्डेय	2,502,211	364,000						190,141			**3,056,352**
162	नागेन्द्रनाथ झा	890,606							18,274		908,880	**-**
163	नरेश कुमार पाण्डेय	3,846,371	360,000						286,937			**4,493,308**
164	अशोक कुमार कच्छवाह	2,450,345	435,000						190,304			**3,075,649**
165	अर्चना दूबे	1,897,703	300,000						146,274			**2,343,977**
166	संजय कुमार मिश्रा	1,248,737	300,000						100,198			**1,648,935**
167	कैलाश चन्द्र दाश	4,044,059	480,000						305,588			**4,829,647**
168	भारत भूषण मिश्रा	6,936,209	480,000						510,931			**7,927,140**
169	बोध कुमार झा	3,170,500	300,000						236,495			**3,706,995**
170	लक्ष्मी निवास पाण्डेय	4,023,131	500,000						312,267			**4,835,398**
171	नवीन कुमार गुप्ता	343,003							16,936		359,939	**-**
172	के.के. शाइन	1,195,944	240,000		309,980	349,360			93,365			**1,489,929**
173	विजयपाल शास्त्री	901,842	140,000						69,320			**1,111,162**
174	विजय नेत्रीवाल	161,222	120,000		160,500	309,000			8,971			**141,693**
175	पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम	1,805,481	180,000						135,112			**2,120,593**
176	प्रभात कुमार मोहापात्रा	949,323	240,000		761,655	714,990			75,060			**1,311,048**
	योग	**440,638,947**	**42,657,077**	**-**	**9,045,271**	**6,381,130**	**30,450,000**	**-**	**29,272,892**	**-**	**86,671,998**	**398,111,059**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2024 को एन.पी.एस. का समेकित तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

देनदारियां				सम्पत्तियां			
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	कैपिटल निधि			1.	सावधि जमा		
i)	आदि शेष	428819.00	234878.00	i)	वर्तमान परिसम्पत्तियां	-	-
ii)	जोड़ा–अंशदान+योगदान+अन्य परिसरों से स्थानान्तरित सा.भ.नि. अग्रिम और अन्य प्राप्तियां	113541862.00	102040917.00	2	बैंक में रोकड़	7595798.00	428819.00
iii)	जोड़ा – पूर्व वर्ष त्रुटियां	-	-				
iv)	घटाया – एन.एस.डी.एल. को भुगतान एवं अन्य परिसरों को राशि का स्थानान्तरण (–)	106482929.00	101863515.00				
v)	घटाया – पूर्व अवधि समायोजन	-	-				
vi)	घटाया – 31.03.2020 को देनदारियां एवं जमा – सा.भ.नि. में अंतर का समायोजन (2018–19)	-	-				
viii)	आय से अधिक व्यय	108046.00	16539.00				
	कुल योग	**7,595,798.00**	**428819.00**		**कुल योग**	**7,595,798.00**	**428819.00**

स्थान – नई दिल्ली

दिनांक – 18 जून, 2024

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2023-24 हेतु नई पेंशन योजना का समेकित तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

व्यय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	आय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	राशि	राशि	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	राशि	राशि
1	मुख्य खाते में समायोजित ब्याज	0.00	0.00		**अर्जित ब्याज**		
2	बैंक संग्रह प्रभार	958.00	883.00	1	सा.भ.नि. पर ब्याज	0.00	0.00
3	अंशदायी को अधिक रकम की वापसी	0.00	0.00	2	बचत खाते पर ब्याज	109004.00	17422.00
	आय से अधिक व्यय	**108046.00**	**16539.00**				
	कुल योग	**109004.00**	**17422.00**		**कुल योग**	**109004.00**	**17422.00**

स्थान - नई दिल्ली

दिनांक - 18 जून, 2024

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
वित्त अधिकारी

AA page No. 50

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2023-24 का नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ | भुगतान | (राशि ₹ में)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	**नगद शेष**			1	सावधि जमा क्रय	0.00	0.00
				2	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	0.00	0.00
i)	आदि शेष	428819.00	234878.00	3	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज	0.00	0.00
ii)	कर्मचारी अंशदान	45051865.00	42928226.00	4	बैंक प्रभार	958.00	883.00
iii)	विश्वविद्यालय का योगदान	68489997.00	58544973.00	5	अन्तिम भुगतान	0.00	0.00
iv)	परिसरों से नई पेंशन योजन पर ब्याज	0.00	0.00	6	परिसरीय खातों में स्थानान्तरण F/W	0.00	0.00
v)	बचत खाते पर ब्याज	109004.00	17422.00	7	अंशदायी को अधिक राशि की वापसी	0.00	0.00
vi)	पूर्व शेष	0.00	21133.00	8	मुख्य खाते में अतिरिक्त राशि स्थानांतरण	0.00	0
vii)	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	0.00	546585.00	9	नई पेंशन न्यास निधि लेखा	106482929.00	101863515.00
viii)	सावधि जमा की परिपक्वता	0.00	0.00	10	**बैंक में शेष**	7595798.00	428819.00
ix)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	0.00	0.00				
x)	ब्याज पर अन्तर	0.00	0.00				
xi)	अन्य प्राप्तियाँ	0.00					
xii)	पूर्व त्रुटि	0.00	0.00				
	कुल योग	**114079685.00**	**102293217.00**		**कुल योग**	**114079685.00**	**102293217.00**

स्थान - नई दिल्ली

दिनांक - 18 जून, 2024

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2023-24 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ (राशि ₹ में)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	एकलव्य	शृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	देवप्रयाग	योग
i)	आदि शेष	202086.00	97748.00	86443.00	0.00	10349.00	0.00	0.00	0.00	11060.00	0.00	0.00	21133.00	0.00	**428819.00**
ii)	कर्मचारी अंशदान	42751364.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2300501.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**45051865.00**
iii)	विश्वविद्यालय/परिसर का अंशदान	61141385.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7348612.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**68489997.00**
iv)	परिसरों से नई पे.यो. पर ब्याज		0.00				0.00								**0.00**
v)	पूर्व शेष												0.00		**0.00**
v)	बचत खाते से प्राप्त ब्याज	105840.00	2723.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	441.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**109004.00**
vi)	अन्य परिसरों के प्राप्त राशि								0.00						**0.00**
vii)	सावधि जमा परिपक्व														**0.00**
viii)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज														**0.00**
ix)	ब्याज का अन्तर														**0.00**
x)	अन्य प्राप्तियाँ														**0.00**
xi)	पूर्व त्रुटि														**0.00**
	कुल योग	**104200675.00**	**100471.00**	**86443.00**	**0.00**	**10349.00**	**0.00**	**0.00**	**9649113.00**	**11501.00**	**0.00**	**0.00**	**21133.00**	**0.00**	**114079685.00**
	भुगतान														
i)	सावधि जमा क्रय														**0.00**
ii)	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि														**0.00**
iii)	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज														**0.00**
iv)	बैंक प्रभार	958.00								0.00					**958.00**
v)	अन्तिम भुगतान														**0.00**
vi)	परिसरीय खातों में स्थानानन्तरण F/W														**0.00**
vii)	मुख्य खाते में अधिक राशि की वापसी														**0.00**
viii)	अंशदायी से अधिक राशि की वापसी														**0.00**
ix)	नई पेंशन योजना न्यास निधि लेखा	106482929.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**106482929.00**
	बैंक में शेष	7365901.00	100471.00	86443.00	0.00	10349.00	0.00	0.00	**0.00**	11501.00	0.00	0.00	21133.00	0.00	**7595798.00**
	कुल योग	**113849788.00**	**100471.00**	**86443.00**	**0.00**	**10349.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**11501.00**	**0.00**	**0.00**	**21133.00**	**0.00**	**114079685.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की 31 मार्च 2024 तक वित्तीय वर्ष के लिए भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का पृथक् लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

1. हमने 31 मार्च 2024 वित्तीय वर्ष के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू) के संलग्न बैलेंस शीट, आय और व्यय खाता तथा प्राप्तियां एवं भुगतान खाता का ऑडिट नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम की धारा 19(2) और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2020 की धारा 32(1) के तहत किया है। इन वित्तीय विवरणों के लिए सीएसयू प्रबंधन उत्तरदायी है। वित्तीय विवरणों में के.सं.वि. के 12 परिसरों और मुख्यालय के खाते शामिल हैं। इनमें से दो इकाइयों के खातों का लेखा-परीक्षा की गई और प्रतिवेदन के लिए स्वीकृत किया गया। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों के आधार पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. यह लेखा-परीक्षा, केवल सर्वोत्तम लेखा पद्धतियों, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के साथ संगतता के संदर्भ में लेखा उपचार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां शामिल करती है। विधि, नियमों और विनियमों (विधिकता और नियमितता) तथा दक्षतापूर्ण प्रदर्शन आदि के संदर्भ में वित्तीय लेन-देन पर लेखा-परीक्षा टिप्पणियां, यदि कोई हो, उनका अलग से निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखा-परीक्षा के माध्यम से पृथक्तया की जाती हैं।

3. हमने अपनी लेखा-परीक्षा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा-परीक्षा मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों की मांग है कि हम यह योजना बनाएं और ऑडिट करें ताकि यह उचित आश्वासन प्राप्त किया जा सके कि वित्तीय विवरणों में कोई भौतिक गलतियाँ नहीं हैं। लेखा-परीक्षा में नमूना के आधार पर वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित राशियों और प्रकटीकरणों के साक्ष्य की जांच करना शामिल है। लेखा-परीक्षा में प्रबंधन द्वारा उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और महत्वपूर्ण अनुमानों का मूल्यांकन करना और वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारी लेखा-परीक्षा अपनी राय के लिए उचित आधार प्रदान करता है।

4. हम लेखा-परीक्षा के आधार पर अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं:

   (i) हमने वह सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं जो हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार लेखा-परीक्षा के उद्देश्य से आवश्यक थे।

   (ii) इस प्रतिवेदन में उल्लिखित वित्तीय लेखांकन (बैलेंस शीट), आय और व्यय खाता तथा प्राप्तियां एवं भुगतान खाता शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आदेश संख्या 29-4/2012-FD दिनांक 17 अप्रैल 2015 के तहत निर्धारित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

   (iii) हमारे विचार में, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा उचित लेखा पुस्तकों और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों का रखरखाव किया गया है, जैसा कि हमारे द्वारा इन पुस्तकों की जांच से प्रकट होता है।

   (iv) हम आगे प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं:

अ. (वित्तीय स्थिति विवरण) बैलेंस शीट

अ.1 (निधि का स्रोत) फंड का स्रोत

अ.1.1 कोष/पूंजी निधि (अनुसूची 1)- रु. (-) 72.65 करोड़

शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार, पूंजी व्यय के लिए सरकार से प्राप्त अनुदानों को, उपयोग की गई सीमा तक, कोष/पूंजी निधि में जोड़ा जाना चाहिए। अप्रयुक्त अनुदान (ऐसे अनुदानों से दिए गए अग्रिम सहित) को आगे ले जाया जाता है और वित्तीय स्थिति विवरण (बैलेंस शीट) में देयता के रूप में प्रदर्शित किया जाता है। उपरोक्त अनुसूची में के.सं.वि. पुरी परिसर के संदर्भ में सीपीडब्ल्यूडी भुवनेश्वर के पास 31 मार्च 2024 तक बकाया राशि 28.63 करोड़ रुपये के अप्रयुक्त अग्रिम शामिल हैं, जबकि इसे वर्तमान देयताएं और प्रावधान-अप्रयुक्त सहायता अनुदान के तहत दिखाया जाना चाहिए था। इसके परिणामस्वरूप पूंजी फंड की अधिकता और वर्तमान देयताएं और प्रावधान की 28.63 करोड़ रुपये की कमी हुई।

अ.1.2 चिह्नित/स्थापना कोष (अनुसूची 2) - रु. 8.69 करोड़

इसमें लाइब्रेरी और हॉस्टल की जमानत राशि का समापन शेष रु. 1.15 करोड़ शामिल है, जिसे 'छात्रों से जमा राशि' के रूप में वर्तमान देयताओं (अनुसूची-3) में दिखाया जाना चाहिए था क्योंकि यह छात्रों को वापस करने योग्य है। इसके कारण चिह्नित/स्थापना कोष की 1.15 करोड़ रुपये की अधिकता और वर्तमान देयताओं के तुल्य राशि की कमी हुई।

अ.2 परिसंपत्तियां

अ.2.1 स्थायी परिसंपत्तियां (अनुसूची 4)- रु. 500 करोड़

जनवरी-मार्च 2024 के दौरान के.सं.वि. पुरी परिसर द्वारा प्रशासनिक और शैक्षणिक भवन आदि के निर्माण कार्य के लिए सीपीडब्ल्यूडी को 28.84 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि दी गयी थी, जिसमें से 20.94 लाख रुपये का व्यय हुआ और शेष 28.63 करोड़ रुपये संस्था के पास अप्रयुक्त रहे। तदनुसार, 20.94 लाख रुपये को 'पूंजीगत निर्माण प्रगति में' (CWIP) निकास किया जाना चाहिए था और शेष राशि 28.63 करोड़ रुपये को 'ऋण, अग्रिम और जमा' के अंतर्गत दर्शाया जाना चाहिए था, जब तक सीपीडब्ल्यूडी से उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त न हो। लेकिन, पूरी राशि 28.84 करोड़ रुपये को CWIP से निकास किया गया, जिससे CWIP की अधिकता और ऋण, अग्रिम और जमा की राशि 28.63 करोड़ रुपये की कमी हुई।

आ. सामान्य

31 मार्च 2024 को सीपीडब्ल्यूडी द्वारा जारी फॉर्म-65 के अनुसार, के.सं.वि. भोपाल परिसर के संदर्भ में सीपीडब्ल्यूडी की कुल बकाया अग्रिम राशि 1.62 करोड़ रुपये (भोपाल सेंट्रल डिवीजन-1: 90,72,765 रुपये + भोपाल सेंट्रल इलेक्ट्रिकल डिवीजन: 71,46,629 रुपये) थी, जबकि सीएसयू भोपाल परिसर के वार्षिक खातों में यह बकाया अग्रिम राशि नहीं दिखाई गई। इसे लेखा-परीक्षा के लिए स्पष्ट और समायोजित नहीं किया गया है।

इ. सहायता अनुदान

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को 2023-24 के दौरान कुल 365.79 करोड़ रुपये (गैर-एनईआर: 350.29 करोड़ रुपये और एनईआर: 15.50 करोड़ रुपये) का अनुदान प्राप्त हुआ, और 0.86 करोड़ रुपये का प्रारंभिक शेष था। कुल 366.65 करोड़ रुपये के फंड में से 2.54 करोड़ रुपये (गैर-एनईआर: 0.0367 करोड़ रुपये और एनईआर: 2.51 करोड़ रुपये) व्यय हो गए। 364.10 करोड़ रुपये का उपयोग हुआ और 0.0067 करोड़ रुपये (गैर-एनईआर: 0.0067 करोड़ रुपये और एनईआर: शून्य) का अप्रयुक्त शेष रहा।

ई. प्रबंधन पत्र

लेखा परीक्षा में शामिल नहीं की गई कमियों को उपचारात्मक/संशोधनात्मक कार्रवाई के लिए अलग से एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से सीएसयू के कुलपति को सूचित किया गया है।

v. उपरोक्त टिप्पणियों के तहत, हम प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं कि वित्तीय स्थिति विवरण (बैलेंस शीट), आय और व्यय खाता और प्राप्तियां एवं भुगतान खाता लेखा पुस्तकों के साथ अनुरूप हैं।

vi. हमारी राय और उपलब्ध जानकारी के अनुसार, लेखांकन नीतियों और टिप्पणियों सहित, और ऊपर उल्लिखित महत्त्वपूर्ण मुद्दों तथा अन्य मामलों के अधीन, ये वित्तीय विवरण भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुरूप हैं:

(क) बैलेंस शीट के संदर्भ में, 31 मार्च 2024 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थिति को दर्शाते हैं; और

(ख) और जहां तक यह आय और व्यय खाते से संबंधित है, उस तिथि को समाप्ति वर्ष के घाटे को दर्शाता है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से

स्थान : नई दिल्ली

महानिदेशक, ऑडिट

दिनांक : 15.10.24

(केन्द्रीय व्यय)

ऑडिट रिपोर्ट का परिशिष्ट

1. आंतरिक लेखा-परीक्षा प्रणाली की उपयुक्तता
   - सीएसयू में कोई आंतरिक लेखा-परीक्षा प्रकोष्ठ नहीं है। हालांकि, विश्वविद्यालय और उसके परिसरों के अधिकारियों तथा नियुक्त सलाहकारों की एक टीम द्वारा लेखा-परीक्षा की जाती है।
   - के.सं.वि. (मुख्यालय) का आंतरिक लेखा-परीक्षा केवल 2018-19 तक ही की गई है।
   - 12 निर्धारित परिसरों में से, 2023-24 के दौरान 06 परिसरों का आंतरिक लेखा-परीक्षा किया गया है।
   - कोई आंतरिक लेखा-परीक्षा नियमावली नहीं है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता

   के.सं.वि. मुख्यालय की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता है क्योंकि 31.03.2024 तक के.सं.वि. मुख्यालय के 21 ऑडिट पैराग्राफ लंबित थे।

3. परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली
   - के.सं.वि. मुख्यालय की स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन 31.03.2024 तक किया गया है।
   - के.सं.वि.मुख्यालय की पुस्तकालय पुस्तकों का भौतिक सत्यापन 2023-24 तक किया गया है।

4. वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

   के.सं.वि. मुख्यालय की स्टेशनरी और उपभोग्य सामग्रियों जैसी वस्तुओं का भौतिक सत्यापन 31.03.2024 तक किया गया है।

5. बकाया भुगतान की नियमितता

   खातों के अनुसार, 31.03.2024 तक किसी भी वैधानिक बकाया राशि का भुगतान छह महीने से अधिक समय तक लंबित नहीं था।

नोटः 'प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'

देश के विभिन्न प्रदेशों में
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर

गैर्वाण्या गरिमाणमुन्नतपदं विश्वे विधातुं दृढं
कर्तुं विश्वगुरुं च भारतभुवं वेदाद्यया विद्यया।
प्राज्या स्यात् क्षमता यथा सुमहितं संवर्धनं स्वं तथा
केन्द्रीयो लषतीह संस्कृतपरः सद्विश्वविद्यालयः॥